राष्ट्रीय संस्करण

Join @NewspapersToday

जडेजा के जादू के बाद शमी ने बरपाया कहर >>14

वर्ष 3 अंक 119

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 7 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

टूटी न झुकी, पापा की अफसर बिटिया

कठुआ : जम्मू के सांबा जिले की प्रियंका ने वह कर दिखाया जो बेटों से उम्मीद की जाती है। पिता के असमय निधन के बाद बने मुश्किल हालात में उन्होंने न केवल परिवार को संभाला, बल्कि पुलिस अधिकारी बनने का पिता का सपना भी पूरा किया। आज वह कठुआ में जम्मू कश्मीर पुलिस में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

अंधविश्वास के खिलाफ खड़ा दृढ़ विश्वास

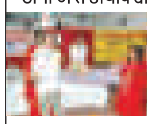

कोलकाता : भारत में तंत्र-मंत्र और जादू-टोना जैसे अंधविश्वास आज भी प्रचलित हैं। इन तमाम कुरीतियों के खिलाफ एक शख्स ने पिछले 50 वर्षों से मुहिम छेड़ रखी है और आज 74 साल की उम्र में भी वह लोगों को अंधविश्वास के खिलाफ जागरूक कर रहे हैं। (पेज-11)

स्कूलों में खत्म होगा फर्जीवाड़ा

बड़ा कदम ▶ सभी सरकारी व निजी स्कूलों की होगी जियो टैगिंग, सर्वे शुरू

स्कूलों के बुनियादी ढांचे से लेकर शिक्षकों तक की जानकारी होगी सार्वजनिक

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

देश के स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती से लेकर छात्रों की संख्या और बुनियादी ढांचे को लेकर होने वाला फर्जीवाड़ा अब पूरी तरह से बंद होगा। लाखों स्कूलों से जुड़ी ऐसी प्रत्येक जानकारी ऑनलाइन होगी। साथ ही कौन-सा विद्यालय कहां मौजूद है, यह भी जियो टैगिंग के जरिए देखा जा सकेगा। इस पर काम शुरू हो गया है। अगले छह माह के भीतर यह सब कुछ ऑनलाइन होगा। खास बात यह है कि इनमें निजी और सरकारी दोनों ही स्कूल शामिल होंगे।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने फिलहाल स्कूलों को लेकर यह पूरी कवायद उस समय शुरू की है, जब स्कूलों की ओर से गलत जानकारी देकर वित्तीय मदद लेने की शिकायतें तेज हुई हैं। इनमें सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल भी काफी तादाद में हैं। हालांकि इनकी संख्या कुल स्कूलों की संख्या का पांच फीसद ही है। बावजूद इसके मंत्रालय के पास जो रिपोर्ट है, उसके मुताबिक इन स्कूलों के पास न तो इंफ्रास्ट्रक्चर है और न ही पर्याप्त शिक्षक हैं। ऐसी स्थिति बड़ी संख्या में निजी स्कूलों की भी है, जो एक या दो कमरे में संचालित होते हैं। सरकारी स्कूलों को लेकर भी सरकार की स्थिति असहज है। बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जो एक या दो शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। उनमें बुनियादी ढांचे की भी कमी है। यह स्थिति तब है जब राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक और छात्रों के बीच का अनुपात (23 -24 छात्र पर एक शिक्षक) काफी बेहतर है । मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्कूली शिक्षा सचिव रीना रे के मुताबिक, स्कूलों से जुड़ी गड़बड़ियों को रोकने के लिए वह देश भर के स्कूलों का जीआइएस (जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम) सर्वे करा रही हैं। इसके तहत प्रत्येक स्कूल (निजी और सरकारी दोनों) की जियो टैगिंग होगी। इसके साथ स्कूलों से जुड़ी प्रत्येक जानकारी भी देखी जा सकेगी। पूरी प्रक्रिया के तहत स्कूलों से ही जानकारी मांगी जा रही है। बाद में इसका थर्ड पार्टी वेरीफिकेशन भी होगा। इसके बाद भी आम लोगों से भी सुझाव लिए जाएंगे। यदि कहीं कोई गड़बड़ी या गलत जानकारी दी गई है, तो शिकायत पर तुरंत इसकी जांच भी होगी।

2.47 लाख स्कूल शहरी क्षेत्रों में हैं

13.12 लाख स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में हैं

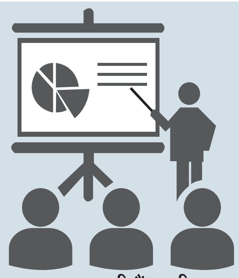

70 फीसद से ज्यादा स्कूल सरकारी हैं। करीब 5 .4 फीसद स्कूल सरकारी सहायता प्राप्त हैं।

क्या है जियो टैगिंग?

जियो टैगिंग वह अतिरिक्त भौगोलिक सूचना है जिससे आमतौर पर नक्शे में किसी स्थान की प्रामाणिक जानकारियां निर्दिष्ट अंक्षाशों और देशांतर पर चिन्हित करके दी जाती हैं। जियो टैगिंग फोटो और वीडियो की भी होती है। आजकल उत्पादों की भी जियो टैगिंग करने पर विचार हो रहा है। सूचनाओं का ब्योरा कंप्यूटर सिस्टम से लेकर स्मार्ट फोन आदि उपकरणों पर देखा जा सकता है।

नई शिक्षा नीति पर अमल को कई राज्यों ने मांगी अतिरिक्त वित्तीय मदद पेज>>3

मुंबई में पेड़ों की कटाई पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

- प्रधान न्यायाधीश को मिले पत्र के आधार पर विशेष पीठ गठित
- बांबे हाई कोर्ट ने पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने से किया था इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र : मुंबई में मेट्रो के कारशेड बनाने के लिए आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई के मसले पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने रविवार को सुनवाई के लिए विशेष पीठ का गठन भी कर दिया।

रिषभ रंजन नामक सामाजिक कार्यकर्ता ने पेड़ों की कटाई के विरोध में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई को पत्र भेजा था। शीर्ष अदालत ने उस पत्र को ही जनहित याचिका के रूप में बदलते हुए उस पर सुनवाई करने का फैसला किया और उसी के आधार पर विशेष पीठ भी गठित कर दी।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर आपात सुनवाई को लेकर नोटिस पोस्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि पेड़ों की कटाई के संदर्भ में रिषभ रंजन द्वारा छह अक्टूबर को भेजे गए पत्र के आधार पर गठित विशेष पीठ सात अक्टूबर को सुबह 10 बजे इस मामले पर सुनवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि बांबे हाई कोर्ट ने पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए दायर चार याचिकाओं को शुक्रवार को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने शनिवार को भी पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था। इस फैसले के तुरंत बाद आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई शुरू हो गयी थी। पर्यावरण प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट फाइल फोटो

आरे में घुसने से पहले ही हिरासत में लिए गए प्रकाश आंबेडकर पेज>>3

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना सोनिया और मनमोहन से मिलीं

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता आनंद शर्मा और प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

मीटियोर और स्काल्प जैसी मिसाइलों से लैस होंगे राफेल

पेरिस : यूरोपीय मिसाइल निर्माता एमबीडीए ने एलान किया है कि भारत के लिए खास तौर पर तैयार किए गए अत्याधुनिक 36 राफेल विमान मीटियोर और स्काल्प जैसी अत्याधुनिक मिसाइलों से लैस होंगे। इन मिसाइलों की बेजोड़ मारक क्षमता से वायुक्षेत्र में भारतीय वायुसेना का दबदबा हो जाएगा।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

ईरान की गैस परियोजना से बाहर हुई चीन की कंपनी

तेहरान : चीन की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीएनपीसी ईरान की एक बड़ी गैस परियोजना से बाहर हो गई है। सीएनपीसी ने यहां के अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र के एक हिस्से को विकसित करने के पांच अरब डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) के सौदे से खुद को अलग कर लिया है। ईरान के पेट्रोलियम मंत्री बिजन नामदार जांगेनेह ने रविवार को यह जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

हांगकांग की सड़कों पर फेस मास्क पहन कर उमड़ा हुजूम

हांगकांग : हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारी फेस मास्क पहनने पर पाबंदी मानने को तैयार नहीं हैं। रविवार को हजारों प्रदर्शनकारियों ने फेस मास्क पहनकर प्रदर्शन किया, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। आक्रोशित लोगों ने पत्थर और पेट्रोल बम चलाए तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट चलाईं।

इमरान खान से नाराज सऊदी प्रिंस ने वापस ले लिया था विमान

जेएनएन, नई दिल्ली

- फ्राइडे टाइम्स में छपी रिपोर्ट का दावा, संयुक्त राष्ट्र में इमरान की कूटनीति सऊदी प्रिंस को नहीं आई थी रास
- पाकिस्तानी पीएम को वापस ला रहे विमान में नहीं थी कोई तकनीकी खराबी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को सऊदी अरब से तगड़ा झटका लगा है। एक पाकिस्तानी मैगजीन फ्राइडे टाइम्स का दावा है कि पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के बाद इमरान खान सऊदी अरब के जिस विमान से अमेरिका से लौट रहे थे उसे खाली करा लिया गया था। मैगजीन के मुताबिक सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान संयुक्त राष्ट्र में इमरान खान के कूटनीतिक तौर-तरीकों से नाराज थे। पहले बताया गया था कि तकनीकी खराबी के कारण विमान वापस लौटा था, लेकिन पाकिस्तान के मशहूर पत्रकार नजम सेठी ने अपने एक लेख में दावा किया है कि सऊदी अरब के प्रिंस ने इमरान के भाषण से नाराज होकर अपना विमान खाली करा लिया था।

इमरान अमेरिका की यात्रा के पहले सऊदी अरब गए थे। वहां सऊदी प्रिंस ने अपना विशेष विमान पाकिस्तानी पीएम को मुहैया कराया था। बाद में उन्हें इसी विमान के जरिये न्यूयार्क जाने का मौका मिला। संयुक्त राष्ट्र महासभा के बाद इमरान इसी विमान से पाकिस्तान लौट रहे थे, पर इसे बीच रास्ते से वापस ले जाना पड़ा था।

फ्राइडे टाइम्स में प्रकाशित लेख के मुताबिक इमरान ने जिस तरह की कूटनीति का परिचय दिया वह सऊदी अरब को रास नहीं आई। मैगजीन के मुताबिक इस यात्रा के कुछ अनचाहे नतीजे रहे। सऊदी प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान इमरान की कूटनीति के कुछ पहलुओं से नाखुश हो गए। सेठी का दावा है कि इस्लामिक समूह का नेतृत्व करने की पाक पीएम की कोशिशें सऊदी अरब को रास नहीं आईं। कश्मीर को लेकर इमरान खान ने तुर्की और मलेशिया को अपने साथ आगे करने की कोशिश की थी, जो सऊदी अरब को पसंद नहीं आई। सऊदी प्रिंस को पाकिस्तान की ओर से ईरान से संबंध मजबूत करने पर भी आपत्ति थी। सऊदी अरब और ईरान के बीच इस समय तनातनी काफी बढ़ी हुई है।

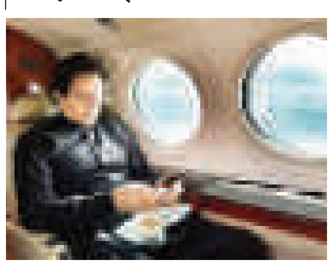

सऊदी अरब के इसी विमान से इमरान गए थे अमेरिका। फाइल फोटो

मैगजीन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कुछ लोग हैं जो हर हाल में इमरान के प्रशंसक बने रहना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि न्यूयार्क से लौटने पर उनका हीरो जैसा स्वागत किया गया। इनकी तरफ से एक सुझाव यह भी आया कि जिस विमान से इमरान इस्लामाबाद लौट रहे हैं उसे उनके प्रति सम्मान जताने के लिए एफ-17 थंडर विमानों के घेरे में लाया जाना चाहिए। इन समर्थकों को लगता है कि इमरान ने कश्मीर, इस्लामोफोबिया जैसे सभी खास मुद्दों पर धारदार तरीके से बात रखी। उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि जब आम सभा में इमरान बोल रहे थे तब हॉल आधा खाली पड़ा था और इमरान ने साफ तौर पर मान लिया था कि पाकिस्तान अलकायदा आतंकियों को प्रशिक्षित करता था। उन्हें इससे भी कोई अंतर नहीं पड़ता है कि भारत-पाकिस्तान संवाद की उम्मीद पहले से कहीं कम हो गई है और एक क्षेत्रीय मुद्दा इस्लामी पाकिस्तान और हिंदू भारत का मुद्दा बना दिया गया है।

पाकिस्तान के गुलाम कश्मीर से एलओसी मार्च की निकली हवा पेज>>6

बिहार में बाढ़ के बाद अब डेंगू की आफत

अब तक 980 मरीजों की पहचान, पटना में डाक्टरों की छुट्टियां रद

राज्य ब्यूरो, पटना

- पटना में सर्वाधिक 640 मरीज, मूसलधार बारिश से जलजमाव के बाद प्रभावित इलाकों में महामारी का खतरा
- राहत सामग्री के साथ भी बांटी जा रही जरूरी दवाएं, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पटना समेत बिहार के डेढ़ दर्जन जिलों में 27 से 29 सितंबर के बीच मूसलधार बारिश के बाद हुए जलजमाव के बाद अब डेंगू ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। राज्य में डेंगू के 980 मरीज सामने आए हैं, जिनमें 640 अकेले पटना में है। डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) संजय कुमार के अनुसार, विशेषज्ञों की टीम क्षेत्रों का दौरा कर रही है। मच्छरों को मारने के लिए 24 टीमें प्रभावित क्षेत्रों में दवा का छिड़काव कर रही है। पटना जिले में सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं। अस्पताल में जरूरी दवाओं का स्टॉक रखा गया है। साथ ही बांटी राहत सामग्री में भी पैरासिटामाल, ओआरएस, ओंडेम, जिंक आदि दवाओं को एक पैकेट भी दिया जा रहा है। जहां भी जमीन सूख रही है, उन इलाकों में ब्लीचिंग पाउडर और चूने का छिड़काव किया जा रहा है। अकेले पटना में 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पीड़ितों के लिए डेंगू समेत पानी से होने वाली बीमारियों की जांच की व्यवस्था की गई है। 10 से 12 अक्टूबर के बीच पटना मेडिकल कॉलेज और नालंदा मेडिकल कॉलेज में भी कैंप लगाकर बीमारी के लक्षणों की जांच होगी।

पूजा पंडालों में इलाज की व्यवस्था : स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि डेंगू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अकेले पटना शहर में 35 पूजा पंडालों में जरूरी दवाओं सहित इलाज की दूसरी व्यवस्था की गई है। पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कॉल सेंटर भी चालू किया है।

ई-रिक्शा की ली जा रही मदद : मरीज 104 नंबर पर डायल कर 24 घंटे इलाज के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने दावा किया है कि रोगियों के लिए स्ट्रेचर और एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। साथ ही ई-रिक्शा पर 12 टीमों से स्प्रे कराया जा रहा था। स्थिति की भयावहता को देखते हुए अब ई-रिक्शा की संख्या 24 कर दी गई है। इसके अलावा ई-रिक्शा के माध्यम से लोगों को पानी और मच्छरों की वजह से होने वाली बीमारियों से आगाह किया जा रहा है।

पटना में अब डेंगू सहित अन्य बीमारियों ने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। बचाव के लिए नगर निगम फॉगिंग करा रहा है। जागरण

स्वास्थ्य विभाग की अपील

- घर के आस-पास सफाई रखें।
- घर के आस-पास ब्लीचिंग व चूने के मिश्रण का छिड़काव कराएं।
- पीने के लिए उबला पानी इस्तेमाल करें।
- डेंगू का शक होने पर 102 और 104 डायल करें।

मंत्री और प्रधान सचिव ने की समीक्षा : रविवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने प्रधान सचिव संजय कुमार तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। पांडे ने प्रधान सचिव और अन्य मातहत अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकारी अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जाएं ताकि मरीजों को इलाज के लिए इधर उधर भटकना न पड़े। समिति को दवाओं और उपचार की भी समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में पुनपुन-गंगा का जलस्तर घटा, ट्रेन परिचालन शुरू पेज>>7

शाहबेरी में तीन बिल्डरों की 30 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी अटैच

जागरण संवाददाता, नोएडा

- नियमों का पालन किए बिना बनाए गए 74 फ्लैट, एक दुकान व एक प्लाट अटैच

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने शाहबेरी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बिल्डरों की 30 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी को अटैच कर दिया है। प्रशासन ने भवन नियमावली का पालन किए बिना बनाए गए 74 फ्लैट, एक दुकान और पिछले साल गिरे निर्माणाधीन इमारत के प्लाट को भी अटैच कर दिया है। इन बिल्डरों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से ले-आउट पास नहीं कराया था। सुरक्षा मानकों का पालन भी नहीं किया है। जिलाधिकारी ने दादरी के एसडीएम राजीव राय को अटैच प्रॉपर्टी का प्रशासक नियुक्त किया है। अटैच प्रॉपर्टी पर कोई भी व्यक्ति दस्तावेजों के साथ 90 दिन के अंदर दावा प्रस्तुत कर सकता है।

जिलाधिकारी बीएन सिंह ने रविवार को बताया कि 17 जुलाई 2018 को शाहबेरी में निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस संबंध में कोतवाली बिसरख में 86 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इसमें 15 मामलों में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में मान सिंह प्रॉपर्टीज एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के 45 फ्लैट को अटैच किया गया है। कंपनी के निदेशक जसवीन मान दिल्ली) को गिरफ्तार किया जा चुका है। मान बिल्डर के आशियाना होम्स, मान अपार्टमेंट, ड्रीम होम्स, सृष्टि अपार्टमेंट, आशुतोष अपार्टमेंट व वृंदावन गार्डन में खाली पड़े फ्लैट को अटैच किया गया है। इसी तरह मुदगल्स होम्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सूरज शर्मा और महेश शर्मा के 29 फ्लैट व एक दुकान को अटैच किया गया है।

पादरी पर आठ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का आरोप

जागरण संवाददाता, चंडीगढ

- डेढ़ साल बाद बच्ची की मां ने पुलिस से की मामले की शिकायत
- दावा-बर्मिंघम के होटल में दिया गया था वारदात को अंजाम

एक पादरी पर आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप लगा है। डेढ़ साल पहले इंग्लैंड के बर्मिंघम के एक होटल में उसने वारदात को अंजाम दिया। डर के मारे बच्ची ने किसी को नहीं बताया। अब मामला सामने आने के बाद उसकी मां ने पुलिस तथा महिला एवं बाल कल्याण विभाग में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता की मां ने बताया कि कुराली के पास बूथगढ़ में स्थित विजडम ग्लोरी चर्च के पादरी बजिंदर सिंह को उन्होंने मुंहबोला भाई बनाया है। वह और उसकी बेटी पिछले साल बजिंदर के साथ बर्मिंघम में आयोजित फोर्थ इंटरनेशनल प्रेस कांफ्रेंस में गई थी। सभी एक होटल में रुके थे। बजिंदर की जानकार निर्मलजीत धालीवाल भी होटल के उसी कमरे में रह रही थी। एक दिन वह बैंक में करेंसी बदलवाने जाने लगी तो बच्ची को कमरे पर छोड़ गई। महिला ने आरोप लगाया कि उसके जाने के बाद निर्मलजीत ने जबरन बच्ची के कपड़े उतारे और बजिंदर ने दुष्कर्म किया। दरवाजा बंद होने की वजह से बच्ची के रोने की आवाज बाहर नहीं जा सकी। वारदात के बाद पादरी ने बेटी को धमकी दी कि अगर उसने मुंह खोला तो उसके माता-पिता को जान से मार देगा। इससे बच्ची डर गई और किसी को कुछ नहीं बताया।

> वारदात डेढ़ साल पहले की है और शिकायत अब दी गई है। ऐसे में एएसपी (साउथ) नेहा यादव को जांच सौंपी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही मामला दर्ज किया जाएगा।
> **– चरणजीत सिंह, डीएसपी, चंडीगढ़ पुलिस**

> महिला के सभी आरोप बेबुनियाद हैं। पादरी बजिंदर ने ऐसा कुछ भी किया है। हमने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस रखी है, जिसमें पादरी अपनी बात रखेंगे।
> **– जसपाल सिंह, चेयरमैन, ऑल इंडिया क्रिश्चियन समाज मोर्चा**

ऐसे खुला मामला : महिला ने बताया कि इस साल 10 मार्च को उनके जानकार आए, तो पीड़ित बच्ची ने उनकी लड़की को सारी बात बताई। बच्ची के भविष्य की चिंता में वह कई दिनों तक असमंजस में रही। एक महीने बाद पति को सारी बात बताई, लेकिन बदनामी के डर से शिकायत नहीं दी। 4 जुलाई को बच्ची का मेडिकल कराया, तो दुष्कर्म की पुष्टि हुई। आखिर 16 सितंबर को पुलिस विंडो पर बजिंदर सिंह और निर्मलजीत के खिलाफ शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पुलिस मामला तक दर्ज नहीं कर रही है।

पास्टर पर पहले भी कई मामले : पीड़िता की मां ने बताया कि बजिंदर सिंह पर जीरकपुर थाने में भी दुष्कर्म का मामला दर्ज है। वर्ष 2014 में अन्य धर्म का अपमान करने और यमुनानगर थाने में मारपीट करने का भी मामला दर्ज है।

दस अक्टूबर से शुरू हो जाएगी मानसून की विदाई

नई दिल्ली : भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि एक महीने से भी अधिक देरी के बाद आगामी दस अक्टूबर से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। आमतौर पर मानसून पश्चिमी राजस्थान से एक सितंबर को ही कूच करना शुरू कर देता है। इस साल मानसून चार महीने के बजाय पांच महीने से अधिक समय तक खिंच गया है। इस मौसम के दौरान इस साल सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। (पेज-7)

झीरम नरसंहार में शामिल नक्सलियों पर इनाम घोषित

रायपुर : छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी नरसंहार में शामिल नक्सलियों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने इनाम की घोषणा की है। इन पर 50 हजार से लेकर सात लाख रुपये तक का इनाम घोषित किया गया है। साथ ही नक्सलियों के बारे में सूचना देने वालों के लिए नकद इनाम की भी घोषणा की है। वादा किया है कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। (पेज-7)

मालिकाना हक

देवता के बारे में कानूनी स्थिति पर विचार करना बेहद अहम, हिंदू देवता हैं न्यायिक व्यक्ति और उनके पास हैं इंसानों के जैसे ही अधिकार

देश के कानून की निगाह में रामलला हैं नाबालिग

माला दीक्षित, नई दिल्ली

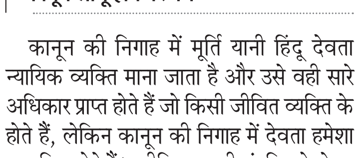

- देवता पर समय सीमा और प्रतिकूल कब्जे का कानून लागू होने पर पेच

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे की सुनवाई अंतिम दौर में है। इस मुकदमे में अन्य पक्षों के अलावा रामलला विराजमान और जन्मस्थान की ओर से अलग से मुकदमा दाखिल कर जन्मभूमि पर मालिकाना हक का दावा किया गया है। इस मामले में दोनों को अलग-अलग देवता और न्यायिक व्यक्ति बताते हुए निकट मित्र की ओर से मुकदमा किया गया। 1989 में निकट मित्र के तौर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवकीनंदन अग्रवाल ने यह केस दर्ज किया था।

इस मुकदमे में हिंदू पक्ष का पूरा जोर रामलला विराजमान और जन्मस्थान को देवता और न्यायिक व्यक्ति साबित करने पर है जबकि मुस्लिम पक्ष जन्मभूमि को देवता और अलग से न्यायिक व्यक्ति मानने का विरोध कर रहा है। राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक रूप से संवेदनशील इस मुकदमे में दोनों ओर से किये जा रहे प्रतिस्पर्धी दावे को देखते हुए देवता के बारे में कानूनी स्थिति पर विचार करना अहम हो जाता है।

कानून की निगाह में मूर्ति यानी हिंदू देवता न्यायिक व्यक्ति माना जाता है और उसे वही सारे अधिकार प्राप्त होते हैं जो किसी जीवित व्यक्ति के होते हैं, लेकिन कानून की निगाह में देवता हमेशा नाबालिग होते हैं। इसीलिए उनकी संपत्ति को लेकर सामान्य बालिग व्यक्ति की संपत्ति पर लागू नियम से भिन्न नियम लागू होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के बहुत से फैसलों के बाद कानून का यह तय सिद्धांत है कि देवता नाबालिग ही माने जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जिस तरह बच्चा अपने बारे में स्वयं निर्णय नहीं कर सकता उसी तरह देवता भी स्वयं अपने हित नहीं देख सकते। उनकी जगह कोई और उनके हित देखता है, जैसे- निकट मित्र। कानून कहता है कि किसी भी समझौते के तहत नाबालिग को संपत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता।

इस मुकदमे में हिंदू पक्ष की ओर से यही दलील दी गई है कि देवता पर समयसीमा का सिद्धांत लागू नहीं होगा और न ही देवता के खिलाफ प्रतिकूल कब्जे का दावा किया जा सकता है। उनका कहना है कि जब देवता को हटाया नहीं जा सकता तो फिर प्रतिकूल कब्जे का दावा कैसे हो सकता है। हालांकि मुस्लिम पक्ष की दलील है कि देवता की संपत्ति पर भी समयसीमा और प्रतिकूल कब्जे का सिद्धांत लागू होगा। लेकिन पेच हिंदू पक्ष की ओर से जन्मस्थान को ही देवता और न्यायिक व्यक्ति बताए जाने को लेकर है। हिंदू पक्ष का कहना है कि यहां बात देवता की संपत्ति की नहीं हो रही बल्कि देवता की हो रही है। जन्मस्थान स्वयं में देवता है, देवता पर कोई कैसे कब्जा या प्रतिकूल कब्जे का दावा कर सकता है। हिंदू पक्ष की ओर से जन्मस्थान को देवता और न्यायिक व्यक्ति का दर्जा दिये जाने से यह मुकदमा विशिष्ट स्थिति में आ गया है। बहस के दौरान मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि जानबूझकर स्थान को देवता और न्यायिक व्यक्ति बनाया गया ताकि बाकी सभी पक्षों का जमीन पर अधिकार समाप्त हो जाए और मामले में समयसीमा और प्रतिकूल कब्जे का सिद्धांत लागू न हो।

बताते चलें कि इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के तीन में से दो न्यायाधीशों ने माना है कि जन्मस्थान देवता और न्यायिक व्यक्ति है। देवता की मूर्ति यानी रामलला को नाबालिग और न्यायिक व्यक्ति तीनों न्यायाधीशों ने माना है क्योंकि इस बारे में कानून तय है। अब सुप्रीम कोर्ट को तय करना है कि वह जन्मस्थान को अलग से न्यायिक व्यक्ति और देवता मानता है या नहीं। और अगर मानता है तो उसके क्या अधिकार होंगे। देवता की संपत्ति और अधिकार पर राजस्थान हाईकोर्ट का जगन्नाथ बनाम बोर्ड ऑफ रेवेन्यू का फैसला देखा जा सकता है। इसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि मामले से जुड़ी जमीन देवता की है जो कि नाबालिग और न्यायिक व्यक्ति हैं। कानून के मुताबिक चाहे कितना भी समय क्यों न बीत गया हो कोई भी व्यक्ति, देवता के खिलाफ उस जमीन पर किरायेदारी या उप किरायेदारी का हक प्राप्त नहीं कर सकता।

तेलंगाना में विमान दुर्घटनाग्रस्त पायलट और प्रशिक्षु की मौत

- पंजाब की रहने वाली थी प्रशिक्षु, हैदराबाद से 100 किमी दूर खेत में गिरा प्रशिक्षण विमान

हैदराबाद, आइएएनएस : तेलंगाना में एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक महिला प्रशिक्षु व पायलट की मौत हो गई। घटना के समय भारी बारिश हो रही थी।

बेगमपेट के राजीव गांधी एविएशन एकेडमी से रविवार की सुबह करीब 11 बजे उड़ान भरने के बाद प्रशिक्षण विमान पड़ोसी राज्य कर्नाटक के कलबुर्गी जिले जा रहा था। इस बीच वह विकाराबाद जिले के सुल्तानपुर गांव स्थित कपास के खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सुल्तानपुर हैदराबाद से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हादसे में मरने वालों की पहचान पायलट प्रकाश विशाल (22) व प्रशिक्षु पायलट अमनप्रीत कौर (21) के रूप में हुई। अमनप्रीत पंजाब की रहने वाली थी। बताया जाता है कि हादसे से पहले विमान हवा में कई बार डगमगाया। इसके चलते पायलट नियंत्रण खो बैठा और विमान खेत में जा गिरा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर दी। एविएशन एकेडमी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं।

महाराष्ट्र में हुए विमान हादसे की डीजीसीए करेगा जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) महाराष्ट्र के शीरपुर में शुक्रवार को हुए प्रशिक्षु विमान हादसे की जांच करेगा। इस हादसे में प्रशिक्षु पायलट तो किसी तरह बच गया था, लेकिन सिसना 172आर विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। यह हादसा महाराष्ट्र के धुले जिले में स्थित एनएमआइएमएस में हुआ था। डीजीसीए के अधिकारी ने बताया, 'शुक्रवार को प्रशिक्षु विमान ने सुबह 11:05 बजे उड़ान भरी थी। करीब 56 मिनट की उड़ान के बाद लैंडिंग के वक्त विमान बाईं तरफ से बाड़ से टकरा गया।' घटना के बाद प्रशिक्षु पायलट को धुले जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब वह खतरे से बाहर है।

45 लाख के सोने संग अफगानी तस्कर को आइजीआइ एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया है। वह काबुल से आया था। उसने सैंडल को पीछे की तरफ से काटकर उसके अंदर सोने के दो बिस्कुट छुपाए हुए थे।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 7 अक्टूबर 2019

नवम्

सिद्धिदात्री

नवरात्र के अंतिम दिन देवी के नवम स्वरूप माता सिद्धिदात्री की पूजा आराधना का विधान है। देवी की उपासना से भक्तों-साधकों को अष्टसिद्धियां तथा नवनिधियां सुलभ हो जाती हैं। सिंह वाहिनी, चार भुजा वाली, कमल पुष्प पर विराजमान होकर भक्तों की समस्त कामना पूर्ण करती हैं। इस दिन भगवती का दर्शन, पूजन शास्त्रीय विधि विधान द्वारा करना चाहिए एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ तथा मंत्र आदि से हवन करना चाहिए। मान्यता है कि किन्हीं कारणों से किसी दिन की उपासना में कमी रह जाती है, वह सिद्धिदात्री की उपासना से पूर्ण हो जाती है।

आज का विचार

हमारे भीतर स्थित सकारात्मक शक्तियां ही देवी का स्वरूप हैं। इन्हें साधन बनाकर हम सिद्धि पा सकते हैं।

ध्यान मंत्र

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैर सुरैरमरैरपि
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा
सिद्धिदायिनी।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

न्यूज गैलरी

डेंगू के खिलाफ कुछ हफ्ते जारी रहेगी जंग : केजरीवाल

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डेंगू के खिलाफ जारी जंग के तहत रविवार को अपने घर की जांच की। इस दौरान उन्होंने अपने आवास के खाली गमलों, फूलदान आदि में भरा पानी बदला। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि इस साल हम सब की मेहनत से डेंगू के मामले बहुत कम हुए हैं। उन्होंने कहा कि दस हफ्ते, दस बजे, दस मिनट अभियान के तहत हम सभी को कुछ और हफ्ते जांच करनी होगी क्योंकि डॉक्टरों का मानना है की डेंगू का खतरा 15 नवंबर तक होता है। सीएम की इस मुहिम में विधायकों, पार्षदों एव पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी जोरशोर के साथ हिस्सा लिया। सभी ने अपने आवास सहित आसपास के इलाकों में पानी जमा होने वाले स्थानों का निरीक्षण किया और लोगों को बर्तनों से पानी बदलने को कहा। (राब्यू)

बदलेगी तुगलकाबाद किले की सूरत

नई दिल्ली : मंगोलों के आक्रमण से बचने के लिए दिल्ली के सुल्तान गयासुद्दीन तुगलक ने 1321 में तुगलकाबाद में किला बनवाया था। मगर यह किला कभी आबाद नहीं हो सका और उसका ख्वाब अधूरा रह गया। ऐसा बताया जाता है कि एक तरफ किला बस रहा था और दूसरी ओर किले के आसपास का पानी जहरीला होने के कारण लोग यहां से पलायन कर रहे थे। बहरहाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) इस किले के अंदर के हिस्से में बचे महत्वपूर्ण अवशेषों में बड़े स्तर पर संरक्षण कार्य कराने की योजना बना रहा है। योजना के अनुसार रॉयल कांप्लेक्स, मीना बाजार क्षेत्र और बावली की दशा सुधारी जाएगी। इनमें करीब 30 साल बाद बड़े स्तर पर काम शुरू होगा। एएसआइ पुराने फोटो और दस्तावेजों की भी मदद ले रहा है। (जासं)

जनकपुरी से कृष्णा पार्क तक बनेगा भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर

नई दिल्ली : फेज-चार के जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर के निर्माण के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने तीसरा टेंडर जारी किया है। इसके तहत करीब 478 करोड़ की लागत से जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क के बीच करीब दो किलोमीटर का भूमिगत कॉरिडोर बनेगा। इस हिस्से पर कृष्णा पार्क में भूमिगत मेट्रो स्टेशन भी बनेगा। डीएमआरसी का कहना है कि भूमिगत स्टेशन का निर्माण सामान्य तौर पर कट-कवर तकनीक से होता है, जबकि भूमिगत कॉरिडोर का निर्माण बॉक्स पूसिंग तकनीक से किया जाएगा। इसलिए भूमिगत कॉरिडोर बनाने के लिए सड़क की खोदाई करने की जरूरत नहीं पड़ती। (राब्यू)

दिल्ली-एनसीआर में 15 से लागू हो जाएगा ग्रेप

सतर्कता ▶ आने वाले दिनों में हवा के बिगड़ने की आशंका

समीक्षा बैठक में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उप्र के अधिकारी होंगे शामिल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

फिलहाल भले ही दिल्ली-एनसीआर की हवा सामान्य श्रेणी में चल रही हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसके बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर तैयारी जोर पकड़ने लगी है। इसी दिशा में 15 अक्टूबर से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करने को लेकर पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने समीक्षा बैठक रखी है। इस बैठक में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय निकायों के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। बैठक में ग्रेप की तैयारियों पर भी चर्चा होगी और कुछ नए प्रतिबंधों को लेकर भी सुझाव रखे जाएंगे।

गौरतलब है कि इस बार भी 15 अक्टूबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप लागू हो जाएगा, जो 15 मार्च तक लागू रहेगा। इसी दिन से दिल्ली में जेनरेटर सेट पर रोक लग जाएगी। हालांकि एनसीआर में यह रोक रहेगी या नहीं, अभी साफ नहीं है। इसकी वजह यह है कि एनसीआर के स्थानीय निकाय इस बार भी इसके लिए तैयार नजर नहीं आ रहे। ईपीसीए अध्यक्ष भूरेलाल ने बताया कि फिलहाल हवा अपेक्षाकृत साफ ही है। आसमान भी नीला है। इसलिए ग्रेप 15 से पहले लागू करने की कोई जरूरत नहीं है। सफर इंडिया और मौसम विभाग ने चूंकि अगले कुछ दिनों में पराली जलने और हवाओं की दिशा बदलने का पूर्वानुमान जारी किया है इसलिए सभी एजेंसियों को अपनी तैयारियां रखने को कह दिया गया है। इसके चलते ही सोमवार को बैठक बुलाई गई है। दिल्ली-एनसीआर के सभी अधिकारियों को साफ कर दिया जाएगा कि इस बार ग्रेप लागू होने के बाद सभी में आपसी तालमेल बना रहे।

गौरतलब है कि ग्रेप के दौरान सड़कों की सफाई मैकेनाइज्ड तरीके से होने लगेगी। कच्ची और टूटी सड़कों पर पानी का छिड़काव करने, निर्माण कार्य वाली साइटों पर निरीक्षण और धूल से रोकने के इंतजाम, गाड़ियों की सघन चेकिंग, ट्रैफिक जाम न लगे, इसकी कोशिश करने जैसे निर्देश दिए जाएंगे। ईपीसीए चेयरमैन भूरेलाल ने रविवार को भी पानीपत में ग्रेप को लेकर हरियाणा के कई अधिकारियों से बात की और उन्हें सख्त हिदायत दी कि ग्रेप का पालन करें।

हवा में नमी से आने लगा बदलाव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली का मौसम बदलने के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषण भी बढ़ने लगा है। सुबह शाम हल्की ठंडक का एहसास होने लगा है तो एयर इंडेक्स भी संतोषजनक से सामान्य श्रेणी में जा पहुंचा है। हवा की दिशा भी पूर्व की बजाय अब पश्चिमी हो गई है जिससे उसमें नमी बढ़ने लगी है। गौरतलब है कि करीब ढाई माह से दिल्लीवासी अच्छी हवा में सांस ले रहे थे। बीते आठ वर्षों के दौरान इस साल अगस्त और सितंबर की हवा सबसे ज्यादा साफ रही। लेकिन हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से अब बदलाव आने लगा है। हवा की दिशा अब पश्चिम की हो गई है। इसीलिए हवा अपने साथ पहले के मुकाबले ज्यादा धूल लेकर आ रही है। इसका असर दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर देखने को मिल रहा है। केंद्र द्वारा संचालित संस्था सफर इंडिया के मुताबिक रविवार को चांदनी चौक क्षेत्र का एयर इंडेक्स बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। यहां पर प्रदूषक कण पीएम 2.5 की मात्रा प्रति माइक्रोग्राम 319 दर्ज की गई। वहीं सीपीसीबी के मुताबिक सिरीफोर्ट और द्वारका सेक्टर-आठ की हवा भी खराब श्रेणी में पहुंच गई है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमशः 206 व 201 के अंक पर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी एयर इंडेक्स के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 98 था, जबकि रविवार को यह 127 के अंक पर पहुंच गया।

डीईआरसी ने निजी बिजली कंपनियों पर लगाया जुर्माना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यताओं (आरपीओ) का अनुपालन नहीं करने पर बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लि. (टीपीडीडीएल) पर 1.71 करोड़ रुपये, बीएसईएस यमुना पावर लि. तथा बीएसईएस राजधानी पावर लि. पर 2.88-2.88 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों पर यह जुर्माना तीन वित्त वर्षों (2012-13, 2013-14 और 2014-15) के लिए लगाया गया है।

टीपीडीडीएल के प्रवक्ता ने कहा कि डीईआरसी के आदेश पर गौर किया जा रहा है। इस संदर्भ में उपयुक्त कदम उठाया जाएगा। आरपीओ के अनुपालन को लेकर पर्याप्त नवीकरणीय ऊर्जा या आरईसी (अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र) बिजली बाजारों में वाजिब दरों पर उपलब्ध नहीं है। प्रवक्ता ने कहा, अगर वितरण कंपनियों को आरपीओ शर्तों को पूरा करने के लिए अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी तो इसका नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ेगा और अंततः ग्राहकों पर अतिरिक्त शुल्क के रूप में बोझ बढ़ेगा।

बीएसईएस वितरण कंपनियों के प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिस्पर्धी दरों पर 1,700 मेगावाट हरित ऊर्जा के लिए दीर्घकालीन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे बीएसईएस की कुल ऊर्जा में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 2021-22 तक बढ़कर 27 फीसद हो जाएगी। बीएसईएस 2021-22 से आरपीओ जरूरतों का 100 फीसद पालन करेगा और हरित ऊर्जा के जरिये प्राप्त अधिशेष ऊर्जा से कंपनी को पूर्व वर्षों में आरपीओ की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी। मालूम हो कि डीईआरसी ने यह आदेश इन कंपनियों के खिलाफ ग्रीन एनर्जी एसोसिएशन और इंडियन विंड पावर एसोसिएशन की याचिकाओं पर दिया।

जेएनयू हॉस्टल के नए नियम न मानने पर होगी सख्त कार्रवाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हॉस्टल के नियमों को न मानने पर अब सख्त कार्रवाई हो सकती है। जेएनयू प्रशासन ने हॉस्टल के लिए नए मैनुअल का ड्राफ्ट बनाया है। जेएनयू के इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. सज्जन सिंह ने 18 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक इस पर सभी से ईमेल के जरिये सुझाव मांगे हैं। सभी सुझावों को देखने के बाद विश्वविद्यालय की आधिकारिक प्राधिकरण से नए मैनुअल को स्वीकृति दी जाएगी।

नए मैनुअल के ड्राफ्ट के अनुसार, यहां रह रहे छात्रों को रात 11 बजे तक हॉस्टल में पहुंचना होगा। इसके बाद हॉस्टल में आने या हिंसक गतिविधि में लिप्त पाए जाने पर उसे हॉस्टल से निकाला जा सकता है। हॉस्टल से बाहर रात गुजारने के लिए वार्डन को लिखित में देना होगा। हॉस्टल में बाहरी व्यक्ति 10.30 बजे के बाद नहीं ठहर सकता है। पहली बार इसके उल्लंघन पर जिम्मेदार छात्र को प्रति विजिटर तीन हजार रुपये जुर्माना देना होगा। दूसरी बार उल्लंघन पर प्रति विजिटर छह हजार रुपये जुर्माना देना होगा और तीसरी बार उल्लंघन पर छात्र को हॉस्टल से निकाल दिया जाएगा। यही नहीं, नियमों की अवहेलना पर हॉस्टल के प्रशासनिक अधिकारी छात्र पर 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगा सकते हैं।

घेराव करने पर सेमस्टर के लिए किया जाएगा निष्कासित, दाखिला भी हो सकता है रद : छात्र विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले किसी भी प्रतिनिधि के घर का घेराव करते हैं, धरना देते हैं, अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियों में बाधा पहुंचाते हैं या हिंसक घटना को अंजाम देते हैं तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यौन उत्पीड़न में शामिल पाए जाने पर भी सख्त कार्रवाई होगी। खराब व्यवहार और अनुशासनहीनता पर छात्रों को चार समेस्टर या हमेशा के लिए विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।

कई मामलों में लगेगा पांच हजार रुपये तक जुर्माना

अगर छात्र आइडी कार्ड, दस्तावेजों में जालसाजी, विश्वविद्यालय की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाते हैं, प्रशासनिक भवन के पास धरना देते हैं, छात्रा या विवि के शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मियों के साथ खराब व्यवहार करते हैं, धार्मिक व जातिवादी टिप्पणी करते हैं तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर चेतावनी दी जाएगी और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय से मिलने वाली सुविधाएं वापस ले ली जाएंगी। दो सेमेस्टर के लिए निष्कासित भी किया जा सकता है।

छात्र संघ ने किया विरोध

हॉस्टल के नए नियमों के ड्राफ्ट का जेएनयू छात्र संघ ने विरोध किया है। छात्र संघ के उपाध्यक्ष साकेत मून ने आरोप लगाया कि छात्रों पर हॉस्टल में नजर रखी जा रही है। यह उनके अधिकारों का उल्लंघन है। जेएनयू के कुलपति एम. जगदीश कुमार इस सार्वजनिक विश्वविद्यालय को आरएसएस की शाखा बनाने पर आमादा हैं। कई गुना जुर्माना छात्रों पर लगाया जाना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

लेक व्यू अपार्टमेंट बनाएगा डीडीए एनबीसीसी करेगा प्लानिंग

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ **पहला अपार्टमेंट पूर्वी दिल्ली में संजय झील के समीप बनेगा**

अभी तक फ्लैट बनाता रहा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अब अपार्टमेंट बनाएगा। इस दिशा में पहला अपार्टमेंट पूर्वी दिल्ली में संजय झील के समीप बनेगा। 10 हेक्टेयर जमीन पर तैयार होने वाले इस अपार्टमेंट का नाम होगा लेक व्यू अपार्टमेंट। हालांकि अपार्टमेंट का निर्माण कार्य किसी सरकारी या गैर सरकारी एजेंसी को दिया जाएगा। अलबत्ता, राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एनबीसीसी) को इस परियोजना का प्लान बनाने के लिए कह दिया गया है।

यह योजना तो कई साल पुरानी है, लेकिन विभिन्न कारणों से लटकती रही है। अब केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय तथा राजनिवास से सकारात्मक संदेश मिलने के बाद इसके आगे बढ़ने की संभावना बन रही है। इसलिए शनिवार को डीडीए के उपाध्यक्ष तरुण कपूर ने आला अधिकारियों के साथ इस साइट का मुआयना भी किया। मुआयने के बाद ही उन्होंने अधिकारियों को यहां पर हाउसिंग कांप्लेक्स बनाने की प्लानिंग शुरू करने के आदेश दिए हैं।

इस लेक व्यू अपार्टमेंट में एचआइजी, एमआइजी, एलआइजी और ईडब्ल्यूएस सभी श्रेणियों के फ्लैट शामिल होंगे। डीडीए ने इस अपार्टमेंट को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। अपार्टमेंट के साथ-साथ झील के पास स्थित 100 एकड़ पार्क का भी कायाकल्प होगा। इस पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यहां लैंडस्कैपिंग का भी काम चल रहा है। एमपी थिएटर और योग के लिए स्थान तैयार हो गया है। इसके अलावा बच्चों के झूले, व्यायाम के लिए मल्टी जिम, घूमने के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। यहां साइकिल ट्रैक बनाने पर भी विचार चल रहा है।

त्रिलोकपुरी स्थित संजय झील करीब 42 एकड़ में फैली हुई हैं। यहां पर पयर्टन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) बोटिंग शुरू करने जा रहा है। इसके लिए डीडीए और दिल्ली पयर्टन के बीच बातचीत चल रही हैं। ऐसे में जल्द ही यहां पर जनता को बोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। मछली पकड़ने के शौक रखने वालों के लिए डीडीए की सोच यहां पर फिशिंग हैंडलिंग की सुविधा शुरू करने की भी है।

कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक साहनी आप में हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस की टिकट पर चांदनी चौक से चार बार विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के संसदीय सचिव रहे प्रहलाद सिंह साहनी रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व पार्षद पवन प्रेम वाणी सहित चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र से संबंधित तीन ब्लॉक अध्यक्ष भी आप में शामिल हो गए। इनमें नरेंद्र हांडा, मिर्जा जैकर और जाहिर शामिल हैं। सभी को मुख्यमंत्री ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस मौके पर प्रहलाद सिंह साहनी ने कहा कि आज मैं इस पार्टी में आया हूं न मेरा किसी से कोई लालच है न मैं कहीं टिकट की ख्वाहिश रखता हूं। केजरीवाल और उनकी पार्टी ने दिल्ली में जो काम किए हैं, उनसे प्रभावित होकर आए हैं। मैं बड़ा हैरान होता हूं कि एक आइआरएस अधिकारी मुख्यमंत्री दिल्ली के लोगों की समस्याओं से किस तरह से वाकिफ हैं। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि कई पार्टियां सत्ता में आकर रास्ते से भटक जाती हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी आज भी जनता के काम में जुटी है। हमने ऐसे काम किए, जिन्हें देश ही नहीं, पूरी दुनिया देख रही है।

पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह साहनी को पटका पहनाकर आप में शामिल कराते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अन्य। जागरण

जब साहनी ने कहा, यह अलका कौन हैं

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी में शामिल होने पर जब चांदनी चौक से विधायक रहीं अलका लांबा के बारे में इसी सीट से चार बार विधायक रहे प्रहलाद सिंह साहनी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह अलका कौन हैं? उन्होंने कहा कि चांदनी चौक इलाके में जाइए और पांच लोगों से पूछ लीजिए कि क्या वे यह जानते हैं कि अलका लांबा कहां रहती हैं और उनका फोन नंबर क्या है? अगर वे बता देंगे तो मैं मान जाऊंगा कि अलका भी कोई हैं। यह पूछे जाने पर कि जिन पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के आप संसदीय सचिव थे उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे? इस पर कहा कि शीला दीक्षित पर जो आरोप लगे थे वे गलत थे। कांग्रेस क्यों छोड़ी है? इस पर कहा कि कांग्रेस का बुरा हाल हो चुका है। शीला के निधन के बाद अब पार्टी यह भी तय नहीं कर पा रही है कि अध्यक्ष किसे बनाया जाए? अगर कांग्रेस में अब अच्छे और सुलझे हुए नेता होते तो चार माह तक अध्यक्ष का पद खाली नहीं रहता। यह पूछे जाने पर कि क्या चांदनी चौक से चुनाव लड़ेंगे इस पर कहा कि वह टिकट के लालच में आप में नहीं आए हैं। पार्टी उन्हें इस काबिल समझेगी और उन्हें टिकट देगी तो ही वह इस बारे में फैसला लेंगे।

पार्टी के लिए बोझ बन गए थे साहनी, मुक्ति मिली : कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : चांदनी चौक से चार बार विधायक रहे प्रहलाद सिंह साहनी के कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने पर पार्टी ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने कहा है कि वह कांग्रेस के लिए बोझ बन चुके थे। संगठन की मजबूती में उनका कोई योगदान नहीं रह गया था। प्रदेश प्रभारी पीसी चाको का कहना है कि साहनी पार्टी पर बोझ बने हुए थे, अच्छा हुआ चले गए। उन्होंने यह भी कहा कि औपचारिक रूप से भले ही उन्होंने रविवार को आप का साथ पकड़ा, लेकिन आप नेताओं के संपर्क में वह और उनका बेटा काफी पहले से थे। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हारून यूसुफ ने कहा कि साहनी बड़े कमजोर दिल वाले निकले। उन्हें पार्टी आलाकमान के फैसले का इंतजार करना चाहिए था। पार्टी को लेकर साहनी ने जो आरोप लगाए हैं, सभी बेबुनियाद हैं। उन्हें सत्ता का लोभ है, बस और कोई वजह नहीं है पार्टी छोड़कर जाने की।

पंडालों में उमड़े श्रद्धालु

दिल्ली वालों के लिए यह रविवार धार्मिकता से सराबोर रहा। अष्टमी में जहां विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर कंजकों को प्रसाद ग्रहण कराया गया, वहीं शाम को दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। जागरण

सियासत की बिसात पर वंशवाद के मोहरे

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व तो वंशवाद के आरोपों से जूझता ही रहा है, पार्टी की दिल्ली इकाई भी अब इससे अछूती नहीं रह गई है। आलम यह है कि प्रदेश के ढेरों वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनाव में अपने बेटा-बेटी के लिए टिकट चाह रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष का पद भले ही खाली हो, लेकिन ऐसे नेताओं ने अपनी लॉबिंग शुरू कर दी है। दाल नहीं गलने की सूरत में इनमें से बहुत से नेता विरोधी दलों से भी संपर्क साधने में लगे हुए हैं।

लोकसभा चुनाव में देशव्यापी करारी हार के बाद पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी पुत्र मोह को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसियों को कठघरे में खड़ा किया था। उन्होंने नाराजगी जताते हुए अपने पद से इस्तीफा तक दे दिया था। बावजूद इसके पार्टी नेता वंशवाद के मोह का त्याग नहीं कर पा रहे हैं। विडंबना यह कि इस समय पार्टी की दिल्ली इकाई सियासी तौर पर बहुत बुरे दौर से गुजरी रही है। इसके बाद भी कई-कई साल सांसद, विधायक और मंत्री रह चुके नेता पार्टी को मजबूत करने के बजाय अपने बच्चों का सियासी भविष्य संवारने की जोड़-तोड़ में लगे हुए हैं।

> यह सही है कि प्रदेश कांग्रेस के बहुत से नेता अपने बेटा-बेटी के लिए टिकट चाह रहे हैं। कुछ नेता सत्ता से बाहर होने पर भी परेशान हैं। इनमें से अनेक नेता आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ेंगे। इस बारे में पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी को भी लिखित सूचना दी जा चुकी है। ऐसे नेताओं का जाना ही कांग्रेस के लिए बेहतर है। पार्टी नए चेहरों पर दांव लगाएगी।
>
> **-पीसी चाको, दिल्ली प्रभारी एवं एआइसीसी महासचिव**

पार्टी सूत्रों के मुताबिक रविवार को हाथ का साथ छोड़कर झाड़ू थामने वाले कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह साहनी की कहानी भी इससे इतर नहीं है। वह चांदनी चौक से अपने बेटे को विधानसभा चुनाव लड़वाना चाह रहे थे। लेकिन आम आदमी पार्टी की टिकट पर यहां से चुनाव जीत चुकीं अलका लांबा जब कांग्रेस में शामिल हो गई तो साहनी के लिए समस्या खड़ी हो गई। सूत्र बताते हैं कि इन्होंने अलका की वापसी रोकने और उन्हें टिकट नहीं देने के लिए कुछ ही दिन पहले प्रदेश प्रभारी पीसी चाको से भी मुलाकात की, लेकिन संतोषजनक आश्वासन नहीं मिलने पर आप का रुख कर लिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक साहनी ही नहीं अभी कई पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री और अनेक पूर्व विधायक भी बेटा बेटी के लिए विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी का दंभ भर रहे हैं। इनमें से कई नेता तो अध्यक्ष नहीं होने के कारण प्रदेश प्रभारी के यहां ही हाजिरी लगा रहे हैं। कुछ ऐसे हैं जो अध्यक्ष पद के संभावित नेताओं संग भी खूब प्रेम बढ़ा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इस सारी कवायद के साथ-साथ इनमें से अनेक नेता भाजपा और आम आदमी पार्टी के संपर्क में भी हैं और समय आने पर हाथ का साथ छोड़ सकते हैं।

सुविधा

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान अब एम्स की नियमावली को अपनाने की तैयारी में, कैंसर मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

एम्स की तर्ज पर होगी राज्य कैंसर संस्थान के नियमों की सर्जरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

चिकित्सकों की कमी के चलते कैंसर मरीजों को बेहतर इलाज नहीं मिलने की बीमारी से जूझ रहे दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान (डीएससीआइ) ने अब नियमों की सर्जरी करने का मन बना लिया है। इसके लिए संस्थान अब एम्स अस्पताल की नियमावली को अपनाने की तैयारी कर रहा है। इससे न सिर्फ अनुबंध पर नियुक्ति पाने वाले डॉक्टरों को नौकरी गंवाने के डर से मुक्ति मिल जाएगी, बल्कि पदोन्नति का मार्ग खुलने के साथ ही उनकी वेतन व अन्य सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान भी हो जाएगा। दिल्ली सरकार से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन ने नियमों में बदलाव को लेकर योजना तैयार की है। इसका फायदा यह होगा कि डीएससीआइ में भी एम्स जैसे दक्ष डॉक्टरों की नियुक्ति हो सकेगी, जिससे कैंसर मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

डीएससीआइ में मौजूदा समय में पांच साल के अनुबंध पर कंसल्टेंट डॉक्टर नियुक्त किए जाते हैं। इसके बाद अनुबंध का नवीनीकरण करने की जरूरत पड़ती है। अनुबंध नवीनीकरण हो भी जाए तो पदोन्नति व वेतन वृद्धि होगी या नहीं यह भी तय नहीं है। वहीं निजी अस्पतालों में कैंसर के डॉक्टरों को आकर्षक पैकेज की पेशकश की जाती है। दरअसल देश में मरीजों के मुकाबले कैंसर के डॉक्टरों की बेहद कमी है। ऐसे में डीएससीआइ के मौजूदा नियमों के चलते डॉक्टर यहां सेवाएं देने को तैयार नहीं होते हैं। यही वजह है कि कंसल्टेंट स्तर के सिर्फ नौ वरिष्ठ डॉक्टरों के सहारे यह अस्पताल चल रहा है।

> एम्स ने अपने संस्थान में डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए जो दक्षता व शोध के मानक तय किए हैं, उसे यहां भी लागू करने का प्रस्ताव जल्द गवर्निंग काउंसिल में रखा जाएगा। इसमें डॉक्टरों को एम्स की तरह वेतमान व नियमित पदोन्नति का प्रावधान किया जाएगा। ताकि डॉक्टरों को नौकरी असुरक्षित होने का डर न रहे। हालांकि फिलहाल न्यूक्लियर मेडिसिन में पेट-सीटी जांच शुरू करने के लिए जल्द अनुबंध पर डॉक्टर को नियुक्त किया जाएगा।
>
> **-डॉ. बीएल शेरवाल निदेशक-डीएससीआइ**

न्यूक्लियर मेडिसिन में सिर्फ एक महिला डॉक्टर हैं, जो इन दिनों मातृत्व अवकाश पर हैं। इसलिए यह विभाग व पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी (पेट) सीटी स्कैन जांच की सुविधा इन दिनों बंद है। रुधिर परीक्षण के दक्ष डॉक्टर नहीं है। इसलिए ब्लड कैंसर के मरीजों का उपचार नहीं हो पा रहा है। वहीं कैंसर सर्जरी के डॉक्टरों की भी कमी है। इससे बहुत कम मरीजों की सर्जरी हो पाती है। सबसे हैरानी की बात यह है कि कैंसर के इस अस्पताल में मेडिकल आंकोलॉजी का अब तक विभाग ही नहीं है। इसलिए मरीजों को कीमोथेरेपी भी रेडियोथेरेपी के वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर देते हैं, जबकि एम्स में मेडिकल आंकोलॉजी के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर मरीज को कीमोथेरेपी देते हैं। ऐसे में डीएससीआइ में इलाज की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए वर्ष 2017 में 104 कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। डॉक्टरों से आवेदन भी मांगे गए थे, लेकिन नियुक्तियां नहीं हो पाईं।

हर रविवार बुजुर्गों की रोशनी लौटाएंगे डॉक्टर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी के अस्पतालों में धक्के खाने के डर से आंखों की रोशनी खोते जा रहे बुजुर्गों को दिल्ली सरकार ने सुविधा दी है। अब रविवार को उनके लिए आंखों के साथ ही ईएनटी और दांतों के डॉक्टर बैठेंगे। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने अस्पतालों में रविवार को चलने वाले विशेष क्लीनिक में यह सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इससे अब बुजुर्गों को आसानी से इलाज मिल सकेगा।

केंद्र सरकार के सफदरजंग अस्पताल में हाल ही में रविवार को जेरियाट्रिक क्लीनिक शुरू किया गया है। इसमें मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, ईएनटी व नेत्र विज्ञान के डॉक्टर मौजूद होते हैं। इसके अलावा इमरजेंसी ब्लॉक में बुजुर्ग मरीजों की जांच की व्यवस्था की गई है और दवाएं भी दी जाती हैं। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में रविवार को विशेष क्लीनिक का प्रावधान पहले से ही है। इसके तहत ओपीडी में तीन विभागों (मेडिसिन, सर्जरी व ऑर्थोपेडिक) के डॉक्टरों के मौजूद रहने की व्यवस्था की गई थी। दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अतिरिक्त निदेशक डॉ. एसके अरोड़ा ने बताया कि दिल्ली सरकार के कई अस्पतालों में यह क्लीनिक नहीं चल रहा है। अब ऐसे अस्पतालों को भी यह सुविधा शुरू करने के लिए कहा गया है। साथ ही तीन नए विभाग इसमें शामिल कर दिए गए हैं। जिसमें ईएनटी, नेत्र विज्ञान व डेंटल शामिल हैं। अब रविवार के दिन चलने वाले इन विशेष क्लीनिकों में यह बुजुर्गों को यह सुविधाएं भी मिलेंगी।

केंद्र व निगम के अस्पतालों को भी निर्देश

डॉ. एसके अरोड़ा ने केंद्र सरकार के अन्य अस्पतालों व नगर निगम के भी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे भी बुजुर्गों के लिए रविवार को विशेष क्लीनिक शुरू करें। क्योंकि सामान्य दिनों में अस्पतालों में भीड़ होने के कारण बुजुर्ग मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि रविवार को अस्पताल में ओपीडी बंद होती है। इसलिए उस दिन बुजुर्ग आसानी से इलाज करा सकेंगे।

300 करोड़ रुपये की लागत वाली 43 परियोजनाएं मिजोरम में शुरू की जाएंगी। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य के विकास के लिए इन परियोजनाओं को जरूरी मानते हुए अपनी मंजूरी दी है।

आरे में घुसने से पहले हिरासत में लिए गए प्रकाश आंबेडकर

राजनीति ▶ सरकार पर ताकत के दुरुपयोग का लगाया आरोप

विरोध प्रदर्शन में गिरफ्तार किए गए 29 लोगों को मिली जमानत

राज्य ब्यूरो, मुंबई

वंचित बहुजन आघाड़ी पार्टी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर को रविवार को मुंबई की आरे कॉलोनी में प्रवेश करने से पहले हिरासत में ले लिया गया। कुछ देर बाद रिहा किए जाने पर आंबेडकर ने सरकार पर अपनी ताकत के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी सरकार में न भी आए तो भी वह आरे के वृक्षों को बचाने के लिए आंदोलन करती रहेगी।

मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन (एमएमआरसीएल) द्वारा मेट्रो-3 का कारशेड बनाने के लिए शुक्रवार देर शाम से ही मुंबई के गोरेगांव स्थित हरित पट्टी आरे कॉलोनी में वृक्षों की कटाई चालू है। पर्यावरणप्रेमियों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। प्रकाश आंबेडकर इसी आंदोलन को समर्थन देने आरे कॉलोनी जा रहे थे। लेकिन शुक्रवार रात से ही इस इलाके में धारा 144 लागू होने के कारण उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें रविवार को अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया। इन सभी को 7000 रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई है। बताया जा रहा है कि निर्धारित संख्या में पेड़ों की कटाई का काम रविवार देर रात तक पूरा कर लिया जाएगा।

शिवसेना की सियासत पर उठे सवाल : आरे कॉलोनी में पेड़ों के काटे जाने के मुद्दे पर शिवसेना भी सरकार के खिलाफ खड़ी दिख रही है। लेकिन इस विरोध के कारण वह खुद सवालों के घेरे में आती जा रही है। उस पर दोतरफा नीति अपनाने के आरोप लगने लगे हैं। शिवसेना न सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार में शामिल है, बल्कि पेड़ों को काटने का निर्णय करनेवाली महानगरपालिका में भी अकेले उसी की सत्ता है। उसके पेड़ों की कटाई के विरोध में खड़े होने पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि वह सभी परिस्थितियों की जानकार होते हुए भी आंदोलनकारियों के साथ खड़ी दिख रही है।

आरे का छोटा हिस्सा ले रही है मेट्रो : दरअसल आरे का क्षेत्रफल लगभग 1300 हेक्टेयर का है। इसका बहुत छोटा सा हिस्सा 1.9 फीसद, अर्थात 25 हेक्टेयर स्थान मेट्रो कारशेड - 3 के लिए लिया जा रहा है। आरे में पांच लाख से भी अधिक पेड़ हैं। जिसमें केवल 2642 पेड़ हटाए जाने हैं। जिसमें से 460 पेड़ वहीं आसपास स्थानों पर लगाए जाने की योजना है। इसके अलावा 23,846 पेड़ दो साल पहले ही लगाए भी जा चुके हैं। जिनमें जियो टैगिंग है। जिससे पता चला है कि 95 फीसद अर्थात 22,653 पेड़ जीवित हैं। इसके अलावा भी कटे हुए वृक्षों के लगभग छह गुना पेड़ और लगाए जाने की योजना है। आरे जंगल नहीं है। इसमें रिहायशी बस्तियां भी हैं। आरे से कई गुना बड़ा असली जंगल मुंबई के अंदर ही और इससे सटा हुआ संजय गांधी नेशनल पार्क है।

मुंबई के आरे कॉलोनी इलाके में मेट्रो कार शेड के लिए पेड़ काटे जाने के विरोध में रविवार को सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया। प्रेट्र

खुद को वरिष्ठ बताने वाले बीएसएफ के पायलट ने दिया इस्तीफा

▶ गृहमंत्री शाह का पायलट बनने के लिए खुद को अपने वरिष्ठ के रूप में पेश करने का आरोप, चल रही जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय वायुसेना के पूर्व विंग कमांडर जेएस सांगवान ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की वायु शाखा से इस्तीफा दे दिया है। सांगवान के खिलाफ फर्जी तौर पर खुद को वरिष्ठ बताने का मामला चल रहा है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह का पायलट बनने के लिए कथित रूप से खुद को अपने वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पेश किया था।

बीएसएफ के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि सेवानिवृत्त विंग कमांडर जेएस सांगवान का इस्तीफा अभी विचाराधीन है और अब तक स्वीकार नहीं किया गया है। कारगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले सांगवान के खिलाफ सीमा सुरक्षा बल और दिल्ली पुलिस जांच कर रही है।

फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि सांगवान का इस्तीफा स्वीकार किया जाएगा या नहीं, क्योंकि इस्तीफा स्वीकार करने का मतलब है- बिना किसी जांच के उन्हें जाने की अनुमति देना। प्रावधानों के अनुसार अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ जांच चल रही हो तो उसके इस्तीफे अथवा अवकाश ग्रहण करने का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सांगवान ने दो सितंबर को बीएसएफ से स्वैच्छिक इस्तीफे के लिए आवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने 16 सितंबर को एक दूसरा पत्र भेजा, जिसमें आग्रह किया गया था कि उन्हें 31 अक्टूबर तक उन्हें मुक्त कर दिया जाए।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने की सोनिया और मनमोहन से मुलाकात

भारत दौरे पर आईं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भेंट की। इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी मौजूद रहे। प्रेट्र

▶ कांग्रेस नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्ते मजबूत करने के उपायों पर की चर्चा

▶ डेढ़ घंटे की मुलाकात में प्रियंका और आनंद शर्मा भी थे साथ

नई दिल्ली, एजेंसियां : बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। लगभग डेढ़ घंटे तक चली मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता आनंद शर्मा और पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

शेख हसीना से मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, 'लंबे समय बाद शेख हसीना जी से गले मिली, जिनसे काफी समय से दोबारा मिलने की इच्छा थी। गहरे निजी नुकसान एवं बुरे वक्त से उबरने की उनकी ताकत और बहादुरी एवं दृढ़ता से अपने विचारों के लिए उनका संघर्ष हमेशा से मेरे लिए एक प्रेरणा है।'

गांधी परिवार को बांग्लादेश आने का न्योता : मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को बांग्लादेश के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का न्योता दिया।

सोनिया ने मंजूर किया न्योता : कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने न्यूज एजेंसी एएनआइ से कहा, 'शेख हसीना ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण दिया जिसे सोनिया गांधी ने स्वीकार भी कर लिया।'

एनआरसी पर नहीं हुई चर्चा : आनंद शर्मा ने बताया कि मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर कोई चर्चा नहीं हुई। शर्मा ने कहा, 'एनआरसी के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। यह एक आंतरिक मामला है और न तो हमने और न ही उन्होंने इस बारे में कोई बात की।' बता दें कि प्रधानमंत्री हसीना चार दिन के भारत दौरे पर हैं। वह बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाली नेता हैं।

कविता के जरिये दुनिया में बदलाव संभव : नायडू

वेंकैया नायडू फाइल फोटो

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर : समाज में भाईचारा बढ़ाने के लिए कविता एक उत्तम माध्यम है। कविता के जरिये शांति एवं खुशी आ सकती है। कविता पूरी दुनिया में बदलाव ला सकती है। ये बातें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रविवार को केआइआइटी (कलिंग प्रौद्योगिकी संस्थान) में आयोजित विश्वकवि महाकुंभ के समापन समारोह में कही। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरुआत उड़िया भाषा में की। उन्होंने कहा कि ओडिशा जैसे सुंदर एवं ऐतिहासिक राज्य में आकर मुझे बहुत ही खुशी हो रही है। आध्यात्मिकता के क्षेत्र में ओडिशा का विशेष स्थान है। विश्वकवि सम्मेलन में शामिल होकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं कवि तो नहीं हूं, मगर मेरे हृदय में कविता वास करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शांतिपूर्ण समाज के लिए कविता जरूरी है और समाज में भाईचारा बढ़ाने के लिए भी यह उत्तम माध्यम है। पूरी दुनिया एक परिवार है। एक समय भारत विश्व का गुरु था। पूरी दुनिया से छात्र-छात्राएं यहां आकर नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करते थे।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि कविता के जरिए पूरी दुनिया में परिवर्तन लाया जा सकता है। साहित्य, कला एवं नृत्य के जरिए मन को शांति एवं खुशी मिलती है। उन्होंने परंपरा एवं मूल्यबोध को बचाए रखने के लिए युवा वर्ग का आह्वान भी किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति राजभवन में कुछ देर विश्राम के बाद कटक में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे पहले उपराष्ट्रपति के भुवनेश्वर पहुंचने के पर राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल एवं मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उनका स्वागत किया।

नई शिक्षा नीति पर अमल को कई राज्यों ने मांगी अतिरिक्त वित्तीय मदद

रमेश पोखरियाल निशंक फाइल फोटो

▶ बिहार, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों ने मांगी रकम

▶ केरल ने नई नीति को निजीकरण को बढ़ावा देने वाला बताकर ठुकराया

नई दिल्ली, प्रेट्र : नई शिक्षा नीति को नवंबर तक लागू करने के प्रयास में जुटी केंद्र सरकार को कई राज्यों की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की मांग ने परेशानी में डाल दिया है। बिहार, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों ने शिक्षा पर खर्च संबंधी प्रावधानों पर अमल के लिये अतिरिक्त धन मांगा है। हालांकि नई शिक्षा नीति के मसौदे के ज्यादातर प्रावधानों पर अधिकांश राज्यों ने सहमति व्यक्त की है, लेकिन केरल ने इसे निजीकरण एवं व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने वाला बताते हुए अस्वीकार कर दिया है। नीति के मसौदे में शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने की सिफारिश की गई है। इसी विषय को लेकर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की हाल ही में हुई बैठक में इन राज्यों के शिक्षा मंत्रियों ने केंद्र के समक्ष यह मांग रखी। इस बैठक में मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक मौजूद थे। बैठक से जुड़ी मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संक्षिप्त रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के शिक्षा मंत्री के एन प्रसाद वर्मा ने कहा, 'इस नीति को लागू करने में धन एक महत्वपूर्ण कारक है और मसौदा नीति में इसे लागू करने से संबंधित वित्तीय आयामों के बारे में कुछ खास नहीं बताया गया है।' उन्होंने इसे लागू करने के लिए वित्तीय समर्थन और उपयुक्त वित्तीय योजना की जरूरत बतायी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि वित्त पोषित सरकारी स्कूल काफी हद तक नियमन के तहत हैं और इनको जरूरत से कम धन मुहैया हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मसौदा नई शिक्षा नीति में इसका कोई समाधान नहीं बताया गया है।' उन्होंने कहा कि जब तक कोई ऐसा कानून नहीं होगा जो सरकार को धन आवंटित करने के लिए बाध्य करे, तब तक इस नीति से भारत में शिक्षा का परिदृश्य नहीं बदलेगा। बैठक में केरल के शिक्षा मंत्री सी. रवींद्र नाथ ने संघीय ढांचे का विषय उठाया। उन्होंने इस नीति के गंभीर प्रभावों का जिक्र किया और कहा कि यह केंद्रीयकरण की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे में शिक्षा पर खर्च को बढ़ाना देश में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने का एकमात्र रास्ता है। मसौदा नई शिक्षा नीति, निजीकरण एवं व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने वाली है और इसलिये यह स्वीकार्य नहीं है।' मध्यप्रदेश, ओडिशा और पंजाब के शिक्षा मंत्रियों ने भी इस उद्देश्य के लिये उपयुक्त बजटीय आवंटन एवं वित्तीय समर्थन की मांग की। राजस्थान के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह दोतासारा ने बैठक में आंगनबाड़ी कर्मियों पर आधारित कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त कोष की मांग की। केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब) की 21 सितंबर को हुई विशेष बैठक में नई शिक्षा नीति के मसौदे पर राज्यों सहित विभिन्न पक्षकारों के बीच विचार-विमर्श हुआ था। अफसरों का कहना है कि एक बार नीति लागू होने पर संसाधन जुटाने का रास्ता भी निकाल लिया जाएगा। सरकार का मानना है कि जहां चाह, वहां राह। इस संदर्भ में कारपोरेट सामाजिक जवाबदेही (सीएसआर) एक रास्ता हो सकता है।

पीएमसी बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह नौ तक पुलिस हिरासत में रहेंगे

▶ बैंक की मुंबई शाखा में 4,355 करोड़ के घोटाले में चार लोग हो चुके हैं गिरफ्तार

वरयाम सिंह फाइल फोटो

मुंबई, प्रेट्र : पंजाब एवं महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (बीएमसी) बैंक घोटाले में पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह (68) को स्थानीय कोर्ट ने रविवार को नौ अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। बैंक में 4,355 करोड़ रुपये का घोटाला प्रकाश में आया है। सिंह इस मामले में गिरफ्तार होने वाले चौथे आरोपित हैं।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने उन्हें शनिवार को माहिम चर्च क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। आर्थिक अपराध शाखा इस मामले में बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक जॉय थॉमस तथा हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) समूह के प्रवर्तक राकेश और सारंग वाधवा को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सिंह के वकील ने रविवार को कोर्ट में कहा कि घोटाले के लिए बैंक के एमडी थॉमस जिम्मेदार हैं। एचडीआइएल को कर्ज स्वीकृत करने में उनके मुवक्किल की कोई भूमिका नहीं है। वकील ने यह भी कहा कि एचआइडीएल में सिंह के निदेशक रहते हितों का कोई टकराव नहीं हुआ और यह मामला बाद में प्रकाश में आया।

आइएएनएस के अनुसार, सिंह के वकील वी. कृष्णा ने बताया कि उनके मुवक्किल ने आत्मसमर्पण किया था, जबकि उनकी गिरफ्तारी की अफवाह फैलाई जा रही है। सिंह ने खुद आर्थिक अपराध शाखा को पत्र लिखकर आत्मसर्पण करने व मामले में सहयोग करने की इच्छा जताई थी। उधर, पुलिस ने कहा कि वह घोटाले में सिंह की संलिप्तता के बारे में पूछताछ करेगी।

आर्थिक अपराध शाखा की रिपोर्ट में बताया गया है कि एचआइडीएल समूह के प्रवर्तकों ने मुंबई स्थित भांदुप शाखा प्रबंधन से कर्ज पाने के लिए साठगांठ की। अदायगी न होने की स्थिति में भी बैंक ने कर्ज को नॉन परफॉर्मिंग एडवांस (एनपीए) नहीं घोषित किया और इसकी सूचना रिजर्व बैंक से भी छिपाई। आर्थिक अपराध शाखा ने शुक्रवार को कोर्ट को बताया था कि एचडीआइएल के कर्ज पर पर्दा डालने के लिए उसके 44 कर्ज खातों को 21 हजार फर्जी कर्ज खातों से बदल दिया गया। इस घोटाले के प्रकाश में आने के बाद रिजर्व बैंक ने पीएमसी से धन निकासी की सीमा तय कर दी है। इसके कारण उपभोक्ता तनाव में हैं।

सीबीआइ ने राकेश अस्थाना मामले में मांगा और समय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने अपने ही ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के मामले में और समय देने की मांग की है। दिल्ली हाई कोर्ट सीबीआइ की अर्जी पर नौ अक्टूबर को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने सीबीआइ को मामले की जांच के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया था।

अक्टूबर 2018 में सीबीआइ ने राकेश अस्थाना के खिलाफ रिश्वत लेने का केस दर्ज किया था। अस्थाना पर मनी लांड्रिंग मामला निपटाने के लिए मांस कारोबारी मोइन कुरैशी से घूस लेने का आरोप लगा था। हैदराबाद के सतीश बाबू सना की शिकायत के बाद 15 अक्टूबर को अस्थाना, देवेंद्र समेत चार लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि दिसंबर 2017 से अक्टूबर 2018 के बीच पांच बार रिश्वत ली गई थी। यह विवाद इतना बढ़ गया था कि अस्थाना ने तत्कालीन सीबीआइ निदेशक आलोक वर्मा पर घूस लेने का आरोप लगाया था।

जागरूक परिवार नियोजन बनेगा देश की समृद्धि का मंत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ बड़ी आबादी से भारत के लिए प्रति व्यक्ति पोषक तत्वों की उपलब्धता बड़ी चुनौती

▶ जीवन की दौड़ में पिछड़ जाते हैं किशोरी मां से पैदा होने वाले बच्चे

यूं तो देश की बड़ी लेकिन युवा जनसंख्या हमारे लिए एक संसाधन है, लेकिन आगामी 25-30 वर्षों में आने वाले नए मोड़ (जहां एक बड़ी आबादी वृद्ध होगी) और स्वास्थ्य को लेकर हमारी कमी ने यह आगाह करना शुरू कर दिया है कि परिवार नियोजन पर गंभीरता से सोचना ही होगा। विश्व बैंक का मानना है कि विटामिन और मिनरल की कमी में बढ़ रही आबादी के कारण भारत को हर साल लगभग 12 अरब डॉलर (84 हजार करोड़ रुपये) का नुकसान होता है। वहीं ऐसे बच्चों की तुलनात्मक व्यक्तिगत कमाई भी दस फीसद कम होती है जिससे भारत के जीडीपी में 2-3 फीसद की कमी होती है।

नेशनल हेल्थ सर्वे और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूसेड) समर्थित हेल्थ प्रोजेक्ट का मानना है कि परिवार नियोजन पर जोर देना होगा। हालांकि यह अध्ययन पूरी तरह किशोरी मां, दो बच्चों के बीच अंतर और उसे उपलब्ध पोषक आहार पर आधारित है लेकिन इसमें व्यक्तिगत और देश के आर्थिक पहलू का भी जिक्र किया गया है।

भारत के लिए यह अहम है क्योंकि आठ फीसद किशोरी मां बनती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह आबादी और बड़ी है। बच्चों में अवरुद्ध विकास का यह बड़ा कारण है। ऐसे बच्चों की संख्या भारत में सबसे ज्यादा है। यही बच्चे पूरे जीवन पिछड़े रहते हैं। वह तुलनात्मक रूप से स्कूलों में देर से जाते हैं, पढ़ाई बीच में छोड़ते हैं और आखिरकार कमाई में भी समतुल्यों से पीछे रहते हैं। यानी जो माता पिता पर्याप्त विचार किए बगैर परिवार वृद्धि की सोचते हैं, वे हमेशा के लिए अपने बच्चों को पीछे धकेल देते हैं।

कश्मीर में हालात सामान्य 370 के हटने से लोग खुश

▶ कहा, देश के अन्य नागरिकों की तरह यहां के लोगों को भी मिलेंगे कई लाभ

▶ बदले की राजनीति के आरोपों पर बोले, विपक्ष दिवालिया हो गया है

प्रकाश जावडेकर फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य हैं और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को खत्म किए जाने से वहां लोग खुश हैं क्योंकि उन्हें अब देश के अन्य नागरिकों की तरह ही फायदे और अधिकार मिलेंगे। देश में बदले की राजनीति संबंधी कुछ राजनीतिक दलों के आरोपों को खारिज करते हुए जावडेकर ने कहा कि विपक्ष दिवालिया हो चुका है और उसके पास मोदी सरकार के खिलाफ उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है।

जावडेकर ने पीटीआइ से बातचीत में कहा कि घाटी में मीडिया पर किसी तरह की पाबंदी नहीं है और बिना किसी कठिनाई के अखबारों का प्रकाशन किया जा रहा है। उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि भाजपा हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले अनुच्छेद 370 को खत्म करने के फैसले को चुनावी मुद्दे की तरह इस्तेमाल कर रही है।

जावडेकर ने कहा, 'शिक्षा के अधिकार के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 25 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश मिलेगा। यह जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं था, लेकिन अब लागू होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता को अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए अनेक योजनाओं के लाभ नहीं मिलते थे, लेकिन अब उन्हें ये फायदे मिलेंगे। इसी तरह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को राज्य में कोई राजनीतिक आरक्षण नहीं मिलता था लेकिन अब वह भी मिलेगा। जावडेकर ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि बच्चे स्कूल नहीं जा रहे। उन्होंने कहा, 'केवल आठ थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगी है, अन्यथा कोई भी बात नहीं है।'

अदालतों ने नेताओं को भेजा है जेल : केंद्रीय मंत्री ने सरकार पर विरोधियों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध लेने के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि सरकार ने नहीं बल्कि अदालतों ने कुछ नेताओं को जेल भेजा है। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल ही निराधार और एक फर्जी आलोचना है। सरकार के खिलाफ कोई आरोप नहीं हैं। विपक्ष पूरी तरह दिलवालिया हो चुका है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जमानत कौन देता है और कौन नहीं देता है। ये अदालतें हैं और अदालतें सरकार नहीं है, जिसने फैसला दिया है।'

एक पार्टी प्रणाली के आरोपों को किया खारिज : यह पूछे जाने पर कि क्या देश एकल पार्टी प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जैसा कि कुछ दलों ने आशंका जतायी है, जावडेकर ने कहा कि दूसरे दलों को चलाना उनका काम नहीं है, जिसे कुछ नेता छोड़ रहे हैं क्योंकि उनके लिए वहां कोई प्रेरणा नहीं बची है। मंत्री ने कहा, 'मैं किसी पार्टी को समाप्त नहीं कर रहा हूं। यह पार्टी के ऊपर है कि वह खड़ा रहे। मैदान में दूसरे राजनीतिक दलों को खड़ा करना मेरा काम नहीं है।'

एनआरसी अहम, आप की रणनीति झूठ के इर्द-गिर्द : प्रकाश जावडेकर ने एनआरसी को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दिए बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'एनआरसी पर केवल केजरीवाल भ्रमित हैं और यह उनकी समझ है लेकिन वह देश के लोगों का विचार नहीं है, वे जानते हैं कि कोई भी देश घुसपैठियों को रहने की इजाजत नहीं दे सकता। इसलिए एनआरसी बहुत महत्वपूर्ण है।' जावडेकर ने आरोप लगाया कि 'आमआदमी पार्टी' (आप) की रणनीति झूठ के इर्दगिर्द है और दूसरों के कार्यों का श्रेय लेने की है। उन्होंने दावा किया कि अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा।

संपत्ति का मामला

निजाम के वंशजों में छिड़ सकती है कानूनी जंग

एक वंशज ने कहा–मुकर्रम जाह बहादुर और उनके छोटे भाई को मिला पैसा तो जाएंगे कोर्ट, ब्रिटिश हाई कोर्ट ने 306 करोड़ रुपये पर हक को लेकर भारत के पक्ष में सुनाया है फैसला

हैदराबाद, आइएएनएस : हैदराबाद के आखिरी निजाम के 120 वंशजों के बीच लंदन के एक बैंक में 70 साल पहले जमा कराए गए धन को लेकर कानूनी जंग छिड़ सकती है। निजाम के वंशजों ने कहा है कि अगर 3.5 करोड़ पाउंड (करीब 306 करोड़ रुपये) की रकम में उन्हें उनका सही हिस्सा नहीं मिला तो वे इस मामले को कोर्ट में ले जाएंगे।

गौरतलब है कि गत दो अक्टूबर को ब्रिटिश हाई कोर्ट ने 70 साल पुराने इस मामले में भारत के हक में फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद अब सारा ध्यान सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के कानूनी उत्तराधिकारियों के अगले कदम की ओर है। उस्मान अली खान 1948 में हैदराबाद के भारत में विलय के समय रियासत के आखिरी शासक थे। खबरों के मुताबिक बैंक में जमा किया गया पैसा पदवी के आधार पर आठवें निजाम प्रिंस मुकर्रम जाह बहादुर और उनके छोटे भाई मुफक्कम जाह के बीच हिस्से में जा सकता है।

हालांकि निजाम के अन्य वंशज भी अपनी-अपनी दावेदारी के साथ आगे आ रहे हैं। उस्मान अली खान के एक वंशज नवाब नजफ अली खान ने कहा कि उनके ही प्रयासों से यह मामला अदालत में अंजाम तक पहुंचा है। उन्होंने पुराने रिकार्ड तलाशने और बातचीत को आगे बढ़ाने का दावा किया। नजफ ने कहा कि अगर मुकर्रम और मुफक्कम ही अकेले दावेदार हैं, तो वे 2013 तक शांत क्यों बने रहे। उनका दावा है कि उन्होंने इस केस में लड़ने के लिए 2016 तक लंदन में वकील नियुक्त किया था। लेकिन बाद में उन्हें निजाम इस्टेट की तरफ से इस केस को साझा तरीके से लड़ने के लिए मना लिया गया। नजफ के मुताबिक उन्होंने 120 वंशजों के हितों का प्रतिनिधित्व किया। वे निजाम इस्टेट और भारत सरकार के बीच केस को साझा तरीके से लड़ने के लिए हुए समझौते में शामिल थे। निजाम के वंशजों को उम्मीद है कि अगले दस दिनों में तस्वीर कुछ साफ हो जाएगी। उनका कहना है कि अगर हमें हमारा हक नहीं मिला तो हम शांत नहीं बैठेंगे और कोर्ट जाएंगे। नजफ ने दावा किया कि उनके दादा उस्मान ने कभी नहीं कहा कि केवल मुकर्रम और मुफक्कम ही उनके उत्तराधिकारी होंगे। उस्मान के सभी बेटे, पोते-पोतियां उनके कानूनी वारिस हैं।

सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान। फाइल फोटो

क्या है मामला

भारत विभाजन के दौरान 1948 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान ने नेटवेस्ट बैंक में करीब 8 करोड़ 87 लाख रुपये जमा कराए थे। यह राशि अब तीन अरब रुपये से ज्यादा हो गई है। इस रकम पर पाकिस्तान अपना हक जताता रहा था। निजाम के वित्तमंत्री ने ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे हबीब इब्राहिम के बैंक खाते में रकम को ट्रांसफर कर दिया था, जिसे लंदन के एक बैंक खाते में जमा कराया गया था। बाद में इस रकम को निकाला नहीं जा सका। ये धनराशि लंदन के नेशनल वेस्टमिंस्टर बैंक में जमा है।

मोदी–शी की बैठक के लिए तैयारियां तेज

कांचीपुरम, प्रेट्र : दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु स्थित विश्व धरोहर स्थल महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रमुख स्थानों पर महात्मा बुद्ध और लड़ते हुए सांड़ों की मूर्तियां लगाई जा रही हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। लड़ते हुए सांड़ों की मूर्तियां तमिलनाडु के पारंपरिक खेल 'जल्लीकट्टू' की प्रतीक हैं।

दुनिया के दोनों बड़े नेताओं के बीच अगले हफ्ते होने वाली उच्च स्तरीय बैठक से पहले इस तटीय शहर में मंदिर और चट्टानों को काट कर बनाए गए पांच रथों सहित अन्य धरोहर स्मारकों को सजाया जा रहा है। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक हल्की रोशनी का प्रभाव देने के लिए एलईडी बल्ब लगाए गए हैं। चेन्नई में जीएसटी रोड को भी साफ किया जा रहा है जहां हवाई अड्डा स्थित है। हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी तैयारियों का जायजा लेने के लिए शीर्ष अधिकारियों के साथ चेन्नई पहुंचे थे।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

हे भगवान! हमें सदा सुरक्षित रखना, विशेषकर हमारे 'बैंक' व 'खातों' को!!

भाजपा से समझौता तो हुआ, लेकिन उद्धव के मन में बाकी है कसक

दूरियां ▸ पिछड़े वर्ग के नेताओं से मुलाकात में सामने आया कम सीटें मिलने का मलाल

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

▸ कटाक्ष करते हुए कहा, मित्र दलों को उनकी जगह दिखाने का काम भाजपा का

▸ 30 साल पुराने गठबंधन में पहली बार शिवसेना भाजपा से कम सीटों पर लड़ रही

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे फाइल

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना के बीच गठबंधन तो हो गया, लेकिन कम सीटें मिलने की कसक अब भी शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के मन में बरकरार है। पिछड़े समाज के नेताओं के साथ हुई बैठक में उनकी यह कसक तब सामने आ गई, जब उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मित्र दलों को उनकी जगह दिखाने का काम भाजपा का है। हालांकि, उन्होंने तुरंत यह कहते हुए सफाई भी दे दी कि हम सिर्फ 'जगह' के बारे में बात कर रहे हैं।

बता दें कि भाजपा-शिवसेना के करीब 30 साल पुराने गठबंधन में पहली बार शिवसेना को भाजपा से कम सीटों पर लड़ना पड़ रहा है। राजग में शामिल शिवसेना 124 तथा भाजपा चार अन्य दलों के साथ 164 सीटों पर लड़ रही है। चार अन्य दलों में रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आ) को छह, मराठा नेता विनायक मेटे के शिव संग्राम पक्ष को चार, सांसद राजू शेट्टी से अलग होकर रैयत क्रांति संगठन बनाने वाले सदाभाऊ खोत को चार और महादेव जानकर के राष्ट्रीय समाज पक्ष को दो सीटें हासिल हुई हैं। शेष 148 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है। राष्ट्रीय समाज पक्ष को छोड़कर शेष तीनों दल इस बार भाजपा के कमल निशान पर ही चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा का मानना है कि इससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति नहीं बनेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का लाभ इन साथी दलों के उम्मीदवारों को भी होगा। भाजपा इन दलों के साथ मिलकर शिवसेना के बगैर भी सत्ता का जादुई आंकड़ा, यानी 145 सीटें पा सकती है।

शिवसेना को भाजपा का यही स्वावलंबन अखर रहा है। हालांकि, भाजपा के साथ का महत्व वह समझ रही है। यही कारण है कि पिछली बार बराबरी की सीटों पर भी लड़ने के लिए राजी न होने वाली शिवसेना इस बार भाजपा से 24 सीटें कम पर भी राजी हो गई है। भाजपा की रणनीति है कि शिवसेना एवं चार अन्य दलों के साथ मिलकर वह इस बार विधानसभा की 288 में से कम से कम 225 सीटों पर जीत दर्ज करे। इससे पहले भाजपा-शिवसेना गठबंधन में शिवसेना ऐसी 50 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती थी, जिन पर वह कभी जीत नहीं पाई थी। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐसी ही सीटें शिवसेना से लेने या उनकी अदला-बदली करने की मांग कर रही थी, लेकिन तब वह पहले से लड़ती आई 169 सीटों से नीचे आने को तैयार नहीं थी। इस बार सीटों का बंटवारा करते समय इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि कहां, किस दल की पकड़ मजबूत है। जाहिर है, इसका लाभ पूरे गठबंधन को मिलेगा। इसके बावजूद उद्धव के बयान में शिवसेना को कम सीटें मिलने का मलाल साफ झलक रहा है।

हरियाणा में भी कांग्रेस ने खेला कर्ज माफी का दांव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनावों में वापसी करने वाली कांग्रेस ने हरियाणा में भी उसी तर्ज पर कर्ज माफी का दांव खेला है। प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा का कहना है कि हरियाणा में भी कांग्रेस के सत्ता में आने पर गरीबों व किसानों के ऋण माफ किए जाएंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की तरफ से अधिकृत रूप में कोई मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया जाएगा। चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायक ही अपना नेता चुनकर हाईकमान को देंगे। सैलजा ने कहा कि कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र लगभग तैयार है। इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर और महाराष्ट्र के नेता संजय निरुपम के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सामने ऐसी अस्थाई चुनौतियां आती रहती हैं। इसके बाद पार्टी और मजबूत होकर निकलती है। सैलजा ने कहा कि तंवर पार्टी के स्टार प्रचारकों में एक थे, लेकिन पार्टी से इस्तीफा देना उनका निजी फैसला है। हमें एक बात याद रखनी चाहिए कि संगठन व्यक्ति से बड़ा होता है।

बरवाला के निवर्तमान विधायक वेद नारंग सहित कई इनेलो और कांग्रेसी नेता भाजपाई बने

जागरण संवाददाता, रोहतक

▸ रोहतक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में थामा भाजपा का झंडा

▸ सीएम ने साधा निशाना, कहा-कांग्रेस में चार लोग साथ नहीं चल सकते

इधर उधर

भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का सिलसिला नामांकन की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी जारी है। रविवार को हरियाणा के रोहतक में तिलियार पर्यटन केंद्र में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सामने हिसार जिले की बरवाला सीट से पिछले चुनाव में इनेलो के टिकट पर जीत हासिल करने वाले वेदपाल नारंग ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। हिसार में कांग्रेस के बड़े चेहरों में से एक प्रदेश के पूर्व मंत्री संपत सिंह की भी भाजपा में आने की प्रबल संभावना है। फतेहाबाद जिले की रतिया विस सीट से कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री रामस्वरूप रामा ने भी भाजपा की सदस्यता ले ली। रामस्वरूप रामा 1996 में बंसीलाल की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कैथल जिले के गुहला चीका विधानसभा सीट से पूर्व कांग्रेस विधायक फूल सिंह खेड़ी भी भाजपाई हो चुके हैं। इसी तरह झज्जर के बादली विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री रहे चौधरी धीरपाल सिंह के परिवार के अरविंद गुलिया व अभिषेक गुलिया, सिरसा के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भूपेश मेहता ने भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सामने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

रोहतक में तिलियार पर्यटक केंद्र पर विपक्षी दलों के पूर्व विधायकों को भाजपा की सदस्यता दिलाते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। साथ में कृषि मंत्री ओपी धनखड़ व अन्य। जागरण

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चार लोग इकट्ठा नहीं चल सकते हैं। कांग्रेस एक खानदान की पार्टी है। प्रदेश में ही नहीं केंद्रीय नेतृत्व में भी यही हाल है। डॉ. अशोक तंवर पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह तो तंवर ही अच्छी तरह से बता पाएंगे कि उनसे किसने संपर्क किया था। हमारी तरह से ऐसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में स्वच्छ छवि वाले सभी नेताओं का स्वागत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में जब भी कोई नेता शामिल होता है, तो सबसे पहले उसके बैकग्राउंड का पता किया जाता है। भाजपा के इस मानक पर अगर नेता खरा उतरता है तभी उसे भाजपा में शामिल कराया जाता है।

फर्जी मतदान रोकने को कसी कमर

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : विधानसभा चुनाव में फर्जी मतदान को रोकने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं।

आयोग का चाबुक

हरियाणा में राज्य निर्वाचन विभाग फर्जी मतदान रोकने के लिए विशेष जांच टीमें गठित करने जा रहा है। ये टीमें अस्तित्वविहीन मतदाताओं के नाम पर वोट डालने वालों पर भी पैनी निगाह रखेंगी। जिला स्तर पर इन टीमों का गठन किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आस-पास के मतदाताओं ने यदि दो राज्यों में अपना वोट बनवाया है तो उसे डी-डुप्लीकेशन साफ्टवेयर से हटाया गया।

मृतक या राज्य छोड़कर जा चुके लोगों को परखने के लिए निर्वाचन विभाग एएसडी (अबसेंट सिफ्टेड डेथ) लिस्ट तैयार करा चुका है। इनके नाम पर कोई फर्जी मतदान न करे, इसलिए विशेष टीमों के पास भी एएसडी सूची रहेगी। वहीं, संदेहास्पद बूथों पर मतदाताओं की वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

जो लोग शहर में नहीं हैं, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में शामिल है, विशेष टीमें उनका भी पता लगाएंगी। संदेह की स्थिति में मतदाता का पहचान पत्र भी मांगा जाएगा। विगत लोकसभा चुनाव में घर-घर जाकर एक सर्वेक्षण कराया गया था, जिसमें कुछ ऐसे मतदाता पाए गए थे जिनका या तो उनका निधन हो चुका है या शहर छोड़कर चले गए हैं। उनका नाम सूची से हटा दिया गया है।

एसएमएस से मतदाताओं को किया जाएगा जागरूक

मतदान फीसद बढ़ाने के लिए मतदाताओं को एसएमएस के जरिये जागरूक किया जा रहा है। इसमें ईवीएम मशीन की विधिवत जानकारी दी जाएगी। इसके लिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के फोन नंबर जुटाए गए हैं। इसके अलावा जागरूकता के लिए बैनर, होर्डिंग, पोस्टर और अखबारों में विज्ञापन का सहारा भी लिया जाएगा।

'नीतीश के लिए महागठबंधन के दरवाजे बंद'

स्पष्ट की स्थिति ▸ तेजस्वी यादव ने बिहार के सीएम को 'गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला' बताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिहार में 21 अक्टूबर को होने वाले उप चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में मतभेद के बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को साफ किया कि धर्मनिरपेक्ष गठबंधन में कोई विरोधाभास नहीं है और यह अटूट है। तेजस्वी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला' भी बताया और भविष्य में धर्मनिरपेक्ष गठबंधन में उनके लौटने की किसी संभावना से इन्कार किया।

राजद नेता ने एक साक्षात्कार में नीतीश पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को अपना जनाधार बढ़ाने में मदद की तथा धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी राजनीति को जोखिम में डाल दिया। यह पूछे जाने पर कि अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले क्या नीतीश के महागठबंधन में लौटने की संभावना है, तेजस्वी ने कहा कि समावेशी राजनीति के लिए धर्मनिरपेक्षता एवं समाजवाद एक जीवनपर्यन्त प्रतिबद्धता है और नीतीश ने इसका सदा के लिए त्याग कर दिया है। तेजस्वी ने कहा, 'उन्होंने (नीतीश ने) न सिर्फ हमारे साथ विश्वासघात किया बल्कि उन मूल सिद्धांतों का भी त्याग कर दिया, जिस पर धर्मनिरपेक्ष-समावजादी राजनीति टिकी हुई है। केवल हम नहीं बल्कि वे लोग भी जो प्रगतिशील राजनीति में यकीन रखते हैं, वे गिरगिट जैसे रंग बदलने वाले व्यक्ति को अपनाने को अनिच्छुक हैं।' तेजस्वी ने राज्य में आई हालिया बाढ़ के प्रति भाजपा-जदयू गठबंधन सरकार की

तेजस्वी यादव फाइल

प्रतिक्रिया को लेकर उसकी आलोचना करते हुए कहा कि समूचे राज्य ने असहाय होकर नीतीश नीत सरकार की 'असंवेदनशीलता' को देखा और वे मतदान केंद्रों पर इसका जवाब देंगे। तेजस्वी कहा, 'बाढ़, जलजमाव, चमकी बुखार (एईएस) से होने वाली मौतें, मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड कोई प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि भ्रष्टाचार के जरिये सरकार निर्मित आपदाएं हैं।' उन्होंने दावा किया कि बिहार 'गंभीर संकट' में है और मुजफ्फरपुर बालिका गृह में जो कुछ हुआ, चमकी बुखार से हुई मौतें और बाढ़ के दौरान राज्य सरकार के उदासीन रवैये को लेकर लेकर लोग गुस्से में है। महागठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर असहमति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'इसे परिप्रेक्ष्य के साथ समझना चाहिए। ये उप चुनाव सिर्फ पांच विधानसभा सीटों पर हो रहे हैं और मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल बमुश्किल 10 महीने बचा है।' राज्य में 21 अक्टूबर को समस्तीपुर लोकसभा सीट के अलावा दरौंदा, नाथनगर, सिमरी बख्तियारपुर, किशनगंज और बेल्हर विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) द्वारा नाथनगर में राजद के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारे जाने और मुकेश साहनी नीत विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) की ओर से सिमरी बख्तियारपुर सीट पर अपना उम्मीदवार नामित करने से महागठबंधन के घटक दलों के बीच मतभेद खुल कर सामने आ गया है। तेजस्वी ने कहा कि 'हम' और वीआइपी जैसे गठबंधन साझेदार हमारे बड़े उद्देश्यों को लेकर हमारे साथ हैं और इन उप चुनावों का हमारे गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में जमीनी स्तर पर भाजपा-जदयू सरकार के खिलाफ रोष है और वे 23 मई के आम चुनाव नतीजों को दोहरा नहीं पाएंगे। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा नीत राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा), हम, शरद यादव का लोकतांत्रिक जनता दल और वीआईपी शामिल हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हालिया चुनावों में काल्पनिक विमर्श फैलाया, जबकि लोगों के रोजमर्रा के मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया।

बाढ़ से हुई तबाही को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी नीत सरकार ने प्रकृति के प्रकोप को जिम्मेदार ठहराने की नाकाम कोशिश की। राजद नेता ने कहा, 'बाढ़ में अपने मकान में फंसे सुशील मोदी को एनडीआरएफ की टीम ने जिस दिन बाहर निकाला था, बिहार में कई लोगों ने कहा था कि समूची सरकार को बाहर कर देना चाहिए।' गौरतलब है कि नीतीश के साथ राजद का संबंध उनके जुलाई 2017 में महागठबंधन से बाहर होने और राज्य में नई सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाने के बाद तल्ख हो गए।

बिहार में कानून व्यवस्था गंभीर चिंता का विषय

तेजस्वी ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आने पर उनकी पार्टी का एजेंडा इस बात से दिशा-निर्देशित होगा कि बिहार को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कायाकल्प की जरूरत है। राजद नेता ने कहा, 'हम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क का विस्तार करेंगे और उन्हें आधुनिक उपकरणों से लैस करेंगे। हम सत्ता में आने के प्रथम छह महीने में जन केंद्रित स्वास्थ्य बीमा लेकर आएंगे। शिक्षा के क्षेत्र में हमें लगता है कि प्राथमिक स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयी शिक्षा तक समूचे ढांचे को फौरन दुरुस्त करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'बिहार में कानून व्यवस्था हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है और हमारी तत्काल प्राथमिकता इसका हल करने की तथा जवाबदेही तय करने की है।'

मिशन 75 के लिए मोदी-शाह करेंगे ताबड़तोड़ रैलियां

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

▸ हरियाणा में 14, 15 और 18 अक्टूबर को चार बड़ी रैलियां करेंगे प्रधानमंत्री

हरियाणा में भाजपा के 75 से अधिक विधानसभा सीटें जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह प्रदेश में ताबड़तोड़ रैलियां करेंगे। प्रधानमंत्री राज्य के चार अलग-अलग हिस्सों में 14, 15 और 18 अक्टूबर को बड़ी रैलियां करेंगे, जबकि अमित शाह नौ व 14 अक्टूबर को दो दर्जन विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए आठ बड़ी रैलियां करने वाले हैं। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ 11 अक्टूबर को हरियाणा के दौरे पर होंगे।

भाजपा की हरियाणा इकाई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से रोहतक में रोड शो करने का समय भी मांग रखा है। दशहरे से अगले दिन नौ अक्टूबर को वह हरियाणा आएंगे। इस दिन वे कैथल में कैथल, पूंडरी और गुहला चीका, बरवाला में बरवाला, उकलाना व हांसी, लोहारू में लोहारू, तोशाम व बाढ़ड़ा और महम में महम, कलानौर व गढ़ी सांपला किलोई के उम्मीदवारों के लिए रैलियां करेंगे।

शाह दोबारा 14 अक्टूबर को हरियाणा आएंगे। इस दिन टोहाना में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला समेत रतिया व नरवाना के उम्मीदवारों के हक में रैली करेंगे। पंचकूला में पंचकूला व कालका, करनाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल व इंद्री और नीलोखेड़ी के उम्मीदवारों के हक में रैली की जाएगी। बादशाहपुर में बादशाहपुर, पटौदी व बादली विधानसभा क्षेत्रों की संयुक्त रैली होगी।

भाजपा के प्रांतीय प्रचार प्रमुख जवाहर यादव के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला हरियाणा दौरा 14 अक्टूबर को होगा। इस दिन शाह भी हरियाणा में होंगे। मोदी फरीदाबाद संसदीय क्षेत्र के बल्लभगढ़ में दक्षिण हरियाणा की रैली को संबोधित करेंगे। अगले दिन 15 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र में उत्तर हरियाणा व चरखी दादरी में मध्य हरियाणा की रैली करेंगे। मोदी तीन दिन बाद 18 अक्टूबर को फिर हरियाणा आएंगे और हिसार में बांगर बेल्ट की रैली करेंगे।

आदमपुर और दादरी में होंगे महिला सम्मेलन

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा 11 अक्टूबर को डबवाली, रानियां, कालांवाली और पटौदी में रैलियां करेंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ इसी दिन कालका, नारायणगढ़, जुलाना व सोनीपत में गरजेंगे। भाजपा की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय रहटाकर 12 व 13 अक्टूबर को हरियाणा में रहेंगी। इस दौरान दादरी व आदमपुर में महिला सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। दादरी में बबीता फौगाट व आदमपुर में सोनाली फौगाट भाजपा की उम्मीदवार हैं।

जदयू ने पांच विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी किए घोषित

जागरण संवाददाता, दुमका

▸ शिकारीपाड़ा से चुनाव लड़ेंगे प्रदेश अध्यक्ष सालखन मुर्मू

▸ झारखंड में भाजपा के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेगी जदयू

▸ हरियाणा व दिल्ली में भी गठबंधन नहीं, पार्टी उतारेगी उम्मीदवार

झारखंड

झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जदयू ने पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। रविवार को दुमका पहुंचे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने स्वयं शिकारीपाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की बात कही। वहीं, दुमका विधानसभा सीट से मार्शल ऋषि राज टुडू, जामा से प्रो. सुजीत सोरेन, महेशपुर से प्रो. ईश्वर मरांडी और बोरियो से लुकस हांसदा जदयू के प्रत्याशी घोषित किए गए।

मुर्मू ने कहा कि शिकारीपाड़ा में झामुमो विधायक नलिन सोरेन से उनकी सीधी टक्कर होगी। साथ ही उन्होंने दावा किया की जीतने वाले सक्षम उम्मीदवार को ही पार्टी मैदान में उतारेगी। लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार की घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड, हरियाणा और दिल्ली में जदयू भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। यहां किसी तरह का गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास भाजपा से संभव नहीं है। डबल इंजन की इस सरकार ने विकास नहीं राज्य का विनाश किया है, जबकि पिता-पुत्र वाली पार्टी झामुमो भी नकारा इंजन है। झूठ की बुनियाद पर 40 वर्ष तक राज करने वाले पिता-पुत्र ने आदिवासियों के लिए कोई काम नहीं किया। आज स्थिति यह है कि जिसके वोट पर वे इतरा रहे थे, आज वही जनता उनको नकारने में लगी हुई है।

जदयू के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए नीतीश

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को जदयू के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। उनके नाम का एलान पार्टी के राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी अनिल हेगड़े ने रविवार को नई दिल्ली में किया।

विधान पार्षद संजय गांधी ने नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में उनकी जीत का प्रमाणपत्र ग्रहण किया। 30 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नीतीश कुमार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का विधिवत कामकाज दूसरी बार संभालेंगे। पहले यह आयोजन राजगीर में दो दिनों का था पर अब यह दिल्ली में होगा।

तीन अक्टूबर को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया गया था। सरकारी कामकाज में व्यस्त नीतीश कुमार ने दिल्ली जाकर अपना नामांकन नहीं किया था। उनके प्रतिनिधि के रूप में विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी ने उनका नामांकन पत्र केंद्रीय चुनाव प्रभारी अनिल हेगड़े को सौंपा था। चार अक्टूबर तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी की गई। पांच को नामांकन पत्र की जांच की हुई और रविवार शाम तक नाम वापसी की आखिरी तारीख थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य द्वारा नामांकन नहीं किए जाने के बाद उनके नाम का एलान कर दिया गया।

सीढ़ियों पर फिसला पैर : बिहार के मुख्यमंत्री नीताश कुमार रविवार को पटना के अगमकुआं इलाके में स्थित शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान सीढ़ियों से उतरते वक्त उनका पैर फिसल गया, लेकिन तत्काल ही उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने संभाल लिया। जागरण

पहली 'जंग' में हारे 345 प्रत्याशी, टूटा चुनाव लड़ने का सपना

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा के चुनावी रण में उतरे 345 प्रत्याशी पहली 'जंग' में ही हार गए। निर्वाचन विभाग ने दस्तावेज में खामियों के बाद 342 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए, जबकि तीन प्रत्याशियों ने खुद पर्चा वापस ले लिया। अब सभी 90 सीटों पर कुल 1501 प्रत्याशी बचे हैं, जिनमें से कई उम्मीदवार सोमवार को मैदान से हट सकते हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में 1351 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे, जबकि इस बार कुल 1846 उम्मीदवारों ने निर्वाचन अधिकारियों के पास नामांकन कराया। जांच के दौरान 342 नामांकन पत्र चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मापदंडों पर खरे नहीं उतरे। किसी ने दस्तावेज में खामियां छोड़ दीं तो कोई आपराधिक पृष्ठभूमि के कारण चुनाव लड़ने का पात्र नहीं पाया गया। नतीजतन निर्वाचन विभाग ने इन प्रत्याशियों की उम्मीदवारी को खारिज कर दिया। संख्या की बात करें तो इस बार हिसार जिले में सर्वाधिक 167 'सूरमा' ताल ठोक रहे हैं।

उत्तर प्रदेश

स्वतंत्र देव और सुनील बंसल कर रहे लगातार दौरा, प्रचार के लिए किराये पर लिया हेलीकॉप्टर

उप चुनाव के लिए भाजपा ने झोंकी ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 11 विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उप चुनाव में सभी दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। भाजपा संगठन और सरकार ने अपनी ताकत झोंक दी है। 10 सीटों पर भाजपा सीधे मुकाबिल है, जबकि प्रतापगढ़ सीट सहयोगी अपना दल (एस) के खाते में दी गई है। इनमें 2017 के चुनाव में सिर्फ दो सीटें जलालपुर और रामपुर क्रमशः बसपा और सपा ने जीती थीं, लेकिन अबकी भाजपा सभी पर निगाह लगाए हैं।

सहारनपुर के गंगोह, रामपुर, अलीगढ़ के इगलास, कानपुर के गोविंदनगर, चित्रकूट के मानिकपुर, लखनऊ कैंट, बाराबंकी के जैदपुर, अंबेडकरनगर के जलालपुर, बहराइच के बलहा, प्रतापगढ़ और मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर चुनाव हो रहा है। अधिसूचना जारी होने से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल इन क्षेत्रों का दौरा कर बूथ स्तर पर अपनी तैयारी मजबूत कर चुके हैं। अब दूसरे चरण में इन क्षेत्रों में जनसभा, बूथ सम्मेलन, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित वर्ग, महिला,

अल्पसंख्यक और किसान सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। हर क्षेत्र में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह पहुंच रहे हैं या प्रदेश सरकार के किसी मंत्री का कार्यक्रम लग रहा है। प्रभारी बनाए गए मंत्री अपने क्षेत्रों में डेरा जमाए हैं। भाजपा चुनाव प्रबंधन प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर बताते हैं कि नेताओं के दूसरे चरण के भी दौरे शुरू हो गए हैं। बंसल अब तक इगलास, गंगोह, रामपुर और कैंट क्षेत्र में विधानसभा संचालन समिति, कोर ग्रुप और सेक्टर संयोजकों की बैठक कर चुके हैं, जबकि स्वतंत्र देव सिंह ने बलहा, जलालपुर और घोसी का दौरा कर लिया। राठौर बताते हैं कि इन क्षेत्रों में भाजपा के पक्ष में जनता का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिए किराये पर हेलीकॉप्टर लिया है। दशहरा के बाद से मुख्यमंत्री और अन्य स्टार प्रचारक हेलीकॉप्टर से चुनाव क्षेत्रों में जाएंगे।

तीन दिन में 11 सभाओं को संबोधित करेंगे योगी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवरात्र की वजह से अभी सभाएं नहीं कर रहे हैं, लेकिन 15, 16 और 18 अक्टूबर को प्रदेश की सभी 11 क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। उन्हें महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भी दौरा करना है। योगी 10 अक्टूबर को महाराष्ट्र जाएंगे, जबकि 11 और 12 अक्टूबर को हरियाणा के दौरे पर रहेंगे।

भाजपा मुख्यालय में आज बैठक

राब्यू, लखनऊ : भाजपा मुख्यालय में सोमवार को संगठनात्मक बैठक होगी। इस बैठक में पदयात्रा, उप चुनाव समेत कई बिंदुओं पर चर्चा होगी। इसमें प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल, सभी प्रदेश महामंत्री, क्षेत्र प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष व संगठन मंत्री शामिल होंगे।

चुनावों से पहले राहुल गांधी गए बैंकॉक

नई दिल्ली, आइएएनएस : महाराष्ट्र और हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बैंकॉक चले गए हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राहुल शनिवार को विस्तारा की उड़ान से बैंकॉक रवाना हुए। राहुल की इस यात्रा को लेकर सियासी गलियारे में सवाल उठ रहे हैं। पूछा जा रहा है कि 21 अक्टूबर को दो राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और कांग्रेस अंदरूनी कलह से जूझ रही है तो पार्टी को संभालने की बजाय विदेश जाकर वह क्या संकेत देना चाहते हैं। एएनआइ के अनुसार, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने राहुल का बचाव करते हुए ट्वीट किया, 'किसी व्यक्ति के निजी व सार्वजनिक जीवन को नहीं मिलाना चाहिए। हमें हर किसी की आजादी व निजता का सम्मान करना चाहिए। आखिरकार, यही विकासशील व उदारवादी लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है।' गौरतलब है कि राहुल के करीबी माने जाने वाले हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर ने शनिवार को ही पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र में मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम ने भी आरोप लगाया है कि पार्टी में राहुल के करीबियों को दरकिनार करने की साजिश चल रही है।

अमेठी पाने और रायबरेली बचाने को जूझेंगी प्रियंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कांग्रेस के हाथ से अमेठी की पारंपरिक सीट जाने के बाद राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा इसे दोबारा पाने के प्रयास में जुटी हुई हैं। इसी बीच प्रदेश में कांग्रेस की एकमात्र बची रायबरेली लोकसभा सीट को भी बचाने की चुनौती उनके सामने आ गई है। कांग्रेस के इस पुराने किले में सेंध लगाने में लगभग सफल हो चुकी भाजपा ने कांग्रेस के दो विधायकों को 'मोहपाश' में कर वहां सियासी गणित ही बदल दिया है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का बुरा दौर लंबे समय से चल रहा है, लेकिन इस बीच अमेठी और रायबरेली ऐसे संसदीय क्षेत्र थे, जिन पर गांधी परिवार का कब्जा कई सालों से अनवरत था। भाजपा ने राहुल गांधी के कब्जे से अमेठी सीट इस लोकसभा चुनाव में छीन ली। जब राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा उप्र में सक्रिय हुईं तो उनकी मेहनत अमेठी में खासतौर पर शुरू हो गई। प्रयास यही है कि इस सीट को दोबारा कांग्रेस के खाते में डाला जाए, मगर इसी बीच भाजपा ने कांग्रेस को एक और झटका दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के क्षेत्र रायबरेली में सत्ताधारी दल ने पैर पसार लिए हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में रायबरेली की पांच में से दो-दो सीट भाजपा और कांग्रेस ने जीतीं, जबकि एक सपा को मिली। भाजपा धीरे-धीरे वहां अपनी रणनीति पर काम करती रही। नतीजा सामने है। कांग्रेस विधायक राकेश सिंह तो पहले ही बागी हो चुके थे। अब विधायक अदिति सिंह ने भी बगावत कर दी है। वह भी भाजपा के रंग में डूबी नजर आ रही हैं।

अब राजनीतिक मजबूरियों में भले ही कांग्रेस इन दोनों विधायकों से नाता न तोड़े, लेकिन दो सीट व्यावहारिक तौर पर तो कांग्रेस के हाथ से गईं। इन दो विधायकों के सहारे भाजपा अब कांग्रेस के संगठन में भी आरी चला सकती है। ऐसे में अब प्रियंका के सामने अमेठी की खोई जमीन वापस हासिल करने के साथ ही अपनी मां सोनिया गांधी की सीट को अगले लोकसभा चुनाव में बचाने की चुनौती कड़ी हो गई है।

11 अक्टूबर को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक छत्तीसगढ़ में होगी। बैठक में परिषद के अन्य राज्य उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यह मध्य क्षेत्र परिषद की 22वीं बैठक होगी।

अपाचे–चिनूक ने दिखाया वायुसेना का असीम शौर्य

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में 8 अक्टूबर को होने वाले वायुसेना दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल में जमीन पर कदमताल करते जवानों और आकाश में कलाबाजियां करते विमानों ने लोगों को देश की ताकत का अहसास कराया। हाल ही में वायुसेना के बेड़े में शामिल अत्याधुनिक युद्धक हेलीकॉप्टर अपाचे और मालवाहक चिनूक हेलीकॉप्टर की पहली झलक भी देखने को मिली। वायुसेना की गरुड़ कमांडो टीम के प्रदर्शन और एरोबेटिक्स टीम सूर्य किरण व सारंग के करतब का लोगों ने आनंद उठाया।

वायुसेना दिवस रिहर्सल की शुरुआत में 8000 फीट की ऊंचाई से आकाशगंगा पैराजंपर्स की टीम ने जंप लगाकर की। इसके बाद जमीन पर कदम से कदम मिलाते जवानों ने सामंजस्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। एयर वॉरियर ड्रिल ट्रिम ने ड्रिल टू थ्रिल में साढ़े पांच किलो की राइफल से ड्रिल किया। वायुसेना

गाजियाबाद जिले में स्थित हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल के मौके पर उड़ान भरते युद्धक हेलीकॉप्टर अपाचे और उड़ान की तैयारी में चिनूक। अनिल बराल

दिवस पर जवानों को एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह (आरकेएस) भदौरिया सम्मानित करेंगे। इस दौरान जल सेना और थल सेना के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। सचिन तेंदुलकर समेत कई अन्य देशों के राजनयिकों के भी पहुंचने की उम्मीद है। फुल ड्रेस रिहर्सल में विंटेज विमानों से लेकर अत्याधुनिक विमानों ने शक्ति का परिचय दिया। इसके बाद हरक्यूलिस, ग्लोबमास्टर, सुखोई, मिराज-2000, मिग-21 बायसन और जगुआर विमानों ने हवा में कलाबाजियां दिखाई। विंटेज विमान टाइगरमॉथ, हॉवर्ड और डकोटा की उड़ान ने भी लोगों को रोमांचित किया।

तेजस, सूर्य किरण और सारंग टीम ने बांधा समां: एयर शो के अंत में मेड इन इंडिया विमान तेजस ने अपनी ताकत दिखाई। करतब दिखाने के साथ ही महज 125 नॉटिकल मील (231.5 किलोमीटर प्रति घंटा) की बेहद कम स्पीड से उड़ान भरी। इसके साथ सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने आकाश में डॉल्फिन मछली की तरह डॉल्फिन लूप बनाकर लोगों को आनंद की अनुभूति कराई। सूर्य किरण टीम ने आकाश में विभिन्न आकृतियां बनाई तो पूरा परेड ग्राउंड लोगों की तालियों से गूंज उठा। जमीन से आकाश में वार करने वाले आकाश मिसाइल सिस्टम और राडार सिस्टम अवॉक्स ने भी अपनी ताकत दिखाई। दोनों सिस्टम आकाश में दुश्मन को खोजकर तुरंत नेस्तनाबूद करने में सक्षम हैं।

गाजियाबाद जिले में स्थित हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर रविवार को वायुसेना दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। इस मौके पर वायुसैनिकों ने हवा में बंदूकें उछालकर सेलीब्रेट किया। अनिल बराल

मीटियोर व स्काल्प मिसाइलों से लैस होंगे राफेल

बढ़ेगी मारक क्षमता ▶ वायुक्षेत्र में देश का बढ़ेगा दबदबा, दोनों मिसाइल प्रणाली सिर्फ कुछ यूरोपीय देशों के पास

दशहरे पर फ्रांस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे विधिवत शस्त्र पूजा

पेरिस, प्रेट्र : पहला राफेल जेट विमान भारत को मिलने से पहले यूरोपीय मिसाइल निर्माता एमबीडीए ने एलान किया है कि देश के लिए खास तौर पर तैयार किए गए अत्याधुनिक 36 राफेल विमान मीटियोर और स्काल्प मिसाइलों से लैस होंगे। इन मिसाइलों की बेजोड़ मारक क्षमता से वायुक्षेत्र में भारतीय वायुसेना का दबदबा हो जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दशहरे के दिन मंगलवार को भारत का पहला राफेल विमान हासिल करने पेरिस जा रहे हैं। वह हर साल दशहरे पर शस्त्र पूजा करते हैं, लिहाजा इस बार वह पेरिस में भी विधिवत शस्त्र पूजा करेंगे।

एमबीडीए के भारत में प्रमुख लुइस पेदेविच ने रविवार को बताया कि उनकी कंपनी की बनाई मीटियोर मिसाइल लक्ष्य को लेंस में देखे बगैर ही भेद सकती है। हवा से हवा में मार करने वाली अचूक मीटियोर मिसाइलें और स्काल्प क्रूज मिसाइलें 36 राफेल विमानों में सुसज्जित सबसे घातक हथियार होंगे। इसके चलते ही भारत ने इन विमानों का सौदा कुल 59,000 करोड़ रुपये में किया। स्काल्प और मीटियोर मिसाइलें भारतीय वायुसेना के लिए गेमचेंजर साबित होने वाली हैं।

राफेल विमान के होने से भारत को नई क्षमताएं हासिल होंगी जो पहले कभी हासिल नहीं थीं। भारत ने 36 विमानों का यह सौदा तीन साल पहले फ्रांस की प्रमुख युद्धक विमान कंपनी दासौ एविएशन से किया था। उन्होंने कहा कि भारत को दिया जाने वाला राफेल बेहद उन्नत किस्म के हथियारों से लैस है।

ये खूबियां सिर्फ भारत के लिए : राफेल जिन यूरोपीय देशों के लिए पहले तैयार किया गया है, उनमें यह मिसाइल प्रणाली भारत की तरह ही उपलब्ध है। लेकिन भारत को मिलने वाले राफेल विमानों में कुछ ऐसी खूबियां भी हैं, जो भारत सरकार ने वायुसेना की जरूरतों के आधार पर सिर्फ अपने देश के लिए हासिल की हैं। यानी अन्य देशों के लिए बाद में बनाए जाने वाले राफेल विमानों को उन सुविधाओं से लैस नहीं किया जाएगा।

भारत और फ्रांस के बीच हुए सौदे में यह शर्त सबसे अहम है। खास भारत के लिए राफेल को जिन युद्धक क्षमताओं से लैस किया गया है, उसमें इजरायली हेलमेट के उभार वाले डिस्प्ले, कई रडार वार्निंग रिसीवर, कई लो बैंड जैमर, दस घंटे तक की फ्लाइट डाटा रिकार्डिंग, इंफ्रा-रेड सर्च और ट्रैकिंग सिस्टम भी शामिल हैं।

जगुआर के लिए एएसआरएएम : मबीडीए कंपनी पिछले पांच दशकों से भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना विभिन्न दूरियों की मिसाइलों की आपूर्ति करती रही है। पिछले महीने ही उसने रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ मिस्ट्रल और एएसआरएएम मिसाइलों की एसेम्बली, इंटीग्रेशन और टेस्ट के लिए समझौते पर दस्तखत किए हैं। एएसआरएएम नई पीढ़ी की नजदीक से मार करने वाली मिसाइल है। भारतीय वायुसेना को पहली बार जगुआर के लिए यह मिसाइलें मिलेंगी।

प्रतीकात्मक

लक्ष्य को देखे बिना भेदेगी मीटियोर

लक्ष्य को बिना देखे तबाह करने में मीटियोर मिसाइल की दुनिया में कोई दूसरी मिसाल नहीं है। जबकि स्काल्प मिसाइल बहुत दूर तक मार करती है। इन दोनों मिसाइलों के साथ राफेल युद्धक विमान क्षेत्र में भारत की धाक जमा देगा। मीटियोर मिसाइल को बीवीआर की अगली पीढ़ी की मिसाइल (बीवीआरएएम) कहा जाता है। कंपनी ने इस घातक मिसाइल को यूरोपीय देश ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन और स्वीडन के सामने उपस्थित खतरों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। इसका अर्थ यह भी है कि यह मीटियोर मिसाइल एशिया में भारत के अलावा किसी और देश के पास नहीं होगी। एडवांस सक्रिय रडार से निर्देशित होने वाली यह मिसाइल हर मौसम में हर किस्म के लक्ष्य को भेद सकती है। यह हवा में तीव्र गति से उड़ते जेट विमानों से लेकर छोटे मानव रहित विमानों और क्रूज मिसाइलों को आकाश में ही तबाह करने में सक्षम है।

स्काल्प बड़े हमलों के लिए उत्तम

स्काल्प हवा से मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल है। यह जमीन पर स्थिर और बड़े ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने में अचूक है। पूर्व नियोजित बड़े हमलों के लिए यह उत्तम मिसाइल है। स्काल्प मिसाइल ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स और फ्रांस की वायुसेना का हिस्सा रही है। इस मिसाइल का इस्तेमाल खाड़ी युद्ध में भी किया गया था। नवनियुक्त वायुसेना प्रमुख राकेश कुमार सिंह भदौरिया ने पिछले हफ्ते ही कहा था कि पड़ोसी देशों का मुकाबला करने के दौरान यह भारतीय वायुसेना की ताकत में अत्यधिक इजाफा करेंगे।

प्रतीकात्मक

बालाकोट के हीरो अभिनंदन की 51वीं स्क्वाड्रन होगी सम्मानित

▶ मिग–21 उड़ा रहे विंग कमांडर ने पाक के ताकतवर एफ–16 को मार गिराया था

▶ यूनिट के कमांडिग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन सतीश पवार इस अवार्ड को ग्रहण करेंगे

नई दिल्ली, एएनआइ : भारतीय वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की यूनिट 51वीं स्क्वाड्रन को सम्मानित करेंगे। यह अवार्ड 27 फरवरी को पाकिस्तान के एफ-16 विमान को मार गिराने के लिए मिल रहा है। यूनिट के कमांडिग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन सतीश पवार इस अवार्ड को ग्रहण करेंगे। वायु सेना दिवस पर आठ अक्टूबर को गाजियाबाद के हिंडन बेस में वायु सेना प्रमुख अवार्ड के रूप में प्रशस्ति पत्र देंगे।

बालाकोट एयर स्ट्राइक के जवाब में पाकिस्तान के हमले के दौरान 27 फरवरी को अभिनंदन वर्धमान ने कम क्षमता वाले मिग-21 से एफ-16 विमान को मार गिराया था। ऐसा कारनामा कर अभिनंदन ने अदम्य साहस एवं दृढ़ता का परिचय दिया था। हालांकि, इस दौरान अभिनंदन का विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उन्होंने खुद को इजेक्ट कर लिया था। वो गुलाम कश्मीर की सीमा में जा गिरे थे और पाकिस्तानी सेना ने उन्हें पकड़ लिया था।

बाद में भारत और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद पाकिस्तान ने एक मार्च को उन्हें सकुशल भारत को सौंपा था। 73वें स्वतंत्रता दिवस पर उन्हें वीर चक्र से भी सम्मानित किया गया था।

मिराज 2000 की यूनिट भी होगी सम्मानित : पुलवामा हमले के बाद 26 फरवरी को बालाकोट में एयर स्ट्राइक को अंजाम देने वाले मिराज 2000 फाइटर जेट की यूनिट 9 को भी वायुसेना प्रमुख सम्मानित करेंगे। आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के ठिकानों पर 12 मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने हमला किया था। इस हमले में जैश के कई आतंकी मारे गए थे। 14 फरवरी को पुलवामा हमले में भारत के 40 से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे।

विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान। फाइल

स्क्वाड्रन लीडर मिंटी अग्रवाल की यूनिट को भी सम्मान

वायु सेना दिवस के मौके पर वायु सेना प्रमुख भदौरिया स्क्वाड्रन लीडर मिंटी अग्रवाल की 601 सिग्नल यूनिट को भी सम्मानित करेंगे। इस यूनिट ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और 27 फरवरी के पाकिस्तानी हमले को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। बता दें कि जब अभिनंदन वर्धमान अपने विमान से पाकिस्तानी विमानों का पीछा कर रहे थे, तो कंट्रोल रूम 601वीं सिग्नल यूनिट में बैठीं स्क्वाड्रन लीडर मिंटी अग्रवाल उन्हें निर्देश दे रही थीं। 601वीं सिग्नल यूनिट ने ही बालाकोट में एयर स्ट्राइक को अंजाम देने वाले विमानों को भी निर्देश दिया था।

मुंबई में कारोबारी से रंगदारी मांगने पर दाऊद का गुर्गा गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र : कारोबारी से पांच लाख की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने भगोड़ा गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक गुर्गे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया, अपराध शाखा की टीम ने शुक्रवार को दक्षिण मुंबई के क्रॉफोर्ड मार्केट इलाके से रियाज भाटी (50) को गिरफ्तार किया। वह हिस्ट्रीशीटर है। जुहू थाने में इसी साल जून में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

गोरेगांव निवासी शिकायतकर्ता रियाज का कारोबारी साझेदार था। बाद में उनकी साझेदारी टूट गई थी। कारोबारी का आरोप है कि बाद में रियाज ने अंडरवर्ल्ड का डर दिखा कर उससे रंगदारी मांगनी शुरू कर दी।

अपराध शाखा की इकाई-1 के निरीक्षक विनायक मेर ने बताया कि रियाज की गिरफ्तारी आइपीसी की धारा 384 (रंगदारी मांगना) के तहत की गई। कोर्ट ने उसे नौ अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, भाटी को इससे पहले एंटी एक्सटॉर्सन सेल ने जुलाई में गिरफ्तार किया था। उस पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सदस्यता हासिल करने के लिए फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप था। उस पर कई अन्य मामले भी दर्ज हैं।

मुरादाबाद के पास 15 घंटे में दूसरी ट्रेन पटरी से उतरी

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

लखनऊ से चलकर आनंद विहार टर्मिनस जाने वाली एसी डबल डेकर एक्सप्रेस गुलाबबाड़ी के नजदीक बेपटरी हो गई। इसके चलते लखनऊ-दिल्ली रेल मार्ग चार घंटे बाधित रहा जबकि 16 ट्रेनों के पहिए थम गए। रामपुर के पास शनिवार को मिलिट्री स्पेशल ट्रेन बेपटरी होने के 15 घंटे बाद ही हुए इस दूसरे हादसे से रेलवे की संरक्षा और सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर यात्रियों ने हंगामा भी किया।

रविवार को एसी डबल डेकर (12583) एक्सप्रेस ट्रेन करीब 10:10 बजे गुलाबबाड़ी के नजदीक से गुजर रही थी। मुरादाबाद यार्ड तक के बीच ट्रैक पर मरम्मत कार्य के चलते लोको पायलट ट्रेन को 17 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से निकाल रहे थे। इसी दौरान झटके के साथ ट्रेन के सी-5 और सी-7 कोच के एक-एक पहिए पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि किसी यात्री को चोट नहीं लगी। क्षुब्ध यात्रियों ने हंगामा काटा। इंजन समेत चार कोचों को मुरादाबाद रवाना किया, बाकी यात्रियों को बस से मुरादाबाद लाया गया। डीआरएम तरुण प्रकाश, सीनियर डीओएम, सीनियर डीसीएम सहित सभी

मुरादाबाद में गुलाबबाड़ी के पास पटरी से उतरे एसी डबल डेकर एक्सप्रेस के पहिए। जागरण

मंडलीय अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। टीम को सी-5 कोच को दोपहर 11:55 बजे पटरी पर चढ़ा दिया गया, जबकि सी-7 कोच को 1:45 बजे पटरी पर चढ़ाया गया। दो बजे से ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया। पहले मालगाड़ी गुजारी गई। चार घंटे ट्रैक बाधित रहा। इसके कारण राजधानी, अवध आसाम अप और डाउन दोनों, मालदाटाउन, कुंभ एक्सप्रेस, इंटरसिटी, नई दिल्ली डिब्रूगढ़ राजधानी, गरीब रथ सहित 16 ट्रेनों के पहिए थमे। इन्हें पीछे के स्टेशनों पर रोकना पड़ा। मंडल रेल प्रबंधक तरुण प्रकाश ने बताया कि घटना की जांच के लिए मंडल के संरक्षा और सुरक्षा अधिकारियों की टीम बनाई जा रही है।

नाबालिग ने स्मार्टफोन के लिए ली मां की जान

नईदुनिया, राजगढ़ : मध्य प्रदेश के राजगढ़ में एक नाबालिग ने स्मार्ट फोन नहीं दिलाने पर अपनी ही मां की हत्या कर दी। उसने चाकू से गर्दन पर वार किया। वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गईं तो दुपट्टे से गला कस दिया और भाग गया। आरोपित को सट्टा और नशे की लत भी है।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि शनिवार शाम करीब चार बजे 50 वर्षीय महिला घर में मृत मिली थी। उसके गले पर चोट के निशान थे। महिला का 17 वर्षीय बेटा लापता था। वह साथ में 20 वर्षीय बड़े भाई का स्मार्टफोन भी ले गया था। मोबाइल की लोकेशन के आधार पर शाजापुर जीआरपी की मदद से उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपनी मां की हत्या करना कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि वह बड़े भाई का स्मार्टफोन ले जाना चाह रहा था। मां मना कर रही थी। दूसरा फोन दिलाने से भी मना कर दिया था। इससे उसने छिलनी वाले चाकू (जिससे आलू छीले जाते हैं) से मां की गर्दन पर वार कर दिया। चाकू छिपाकर कमरे में बिखरा खून पानी से धोया और भाग गया। उस समय घर में कोई और नहीं था। बताया गया है कि दो दिन पहले भी दोनों भाइयों में स्मार्टफोन को लेकर विवाद हुआ था।

डॉक्टरों ने सेवा से बेहतर समझा 15–15 लाख रुपये दंड भरना

▶ झारखंड में सेवा नहीं देना चाहते रिम्स में पढ़ाई करने वाले डॉक्टर

▶ एक साल की सेवा शर्त नहीं पूरी करने पर पांच डॉक्टरों ने किया रुपये का भुगतान

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में पढ़ाई करने वाले पांच डॉक्टरों ने झारखंड में सेवा देने से बेहतर 15 -15 लाख रुपये का आर्थिक दंड भरना बेहतर समझा है। इन डॉक्टरों ने झारखंड सरकार की सेवा शर्त नियमावली के अनुसार एक साल की सेवा नहीं देने पर बतौर आर्थिक दंड के रूप में 15-15 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। राज्य सरकार के नियमों के तहत राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में पीजी डिप्लोमा या डिग्री की पढ़ाई करने वाले छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद झारखंड में न्यूनतम एक साल तक की सेवा देना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के एक जिम्मेदार पदाधिकारी ने इन डॉक्टरों द्वारा सेवा देने के बजाय आर्थिक दंड के भुगतान करने की पुष्टि की है। राज्य सरकार के नियमों के तहत पीजी डिप्लोमा या डिग्री में पढ़ाई करने के दौरान छात्रों को यह बांड भरना पड़ता है कि झारखंड में सेवा नहीं देने पर वे आर्थिक दंड का भुगतान करेंगे।

सरकारी सेवा में आना नहीं चाहते डॉक्टर

झारखंड में डॉक्टरों की भारी कमी है। डॉक्टर सरकारी सेवा में आना नहीं चाहते। हाल ही में राज्य के तीनों नए मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति में भी बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। राज्य सरकार विशेषज्ञ डॉक्टरों की भी नियुक्ति की प्रक्रिया बार–बार शुरू करती है, लेकिन अधिसंख्य पद रिक्त रह जाते हैं। सरकारी सेवा में डॉक्टर आ सके, इसी उद्देश्य को लेकर राज्य सरकार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों को निर्धारित अवधि तक झारखंड में सेवा देना अनिवार्य कर रखा है, परंतु डॉक्टर इसे धता बता रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला ड्रग्स तस्कर मुंबई से गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराष्ट्रीय महिला ड्रग्स तस्कर को मुंबई से गिरफ्तार किया है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था। वह 25 जून 2018 को दो नाइजीरियाई मूल के ड्रग्स तस्करों के साथ दिल्ली में पकड़ी गई थी। उनसे 7.50 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। जमानत पर बाहर आने के बाद तीनों फरार हो गए थे। इनमें दो पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

डीसीपी स्पेशल सेल प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक गिरफ्तार महिला का नाम मरियम उर्फ म्वेके (36) है। वह नेरोबी (केन्या) की रहने वाली है। 2016 में मरियम पर्यटक वीजा पर तीन महीने के लिए भारत आई थी। वीजा की अवधि खत्म होने पर वह वापस केन्या नहीं लौटी और अवैध तरीके से दिल्ली में रहकर नाइजीरियाई मूल के युवकों के साथ धंधा करने लगी। उसी दौरान उसका परिचय केन्या के ओबम फेवर से हुआ। वह हेरोइन की तस्करी करता था। ओबम के कहने पर मरियम हरियाणा, मुंबई, दिल्ली, पंजाब समेत उत्तर भारत के अन्य राज्यों में हेरोइन आपूर्ति करने लगी। डीसीपी कुशवाहा ने बताया कि उसे इसी साल जनवरी में जमानत मिली थी, लेकिन वह मुंबई भाग गई।

उत्साहजनक

हिमालय में कैमरे में कैद हुए 46 हिम तेंदुए

शिमला में चल रही वन विभाग की संगोष्ठी, 100 के करीब बताई जा रही प्रदेश में स्नो लैपर्ड की तादाद, सुरक्षित हिमालय प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए हो रहे प्रयास

राज्य ब्यूरो, शिमला

हिमाचल में वन विभाग के वन्य प्राणी विंग ने हिम तेंदुए (स्नो लैपर्ड) को बचाने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए विंग ने तैयारी पूरी कर ली है। प्रदेश में स्पीति व पांगी जैसे क्षेत्रों में लगाए कैमरों में अब तक 46 हिम तेंदुओं की गतिविधियां कैद हुई है। प्रदेश में इनकी तादाद 100 के करीब बताई गई है। सुरक्षित हिमालय प्रोजेक्ट भी इसी दुर्लभ वन प्राणी को बचाने पर केंद्रित है।

वन विभाग प्रदेशभर में दो से आठ अक्टूबर तक 68वां वन्य प्राणी सप्ताह मना रहा है। इसी के तहत शिमला स्थित वन विभाग के सम्मेलन हॉल में रविवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें इस बात का राजफाश हुआ है। वन विभाग के अधिकारियों के अलावा प्रकृति संरक्षण फाउंडेशन के विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रकृति संरक्षण फाउंडेशन ने स्नो लैपर्ड पर सर्वे किया है। इसकी अंतिम रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सप्ताह का समापन शिमला के गेयटी थियेटर में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर करेंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता पीसीसीएफ अजय कुमार ने की। इसमें पीसीसीएफ वन्य प्राणी डॉ. सविता समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

कहां पाया जाता है हिम तेंदुआ: हिम तेंदुआ भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, मंगोलिया, भूटान व रूस आदि दुनिया के 12 देशों में पाया जाता है। भारत में यह पांच राज्यों हिमाचल, सिक्किम, अरुणाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पाया जाता है। वन्य प्राणी विशेषज्ञों के अनुसार हिमाचल में इसकी संख्या स्थिर बनी हुई है। यह ज्यादातर हिमाचल के उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है।

उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है हिम तेंदुआ। फाइल

हिम तेंदुए के संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास हो रहे हैं। सुरक्षित हिमालय प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। संगोष्ठी में भी इस पर गहन चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने इसमें शोध पर आधारित बातें सामने रखीं।

-डॉ. सविता, पीसीसीएफ वन्य प्राणी विंग।

गोवंश के मांस का निर्यात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जागरण संवाददाता, मेरठ : उप्र की मेरठ पुलिस और सर्विलांस टीम ने गोवंश के मांस का निर्यात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त टीम ने मेरठ के गांव अल्लीपुर के पास शनिवार को एक गोदाम में छापामार कार्रवाई की थी। मौके से पांच टन गोवंश और अन्य पशुओं का मांस बरामद हुआ था। इस दौरान पुलिस ने मौके से चार लोगों को गिरफ्तार किया था। रविवार को एसएसपी अजय साहनी ने बताया कि मेरठ निवासी असलम गिरोह का सरगना है। वह खुद को एक न्यूज पोर्टल से जुड़ा बताता है। मांस का अवैध कारोबार करने के लिए उसने गोदाम किराए पर लिया था। मेरठ के अलावा हापुड़, मुजफ्फरनगर आदि जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों से मांस एकत्र किया जाता था। इसके अलावा मुर्दा मवेशियों का भी मांस खरीदते थे। इसके बाद चार-पांच टन मांस होने पर उसे दिल्ली में लारेंस रोड स्थित जगदीश प्राइवेट लिमिटेड, सुशील प्राइवेट लिमिटेड और अलाना मीट फैक्ट्री में भेज दिया जाता था।

बलरामपुर एसपी ने कहा–अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र दो, तभी मिलेगी छुट्टी

▶ पढ़ने की आदत बनाने के लिए अखबार पढ़ना किया अनिवार्य

▶ पुलिस अधीक्षक की नई पहल से सकते में पुलिसकर्मी

जागरण संवाददाता, बलरामपुर

उप्र में बलरामपुर के एसपी देवरंजन वर्मा के एक आदेश से पुलिसकर्मी सकते में हैं। अब पुलिसकर्मियों को अवकाश लेने के लिए अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र देना होगा, तभी उन्हें अवकाश मिल पाएगा।

एसपी का तर्क है कि पढ़ने की आदत पुलिसकर्मियों में समाप्त हो चुकी है। अंग्रेजी सुनते ही उनके हाथ पैर कांपने लगते हैं। पीड़ित अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र देता है तो पुलिसकर्मी इधर-उधर झांकने लगते हैं। इस कवायद से पुलिसकर्मी हाईटेक तो होंगे ही, उन्हें अंग्रेजी में बात करने व उसे समझने के लिए झिझक महसूस नहीं होगी। सोशल मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभाव व पढ़ने की आदत खत्म होता देख नई पहल की गई है। पुलिसकर्मियों को आक्सफोर्ड शब्दकोश की किताब खरीदनी पड़ेगी। साथ ही अंग्रेजी व हिंदी के अखबार पढ़ने होंगे।

स्कूलों में होने वाली कार्यशाला के दौरान स्कूली बच्चे अंग्रेजी में सवाल पूछ लेते हैं, उस समय पुलिसकर्मियों को झेंप उठानी पड़ती है। इसलिए ऐसी कवायद की गई है।

अब पुलिसकर्मियों को अवकाश लेने से पूर्व अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र पेश करना होगा। अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र नहीं मिलेगा तो उन्हें अवकाश नहीं दिया जाएगा। पुलिस लाइन से लेकर थानों तक यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

–देवरंजन वर्मा, एसपी, बलरामपुर

3 लाख से ज्यादा भारतीय 2018 तक एच1बी1 वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे थे। अमेरिका में कुल 4,19,637 एच1बी1 वीजा धारकों में 74 प्रतिशत (3,09,986) भारतीय हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 7 अक्टूबर 2019

बारामुला में जैश का आतंकी गिरफ्तार

आतंक पर अंकुश ▶ पुलिस पर हमला करने की रच रहा था साजिश

नाके पर हथियार के साथ पकड़ा गया

राज्य ब्यूरो, जम्मू

सुरक्षाबलों ने बारामुला में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए रविवार को पुलिस पर हमला करने की साजिश रच रहे जैश-ए-मुहम्मद के एक स्थानीय आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया। पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जम्मू कश्मीर पुलिस व केंद्रीय रिजर्व पुलिस के जवानों ने उत्तरी कश्मीर के बारामुला में नाके पर आतंकवादी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान मोहसिन मंजूर सालाह के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पकड़े गए आतंकवादी से पूछताछ शुरू कर दी है।

आतंकवादी की गिरफ्तार के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस के डीआइजी ने बताया कि मंजूर 30 अगस्त को जैश में भर्ती हुआ था। परिवार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट इस साल 28 अगस्त को लिखाई थी। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि मंजूर क्षेत्र में आ रहा है। ऐसे में उसकी धरपकड़ के लिए नाका लगाकर उसे पकड़ लिया गया। उसके पास से एक पिस्तौल व इसकी मैग्जीन बरामद हुई है। मंजूर से हुई बरामदगी के आधार पर ऐसे संकेत मिले हैं कि वह किसी पुलिसकर्मी पर घात लगाकर हमला करने की तैयारी में था। पहले ही जवानों ने उसके पकड़ लिया।

सुरक्षाबलों द्वारा बारामुला में पकड़ा गया आतंकी मोहसिन मंजूर सालाह। एएनआइ

अमरोहा से जुड़े आतंकी के तार

जागरण संवाददाता, अमरोहा : जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए जैश-ए-मुहम्मद के संदिग्ध आतंकी मोहसिन सालेहा का अमरोहा कनेक्शन सामने आया है।

इसकी जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) और खुफिया ब्यूरो (आइबी) की टीम ने रविवार रात मुरादाबाद मंडल में दस्तक दे दी है। देर रात तक दोनों टीम के अमरोहा पहुंचने की चर्चाएं रहीं। रात में किसी समय टीमें कार्रवाई कर सकती हैं। माना जा रहा है कि मोहसिन का कनेक्शन हरकत उल हर्ब ए इस्लाम संगठन से जुड़ा है। यहां के मदरसों पर भी खुफिया एजंसियों की नजर लगी है। वहीं स्थानीय पुलिस ने एनआइए और आइबी टीम के आने से अभिज्ञता जताई है। दिसम्बर 2018 में अमरोहा में एनआइए ने छापा मारकर आतंकी संगठन हरकत उल हर्ब ए इस्लाम के संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा था। तीन महीने की कार्रवाई के दौरान अमरोहा जनपद से पांच संदिग्ध पकड़े गए थे। इनमें से इरशाद और रईस जमानत पर छूट चुके हैं, जबकि हरकत उल हर्ब ए इस्लाम का यूपी चीफ मुफ्ती सुहैल, सईद व मौलाना गुफरान अभी जेल में हैं।

सीमा के करीब पहुंचे आतंकी, भारत ने खदेड़ा

जासं, राजौरी : पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए रविवार शाम को पुंछ, राजौरी और सुंदरबनी में भारी गोलाबारी की, जो रात तक रुक-रुक कर जारी रही। इस बीच तीन से चार आतंकी सीमा के करीब पहुंच गए, लेकिन भारतीय सेना के जवानों ने उन्हें खदेड़ दिया।

पाक सेना पुंछ के देगवार, खड़ी करमाड़ा के साथ राजौरी जिले के नौशहरा के लाम व कलाल सेक्टर और सुंदरबनी के मिनका महादेव सेक्टर में गोलाबारी की आड़ में आतंकियों के दल को घुसपैठ कराने का प्रयास कर रही है, जिसे सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवानों ने सफल नहीं दिया। पाक सेना अग्रिम चौकियों के साथ-साथ रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर गोलाबारी कर रही है। सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवान भी मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। गोलाबारी से कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन सीमा पर तनाव बना हुआ है।

सूत्रों का कहना है कि देगवार और खड़ी करमाड़ा सेक्टर में गोलाबारी के दौरान तीन से चार आतंकी सीमा के करीब पहुंच गए थे, लेकिन भारतीय सेना की कड़ी कार्रवाई के बाद उन्हें भागना पड़ा। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से पाक सेना आतंकियों को घुसपैठ कराने के लिए हर रोज किसी न किसी सेक्टर में भारी गोलाबारी कर रही है।

सुखबीर सिंह बादल को बम धमाके में उड़ाने की थी साजिश

धर्मबीर सिंह मल्हार, तरनतारन : बरगाड़ी (फरीदकोट) में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी से खफा आतंकियों ने पंजाब के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को बम धमाके में उड़ाने की साजिश रची थी। वर्ष 2016 में श्री गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व पर सुखबीर के अमृतसर दौरे के दौरान बम धमाका करना था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण साजिश कामयाब नहीं हुई।

गत 4 सितंबर को गांव पंडोरी गोला में हुए बम धमाके के मामले में गिरफ्तार आतंकियों ने पूछताछ में यह सनसनीखेज रहस्योद्घाटन किया है। मामले की जांच कर रही एनआइए ने आठ आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर अमृतसर जेल से हिरासत में लिया है। तीन आरोपितों गुरजंट सिंह जंटा, अमृतपाल सिंह बचड़े व हरजीत सिंह पंडोरी गोला को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि पंजवड़ निवासी बिक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की पंजवड़ को सुखबीर बादल को अमृतसर दौरे के दौरान बम धमाके में उड़ाना था। इसके लिए उसने देसी बम तैयार किए थे। गुरजंट सिंह जंटा को बम बनाने की ट्रेनिंग दी थी। जंटा ने भी एक बम तैयार किया था। इन्होंने इन बमों के परीक्षण के लिए एक धमाका ब्यास-रइया सड़क पर भी किया था, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ था। आतंकियों से पूछताछ में पता चला है कि सुखबीर बादल के काफिले पर पहल बम विक्की फेंकता तो दूसरा बम मलकीत सिंह उर्फ शेरा को फेंकना था।

पाकिस्तान के गुलाम कश्मीर से एलओसी मार्च की निकली हवा

गगन कोहली, राजौरी

▶ नियंत्रण रेखा से आठ किलोमीटर पहले ही ठहर गए प्रदर्शनकारी

▶ भारत की तैयारी देख तीन दिन बाद भी कोई नियंत्रण रेखा पर नहीं पहुंचा

पाकिस्तान सरकार द्वारा गुलाम कश्मीर के लोगों को उकसाकर नियंत्रण रेखा की ओर मार्च कराने की मुहिम की हवा निकल गई है। शनिवार तक नियंत्रण रेखा पार करने का दावा करने वाले नेताओं के सुर भी जनसमर्थन न मिलने के कारण ठंडे पड़ते दिखे और मार्च गुलाम कश्मीर में नियंत्रण रेखा से आठ किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया। अब उन्होंने वहीं धरना देने का एलान किया है। वहीं, भारतीय सेना किसी भी नापाक हरकत का करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पाकिस्तान सेना ने गुलाम कश्मीर के नागरिकों को उकसा कर जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के बैनर तले 4 अक्टूबर को गुलाम कश्मीर के कोटली से एलओसी मार्च करने का दावा किया था। जेकेएलएफ का स्थानीय नेता रफीक डार इसके अगुआ हैं। इस मार्च में उत्तरी कश्मीर के सामने चकोटी के पास से नियंत्रण रेखा पार करने की बात कही गई थी। ऐसे में कुछ लोग वहां से निकले जरूर, लेकिन भारतीय सेना की तैयारी को देखने के बाद नियंत्रण रेखा तक कोई नहीं आया।

लोगों को उकसाया पर नहीं मिला समर्थन : पांच अक्टूबर को मुजफ्फराबाद में तमाम लोगों को जुटाया गया और फिर से नियंत्रण रेखा को पार करने की बात कही गई। स्थानीय लोगों को उकसाने की कोशिशें भी हुईं पर अधिक समर्थन नहीं मिल पाया। प्रदर्शनकारी शनिवार को गुलाम कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद से चलकर गढ़ी दुपट्टा पहुंचे जहां वे रातभर रहे। रविवार सुबह वे मुजफ्फराबाद-श्रीनगर हाईवे की ओर बढ़े।

भारत की चेतावनी से डरे : रविवार को यह लोग नियंत्रण रेखा की ओर आगे बढ़ने का दावा करते दिखे, लेकिन भारतीय सेना के दो-टूक बयान के बाद उनके कदम नियंत्रण रेखा से करीब आठ किलोमीटर पहले ही ठिठक गए। भारत ने कहा था कि जो नियंत्रण रेखा पार करेगा उसे आक्रमणकारी माना जाएगा। ऐसे में अब चकोटी से आठ किलोमीटर पहले गुलाम कश्मीर के जकसोल क्षेत्र में धरना देने की बात कही जा रही है।

इमरान सरकार का दोहरा रवैया

दो दिन पूर्व तक इमरान खान और उनके करीबी गुलाम कश्मीर के लोगों को उकसाते नजर आ रहे थे। अब लोगों को रोकने का दिखावा करते हुए बैरिकेड लगाए गए हैं। इससे एक बार फिर साफ हो गया है पाकिस्तान कितना भी अपने डर पर पर्दा डालने की कोशिश करे, लेकिन जब भारतीय सेना से आमने-सामने की बात होती है तो सभी धमकियों की हवा निकल जाती है।

उकसा चुके हैं इमरान

अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के बाद पाक के प्रधानमंत्री कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी किरकिरी करवा चुके हैं। अब भी पहले उन्होंने गुलाम कश्मीर के लोगों को एलओसी की तरफ बढ़ने को कहा, लेकिन भारतीय सेना की तैयारी और सख्त रवैये को डरे इमरान ने ट्वीट कर लोगों से एलओसी की ओर न जाने की गुहार लगाई थी।

कश्मीर के उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक नहीं करेगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, जम्मू : ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल चुनाव (बीडीसी) को लेकर प्रदेश भाजपा सुरक्षा कारणों से कश्मीर व लद्दाख संभाग के अपने उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक नहीं करेगी। प्रदेश भाजपा ने दोनों संभागों के जिला प्रधानों के माध्यम से उम्मीदवारों को सूचित करने की रणनीति बनाई है। पार्टी नहीं चाहती है कि नामांकन पत्र भरने से पूर्व किसी को जानकारी मिले कि किस कार्यकर्ता को चेयरमैन के लिए उम्मीदवार बनाया है। आतंकवादियों के माहौल बिगाड़ने के मंसूबे को ध्यान में रख फैसला किया। आतंकी ग्रामीण इलाकों में चुनाव के खिलाफ हैं। अब तक आतंकी राज्य में अठारह पंच-सरपंचों की हत्या कर चुके हैं।

जम्मू कश्मीर व लद्दाख में बीडीसी के 310 ब्लाकों के चेयरपर्सन चुनने के लिए नामांकन पत्र भरने की अंतिम तारीख नौ अक्टूबर है। भाजपा ने शनिवार को जम्मू संभाग में उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी थी। भाजपा के साथ कांग्रेस ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। अभी उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी व नेशनल कांफ्रेंस ने बीडीसी चुनाव में हिस्सा लेने के लिए कोई फैसला नहीं किया है।

नेकां ने दिए बीडीसी चुनाव में हिस्सा न लेने के संकेत

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▶ कहा– राज्य में सियासी माहौल नहीं, चुनाव में कैसे लें हिस्सा

▶ अनुच्छेद 370 हटने के 62 दिन बाद फारूक व उमर से मिले नेकां नेता

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) के चुनाव में हिस्सा न लेने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। नेकां नेताओं का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जेल में है, ऐसे में बीडीसी चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है। उम्मीदवार बनाने के लिए पार्टी अध्यक्ष ही जनादेश पर हस्ताक्षर करते हैं, लेकिन अध्यक्ष अभी आवासीय जेल में बंद हैं। ऐसे में फैसला लेना संभव नहीं है। नेकां के अनंतनाग से सांसद हसनैन मसूदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में इस समय सियासी माहौल नहीं है। ऐसे में चुनाव में हिस्सा लेने या इसके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है।

पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के 62 दिन बाद रविवार को जम्मू संभाग के नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र राणा की अगुआई में 15 नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष और सांसद फारूक अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पहली मुलाकात की। राज्य प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद श्रीनगर स्थित हरि निवास में उमर से 30 मिनट, जबकि फारूक से उनके निवास स्थान पर मुलाकात हो सकी। प्रतिनिधिमंडल में नेकां के अनंतनाग से सांसद हसनैन मसूदी भी शामिल थे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से श्रीनगर स्थित अपने घर में नजरबंद पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से रविवार को नेशनल कांफ्रेंस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। एएनआइ

नेताओं की रिहाई के बाद ही होगा चुनाव में भाग लेने का फैसला : देवेंद्र राणा ने कहा कि पार्टी के दोनों वरिष्ठ नेता स्वस्थ हैं। उनका मनोबल भी ऊंचा है। हालांकि वे जम्मू कश्मीर के घटनाक्रम से आहत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीडीसी चुनाव में हिस्सा लेने का फैसला तभी हो सकता है, जब पार्टी नेताओं को रिहा किया जाए। ऐसा फैसला राज्य कार्यकारिणी की बैठक में होता है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी है।

नेताओं से मिलकर उत्साह में नजर आए फारूक : उमर अब्दुल्ला से भेंट करने के बाद नेकां का प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला से मिलने उनके आवास पहुंचा। आवास पर फारूक के साथ उनकी पत्नी मौली अब्दुल्ला भी मौजूद थीं। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में जम्मू कश्मीर के मौजूदा राजनीतिक हालात संबंधी मुद्दों पर विचार विमर्श किया। वहीं, पार्टी नेताओं से मिलकर फारूक उत्साह में नजर आए। उन्होंने नेताओं संग फोटो भी खिंचवाए। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला पीएसए के तहत हिरासत में हैं।

महबूबा से आज मिलेंगे पीडीपी के नेता : नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं की फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद अब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का दल भी प्रधान महबूबा मुफ्ती के साथ सोमवार को मुलाकात करेगा। पीडीपी के वरिष्ठ नेता वेद महाजन के नेतृत्व में 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार सुबह श्रीनगर रवाना हो रहा है।

उमर अब्दुल्ला से राजनीतिक हालात पर चर्चा

राज्य प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद रविवार सुबह जम्मू से श्रीनगर रवाना हुए नेकां नेताओं के दल ने श्रीनगर स्थित हरि निवास में नजरबंद पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भेंट की। प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने उमर से बैठक कर आधे घंटे तक चर्चा की।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने गुलाम कश्मीर का दौरा किया

इस्लामाबाद, प्रेट्र : अमेरिका के एक उच्चस्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत द्वारा अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद जमीनी स्तर पर हालात का पता लगाने और लोगों की भावनाओं को जानने के लिए रविवार को गुलाम कश्मीर का दौरा किया।

इस प्रतिनिधिमंडल में सीनेटर क्रिस वान होलेन और मैगी हसन के साथ ही अमेरिकी उप राजदूत पाल जोंस शामिल थे। उन्होंने पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद का दौरा किया।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने कहा कि इस दौरे का उद्देश्य भारत द्वारा पांच अगस्त को लिए गए फैसले के बाद जमीनी स्थिति देखना और जनता की भावनाओं को समझना था। भारत सरकार ने पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को रद्द कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेश में विभाजित करने का फैसला किया था। भारत के इस फैसले का पाकिस्तान विरोध कर रहा है और इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, पाकिस्तान अपने प्रयासों में फेल ही रहा है। दुनिया ने जम्मू-कश्मीर पर भारत के दावे को सहमति भी दी है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस खरीदेगी 50 अत्याधुनिक ड्रोन

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : जम्मू कश्मीर पुलिस ने आतंकी गतिविधियों, पत्थरबाजी से निपटने और राष्ट्र विरोधी तत्वों पर निगरानी के लिए 50 अत्याधुनिक यूएवी (मानवरहित टोही विमान-अनमैन्ड एरियल व्हिकल) लेने का फैसला किया है।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी राज्य प्रशासन को यूएवी खरीदने की अनुमति प्रदान कर दी है। इसके आधार पर जम्मू कश्मीर पुलिस के प्रोक्यूरमेंट विंग ने इन्हें खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इस साल के समाप्त होने से पहले ही खरीद की प्रक्रिया को निपटा लिया जाएगा। इसके लिए आवश्यक धनराशि भी जारी की जा चुकी है। हालांकि, राज्य पुलिस पहले भी यूएवी का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन प्रत्येक जिला पुलिस के पास यह उपलब्ध नहीं हैं।

जो यूएवी खरीदे जा रहे हैं वह पहले से मौजूद ड्रोन से कहीं ज्यादा अत्याधुनिक और उन्नत हैं। यह कैटेगरी 3 के यूएवी हैं जो जम्मू कश्मीर की भौगोलिक परिस्थितियों के अलावा यहां जारी आतंकी हिंसा के परिदृश्य के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों के लिए बहुत कारगर हैं।

जम्मू-कश्मीर में 200 से 300 आतंकी सक्रिय : डीजीपी

जागरण ससंवाददाता, पुंछ

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि गोलाबारी की आड़ में पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा (आइबी) पर आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कराने का पूरी जोर लगा रहा है। हमारा सुरक्षा तंत्र मजबूत है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में राज्य में 200 से 300 आतंकी सक्रिय हैं।

पुंछ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीजीपी ने कहा कि पाक रेंजर्स और सेना जम्मू के कानाचक, हीरानगर, आरएस पुरा, राजौरी, पुंछ, उड़ी, करनाह, केरन और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन कर रही है। घुसपैठ की कोशिशों को हर बार नाकाम बनाया जा रहा है। कुछ अभियानों में तो कई आतंकियों को जिंदा भी पकड़ा है।

पूरे राज्य में कानून व्यवस्था पर डीजीपी ने कहा कि जम्मू प्रांत, लद्दाख में स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। कश्मीर में भी हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। कई स्थानों पर बड़ा ट्रैफिक जाम देखा गया। इससे पहले, डीजीपी ने पुंछ के सुरनकोट के हिलकाका इलाके में मरहा गांव का दौरा किया।

डीजीपी दिलबाग सिंह। फाइल

यह वही जगह जिसे वर्ष 2003 में शुरू किए ऑपरेशन सर्प विनाश के लिए याद किया जाता है जिसमें क्षेत्र में बड़ी संख्या में सक्रिय आतंकवादी मारे गए थे। डीजीपी ने स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात कर सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा कर उनका मनोबल बढ़ाया। पुलिस महानिरीक्षक जम्मू क्षेत्र मुकेश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ, रमेश कुमार अंगराल, डीएसपी सुरनकोट जावेद तबस्सुम, एसडीपीओ मेंढर, नीरज कुमार मौजूद थे। बाद में, डीजीपी ने पुंछ मंडी का दौरा कर अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों के साथ हालात पर चर्चा की।

बदायूं की गोशाला में 25 गायों की मौत, नौ की हालत गंभीर

जागरण संवाददाता, बदायूं : उप्र के बदायूं की गोशाला में रविवार रात 25 गायों की मौत हो गई। जबकि नौ की हालत गंभीर बनी हुई है। गायों को चारा में जहर देकर मारने की आशंका है। घटना के बाद जिलाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और उझानी कोतवाल मौके पर पहुंच गए।

बड़ी संख्या में गोवंशीय पशुओं की मौत कैसे हुई, इसकी वजह तलाशी जा रही है। कछला कस्बा में गंगा किनारे श्मशान घाट के पास गोशाला बनी है। इसमें करीब 70 गोवंशीय हैं। रविवार रात नौ बजे अचानक रंभाने के साथ ही कई गाय पछाड़ खाकर गिर पड़ीं और छटपटाने लगीं।

देखते ही देखते 25 गायों की मौत हो गई। जबकि नौ की हालत गंभीर है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके जादौन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बीमार गायों का उपचार शुरू किया। सीवीओ ने बताया कि गोशाला में एक साथ इतनी संख्या में गायों की मौत के पीछे चारे में जहरीला पदार्थ होने की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्थिति साफ होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

योगी को कैसे मालूम कोर्ट में क्या होने वाला है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ सपा अध्यक्ष ने उप्र के मुख्यमंत्री के भगवान राम से जुड़ी बड़ी 'खुशखबरी' बयान पर उठाया सवाल

▶ पूर्व सांसद रमाकांत, फूलन की बहन रुक्मिणी व बसपा के पूर्व एमएलसी साइकिल पर सवार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भगवान राम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी जल्दी मिलने के बयान पर सवाल उठाया है। यह कहते हुए कि मुख्यमंत्री को कैसे मालूम कि न्यायालय में क्या होने वाला है? अखिलेश ने रविवार को पूर्व सांसद रमाकांत यादव, पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन रुक्मिणी निषाद, बसपा के पूर्व एमएलसी अतहर खां समेत अन्य दलों से आए नेताओं को सपा कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के मौके पर यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को गोरखपुर में एक कथा कार्यक्रम में कहा कि बहुत जल्द ही भगवान राम से जुड़ी बड़ी 'खुशखबरी' सुनने को मिलेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती। उसने दूसरे दलों के नेताओं को अपने साथ लिया और इसके लिए सब कुछ किया। भाजपा को अन्य दलों से आए नेताओं की मदद से ही जीत मिली थी। जनता को बरगला कर बनी योगी सरकार के 800 दिन ही बचे है। सपा मुख्यालय में उमड़ी भीड़ से उत्साहित अखिलेश ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। तेजस ट्रेन चलाने पर तंज करते हुए कहा कि भाजपा निजीकरण को बढ़ावा देकर दलितों-पिछड़ों के हक को समाप्त करना चाहती है।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव। जागरण

कलाकार शिरीन मोदी की हत्या, आरोपित माली की भी मौत

पणजी, प्रेट्र : गोवा में 65 साल की कलाकार शिरीन मोदी की उनके घर में हत्या कर दी गई। हत्या आरोपित उनके माली की भी मौत हो गई है। शिरीन की हत्या के बाद भागते समय माली घायल हो गया था। पुलिस ने कहा कि रविवार को शिरीन के घर में ही उनका और उनके माली प्रफुल्ल का शव को मिला। पुलिस के अनुसार, माली ने शिरीन मोदी को मारा और बाद में घटनास्थल से भागने के चलते गिरने की वजह से आई चोटों के कारण वर खुद भी मर गया। मुंबई की रहने वाली शिरीन मोदी उत्तर गोवा जिले के अरपोरा गांव में एक आर्ट स्टूडियो चलती थी। रविवार दोपहर को यह घटना हुई।

अंजुना थाना प्रभारी नवलेश देसाई ने कहा कि असम के रहने वाले माली प्रफुल्ल ने घर के स्टोररूम में भारी हथियार से शिरीन पर हमला किया। शिरीन मोदी को यहां गोवा मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रफुल्ल को स्थानीय जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे भी मृत घोषित कर दिया गया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। देसाई ने कहा कि पड़ोसियों के बयानों के मुताबिक, मोदी और उनके माली के बीच झगड़ा होता रहता था।

कार मालिक का हेलमेट नहीं पहनने पर हुआ चालान!

नईदुनिया, खंडवा :

▶ जबलपुर ट्रैफिक पुलिस की तकनीकी गड़बड़ी से खंडवा निवासी कार चालक परेशान

▶ खंडवा में था कार चालक और जबलपुर में कट गया चालान

मध्य प्रदेश के जबलपुर की ट्रैफिक पुलिस के इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी से कार चालक परेशान हैं। दरअसल, जबलपुर पुलिस ने खंडवा के टपालचाल के युवक को 250 रुपए का चालान भेजा है। युवक पर आरोप है कि उसने बिना हेलमेट वाहन चलाया है। चालान पर दिया गया नंबर युवक की कार का है।

मप्र के शहर खंडवा के टपालचाल इलाके में रहने वाले मनोज साबले को डाक विभाग के माध्यम से कुछ दिन पहले चालान मिला है। इसे देखकर मनोज साबले भौंचक्के रह गए। इसमें कहा गया है कि 8 जून 2019 को एमपी 20-सीए 2838 द्वारा अब्दुल हमीद चौक जबलपुर पर 5.58 मिनट 47 सेकंड पर वह बिना हेलमेट लगाए हुए एक्टिवा चलाते हुए निकला है। चालान कियोस्क के माध्यम से यानी ऑनलाइन भी भर सकते हैं। चालान के साथ गाड़ी का फोटो भी दिया गया है। यह फोटो एक्टिवा का है, जबकि चालान में लिखा गया वाहन का नंबर कार का है। मनोज ने बताया कि चालान में दिया गया नंबर एमपी 20-सीए -2838 उसकी टाटा सफारी कार का है। वह उस दिन जबलपुर गया ही नहीं और कार भी खंडवा में ही थी।

दरअसल, यह सिस्टम की गलती है, क्योंकि जिस एक्टिवा का चालान बनाया गया है, उसका नंबर एमपी 20-एसए-2838 है और कार का नंबर एमपी 20-सीए -2838 है। संभवतः सीरियल नंबर के बीच में दिए गए अंग्रेजी के शब्दों को पढ़ने में सिस्टम ने गलती कर दी। चालान को लेकर उसने स्थानीय ट्रैफिक पुलिस थाने में संपर्क किया है।

शराब तस्करों का नेटवर्क तोड़ने के लिए डोजियर तैयार करेगी उत्तराखंड पुलिस

जागरण संवाददाता, देहरादून

▶ पथरिया पीर कांड के बाद दून पुलिस ने शराब तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए उठाया कदम

पथरिया पीर बस्ती में पिछले महीने जहरीली शराब पीने से हुई सात मौतों के बाद सरकार से लेकर पुलिस तक शराब तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट गई है। पुलिस ने देहरादून में सक्रिय शराब तस्करों से लेकर देहरादून में गैर प्रांतों से तस्करी के जरिये शराब लाकर बेचने वाले गिरोहों पर शिकंजा कसने में जुट गई है। इस कार्रवाई के असर को दूरगामी बनाने के लिए चिन्हित किए जा रहे शराब तस्करों का डोजियर भी तैयार किया जा रहा है, जिसमें उनके शराब तस्करी के तरीके से लेकर उनके इलाकों समेत तमाम छोटी-बड़ी जानकारियों को शामिल किया जा रहा है।

पथरिया पीर बस्ती में 19 व 20 सितंबर को जहरीली शराब पीने से छह लोगों की मौत हो गई थी, वहीं 27 सितंबर को एक अन्य शख्स की ऋषिकेश एम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस वाकये ने आम लोगों झकझोर कर रख दिया, वहीं सरकार और पुलिस को भी आईना दिखा दिया कि जब राजधानी में शहर के बीचोबीच स्थित बस्ती का यह हाल है तो शहर के बाहर और राज्य के अन्य जिलों में क्या तस्वीर होगी। घटना को लेकर सरकार के सख्त रुख के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए पथरिया पीर बस्ती में शराब सप्लाई करने वाले गिरोह का न सिर्फ भांडा फोड़ा, चार दिनों के भीतर गिरोह के चार सदस्यों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। मगर सूत्रों की मानें तो तफ्तीश में यह भी सामने आया कि देहरादून में अभी शराब तस्करी हो रही है और अन्य प्रांतों से भी शराब लाकर यहां बेची जा रही है। इस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पुलिस अब बड़े अपराधियों की तरह शराब तस्करों का भी डोजियर तैयार करने में जुट गई है। इसका उद्देश्य शराब तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए उनकी कमर तोड़ना है, ताकि फिर से पथरिया पीर बस्ती जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोजियर में देहरादून के साथ उत्तराखंड से सटे पड़ोसी राज्यों के शराब तस्करों का भी डाटा रखा जाएगा।

> शराब और मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। अब तक प्रकाश में आए तस्करों के बारे में जानकारी जुटाने के साथ सभी का सत्यापन भी कराया जा रहा है।
> – अरुण मोहन जोशी, एसएसपी

छत्तीसगढ़ के 200 मजदूर दक्षिण अफ्रीका में बंधक

नईदुनिया, रायपुर

रायपुर के धरसींवा इलाके के कूंरा गांव स्थित फार्च्यून मेटालिका स्टील फैक्टरी में काम करने वाले दो सौ मजदूरों को बिना जिला प्रशासन को जानकारी दिए टूरिस्ट वीजा पर दक्षिण अफ्रीका की कोयला खदानों में बंधक बनाने के मामले में रायपुर पुलिस ने फैक्टरी मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज करने की तैयारी कर ली है। फिलहाल फैक्टरी के एचआर हेड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

दरअसल चार साल पहले फैक्टरी मालिक यहां से दो सौ मजदूरों को टूरिस्ट वीजा पर दक्षिण अफ्रीका लेकर गया था, तब से मजदूर वहीं पर कोयला खदानों में कैद हैं। विदेश मंत्रालय के इमीग्रेशन विभाग में किसी मजदूर का रिकॉर्ड नहीं होने से उनकी वापसी का रास्ता बंद है। जानकारी के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका की कोयला खदान में कैद उत्तराखंड का एक मजदूर तीन साल पहले किसी तरह वहां से भागकर भारत पहुंचा। उसने विदेश मंत्रालय को बंधक बनाए गए रायपुर के मजदूरों की खराब हालत होने की लिखित शिकायत की थी। विदेश मंत्रालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए रायपुर पुलिस को पत्र लिखकर रिपोर्ट मांगी, लेकिन जिम्मेदार पुलिस अफसर अब तक फैक्टरी मालिक को चार से पांच बार नोटिस जारी कर खानापूर्ति करते रहे। विदेश मंत्रालय ने कुछ महीने पहले फिर से रिमाइंडर भेजकर मानव तस्करी के इस मामले में अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा, तब रायपुर एसएसपी आरिफ शेख ने कार्रवाई तेज की। बताया जा रहा है कि यहां के फैक्टरी मालिक ने दक्षिण अफ्रीका की कोयला खदान का ठेका दिल्ली के तीन और रायपुर के दो पार्टनरों के साथ मिलकर लिया है।

ले रहे हैं जानकारी- शेख : एसएसपी आरिफ शेख ने नईदुनिया को बताया कि फार्च्यून मेटालिका स्टील फैक्टरी के एचआर हेड दीपक निगम को नोटिस जारी कर दक्षिण अफ्रीका भेजे गए मजदूरों के बारे में जानकारी मांगी गई है। जानकारी मिलने के बाद फैक्टरी मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा।

49 फीसद की गिरावट दर्ज हुई है अमेरिका को होने वाले भारत से इस्पात निर्यात में। ट्रंप ने 23 मार्च 2018 को इस्पात पर 25 फीसद शुल्क लगाया था।

शराब पीकर मरने वालों की शवयात्रा में नहीं जाएंगे इस गांव के लोग

जागरण संवाददाता, पूर्णिया : बिहार के पूर्णिया में शराबबंदी के बाद भी शराब बिक रही है। इसी जिलों के फतेहपुर पंचायत के ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि वे शराब पीकर मरने वालों के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। लोगों ने तय किया है कि शराब पीने और शराब बेचने वालों का वे सामाजिक बहिष्कार करेंगे। गांव वालों ने अपने फैसले से स्थानीय पुलिस, प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरा गांव शराबियों की हरकत से परेशान है। ग्रामीणों ने स्थानीय मुखिया शमीना खातून तथा सरपंच सारेजान खातून को इसकी सूचना दी। गांव वालों की बात सुनकर मुखिया व सरपंच ने फतेहपुर साह टोला गांव निवासी टेंगर अली के दरवाजे पर रविवार को ग्रामीणों की बैठक बुलाई। मौके पर पंचायत में शराबबंदी को लेकर कमेटी का गठन किया गया।

गांव वालों की इस बैठक में आम सहमति से फैसला लिया गया कि जो भी व्यक्ति शराब पीते या जुआ खेलते हुए गांव में पकड़ा जाएगा, उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति शराब पीता है या शराब का कारोबार करता है तो ऐसे लोगों के खिलाफ भी यही कदम उठाया जाएगा। गांव में अगर शराब पीकर किसी की मौत हो जाती है तो उसकी शवयात्रा में गांव का कोई भी व्यक्ति शरीक नहीं होगा। शराब के नशे में हंगामा करने वालों के खिलाफ कमेटी के सदस्य स्थानीय थाने को सूचना देंगे एवं स्थानीय स्तर पर उनके परिजन से जुर्माने की रकम वसूल की जाएगी।

झीरम नरसंहार में शामिल नक्सलियों पर इनाम घोषित

सख्ती ▶ एनआइए ने 50 हजार से सात लाख रुपये तक रखा इनाम

सूचना देने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा, पहचान नहीं होगी उजागर

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी नरसंहार में शामिल नक्सलियों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने इनाम की घोषणा की है। इन पर 50 हजार से लेकर सात लाख रुपये तक का इनाम घोषित किया गया है। साथ ही नक्सलियों के बारे में सूचना देने वालों के लिए नकद इनाम की भी घोषणा की है। आदिवासियों को प्रोत्साहित करने के लिए सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखने का वादा भी किया है।

बस्तर संभाग स्थित झीरम घाटी में नक्सलियों ने 2013 में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा में शामिल नेताओं पर हमला किया था। इस हमले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला, नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा सहित 32 लोगों की हत्या हुई थी। एनआइए के अधिकारियों ने बताया कि कुख्यात नक्सली देवजी और गणेश उइके पर सात-सात लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। दोनों नक्सली नेता

एनआइए ने जानकारी देने के लिए रायपुर के एसपी का नंबर जारी किया। प्रतीकात्मक

दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय हैं और झीरम कांड के मास्टर माइंड माने जाते हैं। एनआइए ने नक्सलियों के नाम, उपनाम और पते का भी जिक्र किया है। देवजी और गणेश तेलंगाना के मूल निवासी हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ के सुकमा के सोमा सोढ़ी, बारसे सुक्का, जयलाल मंडावी, भगत हेमला उर्फ बदरू और सप्पो हुंगा पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित किया है। तीन नक्सलियों पर ढाई लाख का इनाम घोषित किया गया है। इसमें तेलम आयतू, बदरू मोडियाम और कुरसम सन्नी शामिल हैं। यह तीनों बीजापुर जिले के हैं। वहीं, नौ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम घोषित किया गया है। इसमें बस्तर के कामेश कवासी, बीजापुर के कोरसा सन्नी, लच्छी मोडियाम, सोमी पोटाम, मोडियम रमेश, कोरसा लक्खू, सरिता केकम, कुम्मा गोंदे और मंगली कोसा है। 50-50 हजार का इनाम दंतेवाड़ा के मड्डा मड़कामी और सन्नू वेट्टी पर घोषित किया गया है।

एनआइए के एसपी से कर सकते हैं संपर्क : एनआइए ने जानकारी देने के लिए रायपुर में पदस्थ एसपी का नंबर भी जारी किया है। मौलश्री विहार स्थित एनआइए कार्यालय में सीधे जानकारी दी जा सकती है। इसके साथ ही दिल्ली कार्यालय में भी जानकारी भेजी जा सकती है। एनआइए के इनाम घोषित करने के साथ ही जांच में भी तेजी लाई है।

राज्य सरकार ने एनआइए से मांगी थी फाइल

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद झीरम मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया था। एनआइए से जांच की फाइल सरकार की ओर से मांगी गई, लेकिन एनआइए ने फाइल नहीं लौटाई। सरकार बदलने के बाद से एनआइए की जांच में तेजी आई है। राज्य सरकार ने न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है।

दलाईलामा खुद ही तय करें उत्तराधिकारी

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाईलामा अपना उत्तराधिकारी खुद ही तय करें। इस बाबत 24 देशों के प्रतिनिधियों ने रविवार को मैक्लोडगंज में दलाईलामा से मुलाकात कर गुहार लगाई है। प्रतिनिधियों ने कहा, दलाईलामा की ओर से घोषित उत्तराधिकारी को पूरा तिब्बती समुदाय स्वीकार करेगा।

दलाईलामा को सौंपा गया प्रस्ताव मैक्लोडगंज में तिब्बती समुदाय के लोगों की तीन दिवसीय कार्यशाला के अंतिम दिन शनिवार को ध्वनिमत से पारित किया गया था। कार्यशाला में 24 देशों के 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। आयोजन में अमेरिका, कनाडा, स्पेन, जापान, ताईवान, मंगोलिया और आयरलैंड के प्रतिनिधियों शिरकत की। दलाईलामा के उत्तराधिकारी के फैसले पर पिछले कई साल से चीन हस्तक्षेप करता आया है। चीन कहता है कि दलाईलामा की मौत के बाद उनका उत्तराधिकारी कौन होगा, यह निर्णय वह खुद लेगा। चीन बार-बार यह दोहराता है कि दलाईलामा समेत तिब्बती बौद्ध हस्तियों के पुनर्जन्म के निर्णय की विरासत खुद दलाईलामा को भी चीन से ही मिली है। प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर चीन दलाईलामा के बाद अपने नामित चेहरे को उनका उत्तराधिकारी घोषित कर भी देता है तिब्बती समुदाय उसका सम्मान नहीं करेगा।

अब रोज थाने में हाजिरी लगा रहे हैं आजम खां

मुस्लेमीन, रामपुर

▶ मुहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन को लेकर दर्ज हैं मुकदमे

समाजवादी पार्टी की सरकार में आजम खां का प्रदेशभर में रुतबा था। आठ विभागों के मंत्री और उनकी सुरक्षा में पुलिस की गाड़ियों का काफिला चलता था लेकिन, अब उनकी सरकार नहीं है। पुलिस उन्हें दर्ज मुकदमों में रोज थाने बुला रही है। आजम खां भी इस पूछताछ से आजिज आ गए हैं, कह रहे हैं कि पुलिस वाले रोज-रोज बुलाने के बजाय हमें थाने में ही रहने की इजाजत दे दें। हम यहीं पर टाट पट्टी डालकर रह लेंगे।

सांसद आजम खां की इस परेशानी का सबब बनी है मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन। आजम खां इस यूनिवर्सिटी के संस्थापक हैं और चांसलर भी। यूनिवर्सिटी की जमीनों को लेकर विवाद है और यूनिवर्सिटी के लिए जमीन कब्जाने के आरोप में आजम खां के खिलाफ 30 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। यूनिवर्सिटी के पड़ोसी गांव आलियागंज के 26 किसानों ने भी उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए हैं।

किसानों का आरोप है कि सपा शासनकाल में उनकी जमीन जबरन यूनिवर्सिटी में मिला ली गई। इन मुकदमों की जांच पड़ताल पुलिस की विशेष जांच दल (एसआइटी) की टीम कर रही है। अब यह टीम आजम खां से पूछताछ करने में लगी है। हांलाकि, हाईकोर्ट ने इन मुकदमों में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है लेकिन, विवेचना जारी है। एसआइटी पूछताछ के लिए आजम खां को बार-बार अपने अस्थाई

आजम खां। फाइल

कार्यालय महिला थाने बुला रही है। आजम खां सबसे पहले 30 सितंबर, उसके बाद दो अक्टूबर फिर चार और पांच अक्टूबर को थाने में बयान दर्ज कराने के लिए हाजिरी लगा चुके हैं। पांच अक्टूबर को तो उनसे ढाई घंटे तक पूछताछ की गई। आजम खां के अलावा पुलिस उनकी बड़ी बहन, उनके दोनों बेटे और पत्नी से भी पूछताछ कर चुकी है।

आगे भी होगी पूछताछः पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा का कहना है कि सांसद पूछताछ के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। उनसे जमीन खरीदने के संबंध में अभिलेख मांगे जा रहे हैं तो वह भी नहीं उपलब्ध करा रहे हैं। कह रहे हैं कि अदालत में पेश करेंगे। मुकदमों की विवेचना जारी है। उनसे आगे भी पूछताछ की जाएगी।

चिन्मयानंद प्रकरण : जेल पहुंचा कोर्ट का आदेश एसआइटी का इंतजार

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : आवाज का सैंपल लेने के लिए चिन्मयानंद, छात्रा व तीनों युवकों को लखनऊ स्थित लैब ले जाने के लिए कोर्ट की अनुमति का पत्र जेल प्रशासन तक पहुंच गया है। हालांकि, पांचों लोगों को कब ले जाया जाएगा इसका आदेश में कोई जिक्र नहीं है। माना जा रहा है दशहरा के अवकाश के चलते मंगलवार के बाद यह प्रक्रिया की जा सकती है। दुष्कर्म-रंगदारी प्रकरण की जांच में वायरल हुए वीडियो अहम साक्ष्य हैं। विशेष जांच दल (एसआइटी) का दावा है कि जांच के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद, छात्रा और तीनों युवकों ने वीडियो में अपनी मौजूदगी स्वीकारी है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की जांच में भी वीडियो सही पाए गए हैं। उनसे टेंपरिंग या एडिटिंग की बात सामने नहीं आई है, लेकिन जो आवाज इन वीडियो क्लिप में है वह आरोपितों की ही है इसे साबित करने के लिए उनका वॉयस सैंपल टेस्ट होना जरूरी है। ताकि एसआइटी अपनी जांच को सही बताते हुए हाईकोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रख सके। इसलिए पांचों लोगों को लखनऊ विधि विज्ञान प्रयोगशाला ले जाने की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से अनुमति ली है।

एक माह की देरी के बाद दस से विदा होने लगेगा मानसून

▶ पश्चिमी राजस्थान से एक सितंबर को ही कूच करने लगता है

▶ इस बार अधिक देरी के चलते 110 फीसद रहा एलपीए

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि एक महीने से भी अधिक देरी के बाद आगामी दस अक्टूबर से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। आमतौर पर मानसून पश्चिमी राजस्थान से एक सितंबर को ही कूच करना शुरू कर देता है।

इस साल मानसून चार महीने के बजाय पांच महीने से अधिक समय तक खिंच गया है। इस मौसम के दौरान इस साल सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस साल लांग पीरियड एवरेज (एलपीए) 110 फीसद दर्ज किया गया है। वर्ष 1961 से 2010 के बीच दर्ज एलपीए 88 सेंटीमीटर है। भारतीय मौसम विभाग ने मौसम की भविष्यवाणी करते हुए बताया है कि रविवार से ही राजस्थान के 1.5 किलोमीटर ऊपर प्रतिचक्रवात का निर्माण होने की संभावना जताई गई। उत्तर-पश्चिम भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई 10 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पालावत के अनुसार उत्तर पश्चिमी भारत में सात अक्टूबर के बाद से बारिश रुकने की संभावना है।

गरज-बरस के साथ आंधी की चेतावनी : इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में गरज-बरस के साथ आंधी आने की चेतावनी दी है। बुधवार को अहमदनगर, पुणे, सांगली, सतारा, कोल्हापुर और सोलापुर में भी ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में सोमवार से शनिवार के बीच आंधी-तूफान आने की आशंका है। उत्तरी महाराष्ट्र के नाशिक और अन्य जिलों में सोमवार के बाद से धूलभरी आंधी चल सकती है। मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों में शुक्रवार और शनिवार को धूलभरी आंधी चल सकती है। अधिकारियों ने किसानों को सावधान करते हुए कहा है कि उन्हें अपनी खड़ी फसल को बचाने के लिए उसे या तो ढंक देना चाहिए या फिर किसी शेड में सुरक्षित रखना चाहिए।

पुनपुन–गंगा का जलस्तर घटा, ट्रेन परिचालन शुरू

जागरण संवाददाता, पटना

बिहार में गंगा और पुनपुन नदियों का जलस्तर में तेजी से कमी दर्ज की गई है। रिंग बांध तोड़कर नया रिकॉर्ड बनाने वाली पुनपुन नदी के जलस्तर में दो से ढाई मीटर तक कमी आई है। पुनपुन का जलस्तर रविवार को 51.20 मीटर दर्ज किया गया है, हालांकि अब भी यह खतरे के निशान से है, मगर खतरा नहीं है। गंगा नदी का जलस्तर 48.97 मीटर दर्ज किया गया है। यह खतरे के निशान से 38 मीटर ऊपर है। पटना-गया रेलखंड के पुनपुन स्टेशन के पास और बख्तियारपुर-बिहारशरीफ रेलखंड के वेना के पास रेलवे ट्रैक पर बाढ़ का पानी आ जाने के कारण ठप रेल परिचालन भी अब सामान्य हो गया। रविवार को दोनों रेलवे ट्रैक से पानी उतर गया। इसके बाद निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर दोनों रेलखंडों से ट्रेनों का परिचालन शुरू करा दिया गया है। अभी इन रेलखंडों से ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है। इस बीच बिहार में बाढ़ और बारिश से मरने वालों की संख्या 97 तक पहुंच गई है। शनिवार तक यह संख्या 73 थी।

पटना के राजेंद्रनगर में बाढ़ का पानी उतर चुका है और बीमारियां न फैलें इसके लिए साफ–सफाई पर ध्यान दिया जा रहा है। प्रेट्र

गिरिराज ने सनातनियों से माफी मांगी, जदयू ने कहा–गो माता से भी मांगिए

राज्य ब्यूरो, पटना : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बाढ़-वर्षा के चलते दुर्गा पूजा में हुए व्यवधान के लिए राज्य की जनता से माफी मांगी। जदयू के प्रवक्ता अरविंद निषाद ने नसीहत दी कि गिरिराज सिंह पशुओं से माफी मांगें, जिनके नाम पर वह मंत्री बने हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को टवीट किया-आज से दुर्गा पूजा का मेला शुरू हो गया है। मैं बिहार एनडीए की तरफ से उन सनातनियों से क्षमा मांगता हूं कि जहां पर बाढ़ के कारण पूजा पंडाल एवं मेला का आयोजन नहीं हो पाया है। जदयू के प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा कि पशुपालन मंत्री होने के नाते गिरिराज सिंह को गो माता से माफी मांगनी चाहिए, जिनकी अकाल मृत्यु हुई है और मंत्री की हैसियत से वह कोई मदद नहीं कर पाए।

मां वैष्णो की दिव्य आरती में अनुराधा पौडवाल और सोनू निगम गाएंगे भेंट

जागरण संवाददाता, ऊधमपुर : शारदीय नवरात्र में पहली बार देश के प्रसिद्ध गायक सुबह होने वाली माता वैष्णो देवी की दिव्य आरती में मां की भेंट गाकर भक्तिमय माहौल बना रहे हैं। सोमवार को अंतिम नवरात्र पर प्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल और गायक सोनू निगम दिव्य आरती में भेंट गाकर मां वैष्णो देवी की आराधना करेंगे। भवन में पिछले एक सप्ताह से गायिका कविता पोड़वाल, जसपिंदर नरूला, लखविंदर वडाली, गुरदास मान आदि कई गायक प्रस्तुति दे चुके हैं। बीते शनिवार को भाजपा सांसद और प्रसिद्ध सूफी गायक हंसराज हंस ने प्राचीन गुफा के बाहर दिव्य आरती में भेंट गाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। इन कार्यक्रमों का कई चैनल लाइव प्रसारण दे रहे हैं ताकि घरों में बैठे मां वैष्णो देवी के श्रद्धालु भजनों का आनंद ले सकें। वर्तमान में मां के दर्शन को आ रहे श्रद्धालु भवन पर प्राचीन गुफा के स्वर्गद्वार के दीदार कर रहे हैं। शारदीय नवरात्र पर देशभर से हजारों श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। रविवार तक नवरात्र में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सवा तीन लाख पार कर चुकी है।

जीवित देवी ‘कुमारी’ की पूजा

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के साहुदांगी गांव में स्थित श्री रामकृष्ण विवेकानंद आश्रम में पांच दिवसीय दुर्गा महोत्सव पर अष्टमी के दिन जीवित देवी ‘कुमारी’ की पूजा–अर्चना की गई। यह महोत्सव देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध की याद दिलाता है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है। एएफपी

लौटाए जा रहे हाल्टिंग वीजा पर मलेशिया गए लोग

अशोक सिंह, वाराणसी

▶ मलेशिया सरकार वापस भेजने के लिए चला रही माफी कार्यक्रम ‘बैग’

मलेशिया सरकार हाल्टिंग (ठहराव) वीजा पर रह रहे भारतीयों को वापस भेज रही है। मलेशिया इसके लिए ‘बैग’ प्रोगाम चला रहा है। इसे लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी एडवाइजरी जारी की है। ऐसे लोग 31 दिसंबर 2019 तक वापस नहीं आए तो दंडात्मक कार्रवाई होगी। मलेशिया सरकार के अनुसार वहां दो लाख 25 हजार भारतीय हैं। इसमें से बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिनके पास वैध रोजगार संविदा वीजा या वर्क परमिट नहीं है। ज्यादातर लोग अवैध एजेंटों के जरिए हाल्टिंग वीजा से मलेशिया भेज दिए गए। इसकी समय सीमा समाप्त हो गई तो नियुक्ति स्थान पर नियोक्ताओं ने उनका उत्पीड़न शुरू कर दिया। ज्यादातर वहां बिना वेतन के काम करने को विवश हैं। उत्पीड़न की शिकायतों से भारतीय उच्चायोग जागा। प्रदेश सरकार में सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी लोगों को सचेत करने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

क्या है हाल्टिंग वीजा : मलेशिया सरकार ने 2018 में ई वीजा सिस्टम लागू किया। उसके आधार पर कोई भी व्यक्ति काम के सिलसिले में 15 दिन के लिए मलेशिया जा सकता था। 15 दिन बाद वह वीजा स्वतः समाप्त हो जाता है। उसके बाद वहां रह रहा व्यक्ति अवैध अप्रवासी घोषित कर दिया जाता है।

क्या है ‘बैग’ : मलेशिया सरकार ने अवैध अप्रवासियों की स्वदेश वापसी के लिए आम माफी (एमनेस्टी प्रोग्राम) बैक फार गुड (बैग) की व्यवस्था की है। इसके तहत हाल्टिंग वीजा पर गए व्यक्ति को 31 दिसंबर तक क्वालालम्पुर स्थित इमिग्रेशन कार्यालय में पासपोर्ट और यात्रा टिकट के साथ 700 मलेशियाई रिंग्गित जुर्माना जमा करना होगा। ऐसे लोगों की गिरफ्तारी नहीं होगी।

उच्चायोग कर रहा सहयोग : मलेशिया सरकार के हरकत में आने और शिकायतों के बाद भारतीय उच्चायोग भी अलर्ट हो गया है। उच्चायोग जिनके पास कागजात नहीं हैं, भोजन और आवास नहीं है, नियोक्ता के साथ विवाद है, इमिग्रेशन समस्या आदि को हल कर सहयोग कर रहा है। इसके लिए उच्चायोग ने प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र खोला हुआ है।

करतारपुर कॉरिडोर टर्मिनल पर लहराएगा 300 फीट ऊंचा तिरंगा

जागरण संवाददाता, गुरदासपुर: श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर भारत-पाकिस्तान के बीच बनाए जा रहे करतारपुर कॉरिडोर के टर्मिनल पर 300 फीट ऊंचा तिरंगा लगाया जाएगा। तिरंगे के लिए पोल लगाने का काम चल रहा है। वहीं, भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दर्शन स्थल का निर्माण भी किया जाएगा। यहां से श्रद्धालु दूरबीन से गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन कर पाएंगे। टर्मिनल की छत के लिए दुबई से एल्युमीनियम की चादर मंगवाई गई है। इस चादर की चमक लंबे समय तक फीकी नहीं पड़ती। इसका इस्तेमाल अधिकतर एयरपोर्ट की छत के लिए किया जाता है। कॉरिडोर के साथ बन रहे टर्मिनल को भी एयरपोर्ट की तरह ही बनाया जा रहा है। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ने समय पर काम पूरा करने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया है।

टर्मिनल का निर्माण कर रहे शैलेंद्र अंजरी का कहना है कि छत को कवर करने के लिए 16 हजार वर्ग फीट चादर की जरूरत होगी। टर्मिनल में पैसेंजर ब्लॉक, चेक पोस्ट, गैलरी, श्रद्धालुओं के लिए बैठने का प्रबंध, पार्किंग, सुरक्षा ब्लॉक, इलेक्ट्रिशियन ब्लॉक आदि का काम चल रहा है।

उत्सव के रंग

दिल्ली की 25 से अधिक रामलीलाओं में मुरादाबाद की मंडली कर रही है मंचन, दमदार अभिनय से अभिनेताओं ने त्रेतायुग को किया जीवंत

पीतल की नगरी के सोने जैसे बहुमूल्य कलाकार

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

पीतल की नगरी मुरादाबाद में सोने जैसे बहुमूल्य कलाकार हैं। यकीन न हो तो राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित रामलीलाओं में आकर देख लें। मंच पर दमदार और भावपूर्ण अभिनय से मुरादाबाद के अभिनेताओं ने त्रेतायुग को जीवंत कर दिया है। लालकिला समेत दिल्ली के 25 से अधिक रामलीलाओं में मुरादाबाद की नाट्य मंडली रामलीला का पाठ कर रही है। कलाकारों के अभिनय, भाव भंगिमाओं और संवाद अदायगी से दिल्ली के भक्त भावविभोर हैं।

दिल्ली में मुरादाबाद के कलाकारों का पहला मंचन परेड ग्राउंड में वर्ष 1966 में हुआ था। तब से यह यात्रा न सिर्फ पांच दशक का सफर पूरा कर चुकी है बल्कि विस्तार लेती जा रही है। दिल्ली में मंचन को लेकर कलाकार काफी खुश हैं। कुछ पेशे से अभिनेता हैं, कुछ नाट्य मंचों पर अभिनय करते हैं तो कुछ बैंकर, व्यवसायी, शिक्षक समेत अन्य पेशे में हैं।

लालकिला के श्री धार्मिक रामलीला में मंचन का निर्देशन कर रहे डॉ. प्रदीप शर्मा कहते हैं कि वह मुरादाबाद के कलाकारों की मंडली में शामिल थे, जिसने 1966 में परेड ग्राउंड में मंचन किया था। उसके बाद से यह परंपरा समृद्ध ही हो रही है। नव श्री धार्मिक लीला के प्रवक्ता राहुल शर्मा कहते हैं कि अभिनय में मुरादाबाद के कलाकारों की कोई सानी नहीं है। वह बहुत ही अच्छे तरीके से मंचन करते हैं। इसलिए उनके यहां भी 50 सालों से मुरादाबाद के कलाकार आ रहे हैं।

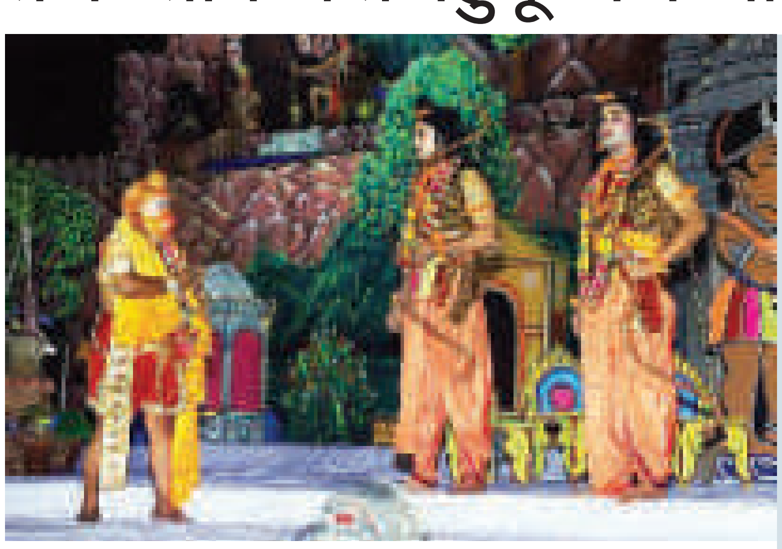
लालकिला पर श्री धार्मिक लीला कमेटी की रामलीला में मंचन करते मुरादाबाद के कलाकार। जागरण

खास है मुरादाबाद की शैली

मुरादाबाद की रामलीला शैली खास है। इसका आधार तो रामचरित मानस है। साथ ही मैथली शरण गुप्त के साकेत से उर्मिला का प्रसंग जोड़ा गया है। वहीं डॉ. नरेंद्र कोहली की रामकथा पर लिखी किताब से भी कुछ प्रसंग लिए गए हैं। वहीं, पारसी थियेटर की भी छाप है। प्रसिद्ध कथावाचक राधेश्याम की पारसी शैली में वीर अभिमन्यु से लेकर रामायण तक लिखी हुई है। उसके भी कुछ अंश इसमें शामिल हैं। गायन में बहरे–तबील शैली का इस्तेमाल होता है। संवाद में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खड़ी बोली का इस्तेमाल किया जाता है, जो दर्शकों को आसानी से समझ में आता है। इसमें संवाद मंच के नीचे से पार्श्व वाचक देते हैं।

‘त्रिशूल दीक्षा’ से विहिप 25 हजार युवाओं को धर्मरक्षक बनाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ लव जेहाद, धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर बढ़ी सक्रियता

देशभर की नजर राम मंदिर पर आने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी है। इस बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने ‘त्रिशूल दीक्षा’ अभियान पर विशेष जोर दिया है। इसके जरिये नए कैडर तैयार किए जा रहे हैं। इससे बजरंग दल में 25 हजार युवाओं को दक्ष करने का लक्ष्य तय किया गया है। विहिप और उसके आनुषंगिक संगठन बजरंग दल की सक्रियता तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन अवध प्रांत के 16 जिलों में कार्यकर्ताओं और युवाओं को आगे लाने में कुछ ज्यादा ही तेजी है। दक्षता वर्ग और त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम शक्ति केंद्रों पर आयोजित किया जा रहा है।

विहिप अवध प्रांत के संगठन मंत्री भोलेंद्र सिंह बताते हैं कि 16 अक्टूबर तक यह पूरा हो जाएगा। अवध प्रांत को पिछले चार साल से लक्ष्य बनाकर निचले स्तर तक कार्य हो रहा है। यहां हर जिले में औसत चार शक्ति केंद्र बने हैं और कुल 94 शक्ति केंद्र हैं। एक दिन में दो या तीन शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है।

लव जेहाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर आने वाले समय में तत्परता से प्रतिक्रिया के लिए विहिप उन्हें धर्मरक्षक के रूप में दीक्षित कर रही है। इन आयोजनों में युवाओं को धर्म रक्षा के लिए संकल्प भी दिलाया जाता है।

हिंदू धर्म में शास्त्र और शस्त्र का व्यापक महत्व रहा है। अब लोग इसे भूलते जा रहे हैं। इसलिए अपने देश की संस्कृति और गौरव को मजबूती देने के लिए त्रिशूल दीक्षा का आयोजन हो रहा है। त्रिशूल दीक्षा का मतलब है शस्त्र धारण। प्रतीक रूप में ही सही, लेकिन हर हिंदू अपनी रक्षा के लिए शस्त्र रखे।
–भोलेंद्र सिंह, प्रांतीय संगठन मंत्री, विहिप

दैनिक जागरण
सफलता की सीढ़ी एक-एक पायदान पार करके ही चढ़ी जाती है

कांग्रेस की दशा

चुनावों के पहले राजनीतिक दलों में हलचल देखने को मिलती ही है, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के पहले कांग्रेसी नेताओं के बीच जैसी उठापटक देखने को मिल रही है वह अभूतपूर्व है। एक ओर जहां हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर ने टिकट बंटवारे से नाराज होकर पार्टी छोड़ दी वहीं दूसरी ओर मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम पार्टी छोड़ने की कगार पर जाकर खड़े हो गए। इन दोनों ने अपने ही नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। अशोक तंवर ने इस्तीफा देने के पहले कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया तो संजय निरुपम ने संवाददाता सम्मेलन कर पार्टी को खुली चुनौती दी। इन दोनों नेताओं ने बागी तेवर दिखाने के साथ ही यह रेखांकित करने की भी कोशिश की कि उन्हें राहुल गांधी के करीबी होने के कारण किनारे किया गया। क्या वाकई ऐसा कुछ है? इस बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन इससे हर कोई भलीभांति परिचित है कि कांग्रेस की युवा पीढ़ी के नेताओं और बुजुर्ग नेताओं के बीच एक अरसे से खींचतान जारी है।

युवा और बुजुर्ग कांग्रेसी नेताओं के बीच खींचतान की एक झलक तब मिली थी जब लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी की ओर से अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकश की गई थी। उस दौरान जब पार्टी के युवा नेता राहुल गांधी के अध्यक्ष बने रहने पर जोर दे रहे थे तो बुजुर्ग नेता या तो मौन साधे थे या फिर विकल्प सुझा रहे थे। लंबे इंतजार के बाद राहुल का त्यागपत्र स्वीकृत तो हुआ, लेकिन अंतरिम अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी का चयन करना बेहतर समझा गया। इससे यही संदेश निकला कि गांधी परिवार पार्टी पर अपनी पकड़ छोड़ने के लिए तैयार नहीं। इस संदेश की एक वजह प्रियंका गांधी वाड्रा का अपने पद पर कायम रहना भी था, जिन्हें लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस महासचिव बना दिया गया था। जिस तरह यह स्पष्ट नहीं कि कांग्रेस को अगला पूर्णकालिक अध्यक्ष कब मिलेगा उसी तरह यह भी साफ नहीं कि पार्टी अपनी खोई हुई जमीन हासिल करने के लिए प्रयोग करना कब छोड़ेगी? यह ठीक नहीं कि जब देश को एक सशक्त विपक्ष की सख्त जरूरत है तब कांग्रेस असमंजस से बुरी तरह ग्रस्त है। इसमें संदेह है कि वह हरियाणा और महाराष्ट्र में कुछ हासिल कर सकेगी। इन राज्यों के साथ देश के अन्य हिस्सों में भी वह दयनीय दशा में है। अपनी इस स्थिति के लिए वह खुद के अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। वास्तव में उसका भला तब तक नहीं हो सकता जब तक वह नेतृत्व के सवाल को ईमानदारी से हल नहीं करती।

तेज हो राहत कार्य

बाढ़ हर साल की नियति है, लेकिन पटना भी इस तरह डूबेगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। अभी पहली प्राथमिकता पीड़ितों को तत्काल राहत देने की होनी चाहिए। सरकारी तंत्र को भी पूरी संवेदनशीलता के साथ इसमें जुटना होगा। लोग जो विपदा झेल रहे हैं, उससे उबरने में काफी वक्त लगेगा। इसलिए राहत कार्य युद्धस्तर पर चलाया जाना चाहिए। बाढ़ वाले गांवों में सामुदायिक रसोई खोले जाने का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आदेश सराहनीय पहल है। बाढ़ पीड़ितों को भोजन मुहैया कराया जाना बहुत जरूरी है, क्योंकि उनका सब कुछ लुट चुका है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए तो और भी विषम परिस्थिति है। प्रशासनिक मशीनरी को इसे सिर्फ ड्यूटी के रूप में नहीं लेना होगा, राहत कार्य में पूरी संवेदनशीलता के साथ जुटना होगा। विपत्ति आ गई है तो अभी ज्यादा से ज्यादा राहत कैसे पहुंचा सकें, यही प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन इससे उबरने के बाद इस पर भी गंभीरता से मंथन की जरूरत है कि आखिर यह परिस्थिति क्यों पैदा हुई। जहां हर साल बाढ़ आती है, वहां की परिस्थितियां तो समझी जा सकती हैं, लोग भी सचेत रहते हैं, लेकिन पटना में स्थिति भयावह होती है तो भविष्य के लिए भी एक कड़ी चेतावनी है। जल निकासी प्रबंधन, सिवरेज सिस्टम, योजनाओं के कार्यान्वयन समेत हर पहलू की गंभीरता से न सिर्फ समीक्षा, बल्कि इसमें लापरवाही बरतने वालों को दंडित किए जाने की भी जरूरत है। ऐसी जगहों से बिना भेदभाव के साथ सख्ती से अतिक्रमण हटाकर उसे पुराने स्वरूप में लाना होगा। वहीं प्राकृतिक संतुलन के प्रति चेत जाने की भी जरूरत है, अन्यथा आने वाला कल इससे भी भयावह हो तो कोई आश्चर्य नहीं। यह अच्छी बात है कि सरकार ने जल जंगल हरियाली मिशन की शुरुआत कर दी है। इस पर कड़ी नजर रखनी होगी कि आंकड़े सिर्फ कागजों में दर्ज नहीं हों, बल्कि जमीन पर भी दिखें। एक अच्छी पहल हुई है तो इसे अमली जामा पहनाने की दिशा में सबको मिलजुल कर आगे आने की जरूरत है।

बाढ़ हर साल की नियति है, लेकिन पटना भी इस तरह डूबेगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। अभी पहली प्राथमिकता पीड़ितों को तत्काल राहत देने की होनी चाहिए

खुद लड़नी होगी आतंक से लड़ाई

ब्रह्मा चेलानी

पाकिस्तानी आतंकवाद से निपटने में अमेरिका सहित कोई भी मित्र देश उतना मददगार नहीं होगा। यह भारत की लड़ाई है जो उसे खुद ही लड़कर जीतनी होगी

जिहादी आतंकवाद के लगातार सिर उठाते वैश्विक दानव के खिलाफ संघर्ष में भारत और अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं। मोदी की ह्यूस्टन रैली में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यह संकल्प दोहराया। वहां दोनों नेता सुरक्षा से जुड़े तमाम मसलों पर एक सुर में बोलते सुनाई पड़े। ऐसे परस्पर हितों को देखते हुए भारत-अमेरिका आतंक विरोधी सहयोग की कड़ी और मजबूत होनी चाहिए थी। वहीं पाकिस्तान के साथ अमेरिकी रिश्ते भी अब तक टूट जाने चाहिए थे। मगर हमें कुछ और ही दिख रहा है। मसलन ट्रंप आतंक को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान और उसके भुक्तभोगी भारत के बीच अजीबोगरीब तुलना करने पर तुले हैं। सूत्रों के मुताबिक ट्रंप ने निजी बातचीत में पीएम मोदी को पाक से संबंध सुधारने के लिए प्रेरित किया। फिर सार्वजनिक रूप से यह कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और उन्हें कोई कारगर हल निकालना ही होगा।

कुछ दिन बाद ट्रंप ने पाकिस्तान को आतंक की धुरी मानने के बजाय ईरान को उससे कहीं बड़ा आतंकी देश बताया। यहां तक कि मोदी की मौजूदगी में भी पाक को लेकर दागे गए सीधे सवाल पर ट्रंप ने गोलमोल जवाब ही दिया। एक ऐसे देश में जहां संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 25 दुर्दांत आतंकी बसेरा बसाए हुए हैं, उस पाकिस्तान को आतंक का गढ़ मानने से ट्रंप की हिचक भारत-अमेरिका आतंक विरोधी सहयोग की सीमाओं को ही रेखांकित करती है। अमेरिका अभी भी नई दिल्ली और इस्लामाबाद की वक्त-वक्त पर पीठ थपथपाने के खेल में लगा है। वह अपनी नीतियों में इस्लामाबाद को नई दिल्ली के साथ जोड़कर देख रहा है। ऐसा इस तथ्य के बावजूद कि वाशिंगटन के आर्थिक एवं भू-राजनीतिक हितों के लिहाज से अब भारत उसके लिए कहीं अधिक अहम है। पाकिस्तान के साथ अमेरिकी व्यापार महज 6.6 अरब डॉलर है वहीं भारत के साथ यह 150 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने जा रहा है।

अमेरिका का अफगानिस्तान में अधूरा एजेंडा भी इस्लामाबाद से वाशिंगटन के अब तक कायम लगाव की वजह हो सकती है। मगर ऐसी कोई गलतफहमी न रखें कि अफगानिस्तान में संघर्ष समाप्त होने के बाद भी अमेरिका आतंकियों से नजदीकी जुड़ाव पर पाकिस्तान को किसी प्रकार दंडित करेगा। असल में पाक के साथ अमेरिकी सक्रियता उसे भारत की तुलना में ज्यादा लाभ की गुंजाइश देती है। चीन जैसे पाक को भारत के खिलाफ मोहरे के रूप में इस्तेमाल करता है उसे देखते हुए फायदे की यह सौगात कहीं बड़ी दिखती है।

इसी कारण अमेरिका पाकिस्तान को अपनी नीति में आतंक के इस्तेमाल, परमाणु हथियारों के जखीरे, चीन से मिलने वाली मिसाइल तकनीकों और भारत को दी जा रही परमाणु धमकियों की अनदेखी करता रहा है। अगर अमेरिका को पाकिस्तानी धरती पर पनपने वाले किसी आतंकी खतरे की फिक्र होती है तो केवल उसी की जो अफगानिस्तान में उसके सुरक्षा बलों के लिए जोखिम पैदा करते हैं। उसने हक्कानी नेटवर्क पर लगाम लगाने और अफगान तालिबान को वार्ता के लिए तैयार करने को लेकर पाक पर दबाव डाला, मगर भारत को लहूलुहान करने वाले पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के मामले में अमेरिकी कार्रवाई केवल काली सूची में डालने और संयुक्त राष्ट्र में भी ऐसी कवायद कराने तक सीमित रहती है। यह सब प्रतीकात्मक ही हैं। अंतरराष्ट्रीय आतंकी हाफिज सईद को एक हजार डॉलर प्रतिमाह का भत्ता दिलाने के पाकिस्तानी प्रस्ताव को मिली हालिया मंजूरी इसकी मिसाल है। सईद पर 2012 से ही घोषित एक करोड़ डॉलर का अमेरिकी इनाम भी महज दिखावटी है।

पुलवामा के कुछ दिन बाद ही अमेरिकी सहयोग से पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल कराने में मदद मिली। मगर इसके कुछ हफ्तों के भीतर ही बलूच लिबरेशन आर्मी को अमेरिका ने आतंकी संगठन का दर्जा दे दिया। इसकी आड़ में पाक को बलूचिस्तान में निर्ममतापूर्वक दमन के लिए खुली छूट मिल गई। सईद पर सख्ती को संतुलित करने के लिए अमेरिका ने पिछले साल तहरीके तालिबान के तीन वांछितों पर 1.1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा। यहां तक कि उसने उसके तीन प्रमुखों को मौत के घाट उतार दिया और नए मुखिया को भी आतंकी घोषित कर दिया। यह विडंबना है कि दुनिया के सबसे भयावह आतंकी हमले करने वाला अफगान तालिबान अभी तक अमेरिका की आतंकियों वाली सूची में शामिल नहीं हुआ है।

ऐसे विरोधाभास और भी मुखर हैं। ईरान पर अमेरिका ने बेहद सख्त प्रतिबंध लगाए हुए हैं जबकि आतंक की असली धुरी पाकिस्तान के साथ वह नरमी से पेश आ रहा है। पाक की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए उसने आइएमएफ से राहत पैकेज दिलाने में मदद की। अमेरिका ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और कुछ व्यक्तियों पर तो आतंकी पाबंदियां लगाईं, लेकिन आतंक की सबसे बड़ी निर्यातक पाकिस्तानी फौज या उसके किसी जनरल या खुफिया अधिकारी पर कभी ऐसे प्रतिबंध नहीं लगाए। आइएमएफ राहत और इमरान के साथ हालिया बैठकों को देखकर लगता है कि 13-18 अक्टूबर को होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की बैठक में अमेरिका पाक के खिलाफ शायद ही किसी प्रस्ताव का समर्थन करे। इस अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्था का आकलन है कि आतंकियों को वित्तीय मदद रोकने के अधिकांश मानकों को पूरा करने में पाकिस्तान नाकाम रहा है। अमेरिका नहीं चाहता कि फिलहाल एफएटीएफ पाकिस्तान को अपनी ग्रे सूची से काली सूची में डाले। असल में अपने भू-राजनीतिक हितों के चलते अमेरिका बिगड़ैल पाकिस्तान को सुधारने के माकूल मौके को हाथ से निकलने दे रहा है।

अवधेश राजपूत

विरोधाभासों की सूची बहुत लंबी है। एक तरफ अमेरिका भारत को हिंद-प्रशांत रणनीति में अहम मानता है, वहीं दोनों देशों के सुरक्षा हितों की दिशा भारत के पड़ोस में ही बिगड़ी हुई है। अमेरिका भारत को ईरान से दूर रहने पर दबाव डाल रहा है वहीं चीन को छूट दे रहा है। ईरान से सस्ते तेल आयात पर प्रतिबंध के चलते भारत का आयात बिल बढ़ रहा है। भारत के हाथ से चाबहार परियोजना के छिटकने का जोखिम भी बढ़ गया है, क्योंकि चीन ईरान में 280 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर आतंक के खिलाफ लड़ाई के राजनीतिकरण से जुड़े खतरे के प्रति आगाह करके मोदी ने सही किया। आतंक के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाली मुहिम इसीलिए नाकाम रही, क्योंकि यह भू-राजनीतिक हितों को पोषित करने का जरिया बन गई। भारत के लिए इसका सार यही है कि पाकिस्तानी आतंकवाद को खत्म करने में अमेरिका सहित कोई भी दोस्त वास्तविक रूप से मददगार नहीं होगा। यह भारत की अपनी लड़ाई है और उसे अपने दम पर ही जीतना होगा। अमेरिकी मदद की अपेक्षा भारत-पाकिस्तान रिश्तों में एक अंशभागी के रूप में वाशिंगटन के दावे को ही पुष्ट करेगी।

(लेखक नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च में स्ट्रेटेजिक स्टडीज के प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com

गांधीवादी मूल्यों को अपनाने का समय

जगमोहन सिंह राजपूत

गांधी जी ने कहा था कि हर किसी को अपने मत-पंथ के अनुसार अच्छा व्यक्ति बनने का प्रयास करना चाहिए

'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।' गांधी जी के इस कथन को हम अपने मन-मस्तिष्क में उतार कर जितनी गहराई से समझाने का प्रयास करते हैं, उतना ही यह अधिक विस्तार पाता जाता है। गांधी जी पूर्णता के लक्ष्य के मार्ग पर, जिसमें सत्य ही ईश्वर है, चले और चलते रहे। श्रद्धा और निष्ठा से चलते हुए वे आगे ही बढ़ते रहे। कितना और कहां तक पहुंचे, इसका अनुमान तो सदियों तक इतिहास लगाता रहेगा। परंपरागत परिवार में मोहनदास करमचंद गांधी को जो संस्कार मिले थे उनमें मानवीयता के समग्र तत्वों के साथ-साथ ऊंच-नीच, छुआछूत जैसे अस्वीकार्य तत्व भी प्रचलन में थे जो अज्ञान तथा अशिक्षा के कारण समाज में अपनी पकड़ बना चुके थे। दूसरी तरफ वे सद्गुण और विचार भी थे जो व्यक्ति को मनुष्य बनाते हैं।

गांधी जी के जीवन की कुछ घटनाएं इस प्रकार हैं। जैसे कि उन्होंने अध्यापक के इंगित करने के बाद भी कक्षा में नकल नहीं की। तरुणाई में सामान्य-सुलभ जिज्ञासा में मांस खाया। भाई का कर्ज चुकाने के लिए चोरी में भागीदारी की। फिर संस्कारों ने उन्हें विचलित किया। उन्होंने पत्र लिखकर पिता से क्षमा मांगी। पिता ने पत्र पढ़कर कुछ नहीं कहा। मोहनदास केवल उनके अश्रुपात को देखते रहे। मन-मस्तिष्क में उठे तूफान ने आगे के लिए उनका मार्ग प्रशस्त किया। यूरोप और दक्षिण अफ्रीका में उन्हें धर्म-परिवर्तन के प्रयासों से पाला पड़ा। एक विचारवान और चिंतनशील व्यक्ति की भांति उन्होंने ईसाई तथा अन्य धर्मों-पंथों का अध्ययन किया। घर और परिवार से प्राप्त संस्कारों के कारण उन्हें अस्वीकृत नहीं किया। विश्लेषण के बाद अपने पंथ को ही अपने लिए सर्वोत्तम पाया। किसी को कम-ज्यादा नहीं पाया। इसका तो कोई प्रश्न ही नहीं था कि मेरा रास्ता ही सर्वोत्तम है, बाकी सभी अस्वीकार्य हैं! वे पूरे जीवन यही कहते रहे कि हर व्यक्ति को अपने मत-पंथ के अनुसार अच्छा हिंदू, मुसलमान, ईसाई या सिख बनने का प्रयास करना चाहिए। प्राचीन भारत की संस्कृति की वैचारिक परिपक्वता में पंथ परिवर्तन के लिए किसी प्रकार के प्रयासों के लिए कोई जगह नहीं थी। हर वैचारिक विविधता इसमें स्वीकार्य थी, ईश्वर को मानें या न मानें, निर्गुण, सगुण, नास्तिक सभी अपने, सभी स्वीकार्य! आगे चलकर महात्मा गांधी यह कह सके कि सभी धर्म ईश्वरीय हैं, मगर सभी अपूर्ण हैं। सभी को समय के साथ गतिशीलता तो अपनानी ही होगी। सभी का अंतिम गंतव्य एक ही है। रास्ते अलग अलग हैं

और हर रास्ता उस गंतव्य तक पहुंचाने में समर्थ है।

अगर गांधी के जीवन का यह एक सिद्धांत ही मान लिया जाता तो क्या विश्व में इतनी हिंसा, अविश्वास, नरसंहार पनप पाता? इस तथ्य को राजनेता भले कहने में हिचकें, मगर पंथिक विविधता की अस्वीकार्यता, अन्य पंथों के प्रति असहिष्णुता और केवल अपने रास्ते को एकमात्र सच और सही मानना तथा उसी में किसी भी प्रकार से अन्य को लाने को अपना ईश्वरीय उत्तरदायित्व समझ लेना विश्व शांति और सद्भाव को कभी आगे नहीं बढ़ने देगा। इस सच्चाई से आंखें मूंदना अब बंद होना चाहिए। आगे का रास्ता वही है जो गांधी जी ने समझा, अपनाया और समझाया। यह वर्तमान और भावी पीढ़ी का उत्तरदायित्व है कि वह विश्व जनमत को समझाए कि सभी पंथिक विविधता की आवश्यकता को मन, वचन और कर्म से स्वीकारे, व्यवहार में सबको समानता दे और किसी भी प्रकार के लालच तथा प्रलोभन द्वारा पंथिक परिवर्तन के प्रयास अस्वीकार्य घोषित हों। इससे भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में बड़े संप्रदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ती है।

अब वह समय नहीं है जब मध्यकालीन परंपराएं या सामाजिक वैचारिकता उसी स्वरूप में लागू रहेंगी। परिवर्तन की गति को पहचानना हर समुदाय के लिए आवश्यक है। गांधी ने छुआछूत, मंदिर प्रवेश, महिलाओं का सम्मान, बराबरी का हक जैसी समस्याओं के प्रति लोगों को जागृत और जागरूक किया। वह इसमें आंशिक रूप से ही सफल हुए, मगर उनके जाने के बाद भी समाज उनकी इच्छाओं के अनुसार अपने में परिवर्तन करता जा रहा है। इसे आगे ले जाना होगा।

परंपरागत भारतीय समाज सभी पंथों की उपस्थिति को स्वीकारता है। गांधी जी मानते थे कि जब अंग्रेज यहां नहीं आए थे तब हिंदू, मुसलमान, सिख तथा अन्य आपस में लड़ते ही नहीं रहते थे। आश्चर्य की बात है कि 1931 में ही भारत की भावी राजनीति का स्पष्ट आभास और अनुमान गांधी जी को हो गया था। तब उन्होंने कहा था, 'मुझे इस बात का पूरा निश्चय है कि यदि नेता न लड़ना चाहें तो आम जनता को लड़ना पसंद नहीं है। इसलिए यदि नेता इस बात पर राजी हो जाएं कि दूसरे सभ्य देशों की तरह हमारे देश में भी आपसी लड़ाई-झगड़े का सार्वजनिक जीवन से नामोनिशान मिटा दिया जाना चाहिए और वे जंगलीपन तथा अधार्मिकता के चिन्ह माने जाने चाहिए तो मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आम जनता शीघ्र ही उनका अनुकरण करेगी।' इस समय 150वीं जयंती के अवसर पर विश्व भर में गांधी जी पर गहन चर्चाएं हो रही हैं, वे जो कुछ कह गए और जिसे पश्चिम की चकाचौंध से आच्छादित भारतीय नेतृत्व ने परे कर दिया था, वे बातें आज लोगों की आंखें खोल रही हैं। उन्हीं के विचारों में वैश्विक समस्याओं का समाधान दिखाई दे रहा है। हिंसा, वैमनस्य, अविश्वास से ही गरीबी, भुखमरी, प्रताड़ना जन्म लेती हैं। लोगों के बीच सद्भाव और सहयोग बढ़ाने के लिए ही गांधी जी जीवन भर प्रयत्नशील रहे। उनके प्रत्येक विचार से लोग भले ही सहमत न हों, मगर उनकी नीयत के प्रति कोई संदेह हो ही नहीं सकता है।

16 मार्च, 1931 को दादर में मजदूरों के समक्ष गांधी जी ने धर्म परिवर्तन की व्याख्या की थी। वहां कहे उनके इन शब्दों में विश्व का सुनहरा भविष्य छिपा है, 'मैं यह बात हृदय की एकता के तकाजे पर और उसी की खातिर कह रहा हूं। मैं इस देश के विभिन्न धर्मावलंबियों के बीच एकता स्थापित होते देखना चाहता हूं। प्रकृति में हम अपने चारों ओर जो विविधता देखते हैं उसके पीछे एक बुनियादी एकता है। धर्म भी इस प्राकृतिक नियम के अपवाद नहीं हैं। मनुष्य जगत को धर्म का दान इसलिए मिला है कि इस मौलिक एकता को चरितार्थ करने की प्रक्रिया को वह गति प्रदान कर सके।' इसमें और देरी अब स्वीकार्य नहीं है।

(लेखक एनसीईआरटी के निदेशक रह चुके हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

भक्ति

भगवान का असली भक्त श्रेय एवं सम्मान का कभी भी भूखा नहीं होता है। वह तो सदा भगवान की सेवा और भक्ति में निमग्न रहना ही जीवन का लक्ष्य समझता है तथा मन-ही-मन सदा श्रीराम सेवक हनुमान की तरह से सोचता रहता है-'राम काज बिनु मोहि कहां विश्राम।' भगवान की सेवा और भक्ति में सच्चा भक्त श्रद्धा-भाव से सहर्ष समर्पित जीवन जीता है। फिर उसे किसी प्रकार की सांसारिक चिंता नहीं रहती है। उसे सिर्फ भगवान की सेवा और भक्ति का ध्यान तथा चिंता हर पल मन में बनी रहती है। उसे भगवान से एक पल भी अलग रहना पसंद नहीं होता है। जिस प्रकार से मछली को पानी से निकाल देने से मछली की तड़पन और बेचैनी असहनीय प्रतीत होती है, उसी तरह की बेचैनी भक्त को भगवान से अलग रहने पर प्रतीत होती है। शरीर से प्राण निकलते शरीर मृत हो जाता है, ठीक उसी प्रकार से भगवान की भक्ति से अलग रहने पर भक्त की दशा भी मृत-प्राय हो जाती है।

भक्ति भगवान को हृदय में श्रद्धा से धारण करने की सोच होती है। जो भक्ति का दिखावा करते हैं, उनसे भगवान दूर हो जाते हैं। उनकी शक्ति क्षीण हो जाती है। असली भक्त अपने समर्पित भाव से किए गए भगवान की सेवा को गुप्त रखता है और उसका ढिंढोरा लोगों के समक्ष नहीं पीटता है। जो अभक्त हैं, वे तो भगवान का कार्य भी नहीं करते हैं और दुख-सितम की प्रतिकूल परिस्थिति में अगर भगवान की सेवा थोड़ा भी कर लेते हैं तो उसे भी बढ़ा-चढ़ा कर भगवान का असली सेवक होने और सेवा करने का दावा समाज के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। ऐसे भक्तों से भगवान को कष्ट पहुंचता है।

भक्त को अपनी भक्ति का अहंकार नहीं होता है, वह तो भगवान की भक्ति में समर्पित होता है। भक्त से भगवान की पहचान जीवित रहती है। भक्त भगवान की भक्ति करके निर्भय हो जाता है। भक्ति में भक्त का असली संबल श्रद्धा होती है। जब तक श्रद्धा जीवित है तो भक्ति भी जीवित है और भगवान की भक्ति अवश्य होगी। इसलिए श्रद्धा को जीवित रखना जरूरी है।

मुकेश ऋषि

भव्यता नहीं, श्रद्धा की जरूरत

सुधीर कुमार

प्लास्टर ऑफ पेरिस और कृत्रिम रंगों के प्रयोग से बनीं विसर्जित मूर्तियां जल को विषाक्त बना देती हैं

हाल ही में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की तरफ से गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण की बढ़ोतरी पर रोक लगाने के लिए 11 गंगा बेसिन राज्यों को मूर्ति विसर्जन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया गया है। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत जारी किए गए इन निर्देशों में मूर्तियों के जलस्रोतों में विसर्जन पर रोक और इसके उल्लंघन पर 50 हजार रुपये के दंड के प्रावधान के अलावा मूर्तियों के निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस, पकी हुई मिट्टी, फाइबर और थर्मोकोल सहित जल में अघुलनशील पदार्थों के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है!

भारत एक आस्था प्रधान देश है। यहां दशहरा, दीपावली, गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा तथा काली पूजा जैसे पर्व-त्योहारों के अवसर पर देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित करने की परंपरा रही है। हालांकि पहले सैकड़ों लोगों के बीच भगवान की एक मूर्ति स्थापित की जाती थी, लेकिन अब प्रायः हरेक घर में और साल में एक से अधिक बार मूर्तियां स्थापित करने का प्रचलन बढ़ा है। पहले हमारे पास संसाधन कम थे तो मूर्तियां शुद्ध मिट्टी की बनाई जाती थीं जो पानी में स्वतः मिल जाती थीं, लेकिन अब प्लास्टर ऑफ पेरिस और कृत्रिम रंगों के प्रयोग से बनीं विसर्जित मूर्तियां जल को विषाक्त बना देती हैं। मूर्तियों की स्थापना जहां आस्था का विषय है, वहीं मूर्ति विसर्जन एक सामाजिक और पर्यावरणीय समस्या बन चुकी है। आज समाज में बड़ी और महंगी मूर्तियां स्थापित करने की होड़ मची है, लेकिन मूर्ति निर्माण में प्रयुक्त सामग्री पर्यावरण-अनुकूल है या नहीं, इस पर शायद ही गौर किया जाता है! ऐसे समय में जब देश की अधिकांश नदियां प्रदूषण के बोझ तले दबी जा रही हैं, तब प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित मूर्तियों और विभिन्न वस्तुओं को जलस्रोतों में प्रवाहित करने से जल की गुणवत्ता में ह्रास तो होता ही है, जलीय जीवों के लिए भी यह घातक साबित होता है। अतः जरूरी है कि आस्था और पर्यावरण के मध्य सामंजस्य स्थापित किया जाए।

जिस तरह हमारे लिए देवी-देवताओं की मूर्तियां पूजनीय हैं, उसी प्रकार नदियां भी पूजनीय हैं। पूजा आयोजन में प्रयुक्त मूर्ति एवं त्याज्य वस्तुओं का जलस्रोतों में अशोधित प्रवाह जलस्रोतों को प्रदूषित करता है। ऐसे में मूर्ति विसर्जन की परंपरा में बदलाव किए जाने की जरूरत है। मूर्ति विसर्जन के लिए प्रशासन द्वारा बनाए गए अस्थाई तालाब का ही प्रयोग करना चाहिए। कोशिश यह भी हो कि प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनने वाली पर्यावरण-प्रतिकूल मूर्तियों के स्थान पर लुगदी या मिट्टी से बनने वाली मूर्तियां ही घरों या पंडालों में स्थापित करें। बैरिकेडिंग कर नागरिकों से चंदा के नाम पर मनमाना पैसे की उगाही के बजाय कम खर्च में ही पूजा-आयोजन की व्यवस्था की जाए। पूजा के नाम पर बेवजह धन की बर्बादी समाज-हित में नहीं है। ध्यान रहे, मन से की गई पूजा महंगी एवं दिखावटी पूजा से कहीं अधिक प्रभावी होती है। पूजा के लिए भव्यता नहीं, भक्ति और श्रद्धा की जरूरत होती है।

(लेखक बीएचयू में अध्येता हैं)

पर्यावरण संरक्षण की उपेक्षा

'बिगड़ते पर्यावरण को बचाने की चुनौती' शीर्षक से लिखे अपने लेख में संजय गुप्त ने बिगड़ते पर्यावरण और उसके भयावह परिणामों पर विस्तृत राय रखी है। उन्होंने इसका प्रमुख कारण समाज में जागरूकता की कमी को बताया है, जो सही भी है। अनियंत्रित लोभ और तात्कालिक लाभ पाने की आकांक्षा ने हमारी आंखों पर ऐसा पर्दा डाल दिया है, जिसके आगे हम कुछ देखने को तैयार नहीं। यही कारण है कि सरकारों के तमाम आग्रहों के बावजूद पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं निर्बाध रूप से जारी हैं, पॉलीथिन एवं अन्य रूपों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग भी लगभग खुल्लम-खुल्ला जारी है और नदियों से गैर कानूनी बालू का उठाव भी बदस्तूर जारी है। उधर डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका के लिए पर्यावरण संरक्षण की अपेक्षा अमेरिकी हितों का संरक्षण अधिक महत्वपूर्ण हो चला है। चीन जिसकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भागीदारी 25 प्रतिशत से भी ज्यादा है, अपने कोयले से चलने वाले पावर प्लांटों को बंद करने के लिए तैयार नहीं। भारत ने अवश्य पेरिस समझौते के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने के मिशन पर हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे ही दिल्ली में कचरे का एक ऐसा पहाड़ खड़ा हो रहा है, जो हर दिन के साथ कुछ और ऊंचा उठ जाता है। यह सब भयावह है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत सहित पूरे विश्व को जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी होगी और इसमें सरकारों के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता एवं जनभागीदारी की आवश्यकता होगी।

चंदन कुमार, देवघर

मेलबाक्स

पटाखों पर लगे पूर्ण रोक

प्रतिवर्ष दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली आदि पर्वों पर करोड़ों रुपये के पटाखे और आतिशबाजी से हवा में बेहिसाब जहर घोल दिया जाता है। इससे कानफोड़ू ध्वनि प्रदूषण के साथ इनकी राख आदि की गंदगी अलग से होती है। जलने और अपंग होने के अलावा न जाने कितने जानमाल की हानि का भी कोई हिसाब ही नहीं है। इस बड़ी धन राशि से पौधा रोपण जैसे कार्य भी किए जा सकते हैं जो वास्तव में इन पवित्र पर्वों की महानता को कायम रख सकते हैं। इसलिए पॉलीथिन की तरह इन पर भी तुरंत पूर्ण पाबंदी बहुत जरूरी है।

वेद मामूरपुर, नरेला

राजनीति में आमजन

दैनिक जागरण के तीन अक्टूबर के अंक में प्रकाशित प्रदीप सिंह का लेख, राजनीति की बदलती कार्य संस्कृति, पढ़ा। लेख भारतीय राजनीति में साधारण जन के लिए खुले नए रास्तों की ओर इंगित करता है। मोदी ने न केवल प्रत्याशियों से लेकर मंत्रियों तथा राज्यपालों के चयन में सामान्य हैसियत के व्यक्तियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है, बल्कि सरकार द्वारा नागरिक पुरस्कारों की घोषणा में भी उनकी यह कार्य-प्रणाली बखूबी झलकती है। कई पद्म-विजेता तो आर्थिक दृष्टि से ऐसे दीन-हीन होते हैं कि उनके वस्त्रों व चप्पल आदि से यह बात साफ झलकती है। इस साल 12 कृषकों को पद्मश्री मिला। इन्होंने शून्य बजट की खेती की मिसाल कायम की थी। कई चिकित्सक थे, जो बिना फीस निर्धन रोगियों का सहारा बने हुए हैं। अब पद्म पुरस्कार वस्तुत जन-पुरस्कार बन गए हैं।

amittalmrtw@gmail.com

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

व्यक्ति को समय के साथ परिवर्तित हो जाना चाहिए, अन्यथा वह जिंदगी की दौड़ में पिछड़ जाता है। यह बदलाव किसी रेसिपी की भांति होना चाहिए, जिसमें सभी घटक-द्रव्यों का सही-सही अनुपात हो अन्यथा वह बेस्वाद हो जाती है। ऐसा ही बेस्वाद आज सोशल मीडिया का उपयोग हो गया है। इस आभासी दुनिया ने सामाजिकता की जड़ों में मट्ठा डालना प्रारंभ कर दिया है। व्यक्ति भीड़ में अकेला हो गया है। यह सत्य है कि तकनीक आवश्यकता बन गई है तथा यह पौधों में वाष्पोत्सर्जन की तरह आवश्यक बुराई है, लेकिन इसका अति प्रयोग चरित्र, संस्कार, अनुशासन, सामाजिकता तथा गुणधर्मों को दीमक की तरह चाट रहा है।

डॉ. मनोज कुमार शर्मा, स्याना, बुलंदशहर

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

6.1 प्रतिशत तक आर्थिक विकास दर के रहने का अनुमान जताया है भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2019-20 के लिए।

आजकल

रेपो रेट में कटौती से आर्थिक तेजी संभव

विभिन्न चुनौतियों से जूझ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आरबीआइ ने अपनी चौथी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की है। इससे रेपो रेट 5.40 प्रतिशत से घटकर 5.15 प्रतिशत पर आ गई है, जो मार्च 2010 के बाद सबसे कम है। रेपो रेट घटने से बैंक सस्ते में उधार ले सकते हैं और अपने ग्राहकों को भी सस्ते में उधार दे सकते हैं। रेपो रेट में कटौती कर सस्ते कर्ज के मार्ग को खोलकर आरबीआइ ने सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को तेजी प्रदान करने की कोशिश की है

राहुल लाल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

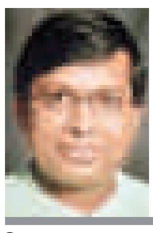

रेपो रेट में हालिया 0.25 प्रतिशत की कटौती समेत इस वर्ष रिजर्व बैंक रेपो रेट में अब तक कुल मिलाकर 1.35 फीसद की बड़ी कटौती कर चुका है। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए ऐसा किया गया है। इस संपूर्ण मामले को विस्तार से समझने के लिए यह समझना आवश्यक है कि रेपो रेट क्या है?

रेपो वह दर है जिस दर पर देश के व्यावसायिक बैंक आरबीआइ से उधार लेते हैं। रेपो रेट में इस वर्ष पहली बार कटौती फरवरी में की गई, तब 0.25 प्रतिशत कटौती के साथ रेपो रेट 6.25 प्रतिशत हुई। इसी तरह दूसरी बार कटौती अप्रैल में भी 0.25 प्रतिशत की हुई तथा रेपो दर छह प्रतिशत हो गया। जून में रेपो रेट में तीसरी बार पुनः 0.25 प्रतिशत कटौती के साथ यह 5.75 प्रतिशत हो गई। रेपो रेट में चौथी बार कटौती अगस्त में की गई। अब तक रेपो दरों में कटौती 25 या 50 आधार अंकों के दर से हो रही थी, लेकिन आरबीआइ के इतिहास में पहली बार परंपरा से हटकर 35 आधार अंकों की कटौती की जिससे रेपो रेट 5.40 प्रतिशत हो गई। वहीं अक्टूबर में पांचवीं बार में पुनः 0.25 प्रतिशत अर्थात 25 आधार अंकों की कटौती हुई तथा अब रेपो रेट केवल 5.15 प्रतिशत रह गया है। रेपो रेट में इतनी कम दर इसके पहले दिसंबर 2010 में तब थी, जब यह पांच प्रतिशत के स्तर पर था। तब भी वैश्विक मंदी से निपटने के लिए आरबीआइ ने ब्याज दरों में भारी कटौती की थी। लेकिन इस बार की कटौती का मकसद घरेलू मांग में वृद्धि करते हुए आर्थिक सुस्ती को दूर करना है।

रिवर्स रेपो रेट में कटौती : आरबीआइ ने रिवर्स रेपो रेट में 0.25 फीसद कटौती कर 4.90 प्रतिशत कर दिया है, वहीं सीआरआर चार फीसद पर स्थिर है। नाम के मुताबिक ही रेपो दर के विपरीत रिवर्स रेपो रेट होता है। बैंकों के पास दिन भर के कामकाज के बाद बहुत बार एक बड़ी रकम शेष बच जाती है। बैंक वह रकम अपने पास रखने के बजाय रिजर्व बैंक में रख सकते हैं, जिस पर उन्हें रिजर्व बैंक से ब्याज भी मिलता है। जिस दर पर यह ब्याज मिलता है, उसे रिवर्स रेपो रेट कहते हैं। अगर रिजर्व बैंक को लगता है कि बाजार में बहुत ज्यादा नकदी है, तो वह रिवर्स रेपो रेट में वृद्धि कर देता है। लेकिन अभी बाजार में नकदी की कमी है, इसलिए रिजर्व बैंक लगातार इसमें भी कटौती कर रही है।

आरबीआइ ने विकास दर का अनुमान घटाया : आर्थिक सुस्ती को ध्यान में रखते हुए आरबीआइ ने वर्ष 2019-20 में आर्थिक विकास दर का अपना अनुमान घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है। यदि ऐसा है, तो चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वर्ष 2012-13 के बाद सबसे कम होगी। इससे अल्पावधि में रोजाना सृजन और आय वृद्धि रफ्तार प्रभावित हो सकती है। अगस्त में पिछली समीक्षा में इसके 6.9 फीसद रहने का अनुमान लगाया गया था। इस तरह अब अगस्त की बैठक में जताए अनुमान से वृद्धि दर 80 आधार अंक कम है। इन दो बैठकों के बीच की अवधि में यानी अगस्त से लेकर अब तक वाहन बिक्री घटी है, प्रमुख क्षेत्रों का उत्पादन कमजोर पड़ा है और सेवा क्षेत्र में कमी आई है। ज्ञात हो फरवरी में 2019-20 के लिए आरबीआइ का जीडीपी वृद्धि का अनुमान 7.4 प्रतिशत था। आरबीआइ का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि दर इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में 6.6 से 7.2 फीसद के बीच रह सकती है। केंद्रीय बैंक ने दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर के 5.3 फीसद रहने का अनुमान जताया है। आरबीआइ ने 2020-21 के लिए भी जीडीपी अनुमान को घटाकर 7.2 फीसद कर दिया है।

डेरिवेटिव की इजाजत : केंद्रीय बैंक ने प्रवासी भारतीयों के लिए किसी भी समय विदेशी मुद्रा विनिमय उपलब्ध कराने की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। इसके अंतर्गत भारतीय बैंक प्रवासी भारतीयों को हर समय रुपये के बदले विदेशी मुद्रा उपलब्ध करा सकेंगे। रिजर्व बैंक ने कहा कि डेरिवेटिव में कारोबार की इजाजत दी जाएगी और इसका निपटान गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी में विदेशी मुद्रा में हो सकेगा। ऊषा थोराट समिति ने कुछ समय पूर्व ही ऑफशोर रुपया बाजार के बारे में सिफारिशें दी थी, जिनमें से उपरोक्त दो को बड़ा माना जा रहा था। रिजर्व बैंक के इस कदम का मकसद विदेश में रुपये में होने वाले कारोबार को भारत लाना है। मौद्रिक नीति समिति के अनुसार, थोराट समिति की अन्य सिफारिशों पर केंद्रीय बैंक विचार कर रहा है। मसला यह है कि अहस्तांतरणीय फॉरवर्ड मार्केट यानी नॉन डिलीवरिएबल फॉरवर्ड मार्केट यानी एनडीएफ में रुपया कारोबार की मात्रा में इजाफा हुआ है और यह घरेलू बाजार से काफी ज्यादा है। भारत से बाहर होने वाले इस कारोबार पर केंद्रीय बैंक का कोई नियंत्रण नहीं है। बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआइएस) के अनुसार एनडीएफ छह मुद्राओं में होता है- कोरिया की वॉन, भारतीय रुपया, चीन की रेम्बिनी, ब्राजील की रियाल, ताइवानी डॉलर और रूसी रूबल। इन सभी का वैश्विक स्तर पर एनडीएफ के कुल कारोबार में हिस्सेदारी दो तिहाई है। बीआइएस के सर्वे के मुताबिक एनडीएफ बाजार में कुल रोजाना औसत कारोबार करीब 200 अरब डॉलर पर था, जिसमें भारत की हिस्सेदारी करीब 18.22 प्रतिशत थी।

एनबीएफसी- एमएफआइ के लिए रिजर्व बैंक ने उधारी सीमा में वृद्धि की : दूरदराज वाले ग्रामीण इलाकों में कर्ज की उपलब्धता में सुधार के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर बैंकिंग वित्तीय सेवा- माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (एनबीएफसी- एमएफआइ) के लिए उधारी से संबंधित पाबंदी को उदार बनाया है। केंद्रीय बैंक ने एनबीएफसी- एमएफआइ से उधार लेने वालों के लिए आय की सीमा ग्रामीण इलाकों में एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.60 लाख रुपये कर दी है, जबकि शहरी और अर्ध शहरी इलाकों के लिए 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी है। इसके अलावा प्रति ग्राहक के लिए उधारी सीमा एक लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दी है। मौजूदा कर्ज और आय की सीमा में पिछली बार वर्ष 2015 में संशोधन किया गया था।

आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास के अनुसार माइक्रो फाइनेंस संस्थान आर्थिक पायदान के निचले स्तर वालों को उधार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कदमों से आर्थिक पायदान के निचले स्तर पर मौजूद लोगों को एमएफआइ की उधारी में मजबूती की संभावना है। आरबीआइ के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2019 में 95 एनबीएफसी-एमएफआइ थे। माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क यानी एमएफआइएन के माइक्रो मीटर रिपोर्ट में जून 2019 की 1.9 लाख करोड़ रुपये की कुल माइक्रो फाइनेंस क्रेडिट में एनबीएफसी- एमएफआइ की हिस्सेदारी करीब 30 फीसद बताई गई है। एमएफआइएन भारत में एनबीएफसी- एमएफआइ की औद्योगिक निकाय है। आरबीआइ की यह घोषणा ग्रामीण इलाकों के लिए बेहद सकारात्मक है। वर्तमान आर्थिक सुस्ती का एक प्रमुख कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मांग की भारी कमी है। ऐसे में एनबीएफसी- एमएफआइ की बढ़ी उधारी सीमा से ग्रामीण इलाकों में मांग में वृद्धि करने और कुछ हद तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार लाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

रेपो रेट में कमी को उपभोक्ता तक पहुंचने की चुनौती : आरबीआइ द्वारा रेपो रेट में कटौती के बाद कर्ज प्रवाह में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। लेकिन रिजर्व बैंक के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ब्याज दरों में कटौती का लाभ सामान्य ग्राहकों तक कैसे पहुंचे? रिजर्व बैंक का कहना है कि फरवरी और अप्रैल में कुल मिलाकर 0.50 फीसद की कटौती कर चुका था, लेकिन स्वयं आरबीआइ मानती है कि 0.50 आधार अंक की इस कटौती में से केवल 21 आधार अंक की कटौती का लाभ ही सामान्य ग्राहकों तक पहुंच पाया है। रेपो रेट में अब तक 1.35 फीसद कटौती हुई, लेकिन ग्राहकों की ईएमआइ पर असर महज 0.40 से 0.45 फीसद तक ही देखा गया है। हालांकि एक अक्टूबर से कई बैंकों ने लोन को रेपो रेट से जोड़ा है जिससे पिछले वर्ष की तुलना में उपभोक्ताओं को यह लाभ जल्द मिलेगा।

निष्कर्ष : आरबीआइ द्वारा रेपो रेट घटाने से जहां कर्ज सस्ता हो रहा है, वहीं इसका एक दूसरा पक्ष भी है। बैंक सस्ती दरों पर कर्ज देंगे, तो वे अपनी बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज को भी कम करेंगे। इसके चपेट में आरडी, एफडी इत्यादि सभी आएंगे। इसका उन लोगों पर प्रभाव पड़ेगा, जो अपनी बचतों पर ही निर्भर होते हैं, जैसे रिटायर्ड कर्मचारी। इसके साथ ही बचत पर कम रिटर्न के कारण भी खपत घट सकती है। भारत में बचत वृद्धि दर पिछले एक दशक में सबसे नीचे चल रही है। ऐसे में बचत की ब्याज दर घटी तो, बैंकिंग सेक्टर के लिए भी चिंता की बात होगी, क्योंकि उसकी आमदनी का सबसे बड़ा जरिया यही है।

सस्ते कर्ज और खपत में वृद्धि का संबंध

वर्तमान में देश भर में मांग के जो हालात हैं, उसमें कोई नए लोन लेकर खर्च करेगा, इसकी संभावना कम है। हां, अगर ब्याज दरों में हुई कटौती का लाभ बैंक पूरा का पूरा ग्राहकों तक पहुंचाते हैं, तो उसके पास कुछ अतिरिक्त रुपये बचेंगे, जिन्हें वह कुछ अन्य चीजों पर खर्च करेगा और यह खपत वृद्धि में मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, कर्ज लेने की इच्छा का सवाल लोगों की आय से जुड़ा होता है। अगर कमाई अच्छी हो या उसके बढ़ने की संभावना हो, तो व्यक्ति कर्ज ले लेता है, भले ही वह कुछ महंगा ही क्यों न हो। लेकिन अगर कारोबार में सुस्ती हो और भविष्य का भी कुछ पता नहीं हो, तो फिर कर्ज सस्ता ही क्यों न हो, लेने की हिम्मत नहीं होती है। ये दोनों बातें बताती है कि सस्ते कर्ज के जरिये खपत वृद्धि का मनोविज्ञान किस तरह बैंकों की नीयत, रोजगार, आय और उसके स्थायित्व से जुड़ा है। शायद यही वजह है कि आरबीआइ की ब्याज दर कम होने के बाद भी बाजार अब तक अपेक्षित तेजी नहीं पकड़ पा रहा है।

लेकिन यह तो रही एक आम उपभोक्ता की बात, जो कर्ज लेते समय तमाम चीजें देखता है। लेकिन कारोबारी सस्ते कर्ज का लाभ उठाकर उद्योग का विस्तार क्यों नहीं कर रहा है? अपना निवेश क्यों नहीं बढ़ा रहा है? रेपो रेट घटने से कारोबारियों को लाभ होता है, यह सही है। मान लीजिए कि एक हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने वाले उद्यमी की किस्त 30 बेसिस प्वाइंट के आधार पर भी घटती है, तो कर्ज चुकाने में उसकी काफी बचत हो जाती है। ऐसे में उम्मीद की जाती है कि कारोबारी बचत का प्रयोग निवेश में करेगा और कुछ लोगों को रोजगार मिलेगा, लेकिन ऐसा भी नहीं हो रहा है। निवेश, बाजार की संभावनाओं को देखकर होता है, बाजार में साफ दिख रहा है कि खपत नहीं है। ऐसे में उद्यमी निवेश कर अपना पैसा क्यों फंसाएगा?

ज्यादातर मामलों में कारोबारी पहले से ही मांग से ज्यादा उत्पादन कर रहे हैं, उनके पास स्टॉक भरा पड़ा है और बिक्री नहीं हो रही है। ऐसे में सस्ते कर्ज को विस्तार में लगाने के बजाय वह अपनी लागत घटाने के तौर पर लेता है और अपनी बैलेंस शीट को सही करता है। इस तरह सस्ते कर्ज का लाभ तभी दिखेगा, जब बाजार में रोजगार और आय का नया सिलसिला शुरू होगा, कृषि क्षेत्र में सुधार किए जाएंगें और ग्रामीण खपत बढ़ेगी।

खरी-खरी

भरोसे की भैंस

मदन मोहन समर

भैंस बहुत भरोसे की प्राणी है। मतलब भैंस पाली है तो भरोसा रखना होगा। गाय पर अपनी रोजी-रोटी को ब्रेड बनाकर सेकने वालों से लेकर गाय को ही अपनी रोटी बना लेने वालों का भरोसा भी भैंस पर ही ज्यादा है। अगर भरोसा ही नहीं है तो फिर भैंस पालने का मतलब ही क्या! भैंस के प्रेगनेंट होते ही लोग कहने लगते हैं, भरोसे की भैंस है, पाड़ी ही जनेगी। अब भैंस तो बेचारी भैंस है, कोई बहू तो है नहीं जो सास की मनोकामना पूरी कर सके। उसे तो कोई सोनोग्राफी कराना नहीं है। यह तो आप हैं जो उम्मीद करते हैं कि बहू को पुत्र हो और भैंस को पुत्री।

आजकल लोग बहुत हल्ला मचा रहे हैं। कोई हरियाणा के लिंगानुपात से चिंतित है तो कोई राजस्थान के। कहते हैं देश में स्त्री लिंगानुपात बहुत कम हो रहा है। लेकिन अगर भैंस पर भरोसा करें तो मनुष्यों से उलट है। भैंस भरोसे वाली जीव है भी नहीं, बिल्कुल चुनावों की तरह। हमेशा अप्रत्याशित व्यवहार करती है। खूब मजे से चारा परोसवाती है। सेवा करवाती है, लेकिन जनती पाड़ा है। भरोसे की भैंस दिल्ली में हो या बिहार में, कश्मीर या कर्नाटक में, भोपाल में हो या तेलंगाना में, पाड़ा ही जनती है। और वह पाड़ा ही नहीं जनती, पानी में भी चली जाती है। और एक बार पानी में गई भैंस को बाहर लाना कितना मुश्किल होता है, कोई लालू जी से पूछे। पानी में गई भैंस लंबा गोता लगाती है और बीच धार में बैठ जुगाली करती है। आप उसका कर कुछ नहीं सकते, क्योंकि आपने उसे वोट देकर पांच साल तक उस पर भरोसा करने का अलिखित अनुबंध किया है।

कुछ लोग बहुत समझदार होते हैं। वे भैंस तो पालते हैं, उसके बच्चों का चक्कर नहीं पालते। उन्हें मतलब होता है सिर्फ दूध से। ऐसे पासवान हमेशा दूध पीकर मस्त रहते हैं। भैंस चाहे किसी की भी हो, इस दल की हो या उस दल की हो, ये हमेशा दलदल का आनंद लेते रहते हैं। कभी ये भैंस की सवारी करते हैं, कभी भैंस इनकी। जरूरत के मुताबिक ऐसे 'राम' का 'विलास' चलता रहता है।

मुझे पता नहीं आपने भैंस पाली है या नहीं! अगर पाली है तो बीन मत बजाना। पानी में जाए तो जाने दो, लौटकर आएगी। पाड़ा जने तो जने, दूध तो देगी ही। अभी तो बेचारे आजम खान की भैंस बीच नदी में बैठ सींग हिला रही है और वे उसे पुचकार रहे हैं। अभी तो बेचारे आजम खान की भैंस बीच नदी में बैठ सिंग हिला रही है और वे उसे पुचकार रहे हैं। उधर, कुछ लोगों की भैंस पाड़ी जन कर दूधों नहला रही है।

ट्वीट-ट्वीट

मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी। जिस पिच पर स्पिनरों का दबदबा होने की उम्मीद जताई जा रही थी वहां उन्होंने पांच विकेट झटके। भारतीय क्रिकेटरों ने शानदार प्रदर्शन किया। अग्रवाल का दोहरा शतक, अश्विन-जडेजा की फिरकी जुगलबंदी, पर मैन ऑफ द मैच तो दो शतक जड़ने वाले रोहित शर्मा के लिए ही था।
अयाज मेमन@cricketwallah

अगर इमरान खान चाहते हैं कि मुसलमानों के वैश्विक रहनुमा के तौर पर उन्हें वास्तव में गंभीरता से लिया जाए तो उन्हें चीन में उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। सदानंद धूमे@dhume

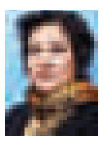

भारतीय उपमहाद्वीप में प्याज इतना अहम क्यों है? भारत में प्याज की कीमतें बढ़ने पर निर्यात बंद कर देने से बांग्लादेश में आसमान पर पहुंचे प्याज के दाम से कोहराम जैसे हालात हैं। सत्रहवीं शताब्दी में यूरोप जायफल के लिए ऐसे ही उन्मादी हुआ करता था, लेकिन अब उसने जायफल के बिना गुजारा करना सीख लिया है। उपमहाद्वीप के लोगों को भी प्याज के बिना खाना पकाना सीखना चाहिए।
तसलीमा नसरीन@taslimanasreen

आशुतोष शुक्ला
संपादक, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश डायरी

प्रशस्तिगान और लड़ने से डरता विपक्ष

उत्तर प्रदेश का वोटर अगर विपक्ष की खामोशी से चिढ़ रहा है तो वह गलत नहीं। उसे अगर लगता है कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस प्रतिरोध का धारदार स्वर देने में विफल हैं तो वह बिल्कुल ठीक है। बहुजन समाज पार्टी विज्ञप्ति जारी करके संतुष्ट है, सपा ट्विटर से बाहर नहीं निकल पा रही और रह गई कांग्रेस, तो देश की यह सबसे पुरानी पार्टी हताश और हतप्रभ दिख रही है। वह मानो यह समझ ही नहीं पा रही कि उसे संकट से उबरना कैसे है। फिर भी पिछले कई महीनों में सरकार का सबसे जोरदार विरोध कांग्रेस ने ही किया है।

हालांकि उसका कारण प्रियंका गांधी थीं जिन्होंने चिन्मयानंद प्रकरण पर योगी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरकर नेतृत्व दिया। इससे पहले भी विपक्ष की ओर से सबसे सफल प्रदर्शन कांग्रेस के ही खाते में गया था लेकिन, तब भी कारण प्रियंका ही थीं जिन्होंने सोनभद्र के उम्भा कांड में गिरफ्तारी दी थी।

इन दो घटनाओं के अलावा कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष अब तक गाल ही बजा रहा है। ताजा उदाहरण विधानसभा सत्र का है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर राज्य सरकार ने 36 घंटे का अनवरत सत्र बुलाया था। अपनी योजनाओं का बखान करने की सरकार की तैयारी पूरी थी लेकिन, विपक्ष ने सत्र का बहिष्कार किया। लोकतंत्र के प्राण वाद प्रतिवाद और असहमति में बसते हैं और राजनीति में अपनी बात कहने का सबसे प्रभावी मंच विधानसभा है। आश्चर्य की बात थी कि विपक्ष ने सरकार को खुल कर खेलने का अवसर दे दिया। सरकार लगातार 36 घंटे तक अपनी प्रशस्ति पढ़ती रही, परंतु उसे गलत साबित करने वाला कोई नहीं था। दूरदर्शन पर सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण हो रहा था, अखबारों ने अगले दिन पन्ने रंग दिए लेकिन, गैरहाजिर होने के कारण सभी जगह से विपक्ष गायब था।

बहुजन समाज पार्टी ने प्रेसनोट देकर कानून व्यवस्था पर चिंता जता दी, अखिलेश यादव थोड़े से नेता-कार्यकर्ता लेकर हजरतगंज जाकर गांधी प्रतिमा पर धरना दे आए और

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर दिया लेकिन, ये पार्टियां दोनों सदनों मे नहीं पहुंचीं। विपक्ष की ओर से थोड़ी बहुत बात शिवपाल यादव और असलम राइनी जैसे दो तीन विधायकों ने रखी। इन्होंने वैसे तो मुख्यमंत्री की सराहना की लेकिन, प्रदेश में रिश्वतखोरी और वसूली के उदाहरण देने से भी नहीं चूके। यही काम एकजुट विपक्ष करता तो सरकार के लिए जवाब देना कठिन हो जाता। अब बात विशेष सत्र की सबसे खास घटना की। हुआ यह कि रायबरेली की कांग्रेस विधायक अदिति सिंह पार्टी निर्देशों की अवहेलना करके सदन जा पहुंचीं। उसी दिन उनकी नेता प्रियंका गांधी लखनऊ में थीं लेकिन, अदिति उनके प्रदर्शन में न जाकर विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हो गईं। रायबरेली कांग्रेस का सबसे मजबूत किला है और यहां सेंध लगाकर भाजपा ने उसे दरकाने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि अदिति का भाजपा में जाना महज कुछ समय की बात है। सत्र की दूसरी अहम घटना शिवपाल यादव द्वारा की गई मुख्यमंत्री की मुक्त कंठ प्रशंसा रही। बेशक, उन्होंने प्रशासन की कुछ खामियों की ओर भी इशारा किया लेकिन, वैसे उन्होंने योगी की सराहना में कोई कसर न छोड़ी। साफ है कि यादव कुनबे में लावा सुलग रहा है और वहां से अभी खबरें निकलती रहेंगी।

यूं तो प्रदेश में बीते हफ्ते खबरें और भी बनीं लेकिन, सबसे चर्चित मामला अब भी स्वामी चिन्मयानंद का ही है। उनके आश्रम से रोज नई कहानी निकल रही है। इसी तरह पूर्व मंत्री आजम खां पर भी रोज नया मुकदमा लिखा जा रहा है। कई एजेंसियों के आगे उनकी पेशी हो चुकी है। ये दोनों नाम इस बात का प्रमाण हैं कि सत्ता जब चेहरा घुमाती है तो सारे नक्षत्र बिगड़ जाते हैं। समाजवादी पार्टी शासन में आजम खान की तूती बोलती थी। कई जनसभाओं में वह तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बाद बोलते थे। अफसर उनकी आंख का इशारा समझते लेकिन, अब उन्हीं अधिकारियों में उनके खिलाफ मुकदमा लिखने की होड़ है।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या रेपो रेट में कटौती से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी?

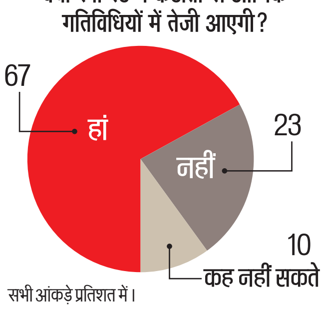

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या मेट्रो शेड के निर्माण के लिए मुंबई में पेड़ों की कटाई का विरोध उचित है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

देवी खाएं पूड़ियां घर-घर पांव पुजाय,
उससे बेहतर कोख में उन्हें बचाया जाय।
उन्हें बचाया जाय गर्भ में ही ना केवल,
निर्भय होकर गांव-शहर में पाएं वह चल।
यदि इतनी सी बात ध्यान में धर लें सेवी,
तो हो जायं प्रसन्न सेवियों से सब देवी!!
– ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता करेगी कमाल

भारत में लगभग पांच करोड़ लोग डिप्रेशन के शिकार हैं। आगामी वर्षों में दुनिया के आधे मनोरोगी भारत और चीन में होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से इनका इलाज आसान होने की उम्मीद जताई गई है

संजय श्रीवास्तव
स्वतंत्र पत्रकार

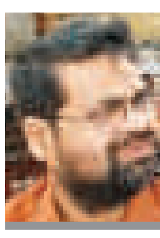

मानसिक विकृतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कमाल करने वाला है। मशीन तथा मनोचिकित्सक मिलकर डीप लर्निंग यानी गहन शिक्षण के एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए वैसा ही परिणाम पा लेते हैं जैसी अपेक्षा की जा रही है तो भारत जैसे मानसिक रोगी प्रधान देश के लिए यह वरदान साबित होने वाला है। उम्मीद जगी है कि मशीन, मनोचिकित्सक और आंकड़े मिलकर इस बात का निदान कर सकते हैं कि किसी मानसिक रोगी में जो अवसाद या किसी अन्य मानसिक बीमारी से ग्रस्त है तो उसकी तीक्ष्णता, गंभीरता के लक्षण किस कदर बढ़ या घट सकते हैं।

इस तकनीकी निदान के बाद हम एआइ यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता उसके उपचार में ले सकते हैं। मानसिक बीमारियों की देखभाल में एआइ और स्मार्ट एल्गोरिदम विकसित हो चुका है। इसका इस्तेमाल मानसिक बीमारियों को आरंभ में ही पता लगाने और उसके इलाज में मनोचिकित्सकों की सहायता के लिए कर सकते हैं। इससे आत्महत्या के मामलों में कमी आएगी। मरीजों की जांच करके उपचार करने में आसानी होगी। मशीनी निदान रोगियों को इलाज के लिए प्रेरित करेगा। अभी भारत में अधिकांश मानसिक रोगी अपने को रोगी ही नहीं मानते। एक रिपोर्ट बताती है कि देश की अधिकांश जनता जाने अनजाने किसी न किसी तरह के मानसिक विकार की शिकार है। भारत की जनसंख्या का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा सामान्य नहीं है। जबकि इस तरफ न तो समाज का कोई ध्यान है, और न सरकार का, और बाजार भी इसको लेकर उदासीन है। सरकार मानसिक व्याधियों पर स्वास्थ्य बजट का बस 0.006 प्रतिशत खर्चती है। बीमा कंपनियां मानसिक रोगों को स्वास्थ्य बीमा के तहत कवर नहीं करतीं।

नैशविले के वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के जरिये अस्पताल ने 5,000 से अधिक मानसिक मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण किया कि इसमें कितने अगले हफ्ते तक आत्महत्या का प्रयास करेंगे, जिसके 84 प्रतिशत नतीजे सफल रहे। दो वर्ष के भीतर कितनी आत्महत्या की कोशिश करेंगे, इसका अंदाजा भी 80 फीसद सटीक था। अब स्मार्टफोन भी मनोरोग का एक उपकरण बन गया है। उपयोगकर्ता के व्यवहार की निगरानी करने वाले वैयक्तिक आंकड़ों के एलगोरिदम के जरिये रोग के निदान का तरीका भी तलाशा है। टाइपिंग स्पीड, बोलने का टोन, आत्मघाती विचारों या भावों के साथ पोस्ट, स्वराघात, शब्दों का चयन इत्यादि बहुत कुछ बताते हैं। डिप्रेशन के लिए तो स्मार्टफोन बेहतर 'बायोमार्कर' हो सकते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या भावनात्मक स्तर पर आंके जाने वाले मानसिक रोगों का आकलन मात्रात्मक स्तर पर किया जा सकता है। क्या मानसिक स्वास्थ्य मात्रात्मक भी हो सकता है? अन्य शारीरिक विकारों की तरह इसकी भी आंकिक प्रस्तुति की जा सकती है? अगर हां, तो किस तरह के आंकड़ों और मात्रकों में। असल में एआइ पर अधारित मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग एल्गोरिदम 'हार्ड कोर' भौतिक डेटासेट पर आधारित होते हैं। ये डेटासेट तस्वीरों, लिखे या बोले गए, किताबों से मिले और क्लस्टरिंग डाटा जैसे आंकड़ों के विशाल ढेर में पैटर्न ढूंढकर निर्मित होते हैं। एआइ द्वारा मानसिक विकारों की 'शारीरिक' अभिव्यक्तियों का भी बारीकी से अध्ययन किया जा सकता है। आंकड़ों का यह पैटर्न या एल्गोरिदम मस्तिष्क में परिवर्तन अपनी भाषा में कहता है जिसका अर्थ अत्यंत सूक्ष्मता और सटीकता से विश्लेषित किया जा सकता है।

उम्मीद है कि वैज्ञानिक जल्द ही लार और रक्त के नमूने को भी इस एल्गोरिदम के समीकरण से जोड़ सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विकारों को और अधिक शारीरिक बनाकर, इस तरह यह पद्धति उन पैटर्नों की पहचान कर सकती है जिन्हें चिकित्सक केवल मस्तिष्क के माध्यम से नोटिस नहीं कर सकते हैं या उन कारकों, लक्षणों तक पहुंच नहीं सकते हैं। यह तरीका बहुत सफल हो रहा है, इसीलिए मानसिक स्वास्थ्य विकारों के निदान के लिए स्मार्ट एल्गोरिदम के इस्तेमाल पर मनोरोगियों के मामले में ऊंचा स्थान रखने वाले भारत के अलावा दूसरे देशों में ढेरों शोध चल रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्तायुक्त किसी चैट बोट द्वारा किसी मानसिक रोगी का साक्षात्कार और उससे मिले आंकड़ों का एलगोरिदम भी मानसिक चिकित्सा के निदान में बेहतर सहायता कर सकता है। अगर इस तरह की मशीन जिसमें पहले से आंकड़ों और एलगोरिदम की कसौटी विद्यमान हो तो वह रोगी के बोलने, जवाब देने के तरीके उसके शारीरिक भाषा जैसे किसी दिशा विशेष में देखना, नीची नजर या फिर व्यवहार का एक पैटर्न विशेष का विश्लेषण कर रोग और रोग की गंभीरता का पता लगा सकती है। किसी वर्चुअल मानव या मशीन से रोगी के साक्षात्कार के दौरान उसके भावनात्मक संकट के चलते उसके बोलने के गड़बड़ाए पैटर्न, स्वर के उतार चढ़ाव को परख लेगा। मशीन रोगी के डिप्रेस या उदास होने की आशंका बता देगी।

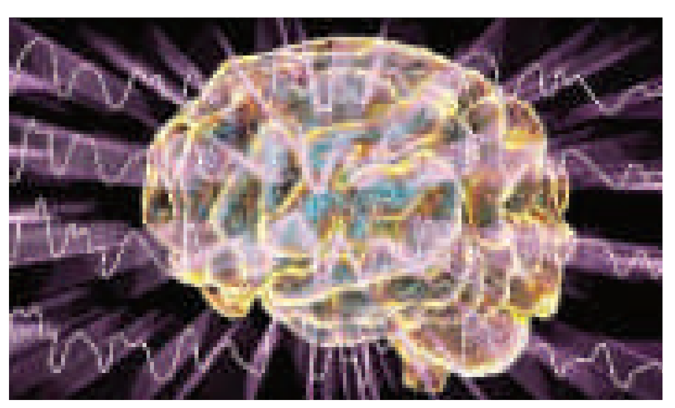

भारत में मानसिक रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, लेकिन इसके समाधान की दिशा में काम कम हो रहा है। भारत में एक लाख की आबादी पर 0.3 मनोचिकित्सक, मात्र 0.07 मनोवैज्ञानिक और महज 0.07 सामाजिक कार्यकर्ता हैं। विकसित देशों में एक लाख की आबादी पर तकरीबन 0.04 अस्पताल और सात मनोचिकित्सक हैं। वैश्विक स्तर पर करीब 45 करोड़ लोग मानसिक रोगों से पीड़ित हैं। बावजूद इसके विश्व के 40 प्रतिशत से ज्यादा देशों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीति नहीं है और 30 प्रतिशत से अधिक देशों का इससे संबंधित कोई कार्यक्रम नहीं है। करीब 25 प्रतिशत देशों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कोई कानून नहीं है। विश्व के करीब 33 प्रतिशत देश अपने स्वास्थ्य व्यय का एक प्रतिशत से भी कम मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं। इन विकट परिस्थितियों में अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता इस क्षेत्र में मिल जाए और सरकार इस दिशा में सहयोग करे तो स्थितियां सुधर सकती हैं।

(इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर)

19.7 करोड़ घरों में टीवी है अभी देश में, जबकि कुल घरों की संख्या 29.7 करोड़ है। 97 फीसद घरों में एक ही टीवी है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 7 अक्टूबर 2019

डाटागीरी

आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण एशिया का नया टाइगर बन रहा बांग्लादेश

यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि बांग्लादेश आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण एशिया का नया टाइगर बन रहा है। बांग्लादेश की जीडीपी करीब आठ फीसद की दर से बढ़ रही है, जबकि भारत की आर्थिक वृद्धि दर गिरकर पांच फीसद के करीब आ गई है। वर्तमान में दक्षिण एशिया का कोई भी देश इतनी तेज आगे नहीं बढ़ रहा है, जितना बांग्लादेश। पाकिस्तान से पांच गुना छोटे इस देश का विदेशी मुद्रा भंडार पाक से लगभग पांच गुना ज्यादा है।

जेएनएन, नई दिल्ली

एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट के मुताबिक, बांग्लादेश विकास के मामले में दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्था में सबसे आगे खड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश लगातार उच्च वृद्धि दर दर्ज करता दिख रहा है, जबकि इसकी मुद्रास्फीति का स्तर स्थिर बना हुआ है।

2016 से बांग्लादेश में प्रति वर्ष सात प्रतिशत से ज्यादा की आर्थिक वृद्धि हो रही है और संभावना है कि यह इस साल के अंत तक या अगले साल तक यह आठ प्रतिशत को पार कर जाएगी। इसी अवधि में भारत ने विकास दर में गिरावट देखी है। हालांकि, आने वाले वर्षों में इसके उठने की उम्मीद लगाई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका विकास के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला दक्षिण एशियाई देश रहा है। पूरे दक्षिण एशिया के लिहाज से देखें तो यहां विकास दर 2016 से औसतन गिर रही है। इसका मुख्य कारण श्रीलंका और पाकिस्तान का खराब प्रदर्शन भी है।

बांग्लादेश के विकास के कई कारण हैं। बढ़ते औद्योगिक सेक्टर ने इसकी अर्थव्यवस्था को तेजी प्रदान की है। इससे

इस देश में नए रोजगार पैदा हुए। यह भारत की स्थिति से अलग है, यहां आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र में लगा हुआ है। (जोकि जीडीपी में सबसे कम योगदान देता है)। नौकरियां विकास का सबसे बड़ा इंजन होती हैं।

तेजी से बढ़ा निर्यात : बांग्लादेश के मजबूत घरेलू उद्योग की मजबूती की वजह से 2018 में देश का निर्यात 6.7 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 10.1 प्रतिशत हो गया है। एडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश के कपड़ों का निर्यात 8.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.5 प्रतिशत हो गया है। यहां के कपड़ों की मांग अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, जापान, चीन और कोरिया तक में है। कपड़ों का निर्यात बांग्लादेश के कुल निर्यात का 84.2 प्रतिशत है।

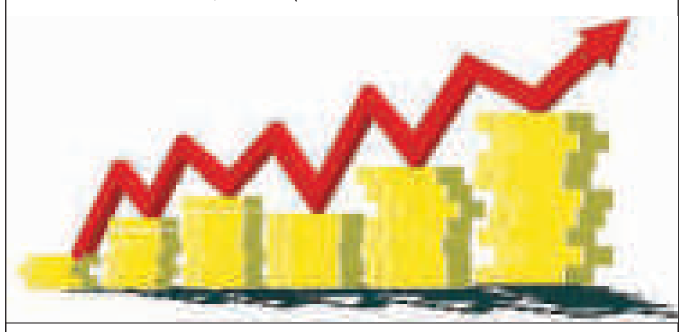

जीडीपी वृद्धि दर (प्रतिशत में)

देश	2016	2017	2018	2019 (अनुमानित)	2020 (अनुमानित)
भारत	8.2	7.2	6.8	6.5	7.2
बांग्लादेश	7.1	7.3	7.9	8.1	8.0
पाकिस्तान	4.6	5.2	5.5	3.3	2.8
श्रीलंका	4.5	3.4	3.2	2.6	3.5
दक्षिण एशिया	7.5	6.9	6.6	6.2	6.7

महंगाई दर (प्रतिशत में)

देश	2016	2017	2018	2019 (अनुमानित)	2020 (अनुमानित)
भारत	4.5	3.6	3.4	3.5	4.0
बांग्लादेश	5.9	5.4	5.8	5.5	5.8
पाकिस्तान	2.9	4.2	3.9	7.3	12.0
श्रीलंका	4	7.7	2.1	3.0	3.8
दक्षिण एशिया	4.5	3.9	3.6	4	4.9

तकनीक के सहारे नजदीक आ रहा न्याय

रंग लाया नवाचार ▶ मप्र में अभियोजन एप के मॉनिटरिंग सिस्टम ने 10 फीसद ज्यादा अपराधियों को दिलाई सजा

एप के सहारे अभियोजन अधिकारियों के काम का मूल्यांकन

रवींद्र कैलासिया, भोपाल

तारीख पर तारीख...तारीख पर तारीख... अब यह बात कुछ पुरानी सी लगेगी। मध्य प्रदेश की अदालतों में कई नवाचार की वजह से सरकार से जुड़े मुकदमों में फैसले अपेक्षाकृत तेजी से आने लगे हैं। शायद इसीलिए रिकॉर्ड समय में सजा सुनाए जाने की खबरें भी सुर्खियां बन रही हैं। प्रदेश में लोक अभियोजकों (सरकार की ओर से केस लड़ने वाले वकील) की कार्यदक्षता में जबरदस्त वृद्धि होने का परिणाम यह है कि अब गंभीर अपराध में अपराधियों को पांच दिन में भी अदालत से किए की सजा मिल पा रही है। कुछ अपराधों में तो लोक अभियोजकों ने महज पांच घंटे में ही आरोपितों को सजा दिलाकर रिकॉर्ड बनाया है। इस काम में तकनीक ने भी अहम भूमिका निभाई है।

लोक अभियोजकों (पब्लिक प्रोसिक्यूटर) के काम को प्रतिस्पर्धी और पेशेवर बनाने के लिए अपनाए गए नवाचार से यह संभव हुआ है। इससे न केवल लोक अभियोजकों की कार्यक्षमता बढ़ी, बल्कि देश-विदेश में मप्र की छवि भी निखरी है। मप्र के लोक अभियोजन संचालनालय को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर 10 सम्मान भी मिल चुके हैं। दरअसल, न्याय पाने की दिशा में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें सजा दिलाना। अभियोजन का काम कोर्ट में पुलिस द्वारा जांच के बाद इकट्ठा किए गए सुबूत व गवाह प्रस्तुत कर पीड़ित को न्याय और अपराधी को सजा दिलवाना होता है। मध्य प्रदेश में इस दिशा में जो नया और अत्याधुनिक सिस्टम बनाया है उससे अपराधियों को सजा दिलाने का आंकड़ा 10 फीसद तक बढ़ा है। सूचना प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक साधनों के सहारे लोक अभियोजन ने एक एप 'ईप्रोसिक्यूशनएमपी' विकसित कर पैरवी करने वाले लोक अभियोजकों के काम की मॉनिटरिंग तो शुरू की ही, उन्हें काम के मुताबिक महत्व दिए जाने की पद्धति भी विकसित की गई। एप से काम की निगरानी का परिणाम यह हुआ कि अभियोजन में लगे लोगों का मूल्यांकन होने लगा। एप शुरू होने के पहले ही साल (2018) में 21 गंभीर मामलों में अपराधियों को फांसी की सजा दिलवा दी गई तो करीब 300 मामलों में अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने में भी सफलता मिली। 2019 में 10 अपराधियों को फांसी की सजा लोक अभियोजक दिलवा चुके हैं।

एप में लगातार किए गए सुधार : तत्कालीन लोक अभियोजन महानिदेशक राजेंद्र कुमार ने अभियोजन में लगे अधिकारियों के काम के मूल्यांकन के लिए एक एप विकसित करने की दिशा में काम किया और जनवरी 2018 में इसे लांच किया गया। इसमें कुछ कमियां थीं, जिन्हें दूसरे और तीसरे वर्जन के रूप में अपडेट किया गया। अभी ईप्रोसिक्यूशनएमपी एप का तीसरा वर्जन काम कर रहा है। इसमें हर लोक अभियोजन अधिकारी के काम को जोड़ा गया है। हर लोक अभियोजन अधिकारी ने इसे मोबाइल में डाउनलोड किया है। वे रोज अपने काम को उस पर अपलोड करते हैं।

इस तरह होती है ग्रेडिंग

रैंक	ग्रेड
20 प्रतिशत तक	डायमंड
21 से 40 प्रतिशत	प्लेटिनम
41 से 60 प्रतिशत	गोल्ड (स्वर्ण)
61 से 80 प्रतिशत	सिल्वर (रजत)
81 से 100 प्रतिशत	कांस्य

नवाचार पर अवॉर्ड और सराहना

- वर्ल्ड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन और गोल्डन बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 21 अपराधियों को फांसी की सजा दिलाने पर।
- वर्ल्ड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा तत्कालीन महानिदेशक मप्र लोक अभियोजन राजेंद्र कुमार ई-गर्वनेंस नवाचार से पुरस्कृत।
- गोल्डन बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स ने 2018 का सबसे कम समयावधि में फांसी की सजा दिलाने के लिए अवॉर्ड दिया।
- इंडिया बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स ने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में सबसे कम समय में सजा दिलाने का रिकॉर्ड दर्ज किया।
- स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रधानमंत्री और मप्र के मुख्यमंत्री ने अपने भाषणों में गंभीर अपराधों में ज्यादा सजा दिलाने के लिए लोक अभियोजन के काम को सराहा।
- उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा ईप्रोसिक्यूशनएमपी को सम्मानित किया गया।
- गुड गर्वनेंस में स्कॉच अवॉर्ड 2019 की स्वर्ण श्रेणी में सम्मानित।

2018 में एप के बाद अभियोजन की स्थिति

- 21 फांसी की सजा
- 300 से ज्यादा आजीवन कारावास
- गंभीर और संवेदनशील मामलों में सजा का प्रतिशत दस फीसद तक बढ़कर करीब 70 प्रतिशत तक पहुंचा
- मजिस्ट्रेट कोर्ट में सजा का प्रतिशत आठ फीसद बढ़ा तो 60 प्रतिशत तक पहुंचा
- मोबाइल एप के कारण पांच लाख 61 हजार 755 गवाहों का परीक्षण कराया जा सका
- एप की वजह से पांच लाख 46 हजार 179 मामलों में पैरवी संभव हो सकी

(आंकड़े वर्ष 2018 के, स्रोत : अभियोजन संचालनालय)

ईप्रोसिक्यूशनएमपी एप से क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं। मप्र लोक अभियोजन अपराधियों को न केवल ज्यादा से ज्यादा सजा दिलाने में सफल रहा, बल्कि अभियोजन अधिकारियों में काम करने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। देश में सजा दिलाने के प्रतिशत में मप्र ने नए कीर्तिमान बनाए हैं। किस अधिकारी के पास कौन सा प्रकरण है और उसमें अद्यतन स्थिति क्या है, इसकी जानकारी उपलब्ध है।
– राजेंद्र कुमार, पूर्व महानिदेशक, मप्र लोक अभियोजन

नए इंटेलिजेंस टेस्ट से बौद्धिक क्षमता का आकलन करना होगा बेहद आसान

शशांक शेखर भारद्वाज, कानपुर

- आइआइटी कानपुर के विशेषज्ञों ने कई संस्थानों के साथ मिलकर तैयार किया टेस्ट
- स्कूली स्तर पर पकड़ में आएंगे न्यूरो संबंधी रोग
- नौकरी के लिए साक्षात्कार में भी किया जा सकेगा प्रयोग

न्यूरो की एक समस्या ऐसी भी है जो बचपन में आसानी से पकड़ में नहीं आती है। बच्चा देखने, बोलने और व्यवहार में बिल्कुल सामान्य दिखता है, लेकिन उसे पढ़ने, लिखने और समझने में कठिनाई होती है। कुछ साल पहले आई आमिर खान अभिनीत फिल्म 'तारे जमीं पर' की कहानी ऐसे ही बच्चे पर आधारित थी। उसमें छात्र को 'डिस्लेक्सिया' था, जिसकी वजह से अक्षर और रंगों को पहचानने में कठिनाई होती थी। ऐसे ही न्यूरो संबंधी रोगों की पहचान करना अब आसान है। आइआइटी कानपुर के विशेषज्ञों ने कनाडा, भुवनेश्वर, हैदराबाद, दिल्ली, हरियाणा के तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों ने ब्रेन बेस्ड इंटेलिजेंस टेस्ट (बीबीआइटी) विकसित किया है, जिससे बौद्धिक क्षमता का आकलन आसान हो जाएगा।

विशेषज्ञों ने देशभर के 1200 से अधिक छात्रों पर प्रयोग किया है, जिसके नतीजे बहुत ही शानदार आए हैं। बीबीआइटी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) को सौंपने की तैयारी है। दिसंबर तक केंद्र सरकार और राज्य सरकार को इसे लागू कराने का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

इन बीमारियों का चलेगा पता : इस टेस्ट से मानसिक विकार, याददाश्त में कमी, ऑटिज्म, एपिलेप्सी, डिमेंशिया, नजर की समस्या का पता चल सकेगा। यह परीक्षा भारतीय मानकों के मुताबिक तैयार की गई है।

5 से 18 साल के छात्र शामिल : बीबीआइटी मुख्यता पांच से 18 साल के आयु के छात्रों के लिए तैयार किया गया है। इस परीक्षण का स्तर कक्षा बढ़ने के साथ ही बढ़ता जाएगा।

भाषा की समस्या नहीं : बौद्धिक क्षमता के आकलन में भाषा की जरूरत नहीं है। यह टेस्ट चिह्न, निशान, चित्र, डिजाइन आदि पर आधारित रहेगा।

साक्षात्कार के समय प्रयोग : विशेषज्ञों के मुताबिक, नौकरी के दौरान साक्षात्कार के लिए बीबीआइटी का प्रयोग किया जा सकता है। इससे प्रतिभागी का मूल्यांकन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

इन विशेषज्ञों ने तैयार किया बीबीआइटी

इस खास टेस्ट को तैयार करने वाले वैज्ञानिकों के दल में कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ अलबर्टा के प्रो. जेपी दास, उत्कल यूनिवर्सिटी के प्रो. यूएन डैश, अशोका विश्वविद्यालय के प्रो. प्रकाश पदकानन्य, भुवनेश्वर से स्वागीतिका सामंत्रे, हैदराबाद से पूजा नायर, दिल्ली से रेणू गोयल ने अहम भूमिका निभाई।

बौद्धिक क्षमता का आकलन अलग तरह की परीक्षा है। इसे तैयार करने में दो साल लगे हैं। सैकड़ों स्कूलों से हजारों बच्चों के आंकड़े लिए हैं। बेहतर परिणाम सामने आए हैं।
– प्रो. बृजभूषण, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आइआइटी कानपुर

उम्र के आखिरी पड़ाव में भी जुटी हैं जागरूकता लाने में

बृजेश भट्ट, रुद्रप्रयाग

मिसाल

- 74 वर्षीय जीवंती देवी ने शराब विरोधी आंदोलन और उत्तराखंड राज्य आंदोलन में भी निभाई है अहम भूमिका

जीवंती देवी भले ही जीवन के आखिरी पड़ाव पर खड़ी हों, लेकिन उनमें उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग की मध्यमेश्वर घाटी के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को जागरूक करने का जज्बा आज भी जवानी के दिनों वाला है। 74 वर्ष की उम्र में भी वह गांव-गांव जाकर महिलाओं को नशा विरोधी अभियान व स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में जुटी हैं। इसी का नतीजा है कि आज इस क्षेत्र की कई महिलाएं स्वरोजगार के जरिये अपनी आर्थिकी संवार रही हैं। इतना ही नहीं, नशा विरोधी अभियान का भी इस पूरे क्षेत्र पर असर साफ देखा जा सकता है। जीवंती देवी के कार्यों के लिए उन्हें समय-समय पर विभिन्न मंचों की ओर से सम्मानित भी किया जाता रहा है।

रुद्रप्रयाग जिले की ऊखीमठ तहसील के सीमांत गांव रांसी की जीवंती देवी बीते चार दशक से मध्यमेश्वर घाटी के दो दर्जन से अधिक गांवों में महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा व स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही हैं। वहीं, इनकी इस पूरे क्षेत्र में शराब विरोधी आंदोलन में अग्रणी भूमिका रही। उत्तराखंड राज्य आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाने वालीं जीवंती देवी दो बार क्षेत्र पंचायत सदस्य भी चुनी गईं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मंचों पर महिलाओं को जल, जंगल और जमीन से जोड़ने की जोरदार पैरवी की।

हाईस्कूल तक शिक्षा ग्रहण करने वालीं जीवंती देवी अपने दौर में मध्यमेश्वर घाटी की सबसे शिक्षित महिला रही हैं। जीवंतीएक कवि भी हैं। गढ़वाली भाषा में उनका एक कविता संग्रह भी प्रकाशित हो चुका है।

जीवंती देवी मध्यमेश्वर घाटी के सीमांत गांवों का लगातार भ्रमण कर वहां महिलाओं से जुड़ी समस्याओं को समझती हैं और फिर उन्हीं के साथ मिलकर इनके समाधान को भी कार्य करती हैं। उन्होंने मध्यमेश्वर घाटी के गांवों में महिलाओं को सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाई है।

जीवंती देवी वर्ष 1996 में पहली बार क्षेत्र पंचायत सदस्य चुनी गईं। तब वे ऊखीमठ ब्लॉक की कनिष्ठ उप प्रमुख भी रहीं। 1997 में अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था 'हिमवंती' ने उन्हें अपना सदस्य बनाया। 1998 में मध्यमेश्वर घाटी में आई आपदा के दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए पूरे मनोयोग से लड़ाई लड़ी। इसी कर्मठता को देखते हुए 2001 में उन्हें दोबारा क्षेत्र पंचायत सदस्य चुना गया। रांसी निवासी सुशीला देवी कहती हैं कि जीवंती देवी सिर्फ गांव ही नहीं, पूरे ऊखीमठ विकासखंड की प्रेरणास्रोत हैं। अपने दुख-दर्द भूलकर उन्होंने दूसरों के लिए जीवन समर्पित कर दिया है।

जीवंती देवी जागरण

मिल चुके हैं ये सम्मान

- **2008** में महिला महासभा देहरादून की ओर से टिंचरी माई स्मृति सम्मान
- **2010** में प्रदेश सरकार की ओर से तीलू रौतेली सम्मान
- **2011** में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की ओर से ब्रिटिश चैतन्य रत्न सम्मान
- **2017** में मध्यमेश्वर घाटी विकास मंच की ओर से वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सम्मान

पूजा सक्सेना : हुनर की सच्ची 'सिपाही'

पुलिस की वर्दी में पूजा सक्सेना।
सौजन्य से – पूजा

केके सक्सेना, बरेली

पुलिस की भाग दौड़ वाली नौकरी। दो बच्चों की पढ़ाई, देखभाल का दायित्व और मॉडलिंग का शौक। वाकई एक पुलिसकर्मी, मां और मॉडल... हर रूप में खुद को एकसाथ साबित कर पाना आसान नहीं, लेकिन इच्छाशक्ति और प्रतिभा के बल पर इसे सच कर दिखाया 28 वर्षीय पूजा सक्सेना ने। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की निवासी पूजा सक्सेना 2011 बैच की सिपाही हैं। वर्ष 2009 में 18 साल की उम्र में उनकी शादी लखीमपुर खीरी के व्यापारी अमित कुमार से हुई थी। पूजा बताती हैं कि पिता अनिल कुमार सक्सेना दारोगा थे इसलिए पुलिस सेवा में जाने की ख्वाहिश बचपन से रही। इसके लिए कठिन मेहनत की। इस बीच शादी हो गई, लेकिन इसका तैयारी पर असर नहीं पड़ने दिया। 2011 में सफलता मिली।

पूजा बताती हैं कि मॉडलिंग का शौक पहले से ही था। वर्ष 2008 में पिता बरेली में तैनात थे, उस समय मिस बरेली बनी। इस बीच शादी, नौकरी आदि के कारण कुछ साल का अंतराल हुआ। वर्ष 2016 में बरेली में तैनाती मिली तो एक बार फिर मॉडलिंग की इच्छा जागी। दिन भर ड्यूटी दो छोटे बच्चों की परवरिश के बीच अपने हुनर को जिंदा रख पाना बेहद चुनौती भरा था, लेकिन मैंने किया। शो में हिस्सा लेने के लिए रात को घर पर ही प्रैक्टिस करती। कड़ी मेहनत का ही नतीजा रहा कि जुलाई में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से आईं मॉडल को पछाड़ कर मिसेज भारत चुनी गईं। मॉडलिंग में अलग छाप छोड़ने पर घर वालों से लेकर पुलिस विभाग तक ने उन्हें हाथोंहाथ लिया। रोटरी क्लब की तरफ से 2017, 18 व 19 में वह बेस्ट मॉडल आफ द ईयर चुनी गईं। बीती 26 सितंबर को बरेली में हुए एक कार्यक्रम में मिसेज इंडिया 2019 रॉयल ब्रांड एंबेसडर के खिताब से नवाजा गया। पूजा का अगला पड़ाव दुबई है। इसी कड़ी का अगला शो दुबई में होगा जिसमें वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

पुलिस की नौकरी से बनी फिटनेस

पूजा बताती हैं कि फिटनेस के लिए वह डाइटिंग नहीं करतीं। इसका पूरा श्रेय उनकी नौकरी को जाता है। पुलिस में दिनभर भाग दौड़ रहती है। सुबह जल्दी उठना, ज्यादा खानपान न हो पाने के कारण ही उनकी फिटनेस बनी हुई है। अपनी तरफ से बस इतना करती हैं कि दिनचर्या व्यवस्थित रहे। सोने, उठने, घरेलू काम निपटाने का समय तय है।

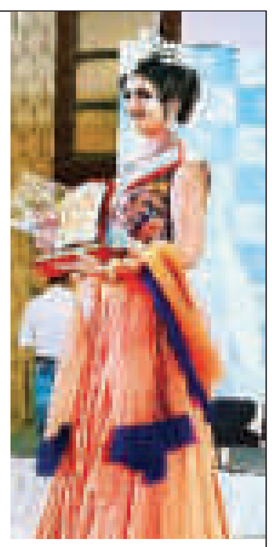

बेस्ट मॉडल अवॉर्ड के साथ पूजा सक्सेना।

निगाहों के करीब और पहुंच से दूर लामा टेकरी

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

उत्तराखंड के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में शुमार हर्षिल कस्बे के पास स्थित खड़ी पहाड़ी (लामा टेकरी) अभी भी पर्यटकों की पहुंच से दूर है। हर्षिल आने वाला हर पर्यटक लामा टेकरी की खूबसूरती को निहारता तो है, लेकिन पर्यटन मानचित्र में इसका उल्लेख न होने और हर्षिल में भी कोई खास जानकारी न होने के कारण वह इस पहाड़ी पर चहलकदमी नहीं कर पाता। हालांकि, इस खूबसूरत पहाड़ी पर जाने के लिए बगोरी के जाड़ भोटिया समुदाय के ग्रामीणों ने बाकायदा रास्ता बनाया हुआ है। साथ ही इस पहाड़ी के शिखर पर वे पूजा-अर्चना करने के साथ झंडे भी लगाते हैं।

हर्षिल के पास से ही लामा टेकरी जाने के लिए दो रास्ते हैं। पहला रास्ता कंकण गंगा पुल के पास से जाता है, जबकि दूसरा जलंध्री नदी पुल के पास से। हालांकि, दोनों रास्ते कुछ ही दूरी पर आपस में मिल जाते हैं। देवदार के घने जंगल के बीच से गुजरते कैंचीनुमा रास्ते पर कई सुंदर स्थल हैं, जहां से हर्षिल घाटी की सुंदरता देखते ही बनती है। रास्ते में कई स्थानों पर सेना के खंडहर पड़े बंकर भी मिलते हैं। लामा टेकरी के निकट भेड़ पालकों के ठिकाने भी नजर आते हैं। लामा टेकरी पहुंचकर इतना सुकून मिलता है कि रास्तेभर की थकान पलभर में काफूर हो जाती है। लामा टेकरी में खड़ा होकर अगर हर्षिल कस्बे को देखना है, तो अपने पांवों की ओर देखना पड़ता है। तब जाकर नीचे हर्षिल और बगोरी का सुंदर नजारा दिखता है, जबकि हर्षिल से लामा टेकरी को निहारने के लिए सीधे आसमान की ओर देखना पड़ता है। यानी हर्षिल के ठीक 90 डिग्री के कोण पर लामा टेकरी की खड़ी पहाड़ी है।

लामा टेकरी से हर्षिल घाटी के बीचोंबीच होकर बह रही भागीरथी की सर्पीली धारा से लेकर हिमालय की गगन चूमती सुदर्शन, बंदरपूंछ, सुमेरू व श्रीकंठ चोटियों का दीदार भी होता है। 19वीं सदी में हर्षिल को असली पहचान दिलाने वाले ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी फ्रेडरिक विल्सन के रिश्तेदार 75 वर्षीय बालम दास कहते हैं कि लामा टेकरी हर्षिल का शीश मुकुट है। अगर इस पर्यटक स्थल को पर्यटन विभाग कुछ प्रचारित-प्रसारित करे तो हर्षिल आने वाला हर पर्यटक लामा टेकरी जाना चाहेगा। वह कहते हैं कि जाड़ व भोटिया समुदाय के लोग पहले से ही लामा टेकरी की पहाड़ी पर पूजा-अर्चना करते आए हैं, लेकिन इसे लामा टेकरी नाम बीती सदी के छठे दशक में भारतीय सेना ने दिया था।

मिनी स्विट्जरलैंड है हर्षिल : जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से 75 किमी दूर स्थित हर्षिल कस्बे को उत्तराखंड का मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। यहां की खूबसूरत वादियां, देवदार के घने जंगल, चारों ओर बिखरा बेशुमार सौंदर्य, रंग-बिरंगे खिलखिलाते फूल, बर्फ से ढकी चोटियां और पहाड़ों से निकल रहे हिमनदों के बीच शांत होकर बह रही भागीरथी (गंगा) का नजारा देखने लायक होता है।

उत्तरकाशी की खूबसूरत लामा टेकरी पहाड़ी में जाड़ भोटिया समुदाय की ओर से लगाए गए झंडे। हर वर्ष पूजा के दौरान पहाड़ी पर झंडे लगाने की परंपरा है। जागरण

- हर्षिल का शीश मुकुट है 90 डिग्री के कोण पर खड़ी पहाड़ी
- पर्यटन के रूप में ज्यादा प्रचारित न होने से नहीं पहुंचते लोग

हर्षिल के निकट की पहाड़ी पर लामा टेकरी को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए इस बार होने वाले 'एपल फेस्टिवल' में लामा टेकरी को 'नेचर वॉक' के रूप में शामिल किया गया है।
–डॉ. आशीष चौहान, जिलाधिकारी, उत्तरकाशी

द्रोणाचार्य के बिना लक्ष्य साध रहे होनहार

अनूठी पाठशाला

- महोबा के कीरत सागर तट पर सुबह-शाम समूह में पढ़ाई करते मिलते हैं युवा
- एक-दूसरे से सवाल पूछकर कराते हैं तैयारी, कई पा चुके हैं सरकारी नौकरी

अभिषेक द्विवेदी, महोबा

उत्तर प्रदेश के महोबा में कीरत सागर तट पर सुबह-शाम का नजारा कुछ अलग ही होता है। मंदिर के चबूतरे और आस-पास हाथों में पुस्तकें लेकर बैठे युवा भविष्य संवारने को प्रयासरत दिखते हैं। इस अनूठी पाठशाला में न कोई शुल्क है और न ही कोई शिक्षक। छात्र ही शिक्षक और शिक्षक ही छात्र हैं। एक-दूसरे से सवाल पूछते और हल खोजते हुए यहां से कई युवा सरकारी नौकरी पा चुके हैं।

ऐसे हुई शुरुआत : करीब दस साल पहले गरीब परिवारों के 15-20 छात्र कोचिंग के लिए रुपये नहीं होने पर कीरत सागर पर आकर पढ़ाई करने लगे। शुरुआत में यह देखकर लोगों को अजीब लगा, लेकिन छात्रों ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। इनमें से कुछ छात्र रेलवे और दूरसंचार विभाग में नौकरी पा गए। इससे अन्य छात्रों का रुझान बढ़ा और वे भी यहां आकर पढ़ने लगे। वर्तमान में लगभग 250 युवा यहां अपना भविष्य संवार रहे हैं। अब इस कक्षा को क्लब का नाम दिया गया है।

पिछले साल रेलवे में चयनित हुए आलोक बाजपेई कहते हैं कि हाईप्रोफाइल कोचिंग या स्कूल में पढ़ने से कुछ नहीं होता, मन में लगन हो तो कहीं भी पढ़कर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

इस तरह शिक्षा से सेवायोजन तक : प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुसार छात्र अलग-अलग समूह बना एक-दूसरे से प्रश्न पूछते हैं। जो पहले गुरु बनता है वह शिष्य हो जाता है और जो शिष्य होता है वह गुरु बनकर उससे प्रश्न पूछता है। ऐसे में सभी प्रश्नों का हल मिलता है। सुबह-शाम तीन-तीन घंटे पढ़ाई होती है। यहां पढ़े 50 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। पिटाकपुरा निवासी आलोक बाजपेई, आशुतोष, मुख्यालय के श्याम बिहारी व सीताराम रेलवे में हैं। वहीं, संजू, जयभारत, नरेश कुमार सेना में हैं।

भाईचारे का संदेश : छात्र जात-पात के भेदभाव से उठकर न केवल भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि भाईचारे का संदेश भी दे रहे हैं। यहां न कोई हिंदू है और न मुसलमान। मकसद है तो सिर्फ एक-दूसरे की मदद से लक्ष्य को हासिल करना।

महोबा में कीरत सागर तट पर ऐसा नजारा आम है। फाइल

108 शक्ति पीठों में से एक है मप्र में मैहर का शारदा भवानी मंदिर। नवरात्र के शुरुआती सात दिनों में यहां 2.50 लाख श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे।

अंधविश्वास के खिलाफ खड़ा है दृढ़ विश्वास

एक कार्यक्रम में अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता फैलाते प्रबीर घोष। (फाइल फोटो)

विशाल श्रेष्ठ, कोलकाता

जागरण विशेष

- पिछले 50 साल से जागरूकता फैला रहे हैं प्रबीर घोष
- कहते हैं, मेरे सामने कोई चमत्कार करे तो दूंगा 50 लाख रुपये का इनाम

भारत वह देश है, जहां आज भी लोग ट्रैफिक सिग्नल से ज्यादा बिल्ली देखकर रुक जाते हैं। 21वीं सदी में भी डायन के संदेह में महिलाओं की हत्या, सांप के काटने पर डॉक्टर के पास ले जाने के बजाय ओझा बाबा के पास ले जाकर झाड़-फूंक कराना, विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए तंत्र-मंत्र और जादू-टोना कराना जैसे अंधविश्वास प्रचलित हैं। खासकर ग्रामीण इलाके बुरी तरह से इसकी चपेट में हैं। इन तमाम कुरीतियों के खिलाफ एक शख्स ने पिछले 50 साल से मुहिम छेड़ रखी है और आज 74 साल की उम्र में भी वह लोगों को अंधविश्वास के खिलाफ जागरूक कर रहे हैं। इस शख्स का नाम है प्रबीर घोष।

बंगाल के कोलकाता में दमदम के मोतीझील इलाके के रहने वाले प्रबीर को अपने इस अभियान के दौरान तांत्रिक, ओझा व पाखंडी बाबाओं के रोष का भी शिकार होना पड़ा। उन पर कई बार जानलेवा हमले हो चुके हैं, हालांकि इससे उनके इरादे और मजबूत होते चले गए। बंगाल के पुरुलिया जिले के बेहद पिछड़े आद्रा इलाके में बचपन बिताने वाले प्रबीर ने अंधविश्वास व उसमें जकड़े लोगों को बेहद करीब से देखा है। युवावस्था में उन्होंने इसकी मुखालफत शुरू की। अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता फैलाने को उन्होंने 1985 में भारतीय विज्ञान और युक्तिवादी समिति की स्थापना की। अंधविश्वास दूर करने को उन्होंने अंग्रेजी और बांग्ला भाषाओं में अब तक 50 से अधिक पुस्तकें भी लिख डाली हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एमएससी व एमए करने वाले प्रबीर का दावा है कि अगर कोई व्यक्ति उन्हें उनकी आंखों के सामने कोई भी चमत्कार करके दिखा देगा तो वह उसे 50 लाख रुपये का इनाम देंगे।

प्रबीर के पिता प्रभात चंद्र घोष दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारी और मां सुहासिनी घोष गृहिणी थीं। प्रबीर ने बताया, 'किशोरावस्था में मैं अपने परिवार के साथ खड़गपुर आ गया था। वहां एक समुदाय विशेष के लोग एक पाखंडी बाबा पर आंखें मूंदकर विश्वास करते थे। एक बार मैं भी उसके पास गया। बाबा हवा में हाथ हिलाकर अपने किसी भक्त को जामुन तो किसी को अंगूर दे रहा था। मुझे समझते देर न लगी कि यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि हाथ की सफाई है। मैं उसके पास गया और तरबूज की मांग कर डाली। हाथ की सफाई से इतना बड़ा फल देना संभव नहीं था, सो उसका भांडा फूट गया।' प्रबीर मानते हैं कि सिर्फ उन्हीं चीजों पर विश्वास करना चाहिए, जो विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरें।

यह प्रबीर के अथक परिश्रम का ही नतीजा है कि आज बंगाल के पुरुलिया जिले में डायन के संदेह में महिलाओं की हत्या की वारदात पूरी तरह थम चुकी हैं। प्रबीर ने बताया कि एक समय था जब यहां डायन के संदेह में सालाना करीब 100 महिलाओं की हत्या कर दी जाती थी। हमारे संगठन ने अंधविश्वास दूर करने को लेकर काफी काम किया है। नतीजतन, पिछले दो वर्षों में वहां ऐसी एक भी वारदात नहीं हुई है।

भारतीय विज्ञान और युक्तिवादी समिति की वर्तमान में बंगाल समेत देशभर में 100 से अधिक शाखाएं हैं। बंगाल के सभी जिलों में शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा में सात से 10 लोग शामिल हैं। शिक्षक, डॉक्टर, अधिवक्ता, जनप्रतिधि जैसे समाज के प्रबुद्ध लोगों को लेकर इन शाखाओं का गठन किया गया है। संगठन के सदस्य अपने साथ सर्पदंश के शिकार लोगों का इलाज करने के लिए 'एंटी वेनम' लेकर भी चलते हैं।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

मीरजापुर में मिले हजारों साल पुराने भित्ति चित्र

खोज ▶ तेलियामान पहाड़ी पर एक गुफा में बने अनोखे चित्रों को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र ने तलाशा

इन पर शोध से सामने आएंगे प्राचीन काल के लोगों के जीवन से जुड़े राज

सतीश रघुवंशी, मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में पटेहरा के तेलीमान गुफा में बने भित्ति चित्र। फाइल फोटो

हमारे पूर्वज किस तरह की जिंदगी जीते रहे होंगे, ऐसी ही कुछ जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए तमाम खोज, अध्ययन, शोध होते रहे हैं। इससे कितने ही रहस्य सुलझे भी हैं। कुछ ऐसी ही जिज्ञासा को फिर उभारने वाले भित्ति चित्र उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले की एक गुफा में मिले हैं। यह कम से कम पांच हजार वर्ष पुराने हैं। इनमें उस वक्त की जिंदगी को पत्थरों पर हूबहू तराशा गया है। इन पर शोध व अध्ययन से हजारों वर्ष पुरानी जिंदगी से जुड़ी कई रोचक जानकारियां सामने आएंगी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र अनुराग पांडेय ने बताया कि पुरातत्व विभाग इन चित्रों को करीब पांच हजार वर्ष पुराना मान रहा है। जिस लाल रंग से ये भित्ति चित्र उकेरे गए हैं, उस पर पानी डालने से और साफ हो जाता है। इससे पता चलता है कि हजारों वर्ष पहले की पेंटिंग तकनीक काफी उच्च कोटी की रही होगी।

ये भित्ति चित्र बीएचयू साउथ कैंपस, बरकछा से मात्र पांच किलोमीटर दूर जंगल में फुलियारी गांव के पास तेलियामान गुफा में मिले हैं। केबीपीजी कॉलेज के प्रो. इंदुभूषण द्विवेदी ने जब पहली बार इसे देखा तो देखते ही रह गए। इसके बाद उन्होंने इन चित्रों को समझने की कोशिश की और इन पर अध्ययन किया। इन भित्ति चित्रों में हजारों वर्ष पहले की जीवनशैली को बेहद करीने से उकेरा गया है। इतना ही नहीं, इन चित्रों पर जिस लाल रंग का प्रयोग हुआ है, वह अभी भी चमकदार बना हुआ है। गुफा की दीवारों पर घोड़े पर बैठे घुड़सवार, हाथ में भाला लिए सैनिक, वेशभूषा में खड़ा सैनिक, ग्रामीण जीवन से जुड़े मवेशियों के चित्र हैं।

तीर्थंकर की जन्मभूमि पर निकली शीतलनाथ व पारसनाथ की प्रतिमा

जागरण संवाददाता, चतरा (झारखंड) : जैन धर्म के दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ की जन्मभूमि चतरा (झारखंड) में रविवार को खोदाई में दसवें तीर्थंकर शीतलनाथ स्वामी तथा 23वें पारसनाथ भगवान की प्रतिमा मिली हैं। दोनों प्रतिमाएं संगमरमर की हैं। शीतलनाथ भगवान की प्रतिमा सफेद संगमरमर तथा पारसनाथ भगवान की प्रतिमा काले संगमरमर से निर्मित है। शीतलनाथ तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महामंत्री सुरेश झांझरी तथा मंत्री सुनील कुमार जैन ने बताया कि तीर्थंकर की जन्मभूमि पर प्रवास कर रहे विगुण सागर जी महाराज के निर्देशानुसार स्वामी के मोक्ष कल्याणक के दिन खोदाई कराने का निर्णय लिया। रविवार को पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना करने के पश्चात जैन धर्मगुरु के चिह्निनत किए गए स्थान पर जेसीबी मशीन से खोदाई की गई। करीब चार फुट गहराई में सबसे पहले तीर्थंकर शीतलनाथ स्वामी की प्रतिमा मिली। इसके बाद तीर्थंकर पारसनाथ भगवान की प्रतिमा निकली। दोनों प्रतिमाओं का अभिषेक करने के पश्चात पूरे विधि विधान से अस्थायी जैन मंदिर में स्थापित कर दिया गया।

नानक की नगरी में दिखेगी कुंभ मेले जैसी झलक

हरनेक सिंह जैनपुरी, कपूरथला

- 245 एकड़ में 35 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बन रहीं तीन टेंट सिटी
- फैमिली टेंट लाउंज में अटैच बाथरूम, नहाने के लिए गर्म पानी और लॉकर तक की मिलेगी सुविधा

कपूरथला के शहर सुल्तानपुर लोधी में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में बन रही टेंट सिटी में तैयार हो रहे 15 बेड वाले डारमेट्री रूम का आंदरूनी दृश्य। जागरण

श्रद्धालुओं को टेंट सिटी की ऑनलाइन बुकिंग की जानकारी 'प्रकाशोत्सव 550 एप' से मिलेगी। जागरण

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर देश-विदेश से पंजाब के सुल्तानपुर लोधी आने वाली संगत के लिए तीन टेंट सिटी का निर्माण किया जा रहा है। इनमें कुंभ मेले जैसी झलक दिखेगी। इनका निर्माण इंदौर की गिरधारी लाल एंड संज (जीएलएस) कंपनी कर रही है। कंपनी इससे पहले कुंभ मेले और श्री पटना साहिब में होने वाले बड़े आयोजनों के लिए टेंट सिटी का निर्माण कर चुकी है।

पुडा कॉलोनी, लोहिया रोड और कपूरथला मार्ग पर बन रही तीन टेंट सिटी में 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। 1500 कर्मचारी दिन-रात जुटे हैं। सबसे बड़ी टेंट सिटी कपूरथला रोड पर गांव मुटकवाल के पास बन रही है। इसमें 15 बेड वाले 200 डारमेट्री रूम बन रहे हैं। यहां तीन हजार श्रद्धालुओं के लिए बेड लगे होंगे। सर्दी से बचने के लिए कंबल व रजाई की सुविधा होगी। 60 बेड वाले 134 बड़े डारमेट्री तैयार किए जा रहे हैं। इनमें 8040 श्रद्धालुओं के रहने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा चार बेड वाले 288 फैमिली टेंट होंगे, जबकि 2 बेड वाले 213 क्यूबिकल टेंट बन रहे हैं।

होटल जैसी सुविधाएं : दो बेड वाले क्यूबिकल टेंट और चार बेड वाले फैमली लाउंज में श्रद्धालुओं के लिए अटैच बाथरूम, नहाने के लिए गर्म व ठंडा पानी, सामान रखने के लिए लॉकर, कमरे में कुर्सी टेबल और पीने के लिए आरओ सिस्टम का पानी 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।

हर कोने में सीसीटीवी कैमरे : हर टेंट सिटी में संगत के लिए एक कॉमन लंगर हॉल बनेगा। सिटी के अंदर आने जाने के लिए ई-रिक्शा चलाया जाएगा। रजिस्ट्रेशन रूम, सुरक्षा के लिए पुलिस पोस्ट व प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे। हर टेंट सिटी में वॉच टावर होगा, जिससे कैंपस की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। हर कोने पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सिटी के चारों ओर सुरक्षा दीवार लगाई जाएगी।

पक्की सड़कें, 24 घंटे बिजली : कंपनी के मैनेजर पंकज शर्मा का कहना है कि टेंट सिटी-एक में 17 हजार, सिटी-दो में 5500 और सिटी-तीन में 13,500 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। तीनों टेंट सिटी में पक्की सड़कें होंगी। अंडर ग्राउंड सीवरेज सिस्टम बनाया जा रहा है। 24 घंटे स्ट्रीट लाइट, जोड़ा घर, गठड़ी घर जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

वीआइपी लाउंज : इंजीनियर कुशल पांडेय व इंजीनियर विजय नरायण का कहना है कि अधिकारियों के लिए वीआइपी लाउंज भी बनाए गए हैं। यहां वरिष्ठ अधिकारी ठहरेंगे। टेंट सिटी में ही फायर स्टेशन, अस्पताल व बिजली घर बनेंगे।

ऑनलाइन भी होगी बुकिंग

प्रकाशोत्सव-550 मोबाइल एप से टेंट सिटी में रूम व लाउंज बुक करवाया जा सकेगा। हर टेंट सिटी में रजिस्ट्रेशन सेंटर 24 घंटे काम करेगा। काउंटर पर श्रद्धालु का आधार कार्ड लिया जाएगा। बुकिंग अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले हफ्ते में शुरू होगी।

गुरुद्वारा साहिब तक मिनी बसें

डीसी डीपीएस खरबंदा का कहना है कि सारे निर्माण पर सरकार 53 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। टेंट सिटी से गुरुद्वारा साहिब तक मिनी बसें भी चलेंगी।

कैंसर उपचार का विकल्प 'नेटोसिस'

जागरण संवाददाता, वाराणसी : उत्तर भारत में तेजी से पांव पसार रहे कैंसर की रोकथाम की दिशा में नेटोसिस (न्यूट्रोफिल एक्ट्रा सेल्युलर ट्रैप फारमेशन) बेहतर विकल्प हो सकता है। मानव शरीर में इसे बैलेंस कर कैंसर सहित असामान्य बदलावों को रोका जा सकता है। कई असाध्य रोगों का उपचार भी हो सकता है।

श्वेत रक्त में मौजूद न्यूट्रोफिल नामक कोशिका किसी जीवाणु की उपस्थिति महसूस होने पर अपने डीएनए को मकड़ी के जाल की तरह बाहर निकाल देता है। इसमें जीवाणु फंस जाते हैं। इसके बाद एंटी-बैक्टीरियल एंजाइम इन्हें खत्म कर देता है। यही सामान्य प्रक्रिया 'नेटोसिस' है। इसमें गड़बड़ी होने पर किसी जीवाणु की गैर मौजूदगी में भी न्यूट्रोफिल डीएनए बाहर निकालने लगता है। प्रक्रिया से अनभिज्ञ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली इससे लड़ते हुए प्रतिपिंड (एंटीबॉडी) बनाने लगती है, जो कई तरह की बीमारियों का कारक बनती है।

प्रतिरक्षा विज्ञान (इम्यूनोलॉजी) के क्षेत्र में यह एक नया विषय है, जिसके अब तक के तमाम ज्ञात पहलुओं को मॉलीक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स-बीएचयू की डा. गीता राय ने अपनी पुस्तक 'नेटोसिस' में संकलित किया है। इसका प्रकाशन विश्व की प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था 'एलसीवियर' ने किया। 'नेटोसिस' बीमारी में किस तरह काम करता है, कैसी दवाएं बनाई जाएं, भविष्य में इसकी उपयोगिता, शिशु मृत्युदर रोकने में भूमिका आदि विषय पर यह किताब शोधार्थी की राह आसान करेगी। हालांकि अभी तक यह ज्ञात नहीं हो सका है कि नेटोसिस किस तंत्र द्वारा संचालित है। फिर भी इसके आधार पर दवाएं तैयार हुई हैं, जो कई तरह के रोगों में कारगर साबित हो रही हैं।

देश में पांच हजार वैस्कुलर सर्जन की जरूरत, हैं बस 500

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- वैस्कुलर सोसाइटी के वार्षिक अधिवेशन में बोले वक्ता
- मरीजों की बातें ठीक से समझने पर नहीं होंगे मेडिकोलीगल केस

थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी वर्तमान समय की मांग है। इसके माध्यम से फेफड़ा, रक्त वाहिकाएं, डायफ्राम, डायबिटिक फुट आदि के उपचार में इनकी उपयोगिता बढ़ती जा रही है। फिलहाल देश में करीब 500 वैस्कुलर सर्जन ही सेवारत हैं, जबकि जरूरत पांच हजार की है। यह बातें रविवार को वाराणसी में आयोजित थोरेसिक एवं वैस्कुलर सोसाइटी के 17वें अधिवेशन में वक्ताओं ने कही।

अलग-अलग सत्रों में वक्ताओं ने समस्याओं के साथ ही आधुनिक चिकित्सा विधि पर चर्चा की। बताया कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण धमनियों में रक्त के थक्के जम जाने की वजह से रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है। इससे धमनियों व उसके आसपास के हिस्से में सूजन व दर्द, किसी-किसी को चमड़ी पर काले धब्बे और घाव तक हो जाते हैं। समय पर इनका उपचार नहीं किया गया तो लकवा तक की नौबत आ जाती है। वक्ताओं ने समय-समय पर इसकी जांच कराने और समस्या होने पर उपचार तुरंत शुरू करने की सलाह दी।

डॉक्टरों को दी धैर्य रखने की सलाह : कई बार तो मरीज की जान बचाने के लिए उस अंग तक को काटना पड़ जाता है। ऐसे में बाईपास या इंडोवास्कुलर सर्जरी के जरिये समय रहते उपचार संभव है। बतौर मुख्य अतिथि प्रो. रमाकांत ने डॉक्टर व मरीज के खराब हो रिश्तों पर कहा कि मरीजों की बातों को जवाब देने के लिए न सुनें, बल्कि धैर्य के साथ उन्हें समझने के लिए सुनें।

5 आरसी का रखें ध्यान

भारतीय मेडिकोलीगल एंड एथिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव शाह ने चिकित्सकों को 5 आरसी का मंत्र दिया। कहा, इनका ध्यान रखने पर आपको कोर्ट के चक्कर नहीं लगाने होंगे। उन्होंने कहा, मेडिकल रिकार्ड संभाल कर रखें, अपने साथी डॉक्टरों की इज्जत करें, मरीज का किफायती दर पर यथासंभव इलाज करें और मरीज या उसके परिवार की बातों को धैर्य के साथ सुनें।

टूटी न झुकी, पापा की अफसर बिटिया

राकेश शर्मा, कठुआ

- पिता के देहांत के बाद मुश्किल हालात में परिवार को संभाला
- कठिन संघर्ष से पुलिस अधिकारी बनने का सपना किया पूरा

प्रियंका, डीएसपी कठुआ। जागरण

नारी सशक्तीकरण

पापा के देहांत के बाद बूढ़ी दादी, मां और दो छोटे भाइयों की जिम्मेदारी छोटी बात नहीं थी। विपरीत परिस्थितियां और मुश्किल हालात, मदद मांगें भी तो किससे? ऐसे में दुर्गा बनी परिवार की बड़ी बेटी प्रियंका ने वह कर दिखाया जो बेटों से उम्मीद की जाती है। उन्होंने जीवन के हर संघर्ष का सामना किया। पिता चाहते थे कि बेटी पुलिस अफसर बने। बेटी ने पापा के इस सपने को पूरा करने के लिए कश्मीर पुलिस सेवा (केपीएस) की परीक्षा दी जिसमें सफल रहीं। आज प्रियंका कठुआ में जम्मू-कश्मीर पुलिस में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट (डीएसपी) पद पर तैनात हैं।

प्रियंका बताती हैं, 'पापा (अंचल कुमार) कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही मुझे पुलिस अफसर बनने के लिए प्रेरित करते थे। 2012 में अचानक उनके निधन से सब कुछ ठहर सा गया। मानो परिवार की जिंदगी की गाड़ी ट्रैक से उतर गई हो। सभी उन्हीं पर निर्भर थे। पिता का ट्रांसपोर्ट का कारोबार था। परिवार में ऐसा कोई नहीं था, जो संभाल सके। मैंने उसी समय आइटी से इंजीनियरिंग पूरी की थी।'

साजिशें होने लगीं : जम्मू के सांबा जिले के बड़ी ब्राह्मणा की रहने वालीं प्रियंका बताती हैं, 'सबसे ज्यादा दुख तब हुआ जब समाज के कुछ लोगों की घटिया सोच सामने आई। आसपास के लोग ही संपत्ति को सस्ते में छीनने की साजिशें रचने लगे। मैं परेशान थी। किसी तरह से स्वयं और परिवार को संभाला। ट्यूशन पढ़ानी शुरू की। कोचिंग सेंटर ज्वाइन कर जैसे-तैसे घर को चलाया।'

घबराएं नहीं, संघर्ष करें : वर्ष 2013-14 में प्रियंका ने केपीएस की परीक्षा दी जिसमें वह सफल हुईं और वर्ष 2016 में पुलिस में बतौर ऑफिसर नियुक्त हुईं। वह बताती हैं कि परिवार का पूरा सहयोग रहा। अब लगता है कि अगर जीवन में ऐसी परिस्थितियां कभी बन जाए तो घबराएं नहीं, बल्कि संघर्ष करना सीखें। मंजिल मिल ही जाती है, रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं।

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवप्रेरणा से भर सकती हो। संक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी को 10 तक तैयार करने की चुनौती

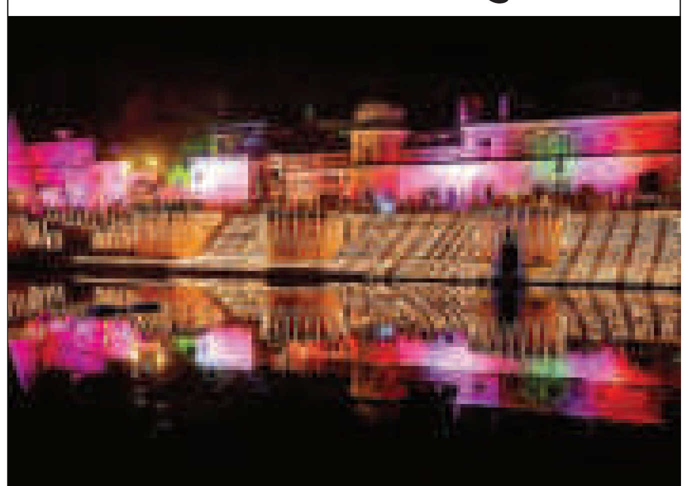

अयोध्या स्थित राम की पैड़ी पर यूं बिखरती है दीपोत्सव की रौनक। फाइल फोटो

रघुवरशरण, अयोध्या

- युद्धस्तर पर चल रही पैड़ी के कायाकल्प की मुहिम
- पैड़ी के तट पर प्रस्तावित है दीपोत्सव का मुख्य इवेंट

26 अक्टूबर को प्रस्तावित दीपोत्सव को एक ओर अधिकाधिक भव्यता देने की तैयारी हो रही है तो उत्सव की सफलता के लिए राम की पैड़ी को तैयार करने की चुनौती है। राम की पैड़ी के तट पर दीपोत्सव का मुख्य इवेंट प्रस्तावित है। पहले उसके जीर्णोद्धार का काम पूर्ण करने के लिए 30 सितंबर की डेडलाइन तय की गई, बाद में 10 अक्टूबर मुकर्रर की गई। तय समय तक काम पूरा करना कार्यदायी संस्था के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। 21 सितंबर को प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति जितेंद्र प्रसाद ने दीपोत्सव से संबंधित स्थलों का जायजा लेने के साथ राम की पैड़ी के जीर्णोद्धार की समीक्षा भी की थी। उन्होंने पैड़ी के टूटे पत्थरों को बदलने का काम 28 सितंबर तक तथा पैड़ी के दोनों पुल के काम को 26 सितंबर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। पैड़ी के टूटे पत्थरों को बदलने का काम भले ही अंतिम दौर में हो पर दोनों पुल का निर्माण आगामी 10 अक्टूबर तो दूर 26 अक्टूबर को दीपोत्सव के दिन तक भी पूर्ण होना आसान नहीं है। हालांकि सिंचाई विभाग के अधिकारियों को भरोसा है कि दीपोत्सव तक पैड़ी में प्रवाह सुनिश्चित कर लिया जाएगा।

पर्यटन विकास की नजीर के तौर पर बनी थी पैड़ी : तीन दशक पूर्व उद्घाटन के साथ राम की पैड़ी नगरी के पर्यटन विकास की परिचायक बनकर प्रतिष्ठित हुई पर समय के साथ पैड़ी अपनी पहचान से न्याय नहीं कर सकी। वाटर चैनल में आए दिन जमा होने वाली शिल्ट, समुचित देखरेख के अभाव और बंदरों के उत्पात के चलते आभाहीन होता उद्यान, बाउंड्रीवाल सहित फर्श एवं घाटों की टूट-फूट के चलते पैड़ी उपेक्षा की पर्याय बन गई। करीब पौने तीन दशक की उपेक्षा के बाद मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पैड़ी के अच्छे दिन आए हैं।

साढ़े 25 हजार लीटर तेल से रोशन होगी रामनगरी : प्रवीण तिवारी, अयोध्या : जहां एक ओर राम की पैड़ी को आयोजन के लिए तैयार किया जा रहा है तो दूसरी ओर दीपोत्सव की सामग्री की खरीदारी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बार 25,500 लीटर सरसों के तेल से जलाए गए दीयों की रोशनी से रामनगरी नहा उठेगी। राम की पैड़ी के साथ अन्य 14 प्रमुख स्थलों पर मिट्टी के दीये जगमगाएंगे। 45 मिलीलीटर तेल की क्षमता वाला एक-एक दीया तीन घंटे जलेगा।

आयोजन में लगने वाली सामग्री की खरीद के लिए ई-टेंडर हो चुका है। 14 अक्टूबर को ई-टेंडर खुलने के बाद आपूर्ति शुरू हो सकेगी। कुल 1700 टिन (एक टिन में 15 लीटर) सरसों के तेल के अलावा पांच लाख मिट्टी के दीये व छह लाख रुई की बाती को क्रय करने का खाका तैयार हुआ है। गत वर्ष की तुलना में इस बार चार सौ से अधिक टिन सरसों के तेल की खरीदारी की जाएगी।

पहल

महज चार सप्ताह में तैयार हो जाता है 1500 लीटर क्लीनर, पायलट प्रोजेक्ट के तहत सिदगोड़ा डीपो में हो रहा तैयार

सड़े-गले फलों से बना रहे ऑर्गेनिक टॉयलेट क्लीनर

मनोज सिंह, जमशेदपुर

जमशेदपुर के सिदगोड़ा डीपो में रखे गए इन्ही कंटेनरों में रोज फलों का छिलका व सड़े-गले फल जमा किए जाते हैं। जागरण

झारखंड के जमशेदपुर में अधिसूचित क्षेत्र समिति ने कचरा प्रबंधन की एक अनूठी मिसाल पेश की है। समिति ऑर्गेनिक टॉयलेट क्लीनर बना रही है और वो भी सड़े-गले फलों व उसके छिलकों से। जमशेदपुर नगर निकाय इस कार्य को टोटल वेस्ट सॉल्यूशन नाम की स्वयंसेवी संगठन की मदद से कर रहा है। सिदगोड़ा डीपो में पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह प्रयोग हो रहा है। चार सप्ताह में 1500 लीटर क्लीनर तैयार किया जा रहा है।

इस क्लीनर का उपयोग 59 सरकारी शौचालयों की सफाई में किया जाता है। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति का कार्यालय भी इसी ऑर्गेनिक टॉयलेट क्लीनर से साफ हो रहा है।

ये हैं फायदे : विशेषज्ञ और योजना पर काम करने वाले टोटल वेस्ट सॉल्यूशन के प्रमुख सौरव कुमार कहते हैं कि फल और जूस वाले सड़े-गले फल और उनके छिलके सड़क पर या नाली में फेंक देते हैं। इससे नाली जाम हो जाती है, साथ ही कीड़े-मकोड़े पर्यावरण को दूषित करते हैं। इस पहल से पर्यावरण की रक्षा होगी। स्वच्छता भी रहेगा और सड़े-गले फलों का इस्तेमाल भी हो सकेगा। शहर के सभी प्रमुख स्थानों से सड़े-गले फलों व छिलकों को अक्षेस के कर्मचारी जमा कर सिदगोड़ा स्थित डीपो में जमा करते हैं। यहां नौ कंटेनर स्थापित किए गए हैं। महज चार सप्ताह में 1500 लीटर क्लीनर तैयार हो जाता है।

ऐसे होता है तैयार : सौरव कुमार कहते हैं कि टॉयलेट क्लीनर बनाने में बायो एंजाइम इनिशीएटर का प्रयोग होता है। यह सूक्ष्मजीवी होते हैं। बैक्टीरिया इसे एसिड में परिवर्तित कर देता है, जो एक ऑर्गेनिक एसिड होता है। यह एसिड टॉयलेट क्लीनर के रूप में उपयोग किया जाता है।

क्लीनर का उपयोग टॉयलेट के साथ दीवार व टाइल्स की सफाई में होता है। लागत परंपरागत फेनाइल से तीन गुना कम है। इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता। इसमें कोई बाहरी केमिकल का उपयोग नहीं होता। कुछ दिनों बाद इसे हर घर में पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। इसे बाजार में उतारा जाएगा।

– **कृष्ण कुमार, विशेष पदाधिकारी, जमशेदपुर अक्षेस**

सड़े-गले फलों और छिलके से तैयार टॉयलेट क्लीनर को दिखाते प्रोजेक्ट प्रमुख सौरभ कुमार। जागरण

टोयोटा अपने कर्मचारियों को दे रही वीआरएस

नई दिल्ली, प्रेट्र : वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) अपने कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृति (वीआरएस) दे रही है। कंपनी ने नव-जीवन के नाम से यह वीआरएस योजना कर्नाटक के बिदादी प्लांट के कर्मचारियों के लिए पेश की है। इस योजना में ऐसे कर्मचारियों को शामिल किया गया है, जो कम से कम पांच वर्षों से कंपनी से जुड़े हैं। योजना 22 सितंबर से प्रभावी है और 23 अक्टूबर तक जारी रहेगी। कंपनी ने कहा है कि योजना स्वैच्छिक है और इसका टीकेएम की कारोबारी स्थिति से कोई संबंध नहीं है।

भारत बड़ा देश है। यहां सुधार के कदमों का असर दिखने में वक्त लगता है। फिलहाल माहौल बन रहा है। अगले कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था में गति दिखने लगेगी।
— आदित्य पुरी
एमडी, एचडीएफसी बैंक

आरबीआइ रेपो रेट में कर सकता है और कटौती : गोल्डमैन सैक्श

- दिसंबर में रिजर्व बैंक करेगा अगली मौद्रिक नीति समीक्षा
- जनवरी से अब तक पांच बार में 1.35 फीसद की हो चुकी है कटौती
- बैंकों की ब्याज दरें रेपो रेट से जुड़ने से ग्राहकों को भी सीधा फायदा

नई दिल्ली, प्रेट्र : ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्श ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) रेपो रेट में और कटौती कर सकता है। ब्रोकरेज के मुताबिक आरबीआइ दिसंबर में होने वाली अपनी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में कटौती का कदम उठा सकता है। केंद्रीय बैंक ने पिछले शुक्रवार को हुई द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के दौरान रेपो रेट में 0.25 परसेंट कटौती करने की घोषणा की थी।

इस कटौती के बाद अब रेपो रेट घटकर 5.15 परसेंट रह गया है। आरबीआइ गवर्नर दास ने पिछली पांच समीक्षाओं में पांच बार में रेपो रेट में कुल मिलाकर 1.35 फीसद की कटौती की है। गवर्नर पद संभालने के बाद से जितनी दफे उन्होंने मौद्रिक समीक्षा पेश की है उतनी दफे ब्याज दरों को घटाने का रास्ता साफ किया है। रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआइ अन्य बैंकों को अल्पकालीन कर्ज देता है।

गोल्डमैन सैक्श ने कहा है कि आरबीआइ एक और रेपो रेट कट के जरिये ब्याज दर को 4.9 परसेंट तक ला सकता है। इसके बाद आगे महंगाई के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए रेट कट पर विराम लगाया जा सकता है। हालांकि खाद्य पदार्थों और तेल की कीमत में बढ़ोतरी के चलते अगर महंगाई दर चार परसेंट के आंकड़े को पार करती है, तो रेपो रेट में कटौती का कदम रोका भी जा सकता है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान जीडीपी ग्रोथ रेट में गिरावट के बाद सरकार और आरबीआइ इकोनॉमी को गति देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

वित्तीय संस्थाओं में नगदी के संकट को दूर करने और खपत बढ़ाने के लिए आरबीआइ रेपो रेट में नियमित कटौती कर रहा है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अन्य व्यापारिक बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपनी ब्याज दरों को रेपो रेट से लिंक करें। इससे घटे हुए रेपो रेट का लाभ ग्राहकों को भी मिल सकेगा। तकरीबन दर्जनभर बैंक इस दिशा में कदम उठा चुके हैं। रेट कट से ऑटोमोबाइल, हाउसिंग, उपभोक्ता सामान सेक्टर पर सकारात्मक असर पड़ने के आसार हैं।

देश और ग्राहकों की अपेक्षाओं पर हम खरे उतरेंगे

साक्षात्कार

एस एस मल्लिकार्जुन राव ने पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक व सीईओ का पद उस समय संभाला है जब बैंक के सामने नई चुनौतियां भी हैं। एक तरफ पीएनबी में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआइ) का विलय हो रहा है, तो दूसरी तरफ आर्थिक सुस्ती से बैंकिंग सेक्टर के समक्ष नई समस्याओं के पैदा होने की बात भी हो रही है। **एस एस मल्लिकार्जुन राव ने दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता जयप्रकाश रंजन** से इन चुनौतियों और उससे निपटने की अपनी रणनीति के बारे में विस्तार से बात की।

● आप सरकारी क्षेत्र के तीन बैंकों को मिलाकर बनने वाले बैंक की जिम्मेदारी संभालेंगे। ऐसे में आपकी क्या प्राथमिकताएं होंगी?

- पीएनबी, ओबीसी और यूबीआइ के बीच विलय की प्रक्रिया अप्रैल, 2020 से लागू हो जाएगी। इस विलय से पहले हम देश के दूसरे नंबर के बैंक थे और विलय के बाद भी हमारी यह कोशिश रहेगी कि आगे भी हम देश के दूसरे नंबर के बैंक बने रहें। अब जब भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है तो एक बड़ा बैंक होने के लिहाज से हमारा उत्तरदायित्व भी बड़ा होगा। मोटे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था की जो विकास दर होती है, उससे दो-ढाई गुना ज्यादा दर से हमें कर्ज देना होगा। जैसे इस वर्ष आर्थिक विकास दर 6.1 फीसद की रफ्तार से होती है तो बैंकिंग सेक्टर को तकरीबन 13-14 फीसद की रफ्तार से कर्ज देना होगा। इस रफ्तार को हासिल करने के लिए अगले छह महीने पीएनबी को तकरीबन 20 फीसद की रफ्तार से कर्ज देना होगा। यह आसान नहीं होगा। रिटेल सेक्टर से कुछ बेहतर संकेत मिल रहे हैं। हमें इसकी तैयारी में अभी से लगना होगा।

● तीनों बैंक (पीएनबी, ओबीसी और यूबीआइ) का मिजाज अलग-अलग है। इनके बीच किस तरह से सामंजस्य बनाया जाएगा?

- अच्छी बात यह है कि पंजाब नैशनल बैंक के लिए विलय कोई नई घटना नहीं है। हम अभी तक सात बैंकों का विलय कर चुके हैं। इस बार विलय होने वाले दोनों सरकारी क्षेत्र के ही बैंक हैं, इसलिए कई समानताएं भी हैं। इसके बावजूद विलय की प्रक्रिया लंबी होगी क्योंकि विलय के बाद हमारे पास 11,450 के करीब शाखाएं होंगी, एक लाख कर्मचारी होंगे। इनके बीच समायोजन बहुत जरूरी है। जल्द ही हर शहर में हम टाउनहाल बैठक रखने जा रहे हैं, जिससे ग्राहकों व कर्मचारियों के भरोसे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मैं खुद इनमें से कई बैठकों में हिस्सा लूंगा। हर शाखा में तीनों बैंकों के मौजूदा कर्मचारियों की मिलाकर नियुक्ति की जाएगी ताकि सहयोग की एक संस्कृति बने।

● फंसे कर्जे को लेकर आपके बैंक की क्या स्थिति है? कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि फिर से सिस्टम में नए एनपीए पैदा होने का खतरा है?

- एनपीए सिस्टम में जितना होना था वह हो चुका है, हम अब उसमें कटौती करने की तरफ बढ़ रहे हैं। हालांकि हाल ही में आइएलएफएस जैसी घटनाओं से कुछ नई चिंताएं पैदा हुई हैं। एचडीएफएल के संकट से भी चिंता बनी है। लेकिन मुझे लगता है कि इनसे बहुत बड़ा असर नहीं होगा। अच्छी बात यह है कि राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में एनपीए के जो बड़े मामले हैं उनमें से कुछ का निस्तारण इसी तिमाही हो जाएगा। इन खातों के लिए आवश्यक प्रावधान हम पहले ही अपनी बैलेंस शीट्स में कर चुके हैं। इस तरह से जो नए एपीए सिस्टम में आएंगे, हम उनका बोझ सहन करने की स्थिति में हैं।

● क्या पीएनबी नीरव मोदी घोटाले के चक्र से बाहर आ गया है?

- इस घोटाले से जुड़े जो कानूनी पहलू हैं, उन पर कार्रवाई हो रही है। वह हमारे हाथ में नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से संपत्तियों को जब्त किया जा चुका है। नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी जारी है। दूसरा पहलू है कि जो भी घाटा हुआ था हमने पारदर्शिता के साथ अपने खाता बही में उसका समायोजन कर दिया है। तीसरा पहलू है कि जो घाटा हुआ है उसकी भरपाई हो। तो जांच एजेंसियों की तरफ से भी उसमें मदद की जा रही है। दुनियाभर में नीरव मोदी की संपत्तियां जब्त की गई हैं। चौथा पहलू है कि जिस वजह से वह घटना हुई उस पर लगाम लगाई जाए। इस दिशा में आरबीआइ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सुधार के लिए कदम उठा दिया था, अब उस तरह की घटना दोबारा नहीं हो सकती है। बैंकों में अब जांच व निगरानी की ज्यादा मजबूत व्यवस्था लागू की जा चुकी है। बैंकिंग फ्रॉड को रोकने व जोखिम को कम करने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं और आगे भी कुछ उपाय किए जाने हैं। तो आपके सवाल का मैं यह जवाब दे सकता हूं कि नीरव मोदी घोटाले को हम पीछे छोड़ चुके हैं।

मानसून का असर ▸ इस समय बोआई करने से घटेगी लागत व बढ़ेगा उत्पादन

मिट्टी में बढ़ी नमी और घटा तापमान रबी की बोआई के लिए मुफीद वक्त

केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्र उठाएं लाभ, किसानों की जरूरतें पूरी करें

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

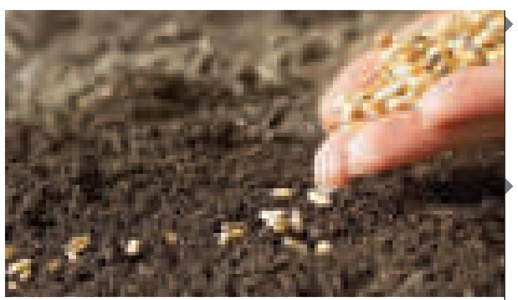

कुछ चना किसान भी इस बार गेहूं का रुख कर सकते हैं। प्रतीकात्मक

- मिट्टी में पर्याप्त नमी के चलते किसानों को बोआई से पहले खेत भरने की नहीं पड़ेगी जरूरत
- बेहतर मानसून के दम पर इस बार देश में तीन करोड़ हेक्टेयर रकबा में गेहूं की खेती होने का अनुमान

मानसून के अभी तक सक्रिय रहने की वजह से मिट्टी में जहां पर्याप्त नमी है वहीं तापमान भी तेजी घटा है। रबी सीजन की फसलों की बोआई के लिए यही समय सबसे मुफीद है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस समय बोआई करने से जहां लागत में कमी आएगी, वहीं उत्पादकता में एक फीसद से अधिक की वृद्धि हो सकती है। केंद्र सरकार ने भी सभी राज्यों को इस बाबत पत्र लिखकर बोआई के लिए किसानों को हरसंभव मदद मुहैया कराने को कहा है।

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आइसीएआर) के उप महानिदेशक (क्रॉप साइंस) डॉक्टर एके सिंह का कहना है, 'जलवायु का यह रुख गेहूं समेत अन्य सभी फसलों की बोआई के लिए बहुत ही अनुकूल है। इस समय बोई जाने वाली फसलों की उत्पादकता में जहां एक फीसद से अधिक की वृद्धि हो सकती है, वहीं लागत में कमी भी आएगी।' एक सवाल के जवाब में डॉक्टर सिंह ने बताया कि रबी सीजन में आमतौर पर गेहूं की बोआई से पहले खेत की नमी के लिए उसे भरना पड़ता है। इस बार हालात गेहूं की बोआई के पूरी तरह अनुकूल हैं। अक्टूबर के पहले सप्ताह तक हुई बारिश के चलते मिट्टी में पर्याप्त नमी हो गई है, जिससे पलेवा यानी खेत भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 15 अक्टूबर से महीने के आखिर तक की जाने फसलों की बोआई से उत्पादकता में एक फीसद से अधिक की वृद्धि तय है। बरसात के चलते हवा में भी नमी हो गई है, जिससे तापमान घटने लगा है। इससे गेहूं समेत अन्य सभी फसलों के अंकुरित होने की दर बढ़ जाती है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर मौसम के इस अनुकूल मिजाज का फायदा उठाने को कहा है। रबी फसलों की बोआई के लिए जरूरी इनपुट मुहैया कराने की बात कही है, ताकि किसान बोआई की शुरुआत कर सकें। रबी सीजन की तैयारी के लिए हुई बैठक में पहले ही खाद, बीज और अन्य जरूरी इनपुट की उपलब्धता के लिए केंद्र ने राज्यों को सतर्क कर दिया था। गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉक्टर जीपी सिंह ने बताया मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में असिंचित क्षेत्रों में गेहूं की खेती होती है।

यहां बोआई शुरू हो चुकी है। उनका अनुमान है कि इस बार देश में तीन करोड़ हेक्टेयर रकबा में गेहूं की खेती हो सकती है। मध्य प्रदेश व गुजरात में मानसून की अच्छी बारिश होने से यहां चना की खेती से हटकर किसान गेहूं की ओर शिफ्ट हो सकता है। पंजाब और हरियाणा में 15 से 20 अक्टूबर तक बोआई चालू हो सकती है। जबकि पूर्वी राज्यों में बाढ़ के चलते बोआई नवंबर के आखिर और दिसंबर तक हो सकती है। आमतौर पर असिंचित क्षेत्रों में की जाने वाली दलहनी और तिलहनी फसलों की बोआई ज्यादातर राज्यों में तेजी से हो रही है। लेकिन धान और गन्ना से खाली होने वाले खेतों में बोआई देर से होती है।

जनवरी से गति पकड़ लेगी अर्थव्यवस्था

- एचडीएफसी बैंक के एमडी आदित्य पुरी ने कहा – सुधार का माहौल बन चुका है
- बैंकिंग सेक्टर का संकट खत्म हो गया है लेकिन अभी सतर्कता की जरूरत

सरकार और रिजर्व बैंक के कदमों से बनी है तेजी की उम्मीद। प्रतीकात्मक

मुंबई, प्रेट्र : एचडीएफसी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर आदित्य पुरी ने कहा है कि अर्थव्यवस्था मौजूदा परेशानी से जल्द ही उबर जाएगी और अगले वर्ष की शुरुआत से गति पकड़ लेगी। उनका कहना है कि वित्तीय क्षेत्र व बैंकों का संकट भी खत्म हो रहा है। हालांकि रियल एस्टेट सेक्टर में जिनका पैसा लगा है, उन्हें कुछ मुश्किलों का अभी सामना करना पड़ सकता है।

एक साक्षात्कार में पुरी ने कहा, 'मैं अर्थव्यवस्था में अचानक किसी बूम की बात नहीं कह रहा हूं। लेकिन फिलहाल हम जहां हैं उससे आगे बढ़ने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अभी तक हम काफी संकट में थे, लेकिन इसमें सुधार का माहौल बन चुका है। सरकार द्वारा खर्च में बढ़ोतरी, बुनियादी ढांचे में निवेश और वित्त मंत्री द्वारा इकोनॉमी में फंड का प्रवाह बढ़ाने के अलावा अच्छे मानसून की वजह से ग्रोथ रेट पटरी पर आने की पूरी संभावना है। पुरी ने कहा कि देश के बड़े आकार के चलते परिवर्तन होने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए ग्रोथ के प्रयासों का असर जनवरी से दिखाई देना शुरू होगा। बैंकों में कर्ज की मांग बढ़ रही है। यह भी अर्थव्यवस्था के गति पकड़ने का ही संकेत है।

राजकोषीय चिंताओं पर बात करते हुए आदित्य पुरी ने कहा कि इस तरह की बातें वाजिब हैं। आने वाले दिनों में राजस्व घाटा बढ़ सकता है। लेकिन विनिवेश प्रक्रिया, जीएसटी के ठीक-ठाक संग्रह और आयकर की मदद से इसमें सुधार किया जा सकता है। इसमें थोड़ी-बहुत चूक को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। एनबीएफसी संकट पर पुरी ने कहा कि यह संकट अब खत्म हो चुका है। लेकिन इससे तुरंत बाहर निकलने का कोई उपाय नहीं है। सबकुछ सही होने में थोड़ा समय लग सकता है। फिलहाल कोई ऐसी बड़ी एनबीएफसी नहीं है जो संकट में हो।

उन्होंने कहा कि आरबीआइ ने इकोनॉमी को संकट से निकालने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके अलावा सरकारी बैंकों ने भी कर्ज देना शुरू कर दिया है। हमें भविष्य में इस सेक्टर पर नजर बनाए रखना चाहिए।

जेएसडब्ल्यू स्टील को अच्छे दिनों का भरोसा

जेएसडब्ल्यू स्टील ने भी सरकार द्वारा किए गए सुधारों की तारीफ करते हुए इकोनॉमी के गति पकड़ने की संभावना जताई है। कंपनी ने कहा है कि बजट के बाद सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और त्योहारी सीजन ने नई उम्मीदें जगा दी हैं। पिछले कुछ समय से रियल एस्टेट, ऑटो और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टरों में सुस्ती के चलते स्टील सेक्टर संकट से गुजर रहा था। लंबे मानसून के कारण भी स्टील उद्योग प्रभावित हुआ है। हालांकि कंपनी का मानना है कि सिस्टम में क्रेडिट-फ्लो होने में वक्त लगेगा, जिससे सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम आने में थोड़ा समय लग सकता है।

वित्त मंत्री सीतारमण आज करेंगी ई-असेसमेंट सेंटर का उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को ई-असेसमेंट सेंटर का उद्घाटन करेंगी। इस सेंटर के माध्यम से फेस-लेस असेसमेंट संभव हो सकेगा। टैक्स असेसमेंट के लिए इस नई प्रणाली की शुरुआत वित्त मंत्री की पहल पर की गई है। यह इनकम टैक्स विभाग में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के मकसद से उठाया गया बड़ा कदम माना जा रहा है। ई-असेसमेंट के माध्यम से डिजिटल इंडिया को बढ़ावा तो मिलेगा ही साथ ही करदाता की समस्याओं का समाधान उसकी पहचान उजागर किए बिना किया जा सकेगा।

मंत्रालय ने कहा कि ई-असेसमेंट प्रक्रिया के जरिये उच्च दर्जे की दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। कई बार देखा गया है कि टैक्स से संबंधित विवादों में करदाता को परेशान किया जाता है। इसमें धन वसूली की बातें भी सामने आती रहीं हैं। नई प्रणाली में पहचान गुप्त होने के चलते भ्रष्टाचार की आशंका कम हो जाएगी। ई-असेसमेंट में करदाता को उसके रजिस्टर्ड ई-मेल पर नोटिस भेजा जाएगा। जिसकी जानकारी एसएमएस के जरिये भी दी जाएगी। करदाता ई-मेल के माध्यम से ही अपना जवाब दाखिल कर सकेगा।

इस महीने की 14 तारीख से शुरू होगी बजट प्रक्रिया

वित्त मंत्रालय 14 अक्टूबर से 2020-21 के लिए बजट प्रक्रिया की शुरुआत करेगा। आगामी बजट में सरकार के सामने सुस्त इकोनॉमी समेत कई चुनौतियां मौजूद हैं। सभी वित्तीय सलाहकारों को 14 तारीख को होने वाली बैठक के लिए जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। 14 अक्टूबर से शुरू होने वाली बजट पूर्व बैठकें नवंबर के पहले सप्ताह तक चलेंगी। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने पुरानी परंपरा को समाप्त करते हुए पहली फरवरी को बजट पेश करने की शुरुआत की है।

अपने खिलाफ अफवाहें फैलाने पर यस बैंक ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली, प्रेट्र : यस बैंक ने अपने खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पिछले कुछ सत्रों में बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि उसकी फाइनेंशियल हेल्थ के बारे में सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाई जा रही है। इससे उसके निवेशक दबाव में आकर शेयर बेच रहे हैं।

बैंक ने अपनी फाइलिंग में कहा है कि उसने मुंबई पुलिस और साइबर सेल में वाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही भ्रामक खबरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसने संबंधित अधिकारियों से जांच दल गठित करने और भ्रामक खबरों के स्रोत का पता लगाए जाने का अनुरोध भी किया है। बैंक ने अपने शेयरधारकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताई है और झूठ फैलाने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। इसके साथ ही बैंक ने अपनी वित्तीय स्थिति को पूरी तरह से सुरक्षित बताया है। गौरतलब है कि बैंक के कुछ प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी, जिसके बाद बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

ईरान की गैस परियोजना से बाहर हुई चीन की फर्म

- करीब 35 हजार करोड़ रुपये की परियोजना के लिए दो साल पहले हुआ था समझौता
- समझौते में शामिल रही फ्रांसीसी कंपनी टोटल ने पिछले साल ही खींच लिए थे हाथ

अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान का पेट्रोलियम सेक्टर सबसे ज्यादा संकट में है। प्रतीकात्मक

तेहरान, एएफपी : चीन की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीएनपीसी ईरान की एक बड़ी गैस परियोजना से बाहर हो गई है। सीएनपीसी ने यहां के अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र के एक हिस्से को विकसित करने के पांच अरब डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) के सौदे से खुद को अलग कर लिया है। ईरान के पेट्रोलियम मंत्री बिजन नामदार जांगेनेह ने रविवार को यह जानकारी दी। अब इस पूरी परियोजना की जिम्मेदारी ईरान की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी पेट्रोपार्स संभालेगी।

2015 में दुनिया के बड़े देशों के साथ हुए समझौते के बाद ईरान को परमाणु कार्यक्रमों को सीमित रखने के बदले में प्रतिबंधों से छूट दी गई थी। इसके बाद जुलाई, 2017 में चीन की सीएनपीसी, फ्रांस की पेट्रो कंपनी टोटल और पेट्रोपार्स के बीच इस गैस क्षेत्र को लेकर समझौता हुआ था। पिछले साल मई में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से हुए परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग करते हुए ईरान पर फिर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके तीन महीने बाद ही टोटल ने खुद को ईरान की इस परियोजना से बाहर कर लिया था। इसके बाद से ही परियोजना को लेकर हुए समझौते पर आशंका के बादल मंडराने लगे थे। अब सीएनपीसी ने भी खुद को इससे अलग कर दिया है। परियोजना से सीएनपीसी के अलग होने का कोई कारण नहीं बताया गया है, हालांकि माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ही चीनी कंपनी ने यह कदम उठाया है। चीन अभी अमेरिका से ट्रेड वार खत्म करने के लिए बातचीत कर रहा है। ऐसे में वह अमेरिका से कोई अन्य टकराव नहीं चाहता।

2015 में ईरान से हुए समझौते में अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन और रूस भी शामिल थे। इन देशों ने ईरान के साथ समझौते पर बने रहने की बात कही है। हालांकि समझौते से अमेरिका के हटने के बाद से इन देशों के संयुक्त प्रयास भी ईरान के लिए खास फायदेमंद साबित नहीं हो सके हैं।

तेल बेचने के लिए हरसंभव कोशिश करेगा ईरान

ईरान तेल बेचने के लिए हरसंभव तरीका अपनाएगा। पेट्रोलियम मंत्री बिजन नामदार जांगेनेह ने जोर देकर कहा कि अपने यहां उत्पादित होने वाले पेट्रोलियम का निर्यात करना ईरान का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'हम तेल निर्यात करने के लिए हरसंभव उपाय करेंगे और अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। तेल बेचना हमारा कानूनी अधिकार है।' अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान का कच्चे तेल का निर्यात करीब 80 फीसद तक घट गया है। अमेरिकी प्रतिबंधों से सबसे ज्यादा ईरान का पेट्रोलियम सेक्टर ही प्रभावित हुआ है। इन प्रतिबंधों के कारण ईरान के कच्चे तेल के दूसरे सबसे बड़े ग्राहक भारत को भी अन्य विकल्पों की ओर रुख करना पड़ा है।

शेयर समीक्षा

तिमाही नतीजों के इंतजार में सतर्कता बरत सकते हैं निवेशक

बाजार की निगाहें टीसीएस, विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही मुनाफे पर रहेंगी, ग्लोबल मोर्चे पर भी कुछ संकेतों से निवेशकों की धारणा में हो सकता है बदलाव

पिछले कुछ सत्रों से बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले कई सत्रों में गिरावट का सामना करने के बाद इस सप्ताह प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों के रेंज बाउंड रहने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की नजर टीसीएस, विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों पर रहेगी। साथ ही ग्लोबल मोर्चे पर कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे शेयर बाजारों को प्रभावित कर सकते हैं। एपिक रिसर्च के सीईओ मुस्तफा नदीम के मुताबिक, कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों के चलते इस सप्ताह महत्वपूर्ण आंकड़े निवेशकों को प्रभावित करेंगे, जिससे कुछ सेक्टर में अस्थिरता बढ़ सकती है।

टीसीएस के तिमाही नतीजे गुरुवार को और इन्फोसिस के नतीजे शुक्रवार को आएंगे। चीन-अमेरिका में चल रही व्यापार वार्ता की प्रगति भी बाजार में हलचल पैदा करेगी। मंगलवार को दशहरा की छुट्टी के चलते स्टॉक मार्केट बंद रहेंगे। मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेस के मैनेजिंग डायरेक्टर मोतीलाल ओसवाल ने बताया कि अर्निंग सीजन के चलते निवेशक काफी सतर्क हैं। इस बार उत्साह भी कम देखने को मिल रहा है। इससे संभव है कि बाजार में उछाल सीमित रहे। औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों को लेकर भी बाजार सचेत रहेंगे। हालांकि यह आंकड़े शुक्रवार के सत्र के बाद जारी किए जाएंगे, लेकिन इनको लेकर कयासों का बाजार गर्म रहेगा। ऐसे में निवेशक सतर्कता बरत सकते हैं।

अगर ग्लोबल हलचल की बात करें तो व्यापार वार्ता के अलावा निवेशकों की नजरें अमेरिका की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी पर भी रहेंगी। यह कमेटी बुधवार को अपनी रिपोर्ट जारी करेगी। इसके साथ ही यूएस जॉब रिपोर्ट को लेकर फेड रिजर्व की प्रतिक्रिया पर भी निवेशक निगाह रखेंगे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत और डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी बाजार की चाल पर असर डालेगी। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में कुल 1,149.26 अंक यानी 2.96 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा के बाद यह 433.56 अंक लुढ़क गया था।

शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप गिरा

पिछले सप्ताह शेयर बाजार की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक को 30,000 करोड़ रुपये के साथ सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल), एचयूएल, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक और बजाज फाइनेंस को भी नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी ओर टीसीएस, इन्फोसिस और आइटीसी के मार्केट कैप में बढ़त दर्ज की गई। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 30,198.62 करोड़ रुपये गिरकर 6,50,446.47 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं आइसीआइसीआइ के बाजार पूंजीकरण में 22,866.93 करोड़ रुपये की गिरावट आई, जिसके बाद यह घटकर 2,67,265.32 करोड़ रुपये रह गया। कोटक महिंद्रा बैंक के मार्केट कैप में 15,624.6 करोड़, एचयूएल में 14,287.76 करोड़ और एचडीएफसी में 10,178.84 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। मुनाफा दर्ज करने वाली कंपनियों में टीसीएस सबसे ऊपर रही। इसका मार्केट कैप 8,236.49 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 7,79,989.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में 4,681.59 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में आरआइएल पहले स्थान पर बनी हुई है।

इस हफ्ते मंगोलिया दौरे पर जाएंगे प्रधान

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आठ-नौ अक्टूबर को मंगोलिया दौरे पर जाएंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पेट्रोलियम मंत्री प्रधान आठ अक्टूबर को मंगोल रिफाइनरी परियोजना के लिए तैयार इन्फ्रास्ट्रक्चर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेंगे। भारत द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना के लिए इन्फ्रा का निर्माण मंगोलिया ने किया है।

प्रधान इस यात्रा के दौरान मंगोलिया के खनन और भारी उद्योग मंत्री से मुलाकात कर रिफाइनरी के निर्माण की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे। खनन, कोकिंग कोल और रेलवे जैसे अन्य क्षेत्रों में सहयोग को लेकर भी बातचीत होगी। प्रधान इस दौरान मंगोलिया के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2015 में मंगोलिया यात्रा के दौरान भारत ने मंगोलिया को मंगोल रिफाइनरी परियोजना के लिए 1.23 अरब डॉलर की ऋण सुविधा दी थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन संचालित इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड इस ऑयल रिफाइनरी के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट की भूमिका में है।

16 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए जमानत राशि जमा नहीं करा पाए हैं श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन। रविवार को उन्होंने चुनाव लड़ने से भी इन्कार कर दिया है।

जो बिडेन बोले, मुझे बर्बाद नहीं कर सकते डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, आइएएनएस/एएनआइ : अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिकपार्टी से उम्मीदवारी के प्रबल दावेदार जो बिडेन ने यूक्रेन मामले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप पर करारा हमला बोला है। अपने और बेटे हंटर के खिलाफ जांच के लिए यूक्रेन पर दबाव डालने से भड़के पूर्व उपराष्ट्रपति बिडेन ने कहा कि ट्रंप उन्हें और उनके परिवार को तबाह नहीं कर सकते हैं। चुनाव में वह ट्रंप को धूल चटा देंगे।

शनिवार को वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख में बिडेन ने लिखा, 'आप (ट्रंप) मुझे बर्बाद नहीं कर सकते न ही मेरे परिवार को। नवंबर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में मैं आपको निश्चित तौर पर हरा दूंगा।' उन्होंने आरोप लगाया, 'ट्रंप अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं।' उधर, ट्रंप ने ट्वीट कर कहा कि अमेरिका का राष्ट्रपति होने के नाते भ्रष्टाचार मिटाना उनका दायित्व है। इसमें किसी दूसरे देश से मदद लेने में भी कोई हर्ज नहीं है। जांच को राजनीतिक मकसद से कराने के आरोप को ट्रंप ने सिरे से खारिज कर दिया। एक अज्ञात

अपने और बेटे के खिलाफ जांच के लिए यूक्रेन पर दबाव डालने से भड़के पूर्व उपराष्ट्रपति

अधिकारी द्वारा अगस्त में दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ट्रंप ने गत 25 जुलाई को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को फोन कर बिडेन और उनके बेटे हंटर के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच तेज करने के लिए दबाव बनाया था। पूर्व में हंटर बिडेन यूक्रेन की गैस कंपनी बरिस्मा होल्डिंग्स से जुड़े रहे हैं। हंटर के कार्यकाल के दौरान इस कंपनी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति को फोन करने का मामला जब उजागर हुआ तो अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की संभावना की जांच शुरू कर दी। इसके बाद पिछले हफ्ते ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन के साथ-साथ चीन को भी बिडेन से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करनी चाहिए।

एक और व्हिसलब्लोअर आया सामने, ट्रंप की मुश्किलें बढ़ीं

वाशिंगटन, एएफपी : महाभियोग के खतरे का सामना कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। एक और व्हिसलब्लोअर सामने आया है, जिसका दावा है कि ट्रंप के खिलाफ सत्ता के दुरुपयोग का उसके पास प्रत्यक्ष जानकारी है। व्हिसलब्लोअर के वकील ने रविवार को यह दावा किया।

मार्क जैद ने कहा कि दूसरे व्हिसलब्लोअर का प्रतिनिधित्व उनकी लीगल टीम कर रही है। इससे पहले जैद के सहयोगी वकील एंड्रेयू बकाज ने कहा था कि उनकी फर्म और टीम कई व्हिसलब्लोअर का प्रतिनिधित्व कर रही है। दूसरे व्हिसलब्लोअर के सामने आने और प्रत्यक्ष सूचना होने के दावे से ट्रंप और उनके समर्थकों के लिए मूल शिकायत को खारिज करना मुश्किल होगा। ट्रंप पर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन और उनके बेटे हंटर के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरू करने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाने का आरोप है।

महाभियोग में कानून का करेंगे पालन : पोंपियो

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई पर विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा है कि विदेश मंत्रालय इस मामले में पूरी तरह से कानून का पालन करेगा। साथ ही उन्होंने पूर्व उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन के खिलाफ जांच के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाने के अपने 'बॉस' की कोशिश की भी बचाव किया। यूनान के यात्रा पर गए पोंपियो ने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

डेमोक्रेट सांसदों की समिति ने विदेश मंत्रालय को समन जारी कर यूक्रेन और ट्रंप के अटॉर्नी रूडी गिउलिआनी से जुड़े दस्तावेज मांगे थे। इसके लिए शुक्रवार तक की समयसीमा तय की गई थी। पोंपियो ने कहा, 'विदेश मंत्रालय ने संसद को पत्र भेज दिया है, जो उनके द्वारा दस्तावेज मांगने पर हमारा प्रारंभिक जवाब है। निश्चित रूप से हम वह हर चीज करेंगे जिसे कानूनी रूप से करने की जरूरत होगी।' उन्होंने कहा, 'मैं संसद का सदस्य रह चुका हूं। अनुच्छेद एक के तहत कुछ निश्चित शक्तियां मिली हुई हैं

यूक्रेन मामले में विदेश मंत्री ने अपने 'बॉस' का किया बचाव

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पद के दुरुपयोग की चल रही है जांच

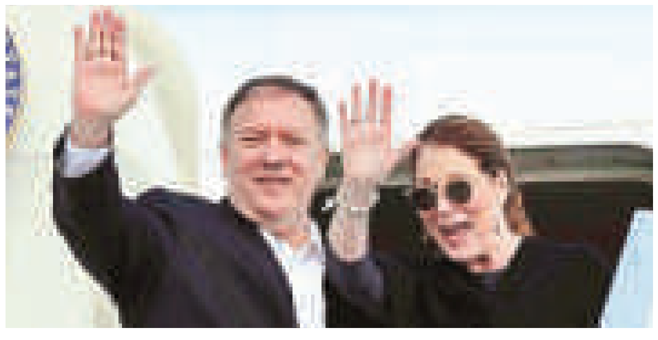

अपनी पत्नी के साथ अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो। एपी

और अनुच्छेद दो के तहत विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की रक्षा सुनिश्चित करने की बात कही गई है।' इससे पहले पोंपियो ने महाभियोग की जांच के नाम पर संसद पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था।

अमेरिकी संसद कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट सांसदों की समिति इस बात की जांच कर रही है कि ट्रंप पर महाभियोग चलाने का आधार है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति पर महाभियोग की कार्रवाई एक व्हिसलब्लोयर के लगाए आरोप के आधार पर शुरू की गई है, जिसमें कहा गया है कि 25 जुलाई को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की को फोन कर अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रेटिक नेता बिडेन के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरू करने के लिए दबाव बनाया था।

सीनेटर मिट रोमनी के खिलाफ चलाया जाए महाभियोग : ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आलोचक व अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर मिट रोमनी के खिलाफ महाभियोग चलाने की अपील की है। ट्रंप ने शनिवार को ट्वीट किया, 'मैंने सुना है कि उटा के लोगों को लग रहा है कि अहंकारी सीनेटर मिट रोमनी को वोट देकर उन्होंने बड़ी गलती की है। मैं इससे सहमत हूं! वह एक मूर्ख व्यक्ति हैं। मिट रोमनी के खिलाफ महाभियोग चलाया जाना चाहिए।' एक दिन पहले ही रोमनी ने यूक्रेन मामले में ट्रंप की आलोचना की थी, जिसके बाद उन्होंने यह ट्वीट किया। बता दें कि रोमनी ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को धोखेबाज कहा था।

ट्रंप ने एक और ट्वीट किया, 'डेमोक्रेट न केवल 2020 के चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं, बल्कि 2016 के चुनाव को लेकर भी उन्होंने ऐसा ही प्रयास किया था।'

हांगकांग की सड़कों पर फेस मास्क पहन उमड़ा प्रदर्शनकारियों का हुजूम

बड़ा मामला ▶ आंदोलनकारी सरकारी प्रतिबंध को मानने के लिए तैयार नहीं

कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, हुई जबरदस्त भिड़ंत

हांगकांग, रायटर : हांगकांग में लोकतंत्र की मांग कर रहे आंदोलनकारी सरकार के फेस मास्क पहनने पर लगाए प्रतिबंध को मानने के लिए तैयार नहीं। रविवार को दसियों हजार प्रदर्शनकारियों ने फेस मास्क पहनकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई। प्रदर्शनकारियों ने पत्थर और पेट्रोल बम चलाए तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट चलाईं। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के चलाए आंसू गैस के गोलों को वापस पुलिस के बीच ही फेंक दिया। सरकार ने आमजनों को घर के भीतर रहने और खिड़कियां-दरवाजे बंद रखने की सलाह दी है।

हांगकांग में आंदोलन को काबू में करने के लिए सरकार ने फेस मास्क पहनने पर रोक लगाई। लेकिन दो दिनों में उलटा असर हुआ है। अब लगभग सभी प्रदर्शनकारी फेस मास्क पहनकर ही प्रदर्शन करने आ रहे हैं। रविवार को पुलिस ने बड़ी संख्या में फेस मास्क पहने लोगों को गिरफ्तार किया। अदालत में यह बात साबित हो गई तो फेस मास्क पहनने वालों को एक साल तक कारावास की सजा हो सकती है। दिन ढलने के साथ ही हांगकांग में जहां-तहां प्रदर्शन होने लगे। पुलिस ने लाठीचार्ज, पेपर स्प्रे और आंसू गैस से प्रदर्शनकारियों को काबू करने की कोशिश की तो हालात बिगड़ गए। पुलिस पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके जाने लगे। आंदोलनकारियों ने कहा है कि वे सरकार के प्रतिबंधों के आगे नहीं झुकेंगे। अधिकार मिलने पर ही हम शांत होंगे। उधर, समाचार एजेंसी एएफपी के हवाले से कहा गया है कि हांगकांग में एक चीनी कर्मचारी की पिटाई का वीडियो वायरल होने पर चीन में गुस्सा फैल गया है। इस वीडियो में एक लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारी एक कर्मचारी को घूंसे मार रहा है जबकि सामने खड़ी भीड़ नारा लगा रही है-गो होम।

हांगकांग में रविवार को फेस मास्क पहनकर हजारों आंदोलनकारियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कई स्थानों पर आगजनी भी की गई। एपी

आंदोलनकारियों को सेना की चेतावनी

हांगकांग : हांगकांग में मौजूद चीनी सेना ने आंदोलनकारियों को चेतावनी दी है कि वे सैन्य ठिकानों के इर्द-गिर्द कोई हरकत करने से बाज आएं, अन्यथा उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। चेतावनी स्वरूप पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने चेतावनी स्वरूप पीले रंग का झंडा लगा दिया है और बड़ी संख्या में पत्र लिखे हैं। पीएलए ने यह चेतावनी सैन्य ठिकानों पर आंदोलनकारियों के लेजर लाइट से हरकत करने पर दी है। हाल के दिनों में सैकड़ों आंदोलनकारी सैन्य प्रतिष्ठानों की दीवारों और वहां तैनात सैनिकों पर परेशान करने वाली लेजर लाइट डालते देखे गए हैं।

अमेरिका के बार में गोलीबारी, चार लोगों की हुई मौत

कंसास, एपी : अमेरिका में गोलीबारी की एक और घटना सामने आई है। एक बंदूकधारी ने कंसास सिटी के बार में अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई तथा पांच घायल हो गए। पुलिस इस मामले में दो संदिग्ध लोगों की तलाश कर रही है। उसे संदेह है कि बार में कहासुनी के बाद इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मारे गए सभी लोग स्पेनिश भाषाभाषी हैं, लेकिन पुलिस नस्लीय हिंसा की आशंका से इन्कार करती है। जहां यह वारदात हुई, उसके पास में ही स्पेनिश बोलने वाले लोगों की बड़ी आबादी रहती है।

केएसएचबी टीवी के अनुसार, अधिकारियों को टेकिला केसी बार में गोलीबारी की सूचना स्थानीय समय के अनुसार रविवार को रात डेढ़ बजे मिली। पुलिस के अनुसार, किसी ने बार में अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इस दौरान चार लोगों की बार में ही मौत हो गई, जबकि घायल पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। गोलीबारी के सिलसिले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता थॉमस टॉमैजिक ने बताया कि इस मामले में दो बंदूकधारियों की तलाश की जा रही है। पता चला है कि दो लोगों का बार के भीतर विवाद हो गया था। इसके बाद वे चले गए थे और बाद में हैंडगन के साथ लौटे और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं बढ़ गई हैं।

ब्रिटेन ने दिए ब्रेक्जिट प्रस्ताव में संशोधन के संकेत

लंदन, एएफपी : ब्रिटेन ने संकेत दिया है कि वह यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ समझौते के अपने ताजा प्रस्ताव में बदलाव कर सकता है। बदलाव में उत्तरी आयरलैंड के लिए ज्यादा सहूलियतों का प्रस्ताव हो सकता है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूरोपीय नेताओं के दबाव और आयरलैंड के नेताओं के असंतोष को देखते हुए प्रस्ताव में बदलाव का यह संकेत दिया है।

ब्रिटेन के ब्रेक्जिट मामलों के मंत्री स्टीफन बर्कले ने कहा, इसी सप्ताह यूरोपीय यूनियन को दिया समझौता प्रस्ताव व्यापक जमीनी हालात ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। उन्होंने अनुरोध किया कि ईयू 31 अक्टूबर की ब्रेक्जिट की प्रस्तावित तिथि के मद्देनजर ताजा प्रस्ताव पर सकारात्मक और लचीलेपन से फैसला ले। जॉनसन ने 31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन से ब्रिटेन का 46 साल पुराना रिश्ता तोड़ने का एलान कर रखा है, भले ही यह संबंध विच्छेद सशर्त हो या बिना शर्त।

बर्कले कहा कि सरकार 17-18 अक्टूबर को होने वाली ईयू समिट से पहले ब्रेक्जिट पर संसद से सहमति लेने की भी कोशिश करेगी। इससे सरकार के ब्रेक्जिट को लेकर गंभीर प्रयासों का पता चलेगा। लेकिन ईयू नेताओं ने ब्रिटेन के ताजा प्रस्ताव पर कुछ आपत्तियां जताई हैं और अनुरोध किया है कि उन्हें संशोधित किया जाए। ब्रिटेन के समझौता प्रस्ताव पर ईयू में विचार विमर्श जारी है। लातविया के प्रधानमंत्री क्रिसजानिस कारिंस ने कहा है कि ब्रिटेन अगर प्रस्ताव में संशोधन के लिए तैयार नहीं होता तो उसे स्वीकार करना बहुत मुश्किल होगा। सब कुछ बोरिस जॉनसन पर निर्भर करता है, क्योंकि यूरोपीय यूनियन शुरू से समझौते के प्रस्ताव की प्रतीक्षा कर रहा। सूत्रों के अनुसार जॉनसन ने ताजा प्रस्ताव देने के अगले दिन से ही यूरोपीय नेताओं से टेलीफोन पर समर्थन मांगना शुरू कर दिया था लेकिन समझौते को लेकर उन्हें अभी तक ठोस आश्वासन नहीं मिले हैं। ब्रेक्जिट मसले पर ईयू के शीर्ष वार्ताकार माइकल बर्नियर ने फ्रांस में कहा, ताजा प्रस्ताव के साथ किसी समझौते पर पहुंचना बहुत मुश्किल है।

आजादी के लिए स्कॉटलैंड में हुआ प्रदर्शन

एडिनबर्ग, आइएएनएस : ब्रिटेन से आजादी की मांग को लेकर शनिवार को स्कॉटलैंड की राजधानी एडिनबर्ग में एक विशाल प्रदर्शन हुआ। ऑल अंडर वन बैनर (एओयूबी) के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कम-से-कम एक लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी आजादी समर्थक नारे लगा रहे थे। स्कॉटलैंड की प्रथम मंत्री व स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) की नेता निकोला स्टर्जन ने स्कॉटलैंड की आजादी की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि प्रदर्शनकारियों के बीच व्यक्तिगत तौर पर नहीं आ पाने के बावजूद वह पूरे मन से उनके साथ हैं। पार्टी की तरफ से जोआना चेरी ने जुलूस में शामिल होकर प्रदर्शनकारियों का उत्साह बढ़ाया। 2016 में हुए जनमत संग्रह में स्कॉटलैंड ने हालांकि ब्रिटेन के साथ बने रहने पर सहमति जताई थी।

पाकिस्तान में पोलियो का कहर जारी, तीन और बच्चे संक्रमित

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान में पोलिया वायरस का कहर लगातार जारी है। हाल ही में पोलियो संक्रमण के तीन और मामले सामने आए हैं, जिसके बाद इस साल ऐसे मामलों का आंकड़ा 72 पर पहुंच गया है। ताजा मामले सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत के हैं।

सिंध प्रांत की राजधानी करांची में एक 17 महीने की बच्ची पोलियो वायरस से संक्रमित पाई गई है। प्रांत के इमरजेंसी ऑपरेशन फॉर पोलियो के अनुसार, कई दिनों तक बुखार और दाहिने पैर में कमजोरी की शिकायत के चलते उस बच्ची को डॉक्टर के पास लाया गया। डॉक्टरों ने इसे एक्यूट फ्लैसिड पैरालिसिस का मामला बताया। जांच में यह पोलियो निकला। इसके साथ ही कराची में पोलियो के मामलों की संख्या चार और पूरे प्रांत में आठ तक पहुंच गई है।

उधर, बलूचिस्तान में 15 माह के बच्चे के पोलियो ग्रस्त होने के बाद वहां ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर छह हो गई। खैबर पख्तूनख्वा के तोरगार जिले में एक 21 माह का बच्चा पोलियो वायरस से संक्रमित पाया गया है। वहां अब तक पोलियो के 53 मामले सामने आ चुके हैं।

इस साल अब तक 72 मामले आ चुके हैं सामने, ताजा केस सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत के हैं

प्रतीकात्मक

बता दें कि भारत समेत विश्व के कई देश पोलियो को काबू में कर चुके हैं। इसके विपरीत पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान अब भी इससे जंग लड़ रहे हैं। पिछले महीने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने इस बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने और देशभर में पांच साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाना का अभियान चलाने के लिए केंद्र और प्रांतीय अधिकारियों को निर्देश जारी किया था।

अशांत इराक में मरने वालों की संख्या 100 पार

बगदाद, रायटर : इराक की राजधानी बगदाद में हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बीते मंगलवार से जारी इस संघर्ष में मरने वालों की संख्या रविवार तक 104 पहुंच चुकी थी। इनमें आठ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। छह हजार से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। शनिवार-रविवार की रात टकराव में कम से कम 19 लोगों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों को हिंसक प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए गोलियां चलानी पड़ीं। इस बीच सरकार ने शनिवार की रात आपात कैबिनेट बैठक करके 17 सूत्री योजनाओं की घोषणा की है। इनमें गरीबों को आवास पर सब्सिडी, बेरोजगारी भत्ता, युवाओं के लिए प्रशिक्षण तथा मध्यम के कर्ज जैसे एलान शामिल हैं।

रविवार की सुबह छात्र स्कूल पहुंचे और सरकारी कर्मचारियों ने अपने-अपने दफ्तरों में उपस्थिति दर्ज कराई। यह हालात धीरे-धीरे सामान्य होने का संकेत है, लेकिन राजधानी की सड़कों में आम तौर पर सन्नाटा रहा। बहुत कम लोग आवाजाही करते नजर आए। जगह-जगह जले हुए टायर नजर आ रहे हैं। हालात पर नियंत्रण रखने के लिए सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए हैं। हथियारबंद वाहनों से तहरीर चौक का रास्ता ब्लॉक किया गया है। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी तहरीर चौक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें करीब चार किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया। लोग देश की खराब आर्थिक हालत से नाराज हैं। वे भ्रष्टाचार की समाप्ति चाहते हैं और अपने लिए नौकरियों के अवसर मांग रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि भ्रष्टाचार और कुशासन के कारण उनके लिए सरकारी सुविधाएं हासिल कर पाना मुश्किल हो गया है।

सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों के बीच बीते मंगलवार से ही जारी है संघर्ष

सरकार ने लोगों को शांत कराने को किया 17 सूत्री योजनाओं का एलान

गरीबों को घर पर सब्सिडी, बेरोजगारी भत्ता देने समेत तमाम वादे किए

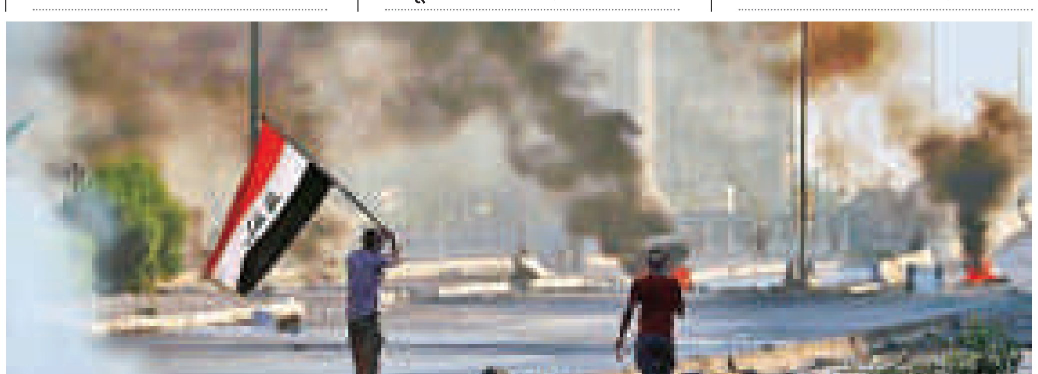

इराक में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के विरोध में सरकार के खिलाफ रविवार को शांति रही रही, लेकिन शनिवार-रविवार की रात को हिंसा और आगजनी जारी रही। राजधानी बगदाद में कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। उधर, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस की विशेष प्रतिनिधि जीनिन हेन्निस ने कहा कि हिंसा के जिम्मेदार लोगों को कानून के कटघरे में लाया जाना चाहिए। एपी

कंदील बलोच का फरार भाई इंटरपोल की मदद से हुआ गिरफ्तार

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार व मशहूर मॉडल कंदील बलोच की हत्या में आरोपित उनके फरार भाई मुहम्मद आरिफ को इंटरपोल की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार, शनिवार को गिरफ्तारी के बाद आरोपित को मुल्तान के मुजफ्फराबाद पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। इससे एक हफ्ते पहले ही इस मामले में कंदील के अन्य भाई मुहम्मद वसीम को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी।

बता दें कि सोशल मीडिया पर अपने बयान व बेबाकी के चलते मशहूर कंदील की 15 जुलाई 2016 को मुल्तान में गला घोंट कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के अगले दिन ही वसीम ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कुबूल कर लिया था। उसका कहना था कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और बयानों से कंदील ने परिवार व बलोच समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई थी। उसने यह भी कहा था कि उसे अपने किए का कोई पछतावा नहीं है। वसीम ने पुलिस को बताया था कि उस समय सऊदी अरब में रह रहे उसके भाई मुहम्मद आरिफ ने उसे कंदील की हत्या करने के लिए कहा था।

विरोध

पेरिस में जलवायु परिवर्तन पर सरकारों की उदासीनता के खिलाफ जाहिर किया गुस्सा, पुलिस ने खाली कराया सेंटर, सोमवार से विश्वभर में शुरू होना है अभियान

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने शॉपिंग सेंटर में किया कब्जा

पेरिस, एएफपी : जलवायु परिवर्तन पर सरकारों की उदासीनता के खिलाफ सोमवार को शुरू हो रहे वैश्विक आंदोलन के पहले ही पेरिस के एक शॉपिंग सेंटर में सैकड़ों पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कब्जा कर लिया। दक्षिण-पूर्व पेरिस में स्थित इटैली-2 शापिंग सेंटर पर शनिवार रात जमा हुए कार्यकर्ताओं की पुलिस और दुकानदारों की झड़पें भी हुईं। जबरन घुसे कार्यकर्ताओं ने शापिंग सेंटर के रास्ते मेज और कुर्सियों से बंद कर दिए और दुकानों में अपने बैनर लगा दिए। जिन पर लिखा था 'पूंजीवाद को जलाओ, पर पेट्रोल नहीं।'

सुरक्षाबलों ने कार्यकर्ताओं को पहले तो रास्ता खोलने और सेंटर से निकलने को कहा, लेकिन कोई असर न होने पर वे अंदर दाखिल हो गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को समझाने की काफी कोशिशें कीं, लेकिन वे नहीं माने। आखिरकार, तड़के चार बजे कार्यकर्ता खुद ही बाहर आ गए। बता दें कि विश्व के 60 शहरों में सोमवार से एक्सटिंक्शन रिबेलियन मूवमेंट शुरू हो रहा है।

इस आंदोलन के जरिये जलवायु परिवर्तन को लेकर चेतावनी दी जा रही है। एक्सटिंक्शन रिबेलियन मूवमेंट एक तरह से अहिंसक आंदोलन है। इसके तहत भारत, ब्यूनस आयर्स, केपटाउन और वेलिंगटन में प्रदर्शन होना है।

एक्सटिंक्शन रिबेलियन की वेबसाइट में कहा गया है कि 'हमने जलवायु और पारिस्थितिकी आपातकाल की घोषणा की है। दुनिया की सरकारों ने इसके लिए अभी तक कुछ नहीं किया है।' एक्सटिंक्शन रिबेलियन की स्थापना पिछले साल ब्रिटेन में शिक्षाविदों ने की थी और यह सबसे तेजी से बढ़ने वाला पर्यावरण आंदोलन बन गया है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि सरकारें जलवायु और पारिस्थितिकी आपातकाल की घोषणा करे और 2025 तक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करें।

आंदोलन में 'येलो वेस्ट' प्रदर्शनकारी भी शामिल : पर्यावरण कार्यकर्ताओं के आंदोलन के दौरान शापिंग मार्केट में 'येलो वेस्ट' और सरकार विरोधी आंदोलनकारी भी शामिल हो गए। 'येलो वेस्ट' आंदोलन फ्रांस में तेल की बढ़ती कीमतों के विरोध में शुरू हुआ था। बाद में इस आंदोलन के तहत राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों सरकार की नीतियों का विरोध और उनके इस्तीफेकी मांग भी की जाने लगी थी।

ब्रिटेन की पुलिस ने कई पर्यावरण कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

लंदन, रायटर : ब्रिटेन की पुलिस ने लंदन में दस पर्यावरण कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कार्यकर्ता एक्सटिंक्शन रिबेलियन समूह से जुड़े थे, जो जलवायु संकट को लेकर सोमवार को व्यापक आंदोलन करने वाला है। समूह के साथ-साथ पुलिस ने भी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। समूह ने शनिवार को गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, 'हाईवे व अन्य मुख्य सड़कों को जाम करने के नाम पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं।' उधर, लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गिरफ्तारी की वजहों पर कोई बयान नहीं दिया है। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार पुलिस पर्यावरण कार्यकर्ता समूह एक्सटिंक्शन रिबेलियन द्वारा इस्तेमाल की जा रही बिल्डिंग का दरवाजा तोड़कर वहां घुसी थी। उस इमारत में सोमवार के प्रदर्शन से संबंधित सामान रखे थे। इस समूह से अप्रैल में भी यहां 11 दिनों तक प्रदर्शन किया था। उनके प्रदर्शन के चलते सड़कों व सार्वजनिक वाहनों की आवाजाही बाधित हुई थी। बीते गुरुवार को कुछ कार्यकर्ताओं ने यहां के वित्तीय मंत्रालय के मुख्यालय पर लाल रंग फेंका था।

'शत्रुतापूर्ण आचरण के कारण नहीं हो सकती वार्ता'

सियोल, एएफपी : उत्तर कोरिया ने कहा है कि अमेरिका के शत्रुतापूर्ण नीति पर चलने के कारण वह परमाणु हथियारों पर वार्ता जारी रखने का इच्छुक नहीं है। उत्तर कोरिया की ओर से यह बयान स्वीडन में चल रही दोनों देशों की वार्ता टूटने के एक दिन बाद आया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फरवरी में हुई वार्ता विफल होने के बाद फिर से भरोसा पैदा करने के लिए स्वीडन में दोनों देशों के अधिकारियों की वार्ता चल रही थी। लेकिन बुधवार को उत्तर कोरिया के पनडुब्बी से बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण से इसमें व्यवधान आया और शनिवार को यह बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। वार्ता के संबंध में उत्तर कोरिया ने कहा कि अमेरिका किसी नए और सकारात्मक प्रस्ताव के बगैर आया था, जबकि अमेरिका ने दो हफ्ते बाद फिर से वार्ता शुरू होने की आशा जताई है। लेकिन रविवार को उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के वार्ता जारी रहने के बयान का कोई आधार नहीं है। वह रुग्ण वार्ता को और जारी रखने का इच्छुक नहीं है जब तक कि अमेरिका कोई ठोस और सकारात्मक कदम न उठाए। दोनों देशों की वार्ता का भविष्य अमेरिका के आचरण पर निर्भर है। वार्ता का कार्यक्रम 2019 में ही खत्म हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया परमाणु मसले पर वार्ता में आगे बढ़ने से पहले खुद पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से मुक्त होना चाहता है। लेकिन अमेरिका इन प्रतिबंधों के जरिये उत्तर कोरिया पर परमाणु हथियार खत्म करने के लिए दबाव बनाए हुए है।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में उत्तर कोरियाई दूतावास के बाहर परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ वार्ता टूटने की घोषणा करते कोरियाई वार्ताकार किम मियांग गिल। उधर, अमेरिका ने उत्तर कोरिया से परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता विफल होने की खबरों से इन्कार करते हुए इसे सार्थक चर्चा बताया है। एपी

ये भी जानिए
रविचंद्रन अश्विन ने 66 मैचों में 350 टेस्ट विकेट लिए। इससे पहले भारत की ओर से सबसे तेज 350 विकेट लेने का रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम था। उन्होंने 77 मैचों में यह कारनामा किया था।

जडेजा के जादू के बाद शमी ने बरपाया कहर

भारत ने पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 203 रन से हराया शमी ने झटके पांच विकेट, रवींद्र को मिलीं चार सफलताएं

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी के घातक स्पैल और रवींद्र जडेजा की बेहतरीन फिरकी की बदौलत भारत ने यहां रविवार को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच के पांचवें व अंतिम दिन दक्षिण अफ्रीका पर 203 रन से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच पुणे में 10 अक्टूबर से खेला जाएगा। इस जीत की बदौलत भारत को 40 अंक हासिल हुए और उसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अपना शीर्ष स्थान और मजबूत कर लिया है। भारत के अब कुल 160 अंक हो गए हैं।

395 रन के विशाल लक्ष्य के सामने उम्मीद थी कि दक्षिण अफ्रीका की टीम उसी तरह का जज्बा दिखाएगी जैसा कि उसने पहली पारी में दिखाया था, लेकिन शमी और जडेजा के आगे मेहमान टीम 63.5 ओवर में 191 रन पर ढेर हो गई। शमी ने 10.5 ओवर में 35 रन देकर पांच विकेट झटके। उन्होंने टेस्ट करियर में पांचवीं बार एक पारी में पांच विकेट का आंकड़ा छुआ। वहीं, जडेजा ने 87 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। दक्षिण अफ्रीका ने सुबह के सत्र में 70 रन के स्कोर पर ही आठ विकेट गंवा दिए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की ओर से पदार्पण टेस्ट खेलने वाले सेनूरान मुथुस्वामी (नाबाद 49) और डेन पीट (56) ने नौवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी करते हुए भारत की जीत के इंतजार को बढ़ाया।

डेन पीट को बोल्ड करने के बाद टूटे हुए स्टंप के साथ जश्न मनाते शमी • प्रेट्र

पहले चार दिन अच्छा व्यवहार करने वाली पिच ने पांचवें दिन चौंकाया, जिससे बल्लेबाजों के लिए खेलना मुश्किल हो गया। चेतेश्वर पुजारा की शनिवार को की गई भविष्यवाणी के मुताबिक स्पिनरों को काफी टर्न मिला और असमान उछाल ने भी तेज गेंदबाजों की मदद की। दक्षिण अफ्रीका की पारी के ढहने की शुरुआत दिन के दूसरे ओवर में शुरू हुई, जब रविचंद्रन अश्विन की ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद कोण बनाती हुई थेउनिस डि ब्रूएन (10) के विकेटों में जा घुसी। इसी के साथ अश्विन के 350 टेस्ट विकेट भी पूरे हुए। इसके बाद शमी ने तेंबा बावुमा (00), फाफ डुप्लेसिस (13) और पहली पारी के शतकवीर क्विंटन डिकॉक (00) को पवेलियन भेजकर दक्षिण अफ्रीका की कमर तोड़ दी।

बावुमा कम उछाल के साथ तेजी से अंदर आती गेंद को क्रीज में पीछे होकर खेलने की कोशिश में चूक गए, जबकि डुप्लेसिस ने अंदर आती गेंद पर शॉट नहीं खेलने का फैसला किया और अपना ऑफ स्टंप गंवा बैठे। शमी ने इसके बाद इनस्विंगर पर डिकॉक को बोल्ड किया।

सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करैम (39) कम ऊंचाई की गेंद पर जडेजा को रिटर्न कैच दे, जिसे जडेजा ने एक हाथ से लपककर 27वें ओवर में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 70 रन पर सात विकेट कर दिया। इसी ओवर में वर्नोन फिलेंडर (00) और केशव महाराज (00) भी लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए और स्कोर 70 रन पर आठ विकेट हो गया। पीट और मुथुस्वामी ने इसके बाद भोजनकाल तक भारतीय गेंदबाजों को और कोई सफलता हासिल नहीं करने दी। पीट ने जडेजा पर डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्का मारा, जो इस मैच का 36वां छक्का था। इसी के साथ एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगने का नया विश्व रिकॉर्ड बना। इस ऑफ स्पिनर ने अपना आठवां टेस्ट खेलते हुए करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया। पीट और मुथुस्वामी ने भोजनकाल के एक घंटे बाद तक भारत को सफलता हासिल करने से रोके रखा।

सुबह के सत्र में जल्द ही तीन विकेट झटकने वाले शमी दूसरे सत्र में फिर से गेंदबाजी पर लौटे तो उनकी पहली ही गेंद पीट स्टंप पर खेल बैठे। हालांकि, यह थोड़ी ढीली गेंद थी, लेकिन इसने पीट का ऑफ स्टंप तोड़ दिया।

स्कोर बोर्ड

टॉस: भारत (बल्लेबाजी) **मैन ऑफ द मैच:** रोहित शर्मा

भारत (पहली पारी): 502/7 पारी घोषित (136 ओवर)/ **दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी):** 431 (131.2 ओवर)/ **भारत (दूसरी पारी):** 323/4 पारी घोषित (67 ओवर)/ **परिणाम:** भारत 203 रनों से जीता

दक्षिण अफ्रीका (दूसरी पारी) **191** (63.5 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
एडेन मार्करैम का. एवं बो. जडेजा	39	74	05	01
डीन एल्गर एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	02	16	00	00
थेउनिस डि ब्रूएन बो. अश्विन	10	25	02	00
तेंबा बावुमा बो. शमी	00	02	00	00
फाफ डुप्लेसिस बो. शमी	13	26	03	00
क्विंटन डिकॉक बो. शमी	00	02	00	00
सेनुरान मुथुस्वामी नाबाद	49	108	05	00
वर्नोन फिलेंडर एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	00	03	00	00
केशव महाराज एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	00	01	00	00
डेल पीट बो. शमी	56	107	09	01
कैगिसो रबादा का. साहा बो. शमी	18	19	03	01

अतिरिक्त: (बा–2, लेबा–2) 4

कुल: 63.5 ओवर में 191 रनों पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1–4 (एल्गर, 3.3), 2–19 (ब्रूएन, 10.5), 3–20 (बावुमा, 11.3), 4–52 (डुप्लेसिस, 21.5), 5–60 (डिकॉक, 23.1), 6–70 (मार्करैम, 26.1), 7–70 (फिलेंडर, 26.4), 8–70 (केशव, 26.5), 9–161 (पीट, 59.1)

गेंदबाजी: अश्विन 20–5–44–1, रवींद्र जडेजा 25–6–87–4, शमी 10.5–2–35–5, इशांत शर्मा 7–2–18–0, रोहित शर्मा 1–0–3–0

भारत की जीत के पांच स्टार

1. **रोहित शर्मा:** टेस्ट में पहली बार ओपनिंग करते हुए दोनों पारियों में शतक जड़ा।
2. **मयंक अग्रवाल:** पहली पारी में करियर का पहला टेस्ट शतक जड़ते हुए ही दोहरा शतक लगाया।
3. **रविचंद्रन अश्विन:** द. अफ्रीका की पहली पारी में सात विकेट झटके।
4. **रवींद्र जडेजा:** मैच में छह विकेट लेने के अलावा 70 रन (नाबाद 30 और 40) बनाए।
5. **मुहम्मद शमी:** दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में पांच विकेट अपने नाम किए।

एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के

मैच	छक्के	मैदान	वर्ष
भारत vs द. अफ्रीका	37	विशाखापत्तनम	2019
न्यूजीलैंड vs पाकिस्तान	35	शारजाह	2014
भारत vs पाकिस्तान	27	फैसलाबाद	2006
बांग्लादेश vs न्यूजीलैंड	27	चटगांव	2013
न्यूजीलैंड vs बांग्लादेश	24	हैमिल्टन	2019

1996 में लांस क्लूजनर के बाद भारत में टेस्ट की चौथी पारी में तेज गेंदबाज ने पांच विकेट लिए

"भारतीय टीम के प्रदर्शन ने दशहरे से पहले ही प्रशंसकों को खुशी दे दी है। ये टीम इंडिया लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। कप्तान विराट कोहली और शानदार प्रदर्शन करने के लिए रोहित शर्मा को भी बहुत-बहुत बधाई।

सीके खन्ना, कार्यवाहक अध्यक्ष, बीसीसीआइ

सावधानी के साथ आक्रामक खेलना ही मेरा स्वभाव : रोहित

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: अपने टेस्ट करियर में पहली बार ओपनिंग करने आए रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका पर जीत के बाद कहा कि सावधानी के साथ आक्रामकता को मिश्रित करके खेलना ही मेरा खेल है।

मैन ऑफ द मैच का खिताब लेने आए रोहित ने अपनी शानदार शतकीय पारी पर कहा कि मैं बस वहां जाकर वह करना चाहता था, जो मैं सबसे बेहतर कर सकता हूं। बल्लेबाजी में ऊपरी क्रम में मौका मिलना मेरे लिए शानदार अवसर है। मैं इस मौके के लिए टीम प्रबंधन का आभारी हूं। मैंने इससे पहले कभी ऐसा (टेस्ट में पारी का आगाज) नहीं किया।

रोहित ने बताया कि करीब दो साल पहले मुझसे कहा गया था कि किसी दिन मुझे भी पारी के आगाज का मौका मिलेगा। इसके बाद से ही मैं नेट्स में नई गेंद खेलने का अभ्यास किया करता था। यह कोई मुद्दा नहीं है कि किस गेंद से आप खेलते हो, चाहे यह लाल गेंद हो या फिर सफेद। शुरुआत में आपको सावधान रहना ही होता है और बेसिक्स पर फोकस करना होता है। रोहित ने बतौर ओपनर अपनी पहली कामयाबी के बारे में बताया कि सफलता का एक ही मंत्र है कि ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को छोड़ दो और जितना संभव हो अपने शरीर के करीब ही खेलो। मेरा काम भी यहां यही करना था। टीम प्रबंधन मुझसे यही आशा कर रहा था और मैंने यही किया।

रोहित ने कहा कि सावधानी के साथ अपने खेल में आक्रामकता मिश्रित करना ही मेरा स्वभाविक खेल है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि किन हालात में मैं बल्लेबाजी कर रहा हूं। इस टेस्ट में कई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले रोहित ने कहा कि इस टेस्ट में रिकॉर्ड से जुड़ी कई चीजें हुई हैं, जिनके बारे में मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है। मेरा फोकस बस इतना ही था कि मैं अपने खेल का लुत्फ लूं और टीम को मजबूत स्थिति में लेकर जाऊं। मुझे कुछ शॉट खेलने का प्रयास करना ही था। कई बार चीजें आपके ढंग से होती हैं और कई बार नहीं होतीं क्योंकि अब गेंदबाज बहुत चतुर हो चुके हैं। मैंने खुद का समर्थन किया और मैं इस बात में विश्वास रखता हूं कि भाग्य भी बहादुरों का साथ देता है।

कोहली ने की रोहित, मयंक और गेंदबाजों की तारीफ

विशाखापत्तनम, आइएएनएस: भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद पूरी टीम की सराहना की है। कोहली ने खासतौर पर रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल और गेंदबाजों की तारीफ की। कोहली ने मैच के बाद कहा कि पहले तीन दिन पिच काफी अच्छी थी। हमारा एक सत्र खराब रहा, लेकिन जब आप बोर्ड पर 500 रन लगा देते हैं तो आप हमेशा आगे होते हैं। मेहमान टीम ने अच्छी वापसी की, इसके बावजूद हमारे पास अच्छी बढ़त थी। रोहित और मयंक ने शानदार बल्लेबाजी की। कोहली ने कहा कि यहां का मौसम अच्छा था और पिच भी धीमी थी। अगर तेज गेंदबाज यह सोचते हैं कि स्पिनर इस पिच पर अच्छा कर सकते हैं तो फिर यह सही नहीं है। उन्हें छोटे-छोटे अंतराल पर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया ताकि वे अपना 100 प्रतिशत दे सकें। कप्तान ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि जडेजा और अश्विन ने एक बार फिर से बेहतरीन गेंदबाजी की। दूसरी पारी में शमी मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे। सभी ने इस मैच में अपना योगदान दिया। बल्लेबाजी अच्छी थी, लेकिन गेंदबाजों के लिए थोड़ा मुश्किल था।

अश्विन ने की मुरलीधरन के रिकॉर्ड की बराबरी

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: भारत के प्रमुख ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रविवार को टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए। इसी के साथ उन्होंने सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट लेने के श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मुरलीधरन की तरह ही अश्विन ने भी 350वां विकेट 66वें टेस्ट मैच में हासिल किया।

पहली पारी में सात विकेट लेने के दौरान टेस्ट करियर में 27वीं बार एक पारी में पांच विकेट लेने वाले अश्विन ने पांचवें दिन दूसरी पारी में थेउनिस डि ब्रूएन को बोल्ड कर यह उपलब्धि हासिल की।

अश्विन ने कहा, 'निश्चित रूप से ऐसी चीजें एक अवधि में होती हैं। ऐसी किसी भी चीज के लिए हम कोई योजना नहीं बना सकते। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने अपने करियर में ये रिकॉर्ड हासिल किए हैं, लेकिन इस प्रक्रिया को बेसिक्स को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। जब मेरे स्किल की बात आती है, तो मैं जितना संभव हो उतना तैयार होना चाहता हूं। मैच से पहले सभी बक्से को टिक करना चाहता हूं। मैच में जाने से पहले मैं मानसिक और शारीरिक तौर पर अच्छा रहने की कोशिश करता हूं। ये सभी चीजें हैं जो मैं अपने दिमाग में रखता हूं। लेकिन मैं अपने काम के बारे में कैसे तैयारी करता हूं, इस बारे में कि मैं किसी भी चीज का पीछा नहीं करना चाहता। मैं चीजों बहुत सरल रखना चाहता हूं। यही मैंने पिछले वर्ष के दौरान सीखा है।'

रविचंद्रन ने 66वें टेस्ट मैच में झटका 350वां विकेट, मुरलीधरन ने भी इतने ही टेस्ट मैचों में छूआ था यह आंकड़ा

रविचंद्रन अश्विन • फाइल फोटो, प्रेट्र

सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट

गेंदबाज	देश	टेस्ट
अश्विन	भारत	66
मुरलीधरन	श्रीलंका	66
रिचर्ड हैडली	न्यूजीलैंड	69
डेल स्टेन	द. अफ्रीका	69
डेनिस लिली	ऑस्ट्रेलिया	70

350 विकेटों के लिए अश्विन और मुरलीधरन का सफर

विकेट	अश्विन के टेस्ट	मुरली के टेस्ट
50वां	9	13
100वां	18	27
150वां	29	36
200वां	37	42
250वां	45	51
300वां	54	58
350वां	66	66

सीओए किसी संघ को अयोग्य घोषित नहीं कर सकता : टीएनसीए

बीसीसीआइ चुनाव

नई दिल्ली, आइएएनएस: प्रशासकों की समिति (सीओए) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के सदस्यों तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए), हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) और महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) को कारण बताओ नोटिस भेजा है, जिसका कि टीएनसीए ने सभी मुद्दों का जवाब दिया है।

टीएनसीए के सचिव ने कहा है सीओए के पास यह निर्धारित करने का अधिकार नहीं है कि संविधान सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप है या नहीं। टीएनसीए ने कहा कि सीओए के पास यह तय करने का कोई अधिकार नहीं है कि क्या एक राज्य संघ, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नौ अगस्त को सुनाए फैसले में शामिल निर्देशों का पालन कर रही है या नहीं। सीओए का काम केवल नौ अगस्त को राज्य संघ द्वारा किए गए अनुपालन के संदर्भ में एक स्थिति रिपोर्ट भेजा है, जो उसने पहले ही कर दिया है।

पत्र में आगे कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने टीएनसीए को चुनाव आयोजित कराने की अनुमति दी है। सचिव ने कहा कि टीएनसीए को सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर के दिए आदेश से चुनाव कराने की अनुमति दी और संघ द्वारा आयोजित चुनावों की वैधता के संबंध में कोई भी फैसला केवल सुप्रीम कोर्ट ही ले सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित मुद्दों के परिणाम की प्रतीक्षा किए बिना सीओए ने खुद ही चुनाव कराने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 20 सितंबर के आदेश में स्पष्ट किया है कि चुनाव की वैधता उसके द्वारा जारी किए गए अंतिम आदेश पर निर्भर करेगी। पत्र में आगे कहा गया है कि इस मामले को देखते हुए सीओए के पास किसी भी संघ को 23 अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआइ की आम बैठक भाग लेने और मतदान करने से अयोग्य घोषित करने का कोई अधिकार नहीं है, जो कि सीओए की समझ के अनुसार गैर अनुपालन हैं। क्योंकि मामला न्यायालय के समक्ष है, इसलिए सभी संघों को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित अंतिम आदेशों के आधार पर उनकी भागीदारी तय की जाएगी। टीएनसीए ने सीओए को कारण बताओ नोटिस वापस लेने को कहा है।

डीडीसीए ने सीओए से दोबारा चुनाव कराने का कहा

नई दिल्ली, आइएएनएस: दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सदस्यों ने प्रशासकों की समिति (सीओए) से फिर से चुनाव कराने का अनुरोध किया है। ईमेल में सदस्यों ने कहा है कि पिछला चुनाव सीओए द्वारा किया गया था जो कि बीसीसीआइ के नए पंजीकृत संविधान के तहत नहीं था। एक सदस्य ने कहा कि डीडीसीए का पिछला चुनाव नौ अगस्त 2018 और बीसीसीआइ के नए संविधान के पंजीकृत होने से पहले हुआ था। डीडीसीए का चुनाव प्रक्रिया बीसीसीआइ के नए संविधान के तहत नहीं था। यह डीडीसीए के पुराना संविधान के तहत किया गया था। एक अन्य सदस्य ने कहा कि पुराने संविधान के नियमों के अनुसार चुनाव कैसे हुए? उन्होंने कहा कि पुराने संविधान के अनुसार कराए गए चुनाव में कुछ प्रमुख क्षेत्रों में चूक हुई है। उन्होंने कहा कि डीडीसीए में शीर्ष परिषद का कोई प्रावधान नहीं था। यहां पुरुष और महिला क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों के लिए भी कोई प्रावधान नहीं था। शीर्ष परिषद के लिए एक भी निदेशक नहीं था। कार्यकारी निदेशक का गठन नौ निदेशकों के बजाय 16 निदेशकों के साथ किया गया था जिसका कि बीसीसीआइ के नए संविधान में उल्लेख किया गया है। एक सदस्य ने सीओए से फिर से चुनाव से कराने का अनुरोध करते हुए कहा कि आप डीडीसीए को एक चुनाव अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दें।

350 से ज्यादा का लक्ष्य आसान नहीं : डुप्लेसिस

विशाखापत्तनम, आइएएनएस: पहले टेस्ट मैच में हार के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि भारत में दूसरी पारी में 350 रनों से अधिक का लक्ष्य कभी भी आसान नहीं रहा है। डुप्लेसिस ने हालांकि इस हार के बावजूद अपनी टीम की सराहना की।

डुप्लेसिस ने कहा कि भारत ने हमसे अच्छी बल्लेबाजी की। मयंक और रोहित ने शानदार पारियां खेलीं। हमारे लिए 350 से अधिक का लक्ष्य पार पाना आसान नहीं था क्योंकि भारत में दूसरी पारी में इतने रन बनाना कभी भी आसान नहीं रहा है। डुप्लेसिस ने माना कि पहली पारी में अच्छा खेलने के बाद उन्हें लगा था कि मैच पर उनकी टीम पकड़ बना लेगी, लेकिन रोहित और चेतेश्वर पुजारा की पारियों ने मैच भारत के पक्ष में लाकर खड़ा कर दिया।

सरिता देवी विश्व चैंपियनशिप से बाहर

महिला मुक्केबाजी

उलान उदे (रूस), प्रेट्र: पूर्व चैंपियन एल सरिता देवी रविवार को यहां अंतिम-32 में रूस की नतालिया शादरिना के खिलाफ हार के साथ विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। चैंपियनशिप में रविवार का दिन निराशाजनक रहा। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली चौथी वरीय सरिता अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहीं और उन्हें 0-5 से हार झेलनी पड़ी। 2006 में दिल्ली में हुई विश्व महिला चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता सरिता ने एक दशक से भी अधिक समय बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपने पहले पदक के लिए चुनौती पेश कर रहीं थी। कई बार की एशियन चैंपियन मणिपुर की यह मुक्केबाज पहले तीन मिनट में पूरी तरह नियंत्रण में दिखी और उन्होंने अपनी विरोधी पर अधिक मुक्के बरसाए। हालांकि शादरिना अगले दो दौर में वापसी करने में सफल रहीं और उन्होंने सरिता को बाहर का रास्ता दिखाया। साथ ही सरिता अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के पहले एथलीट आयोग की सदस्य बनने की दौड़ में भी शामिल हैं जिसे मौजूदा प्रतियोगिता के दौरान औपचारिक रूप दिया जाएगा।

उधर विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहीं नंदिनी (81 किग्रा) जर्मनी की एरिना-निकोलेटा स्कोनबर्गर का बिलकुल भी मुकाबला नहीं कर पाईं और उन्हें भी 0-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वह शुरुआत से ही तकनीकी रूप से दक्ष जर्मन मुक्केबाज के खिलाफ संघर्ष करती नजर आईं। दूसरे दौर में नंदिनी को विरोधी मुक्केबाज के सिर के पिछले हिस्से पर वार करने की वजह से चेतावनी भी मिली। इस मुकाबले के दौरान उनके चेहरे पर कट भी लग गया। भारत की स्वीटी बूरा (75 किग्रा) और जमुना बोरो (54 किग्रा) अपने-अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर पहले ही प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुकी हैं।

आइसीए चुनाव के लिए कीर्ति ने जारी किया घोषणा पत्र

नई दिली, प्रेट्र : पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद अगर भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आइसीए) के 11 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में खिलाड़ियों के प्रतिनिधि के चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो पेंशन, चिकित्सा बीमा और हाल में संन्यास लेने वाली प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को एकमुश्त अनुग्रह राशि जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहेंगे।

बीसीसीआइ की महत्वपूर्ण शीर्ष परिषद में आइसीए के खिलाड़ी प्रतिनिधि के चुनाव में आजाद को पूर्व भारतीय क्रिकेटरों अंशुमन गायकवाड़ और डोडा गणेश से टक्कर मिलेगी। इस पद के लिए चौथे उम्मीदवार सौराष्ट्र और भारत-ए के बायें हाथ के पूर्व स्पिनर राकेश ध्रुव हैं।

दिल्ली के पूर्व कप्तान और 1983 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य आजाद को भरोसा है कि वह अतीत के कई प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के जीवन में अंतर पैदा कर पाएंगे जो गुमनामी और गरीबी में जी रहे हैं। आजाद ने कहा, मैं, अशोक मल्होत्रा, सुरिंदर खन्ना एक समूह के रूप में एक साथ हैं। बीसीसीआइ के चुनावों के लिए पहली बार आजाद ने 13 सूत्रीय चुनाव घोषणा पत्र जारी किया। घोषणा पत्र में एक प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले भी प्रत्येक क्रिकेटर को पेंशन दी जाएगी (फिलहाल पात्रता सीमा 25 मैच)। क्रिकेटरों को दी जाने वाली मौजूदा पेंशन राशि में वृद्धि होगी। प्रत्येक क्रिकेटर और उसके परिवार के आश्रितों सदस्य को ग्रुप मेडिकल इंश्योरेंश कवर दिया जाएगा। पांच साल पहले संन्यास लेने वाले सभी क्रिकेटरों को एकमुश्त अनुग्रह राशि (फिलहाल 2005 से पहले संन्यास लेने वालों को दी जाती है) दी जाएगी। रणजी ट्रॉफी और जूनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों को होने वाले भुगतान से जुड़ी विषमताओं और विसंगतियों को हटाया जाएगा और साथ ही इसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के समान यात्रा बीमा शामिल है।

जापान ओपन में पहली बार खेलने उतरे नोवाक ने मिलमैन को हराया, जीता करियर 76वां खिताब

जोकोविक ने जीता जापान ओपन का खिताब

टेनिस डायरी

टोक्यो, एएफपी: दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक ने रविवार को पहली बार जापान ओपन का खिताब जीता। सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविक यूएस ओपन में चोट की वजह से बीच से ही हट गए थे, लेकिन अब उन्होंने कंधे से जुड़ी सभी चिंताओं को दूर करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। यह उनके करियर का कुल 76वां सिंगल्स खिताब है।

जोकोविक ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफायर जॉन मिलमैन को 6-3, 6-2 से हराया। पहली बार जापान में किसी टूर्नामेंट में खेल रहे जोकोविक ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान कोई भी सेट नहीं गंवाया। यह 10वां मौका है जब 16 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविक ने किसी पदार्पण टूर्नामेंट में उतरते हुए खिताबी जीत हासिल की। चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए जोकोविक को इस टूर्नामेंट के डबल्स में शिकस्त मिली थी लेकिन पूरे सप्ताह उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया और इस दौरान उन्होंने विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी डिएगो गोफिन को भी शिकस्त दी। 69 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले के दौरान शीर्ष वरीय जोकोविक ने छह ऐस लगाए और कोई भी डबल फॉल्ट नहीं किया। इस मैच में उन्होंने तीन बार मिलमैन की सर्विस तोड़ी।

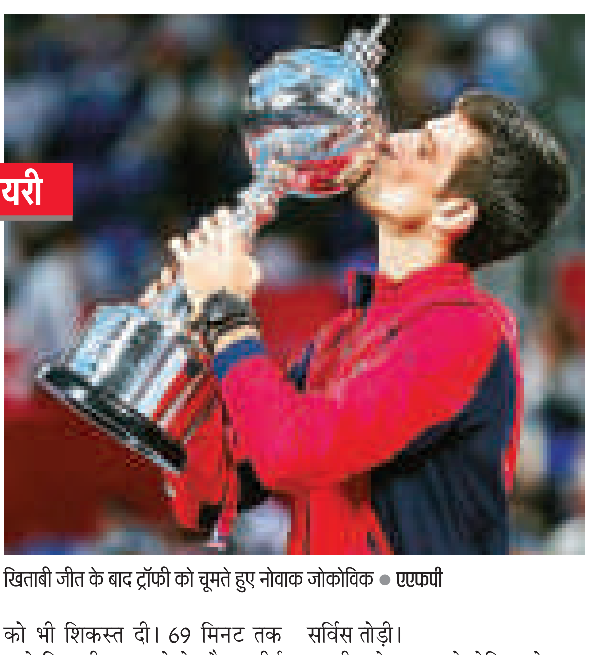

खिताबी जीत के बाद ट्रॉफी को चूमते हुए नोवाक जोकोविक • एएफपी

जीत के बाद जोकोविक ने कहा कि हर मामले में यह सप्ताह शानदार रहा। मैंने कोर्ट पर बहुत अच्छा महसूस किया। मैंने कोई सेट नहीं गंवाया, अच्छी सर्विस की और अच्छा खेल दिखाया। कुल मिलाकर यह अच्छा अनुभव रहा। वहीं, 30 वर्षीय मिलमैन ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन सभी को पता है कि जोकोविक कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वह एक चैंपियन खिलाड़ी हैं। जोकोविक पहले ही अगले महीने शुरू होने वाले सत्र के आखिरी एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

ओसाका बनीं चैंपियन

बीजिंग, रायटर: जापान की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विश्व की नंबर एक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एश्ले बार्टी को 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर चीन ओपन का खिताब हासिल किया। एक सेट से पिछड़ने के बावजूद खिताब पर कब्जा जमाने वाली ओसाका दूसरी बार एशिया में चैंपियन बनी हैं। चौथी वरीय ओसाका ने इससे पहले पिछले महीने जापान में पैन पैसेफिक ओपन का खिताब जीता था। यूएस ओपन के चौथे दौर में हारकर बाहर होने के बाद से ओसाका लगातार 10 मुकाबले जीत चुकी हैं। दो पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियनों के बीच खेला गया यह खिताबी मुकाबला एक घंटा और 50 मिनट चला और इस दौरान ओसाका ने फ्रेंच ओपन चैंपियन बार्टी की तीन बार सर्विस तोड़ी।

ट्रॉफी के साथ नाओमी ओसाका। रायटर

नरवाल के सुपर रेड्स ने दिलाई पटना को जीत

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में रविवार को प्रो कबड्डी लीग के दो मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें कप्तान प्रदीप नरवाल के शानदार प्रदर्शन की वजह से पटना पाइरेट्स ने बंगाल वॉरियर्स को 28 अंक से मात दी। पटना ने बंगाल को 69-41 से हराया। इस मैच में प्रदीप ने दो सुपर रेड के साथ कुछ 36 अंक बटोरे। वहीं, दिन के दूसरे मुकाबले में यूपी योद्धा ने पुनेरी पल्टन को 43-39 से हराया।

पहले मैच में पटना पाइरेट्स ने शुरुआत से ही बढ़त बनाकर रखी। पहले हाफ का खेल खत्म होने तक पटना ने बंगाल पर 27-17 की बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में विजेता टीम ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाकर मुकाबले को अपने नाम किया। दूसरे मैच में भी यूपी योद्धा और पुनेरी पल्टन के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंत में यूपी ने मुकाबले को अपने नाम किया। यूपी का अपने घर ग्रेटर नोएडा में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है, लेकिन पटना ने उन्हें हराकर मुश्किल में जरूर डाल दिया है।

हसनैन की हैट्रिक के बाद भी हारा पाकिस्तान

- **श्रीलंका ने पहले टी-20 में पाकिस्तान को 64 रन से हराया**
- **टी-20 में हैट्रिक लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज बने हसनैन**

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के मुहम्मद हसनैन टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज बन गए। उन्होंने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ यहां मुकाबले में भनुका राजपक्षे (32), दासुन शनाका (17) और शेशन जयसूर्या (02) को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। हसनैन से पहले अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान टी-20 हैट्रिक लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज थे। राशिद ने 20 साल पांच महीने 10 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। 19 साल 183 दिन के इस युवा तेज गेंदबाज का प्रदर्शन भी हालांकि उनकी टीम को जीत नहीं दिला पाया।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 165 रन रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान की टीम सिर्फ 101 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और 64 रन से मैच हार गई। हसनैन अपने टी-20 करियर का दूसरा ही मैच खेलने उतरे थे। उन्होंने अपने चार ओवर में 37 रन पर तीन विकेट चटकाए। वह टी-20 में हैट्रिक लेने वाले नौवें और पाकिस्तान के दूसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले फहीम अशरफ ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हैट्रिक ली थी। ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली टी-20 में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज थे। उन्होंने 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट चटकाए थे। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने आयरलैंड के खिलाफ चार गेंदों पर चार विकेट लिए थे।

पाक के तेज गेंदबाज मुहम्मद हसनैन।

हरियाणा पर पंजाब की जीत में चमके संदीप

वडोदरा, प्रेट्र : संदीप शर्मा (19-7) की घातक गेंदबाजी के दम पर पंजाब ने मोती बाग स्टेडियम में रविवार को खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप मुकाबले में हरियाणा को तीन विकेट से हरा दिया। हरियाणा की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.1 ओवरों में सभी विकेट गंवाकर 49 रन बनाए। उसकी ओर से नितिन सैनी ने सबसे अधिक 22 तथा सुमित कुमार ने 13 रन बनाए, जबकि बाकी और कोई बल्लेबाज दहाई तक नहीं पहुंच सका।

बेहतर प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और उनकी टीम इसी प्रदर्शन को आगे भी जारी रखने की कोशिश करेगी।
– जसवीर सिंह, कोच यूपी योद्धा

लिवरपूल जीता, टॉटनहम की एक और हार

फुटबॉल ▶ ईपीएल में लिवरपूल ने लीसेस्टर को हराकर लगातार 17वीं जीत दर्ज की

ब्रिज्टन के हाथों 0-3 से हारा टॉटनहम

लंदन, एएफपी : इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में लिवरपूल ने लीसेस्टर को 2-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए आठ अंकों की बढ़त हासिल कर ली जहां विजेता टीम के लिए जॉन मिल्नर ने इंजुरी टाइम में निर्णायक गोल दागा। वहीं ब्रिज्टन के खिलाफ 0-3 से शर्मनाक हार के बाद टॉटनहम की मुश्किलें और बढ़ गईं।

एनफील्ड में लिवरपूल ने सादियो माने (40वें मिनट) के गोल की बदौलत शुरुआती बढ़त बनाई। यह माने का लिवरपूल के लिए 100वें मुकाबले में 50वां गोल रहा। इसके बाद जेम्स मेडिसोन (80वें मिनट) ने निर्धारित समय से 10 मिनट पहले गोल करके लीसेस्टर को बराबरी दिलाई। हालांकि इंजुरी टाइम के पांचवें मिनट में मिल्नर ने विरोधी टीम की गलती का फायदा उठाकर पेनाल्टी किक के जरिये गोल करके लिवरपूल को लीग में लगातार 17वीं जीत दिला दी। लीसेस्टर के मौजूदा और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर ब्रैंडन रॉजर्स इस मुकाबले में जीत की उम्मीद से उतरे थे लेकिन वह जीत नहीं दर्ज कर सके।

ईपीएल के एक अन्य मुकाबले में शनिवार को एवर्टन को बर्नले के खिलाफ 0-1 से हार झेलनी पड़ी। वहीं एस्टन विला ने नॉर्विक सिटी को 5-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले को देखने के लिए प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट भी पहुंचीं।

लॉरिस हुए चोटिल : उधर एमेक्स स्टेडियम में टॉटनहम को एक और हार से गुजरना पड़ा जहां उसके गोलकीपर हुगो लॉरिस के हाथ में गंभीर चोट आई और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। खेल के तीसरे ही मिनट में लॉरिस गेंद को पकड़ने के चक्कर में अपना हाथ चोटिल कर बैठे। लॉरिस की चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। नील मापे की किक को रोकने के प्रयास में वह अपना हाथ चोटिल कर बैठे। वह गेंद को रोक भी नहीं पाए और ब्रिज्टन ने बढ़त बना ली। इसके बाद आरोन कोनोली (32वें और 65वें मिनट) ने दो बार गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर ब्रिज्टन को शानदार जीत दिलाई। मैनेजर मॉरिसियो पोचेटिनो के मार्गदर्शन में यह टॉटनहम के सबसे खराब लीग मुकाबलों में से एक रहा। इससे पहले चैंपियंस लीग में टॉटनहम को बायर्न म्यूनिख के खिलाफ 2-7 से करारी शिकस्त मिली थी। पोचेटिनो ने भी माना कि लॉरिस की चोट की वजह से इस मुकाबले के नतीजे पर बड़ा असर पड़ा क्योंकि यह मुकाबले के शुरुआत में ही घटना घट गई।

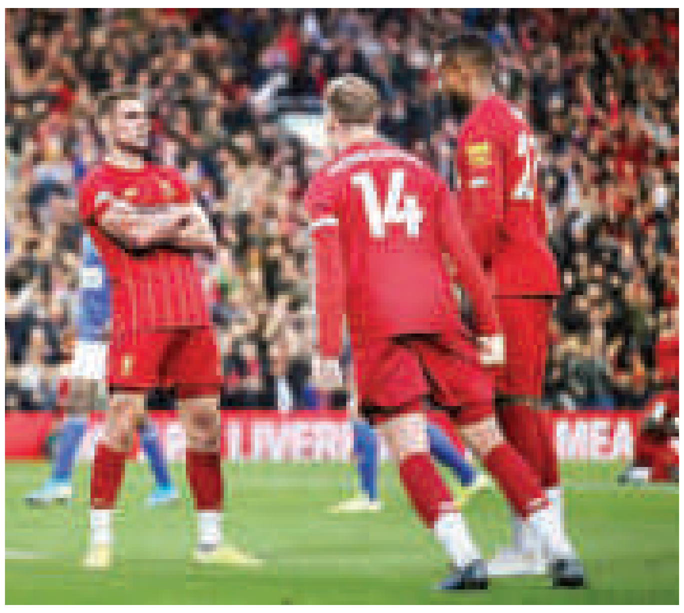

गोल बनाने के बाद जश्न मनाते लिवरपूल के खिलाड़ी। रायटर

बायर्न की हैरानी भरी हार

बर्लिन : जर्मन फुटबॉल लीग बुंडिशलीगा में बायर्न को होफेनहीम के खिलाफ हैरान करने वाली 1-2 की हार का सामना करना पड़ा। होफेनहीम के लिए सर्गिस एडम्यान ने दोनों गोल दागे और इस सत्र में बायर्न को पहली हार झेलने के लिए मजबूर कर दिया। बायर्न की ओर से रॉबर्टो लेवांदोवोस्की ने इकलौता गोल किया। उधर लीग के एक अन्य अहम मुकाबले में बोरुसिया डोर्टमंड ने फ्रेबर्ग के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। खेल के 90वें मिनट में डोर्टमंड को आत्मघाती गोल की वजह से अपनी बढ़त गंवानी पड़ी।

पीएसजी की जीत में सराबिया चमके

पेरिस : पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच लीग-1 में एंजर्स को 4-0 से हराकर अंक तालिका में पांच अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान पीएसजी से हाल ही में जुड़े पाब्लो सराबिया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल के मौके भी तैयार किए। सराबिया (13वें मिनट) के अलावा मॉरो इकार्डी (37वें मिनट), आड्रिसा ग्ये (59वें मिनट) और नेमार (90वें मिनट) ने गोल दागे।

रीयल की ओर से हैजार्ड का पहला गोल

मैड्रिड : स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में शनिवार को रीयल मैड्रिड ने ग्रेनाडा को 4-2 से हराकर शीर्ष पर रहते हुए चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इस मुकाबले में ईडन हैजार्ड ने अपने नए क्लब रीयल मैड्रिड की ओर से पहला गोल दागा। करीम बेंजमा (दूसरे मिनट) ने रीयल को शुरुआती मिनटों में ही बढ़त दिलाई जबकि पहले हाफ के इंजुरी टाइम में हैजार्ड ने गोल करके रीयल को दोहरी बढ़त दिलाई। इसके बाद हैजार्ड ने लुका मॉड्रिक (61वें मिनट) द्वारा किए गए तीसरे गोल में भी मदद पहुंचाई। ग्रेनाडा ने डार्विन माचिस (69वें मिनट) और डोमिंगोस डुराते (77वें मिनट) के गोल की बदौलत वापसी करने की कोशिश की लेकिन इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में स्थानापन्न जेम्स रॉड्रिग्ज ने गोल करके रीयल की जीत सुनिश्चित कर दी। रीयल अंक तालिका में आठ मुकाबलों के बाद 18 अंक हैं।

बास्केटबॉल प्रेमियों का दिल जीतने में सफल रहा एनबीए इन इंडिया

मुंबई, आइएएनएस : भारत में बास्केटबॉल के अब तक के सबसे बड़ा महोत्सव एनबीए इन इंडिया इस खेल के प्रेमियों का दिल जीतने में सफल रहा। एक तरफ जहां हाउडी मोदी कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका जिक्र किया तो दूसरी ओर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे फिट इंडिया मूवमेंट के लिए काफी अहम करार दिया। भारत में बास्केटबॉल के खेल को लोकप्रिय बनाने और गति प्रदान करने के लिए नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) ने एनबीए इन इंडिया अभियान के तहत पहली बार प्री-सीजन मैचों का आयोजन किया। इंडियाना पेसर्स और सैक्रेमेंटो किंग्स ने यहां दो मुकाबले खेले, जिसे लोगों का भरपूर प्यार मिला।

एनएससीआई डोम में खेल मंत्री किरण रिजिजू सहित हजारों दर्शक इसका लुत्फ लेने पहुंचे। अन्य सेलीब्रेटीड में प्रियंका चोपड़ा, सोनम कपूर एवं राहुल बोस जैसे कई अहम बॉलीवुड सितारे शामिल रहे। दोनों मैचों में पेसर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए किंग्स को शिकस्त दी और नए सत्र की शुरूआत से पहले अपने मनोबल को बढ़ाया। मैचों के साथ-साथ दर्शकों को पूर्व दिग्गज बास्केटबॉल खिलाड़ियों भी देखना नसीब हुआ। लैरी बर्ड और डिकेम्बा मुटोम्बो जैसे महान खिलाड़ियों को देखकर दर्शक खुशी से झूम उठे। प्रियंका भी मैच से पहले बर्ड से मिलीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बर्ड के साथ फोटो भी साझा की।

एनबीए, रिलायंस फाउंडेशन और एनबीए इंडिया के साझा प्रयासों से आयोजित मैचों के दौरान दर्शकों ने बर्ड और दोनों टीमों के खिलाड़ियों के नाम के नारे लगाए। मैच की सभी टिकटें काफी पहले बिक गई थीं, जो यह दर्शाता है कि एनबीए का भारत में कितना क्रेज है। मुकाबले की सबसे महंगी टिकट करीब 85,000 रुपये की बिकी। मैच का लुत्फ उठाने के लिए 8,000 रुपये की टिकट खरीदकर स्टेडियम पहुंचे एक दर्शक रोहन सक्सेना ने कहा,मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि मैं एनबीए का लाइव मैच मुंबई में देख रहा हूं। मैं चाहता हूं कि हमें भारत में हर साल ऐसे मैच देखने का मौका मिले।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बास्केटबॉल खिलाड़ी एनबीए में खेलते हैं और इन्हें लाइव देखाना किसी सपने के सच होने जैसा है। एनबीए के भारत में आने से बास्केटबॉल बहुत आगे बढ़ेगा और खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। केवल दर्शक ही नहीं बॉलीवुड के सितारें भी इसे लेकर काफी उत्सहित नजर आए। अभिनेता राहुल बोस ने कहा कि उनका मानना है कि इन मैचों से देश में बास्केटबॉल की लोकप्रियता पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

बोस ने मुकाबलों के दौरान कहा,यह बहुत शानदार है। किसी भी खेल के शीर्ष खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना एक अलग अनुभव है। मैं एनबीए मैच देखने के लिए लॉस एंजेलिस जाता था और मैंने 2000 से 2003 के बीच लेकर्स के कई मैच देखे, लेकिन अब मैं अपने घर से दो किलोमीटर दूर ही एनबीए के मुकाबले देख सकता हूं। एशिया में एनबीए का सबसे बड़ा मार्केट चीन है।

वर्ष 2002 में चीन के याओ मिंग एनबीए की शीर्ष टीमों में से एक ह्यूस्टन रॉकेट्स में शामिल हुए थे। मिंग के आने के दो साल बाद ही एनबीए ने चीन में प्री-सीजन मुकाबलों को आयोजन किया और उसके बाद देश में बास्केटबॉल ने अलग रफ्तार पकड़ ली। एनबीए भारत में भी कुछ ऐसा ही करने की सोच रहा है। चीन में मौजूद पेशेवर बास्केटबाल लीग का स्तर भी काफी अच्छा है और इसके जरिए कई खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है। भारत में फिलहाल, बास्केटबॉल खिलाड़ियों के लिए एक भी पेशेवर लीग नहीं है।

शनिवार को मैच देखने के लिए भारत के खेल मंत्री किरण रिजिजू भी यहां पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश में बास्केटबॉल के खेले को आगे ले जाने के लिए सरकार पूरी कोशिश करेगी। रिजिजू ने कहा कि हम भारत में खेल को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं और बास्केटबॉल एक ऐसा खेल है जो देश में बहुत लोकप्रिय हो सकता है। भारत में एनबीए का मैच होना एक बड़ी बात है, भले ही यह एक प्री-सीजन मैच हो। खेल मंत्री रिजिजू ने कहा कि मैं निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए काम करुंगा कि बास्केटबॉल देश में आगे बढ़े और साथ ही यहां एक खेल संस्कृति भी पैदा हो। बास्केटबॉल को सरकार अपना पूरा समर्थन देगी।

क्रिस्टीन वोल्फ ने जीता खिताब

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : ऑस्ट्रिया की क्रिस्टीन वोल्फ ने वुमैन प्रोफेशनल गोल्फ टूर 2019 टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीत ली। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चार दिन चले मुकाबलों में वोल्फ ने तीसरे दिन शानदार खेलते हुए बढ़त बनाई थी और चौथे दिन के खेल में अच्छा खेलते हुए ट्रॉफी हासिल की। क्रिस्टीन ने चार दिन में 73, 68, 67, 69- 277 का स्कोर कर ट्रॉफी के साथ 75 हजार यूएस डॉलर (करीब 52 लाख रुपये) इनाम हासिल किए। दूसरे स्थान पर नार्वे की मैरिएन स्कापर्नोर्ड रही।

मैरिएन ने 68, 71, 71, 70-280 का स्कोर बनाया। तीसरे स्थान पर रहीं ब्रिटेन की मेघन मैकलॉरेन ने 281 का स्कोर बनाया। भारत की अनिका वर्मा 285 के स्कोर कर पांचवें स्थान पर और त्वेसा मलिक 287 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं। 2017 की चैंपियन फ्रांस की केमिली शेवलियर और 2018 की चैंपियन वेल्स की बेकी मोर्गन चारों दिन के मुकाबले में नहीं दिखी।

मैराथन में गोपी थोनाकल 21वें स्थान पर रहे

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दोहा, प्रेट्र : एशियन चैंपियन गोपी थोनाकल रविवार को यहां पुरुष मैराथन में 21वें स्थान पर रहे, जबकि भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत मिक्स्ड सफलता के साथ किया। भारत की 27 सदस्यीय टीम से किसी पदक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन इस विश्व चैंपियनशिप में टीम ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और मिक्स्ड चार गुणा 400 मीटर रिले, पुरुष 3000 मीटर दौड़ स्टीपलचेज और महिला भाला फेंक के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। लंबी कूद में 2003 में अंजू बॉबी जॉर्ज का कांस्य पदक विश्व चैंपियनशिप में अब तक भारत का एकमात्र पदक है।

फाइनल में जगह बनाने वाले स्टीपलचेज धावक अविनाश साब्ले और मिक्स्ड चार गुणा 400 मीटर टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 के लिए भी क्वालीफाई किया, जबकि भाला फेंक में अन्नू रानी आठवें स्थान पर रहीं। अन्नू भाला फेंक के फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, जबकि अविनाश ने तीन दिन में दो बार अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। बीजिंग में 2015 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में तीन भारतीयों ने जगह बनाई थी, जबकि 2017 में लंदन में हुई विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में सिर्फ एक भारतीय पहुंचा था। गोपी ने दो घंटे 15 मिनट और 57 सेकेंड का समय लिया और स्पर्धा को पूरा करने वाले 55 धावकों में शीर्ष हाफ में जगह बनाई। इस स्पर्धा का आयोजन लगभग 29 डिग्री सेल्सियस तापमान और लगभग 50 प्रतिशत आर्द्रता में किया गया।

मैराथन की शुरुआत 73 धावकों ने की थी, लेकिन 18 खिलाड़ी इसे पूरा नहीं कर पाए। चीन में 2017 में दो घंटे 15 मिनट और 48 सेकेंड के समय के साथ गोपी ने मार्च में सोल में दो घंटे 13 मिनट और 39 सेकेंड का अपना सत्र का और निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। गोपी हालांकि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे जिसका क्वालीफाइंग स्तर दो घंटे 11 मिनट और 30 सेकेंड था। इथोपिया के लेलिसा देसिसा (दो घंटे 10 मिनट और 40 सेकेंड) और मोसिनेट गेरेम्यू (दो घंटे 10 मिनट और 44 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर कब्जा जमाया, जबकि केन्या के एमोस किपरुतो ने दो घंटा 10 मिनट और 51 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता।

शनिवार को भारत की पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने निराश किया जबकि भाला फेंक में शिवपाल सिंह भी विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए। जिस्ना मैथ्यू, एमआर पूवम्मा, वीके विस्मया और वेंकटेशन सुभा की भारतीय महिला टीम तीन मिनट 29.42 सेकेंड के समय के साथ हीट एक में छठे और पहले दौर की हीट में कुल 11वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं। टीम ने हालांकि मई में जापान के योकोहामा में आइएएएफ विश्व रिले के दौरान तीन मिनट 31.93 सेकेंड के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया। बाद में अमोज जेकब, मुहम्मद अनस, के सुरेश जीवन और नोह निर्मल टाम की पुरुष टीम भी तीन मिनट 3.09 सेकेंड के समय के साथ दूसरी हीट में सातवें और 16 टीमों में कुल 13वें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इससे पहले शिवपाल सिंह भी क्वालीफिकेशन दौर में कुल 24वें स्थान पर रहते हुए भाला फेंक के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

24 वर्षीय शिवपाल ने 75.91 मीटर से शुरुआत की और फिर 78.97 मीटर का प्रयास किया। शिवपाल का तीसरा प्रयास फाउल रहा जिससे वह विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 86.23 मीटर है। क्वालीफाइंग में 84 मीटर की दूरी तय करने वाले या कम से कम 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। गत विजेता जर्मनी के योहानेस वेटर 89.35 मीटर के साथ क्वालीफाइंग में शीर्ष पर रहे।

विविध

पीएम मोदी 19-20 अक्टूबर को आ सकते हैं केदारनाथ

राज्य ब्यूरो, देहरादून

▶ केदारनाथधाम के प्रति है प्रधानमंत्री की आगाध श्रद्धा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर केदारनाथ धाम के दौरे पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री के 19 और 20 अक्टूबर को दो दिवसीय केदारनाथ धाम के दौरे की चर्चाएं सोशल मीडिया में तेजी से चल रही हैं। हालांकि इसकी अभी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। केदारनाथधाम के प्रति उनकी अगाध आस्था है। केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों पर भी वह स्वयं नजर रखे हुए हैं और समय-समय पर इसके लिए दिशा-निर्देश भी जारी करते हैं। एक दौरे में प्रधानमंत्री ने केदारनाथ के नजदीक ही गरुड़चट्टी में साधना की थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद वह तीन बार केदारनाथ आ चुके हैं। पिछली बार लोकसभा चुनाव की आपाधापी से निपटने के बाद वह केदारनाथ धाम में एक रात ध्यान गुफा में साधना में बैठे थे।

उनके इस दौरे के बाद यह ध्यान गुफा काफी प्रसिद्ध हो गई है और बड़ी संख्या में यात्री यहां ध्यान लगाने आते हैं। अगर मोदी इस बार केदारनाथधाम आते हैं तो यह प्रधानमंत्री के रूप में उनका वहां का चौथा दौरा होगा। प्रधानमंत्री के संभावित दौरा की फिलहाल सोशल मीडिया पर ही चर्चा चल रहा है। रूद्रप्रयाग जिला प्रशासन और बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने फिलहाल प्रधानमंत्री के दौरे की किसी अधिकारिक सूचना से इंकार किया है। बदरी केदार मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह का कहना है कि सोशल मीडिया से ही प्रधानमंत्री के दौरे की खबरें मिल रही हैं। यदि वह आते हैं तो मंदिर समिति की तैयारियां पूरी हैं। रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे का कोई अधिकारिक कार्यक्रम अभी जिला प्रशासन को नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी तीन बार केदारनाथ आ चुके हैं। (फाइल)

पूरी होगी अखंड भारत की इच्छा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

▶ गोरखपुर में श्रीराम कथा सुनाते हुए संत मोरारी बापू ने कही यह बात

▶ बोले, राम नाम महामंत्र है, चाहे जैसे भी लो, मुक्ति हो जाएगी

अखंड भारत होगा, सबकी यह इच्छा है और ऐसा होकर रहेगा। ये बातें प्रख्यात संत मोरारी बापू ने कहीं। वह रविवार को यहां श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा सुना रहे थे।

श्रीराम कथा 'मानस जोगी' ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में गोरखनाथ मंदिर व श्रीराम कथा प्रेम यज्ञ समिति के तत्वावधान में आयोजित की गई है। मोरारी बापू ने राम नाम को महामंत्र बताया और कहा कि जयश्रीराम आंदोलन नहीं, आनंदांदोलन है। पश्चिम बंगाल की दीदी ने कहा कि जयश्रीराम नहीं, जयसियाराम, मैंने स्वीकार कर लिया। मुझे खुशी हुई कि दीदी ने हमारे ठाकुर का नाम तो लिया। जयसियाराम षडाक्षर और जयश्रीराम पंचाक्षर मंत्र है। यदि यह लंबा लगे तो केवल 'राम' बोलो, यह महामंत्र है। कलियुग में सहज, सुलभ राम नाम है। यह साध्य है। राम-राम रटने पर राम का दर्शन हो, न हो, लेकिन रटने वाला राम बन जाता है। राम नाम, राम से भी बड़ा है। राम नाम लिख देने से पत्थर समुद्र में तैरने लगा और सेतु बन गया। लंका पर विजय प्राप्त कर राम ने अयोध्या में रामराज्य स्थापित किया।

सर्व स्वीकार एकमात्र उपाय : सब स्वीकार कर लो। जो हो रहा है, सब उसकी मर्जी से हो रहा है। फल को भी उसका मानकर स्वीकार कर लो, यही उपाय है। कर्म के सिद्धांत में न उलझो, वह कठिन व गहरा है।

शुद्धं शरणं गच्छामि : मोरारी बापू ने कहा कि बुद्धं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि ठीक है। लेकिन 2500 साल पहले के सूत्र हैं। संघं या समूह में नहीं संगम में जाओ जहां समन्वय हो। मैं तुम्हें सूत्र देता हूं- शुद्धं शरणं गच्छामि, धन्यं शरणं गच्छामि, संगम शरणं गच्छामि।

गोरखपुर के चंपादेवी पार्क में रामकथा सुनाते सुप्रसिद्ध कथावाचक मोरारी बापू। जागरण

रेत-बजरी व खड़िया खनन के 65 प्रस्तावों पर मुहर जल्द

राज्य ब्यूरो, देहरादून

▶ खनन विभाग ने सीआ को भेजी राज्य के सभी जिलों की डीएसआर

▶ जिला सर्वे रिपोर्ट में शामिल 65 प्रस्तावों में ईसी पर सीआ लेगा निर्णय

पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तराखंड में खड़िया और रेत-बजरी खनन के प्रस्तावों पर जल्द फैसला होगा। केंद्र सरकार की वर्ष 2016 की खनन नियमावली के तहत खनन विभाग ने सभी जिलों की जिला सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण (सीआ) को भेज दी है। इसके साथ ही खनन के लिए 65 प्रस्ताव दिए गए हैं, जिनमें खनन पट्टे आवंटित किए जाने हैं। सीआ की जल्द होने वाली बैठक में इनका परीक्षण कर इन खनन पट्टों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में निर्णय होगा। इसके बाद पट्टों की राह आसान हो जाएगी।

प्रदेशभर में सरकारी और निजी क्षेत्र को विभिन्न नदियों में खनन पट्टे आवंटित किए गए हैं। इन पट्टों के क्षेत्र में बेतरतीब खनन को देखते हुए पिछले साल यह मसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में पहुंचा। ट्रिब्यूनल ने आदेश दिए थे कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2016 में जारी खनन नियमावली के तहत खनन पट्टे जारी किए जाएं। नियमावली में साफ है कि पट्टे जारी करने से पहले प्रत्येक जिले में डीएसआर तैयार कराई जाए। इस सर्वे रिपोर्ट में बताना होगा कि संबंधित जिले की नदियों व अन्य क्षेत्रों में चुगान योग्य कितना घन मीटर रेत-बजरी व खड़िया है और कहां-कहां पर है। कारण सहित ये भी बताना है कि किस जगह पर कितना खनन किया जा सकता है। डीएसआर के लिए सर्वे के झंझट को देखते हुए राज्य में केंद्रीय खनन नियमावली के इस प्रावधान का अनुपालन नहीं हो पा रहा था।

सीआ ने सख्त रुख अपनाते हुए खनन विभाग को निर्देश जारी किए थे कि वह जल्द से डीएसआर तैयार कर उसे उपलब्ध कराए। खनन विभाग को यह भी निर्देश दिए गए थे कि जहां भी खनन के कारण किसी प्रकार की क्षति होगी, उसके लिए विभाग की कार्ययोजना क्या है। लंबे इंतजार के बार खनन विभाग ने कवायद पूरी कर सीआ को भेज दी है।

सीआ के अध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी ने सभी जिलों की डीएसआर मिलने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि डीएसआर के साथ ही सभी जिलों में खनन के 65 प्रस्ताव भी दिए गए हैं। इनमें खड़िया के 26 और रेत-बजरी चुगान के 39 प्रस्ताव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि डीएसआर और खनन प्रस्तावों के बारे में खनन विभाग से कुछ स्पष्टीकरण मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि सीआ की जल्द प्रस्तावित बैठक में डीएसआर के साथ ही खनन प्रस्तावों की पड़ताल की जाएगी। इस बैठक में ही खनन पट्टों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद ही शासन की अनुमति मिलने पर खनन पट्टों में उपखनिज चुगान हो सकेगा। सूत्रों को कहना है कि इसे लेकर जल्द ही फैसला लिया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि उत्तराखंड में खनन को लेकर कई बार विवाद हो चुका है।

आर्मी का जवान बन ओएलएक्स पर करता था ठगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ पुलिस ने शातिर बदमाश को राजस्थान के भरतपुर से किया गिरफ्तार

ओएलएक्स पर आर्मी का जवान बनकर लोगों को ठगने वाले शातिर बदमाश को शाहदरा जिले की साइबर सेल व फर्श बाजार थाना पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की पहचान राजस्थान के भरतपुर के बामनी निवासी अकरम (24) के रूप में हुई है। उसने दो माह के अंदर 79 लाख रुपये ठगकर गांव में जमीन, नई कार और ट्रैक्टर तक खरीद लिया। पुलिस ने बदमाश के 15 बैंक और 12 पेटीएम खाते ब्लॉक कर दिए हैं।

शाहदरा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिखा तिवारी नामक की अधिवक्ता से कुछ समय पहले ठगी हुई थी। पीड़िता ने ओएलएक्स पर एक आर्मी के जवान की प्रोफाइल देखकर उसकी पुरानी बुलेट बाइक खरीदने की इच्छा जाहिर की थी। आरोपित ने अपना नाम दीपक कपूर बताया और बुलेट एक लाख 30 हजार में देने की बात कही। आरोपित ने पीड़िता का भरोसा जीतने के लिए आर्मी के जवान के आइकार्ड की कॉपी और गाड़ी के कागज उसे वाट्सएप कर दिए। इसके बाद आरोपित ने पीड़िता से सारी रकम अपने पेटीएम नंबर पर मंगवा ली। पीड़िता के रकम भेजने के बाद आरोपित ने अपना फोन बंद कर लिया। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने जांच के लिए एसआइ राहुल, एसआइ अशोक, हेड कांस्टेबल मोहित मलिक और विकास व मोनिका, दीपशिखा की टीम बनाई। टीम ने पेटीएम खाते की जांच की तो पता चला कि वह बामनी गांव के एक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर है और उसके अलग अलग पेटीएम खाते में रकम भेजी गई है। पुलिस ने राजस्थान जाकर अकरम को दबोच लिया। उसने अधिवक्ता के साथ ठगी करने की बात कुबूल कर ली।

पूछताछ में अकरम ने पुलिस को बताया कि उसने आसिफ नामक युवक एक एक्टिवेटेड पेटीएम वॉलेट व आर्मी के जवान का फर्जी आइकार्ड खरीदा था। उसके बाद उसने ओएलएक्स पर आर्मी का जवान बनकर एक अकाउंट बनाया और कार, बाइक व मोबाइल की फोटो अपलोड कर दी। उसने सभी सामान की कीमत इतनी कम रखी की लोग खरीदने पर मजबूर हो जाएं। जब लोग उसके झांसे में आ जाते थे तो वह उन्हें वाट्सएप नंबर पर आइकार्ड की फोटो और नकली कागजात भेज देता था। पेटीएम पर पैसा मंगवाकर अपना फोन बंद कर लेता था।

अकरम ने पुलिस को बताया कि उसके गांव व आसपास के गांव में अधिकतर लोग ऑनलाइन ठगी करते हैं। आरोपित का दावा है कि करीब 200 लोग इस तरह के कार्य में लिप्त हैं। उसने बताया कि पांच से 12 लोगों की टीम सोमवार से शुक्रवार तक ठगी करती है। शनिवार और रविवार को अलग टीम लोगों को ठगती है।

सुपारी देकर कराई गई थी रागिनी गायिका की हत्या, पर्दाफाश जल्द

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

बीटा दो कोतवाली क्षेत्र स्थित मित्रा सोसायटी में रहने वाले रागिनी गायिका सुषमा की हत्या सुपारी देकर शार्प शूटरों से करवाई गई थी। हत्या में करीबियों का हाथ है। पुलिस कभी भी मामले का पर्दाफाश कर सकती है। सूत्रों ने दावा किया है कि कुछ संदिग्धों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया था। उनसे पूछताछ में हत्या का कारण व शामिल लोगों के संबंध में पुलिस को जानकारी मिली है। अब तक हत्या के मामले की चार कोण से जांच कर रही पुलिस एक कोण पर आकर टिक गई है। बताया गया है कि शूटरों को सुपारी देने के लिए भी किसी अन्य व्यक्ति की मदद ली गई थी।

उल्लेखनीय है कि मूल रूप से जहांगीरपुर कस्बे की रहने वाली सुषमा रागिनी गायिका थी। उनका चार साल पहले अपने पति से तलाक हो गया था। वह गजेंद्र भाटी नाम के व्यक्ति के साथ मित्रा सोसायटी में लिव इन रिलेशन में रहती थी। बीते 19 अगस्त को उन पर बुलंदशहर में हुए हमले की जांच की स्थिति जानने के लिए वह मंगलवार को वहां गई थी। वहां से जब वापस ग्रेटर नोएडा की मित्रा सोसायटी पहुंची तो चार गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। पुलिस चार अलग-अलग कोण से मामले की जांच कर रही थी। लेकिन पुलिस अब नतीजे पर पहुंचती नजर आ रही है। सूत्रों ने दावा किया है कि जो लोग हत्या में शामिल है पुलिस उनके करीब पहुंच गई है। एसपी देहात रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस टीम मामले के पर्दाफाश में जुटी हुई है। जल्द ही आरोपित पुलिस की गिरफ्त में होंगे। सूत्रों ने दावा किया है कि रागिनी गायिका की हत्या में महिला भी शामिल है। महिला के शामिल होने के पीछे एक खास वजह बताई जा रही है।

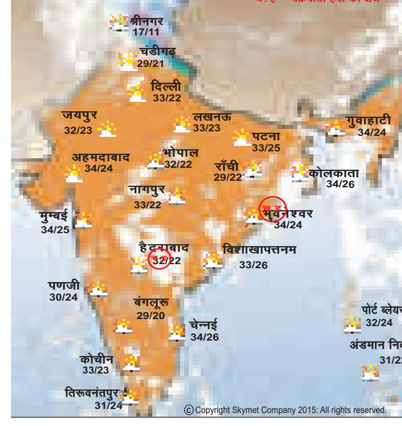

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। राजस्थान के उत्तर पश्चिम भागों में हल्की बुंदाबांदी की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित राजस्थान के शेष भागों में मौसम बादलों के साथ शुष्क बना रहेगा। दिन का मौसम गर्म तथा रात सुहावनी रहेगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	33/24/व	अहमदाबाद	35/26/व
कोलकाता	33/25/आंबा	बड़ौदा	34/26/सा
चेन्नई	34/25/व	नागपुर	34/23/व
हैदराबाद	32/22/आंबा	इन्दौर	31/22/आंबा
बंगलूरू	29/19/आंबा	रांँची	29/21/व
त्रिवेन्द्रम	32/25/आंबा	पटना	31/23/आंबा
गुवाहाटी	29/21/व	जमशेदपुर	30/22/सा
गंगटोक	16/03/व	पुणे	30/21/व

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 7 अक्टूबर 2019
आजकल
www.jagran.com

रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का गठन किया गया

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के इस विशिष्ट विंग को 11 दिसंबर 1991 में तैयार किया गया लेकिन सात अक्टूबर 1992 से इसने काम शुरू किया। अचानक शुरू हुए दंगे, दंगे की स्थिति, भीड़ नियंत्रण और राहत एवं बचाव कार्यों में इसके जवानों को महारत होती है।

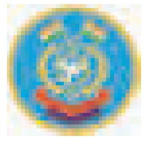

अमेरिका ने शुरू किया ऑपरेशन एनड्यूरिंग फ्रीडम

अमेरिका पर हुए 11 सितंबर 2001 के हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ इसने 2001 में आज ही यह ऑपरेशन शुरू किया। तालिबान और अलकायदा को निशाना बनाते हुए अफगानिस्तान पर हमला हुआ। 13 साल दो महीने और तीन सप्ताह तक चले इस ऑपरेशन को 28 दिसंबर 2014 को बंद कर दिया गया।

मल्लिका ए गजल बेगम अख्तर के सुरों का जमाना दीवाना

बेगम अख्तर के नाम से जानी जाने वाली अख्तरी बाई फैजाबादी का जन्म 1914 में आज ही फैजाबाद (अब अयोध्या) में हुआ था। शास्त्रीय संगीत की गजल, दादरा और ठुमरी विधा में ये सर्वश्रेष्ठ गायिकाओं में से एक रही हैं। 15 साल की उम्र में पहली बार सार्वजनिक मंच पर कला का प्रदर्शन किया। एक कार्यक्रम में इनके हुनर की भारत कोकिला सरोजनी नायडू ने जमकर तारीफ की। 1968 में पद्मश्री, 1972 में संगीत नाटक अकादमी और मरणोपरांत 1975 में पद्मभूषण मिला। 30 अक्टूबर 1974 को अहमदाबाद में आखिरी सांस ली।

इधर-उधर की

शादी में दुल्हन ने पिता को ऐसे किया याद

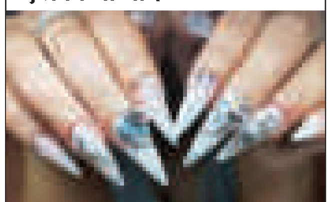

लंदन, एजेंसी : यह एक बेटी की उसके पिता के प्रति अटूट प्यार की कहानी है। चार्लोट वाटसन और अब उनके पति निक की जब शादी तय हो गई थी, तब उन्हें पता चला कि दुल्हन के पिता कैंसर के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। लिहाजा उन्होंने शादी की तारीख और पहले कर ली। लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था, उनके पिता शादी से पहले ही दिवंगत हो गए। चार्लोट को पिता की कमी बहुत खल रही थी। ऐसे में नेल आर्टिस्ट (नाखून पर कलाकारी करने वाला) उसके चचेरे भाई ने राह निकाली। उसने सुझाया कि वह चार्लोट के नाखून पर पिता के चिता की राख को कलात्मक ढंग से सजा देगा। शादी के बाद चार्लोट ने कहा कि सचमुच मुझे शादी में पिता की उपस्थिति का आभास होता रहा। यही नहीं, चार्लोट ने शादी में अपने पिता को अन्य तरीकों से भी याद किया। जूते के पिछले हिस्से में उनकी तस्वीर लगाई। एक गुलदस्ते में, टेडी बियर में और जींस में भी पिता की तस्वीर मौजूद रही।

हिंदुस्तानी खान-पान की शान बनना चाहता है अमेरिकी अखरोट

विजय गुप्ता, सैन फ्रांसिस्को

- भारत में आयात शुल्क बढ़ने से चिंतित लेकिन आशावान है कैलिफोर्निया
- ओमेगा-3 से भरपूर यह मेवा लोगों को रखेगा सेहतमंद

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की सैक्रमेंटो वैली में आधुनिक तकनीक से प्रोसेस किया जा रहा अखरोट। जागरण

भारत में शाकाहारियों की बड़ी संख्या, कैंसर और हृदय रोग, शुगर के रोगी और लगातार बढ़ता मानसिक तनाव। भारत की इस स्थिति के मद्देनजर अमेरिकी अखरोट हिंदुस्तानियों के खान-पान का जरूरी हिस्सा बनकर उन्हें शान से सेहतमंद रखने के लिए तैयार है। विश्व में सबसे उच्च स्तरीय अखरोट पैदा करने वाला अमेरिका का कैलिफोर्निया प्रांत भारतीयों को यह बताना चाहता है कि उनकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा ओमेगा-3 वाला यह मेवा क्यों जरूरी है और भोजन में इसका बहुआयामी इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है।

कैलिफोर्निया अपने ज्यादा से ज्यादा अखरोट को वैश्विक बाजार में पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। वह दुनिया को यह भी बता रहा है उसका अखरोट बाकी जगह के उत्पाद से कैसे उत्कृष्ट है। आक्रामक और असरदार मार्केटिंग के बल पर अखरोट निर्यात में अमेरिका ने चीन को पछाड़ दिया है, जो दुनिया का सबसे बड़ा अखरोट उत्पाद देश है। हालांकि भारत में शुल्क बढ़ने के कारण आयात कम होने से कैलिफोर्निया चिंतित है लेकिन उसे आशा है कि गुणवत्ता और कई तरह के बाय प्रोडक्ट्स के जरिये वह भारत के बड़े बाजार में जगह बना ही लेगा।

भारत की जरूरत पर नजर : कैलिफोर्निया वालनट (अखरोट) कमीशन की सीनियर मार्केटिंग डायरेक्टर पामेला ग्रेविएट का कहना है कि बेशक भारत के कश्मीर और अन्य राज्यों में अखरोट पैदा होता है लेकिन वहां की जरूरत कहीं ज्यादा है। हालांकि, वह भारत में 2018 में उससे पिछले साल की अपेक्षा लगभग आधी मात्रा में अखरोट का कैलिफोर्निया से आयात पर चिंता भी जताती हैं। वह कहती हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते जो भी रहें भारत को उच्च गुणवत्ता के अखरोट का आयात करना ही होगा। भारत में अखरोट की गिरी के आयात पर 100 फीसद से ज्यादा शुल्क है। बागवानी से लेकर प्रोसेसिंग तक में लगातार रिसर्च और नई तकनीकों के इस्तेमाल के परिणाम स्वरूप कम नमी, अच्छे रंग और आकार, ज्यादा पौष्टिकता, स्वाद और स्वास्थ्य सुरक्षा के उच्च मानकों को पूरा करने वाला कैलिफोर्निया का अखरोट भारत व अन्य देशों के उत्पाद पर अपनी श्रेष्ठता बनाए हुए है। कमीशन का प्रयास है कि भारतीयों की भोजन की आदतों और सेहत को लेकर कुछ रिसर्च करवाए जाएं ताकि यह साबित किया जा सके कि क्यों यहां के खानपान में अखरोट जैसे मेवे की जरूरत सबसे ज्यादा है।

गंभीर बीमारियों से बचाव करता है अखरोट : वालनट कमीशन की हेल्थ रिसर्च डायरेक्टर कैरोल स्लोन भी इस बात का दावा करती हैं कि भारत के लोगों के खानपान में शाकाहार ज्यादा होने की वजह से प्रोटीन जैसे तत्वों कमी को दूर करने के लिए अखरोट बेहद लाभकारी है। सबसे ज्यादा ओमेगा-3 तत्व वाला मेवा होने के कारण अखरोट में अल्फा लिनोनिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है। यह कई तरह के कैंसर, हृदय रोग, मानसिक अवसाद और शुगर जैसी बीमारियों से बचाव के लिए बेहद कारगर है।

कैरोल का मानना है कि भारत में बढ़ते शहरीकरण के कारण बदलते लाइफस्टाइल में खानपान की आदतों में स्नैक्स भी शामिल हो गए हैं। अगर अखरोट को ब्रेकफास्ट से लेकर स्नैक्स तक में शामिल कर लिया जाए तो यह भारतीयों के लिए पौष्टिकता का बेहतर खजाना साबित होगा।

कई फ्लेवर के अखरोट बाजार में : बाजार में प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर कैलिफोर्निया ने अखरोट को शापिंग माल तक पहुंचाया है, बल्कि इसे स्नैक्स का हिस्सा बना भी दिया है। अमेजन जैसी कंपनियों के जरिए इसकी मार्केटिंग की जा रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज अखरोट की गिरी ही नहीं, बल्कि उससे बने कई व्यंजन बाजार में हैं। भारत के कई शहरों में भी अखरोट से बनी मिठाइयां मिलने लगी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में मिला उड़ने वाले विशालकाय टेरोसोर का जीवाश्म

केनबरा, आइएएनएस : ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने प्रागैतिहासिक काल के विशालकाय टेरोसोर का जीवाश्म खोजा है। माना जाता है कि 9.6 करोड़ साल पहले उड़ने वाले ये सरीसृप जीव आसमान पर लंबी दूरियां आसानी से तय कर लेते थे। इस अध्ययन के मुख्य लेखक और मेलबर्न स्थित स्वाइनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एडेल पेंटलैंड के मुताबिक, फेरोड्राको लेंटोनी नामक इस जीव के चार मीटर के पंख होते थे और अपने चार हाथ-पांवों की मदद से ये पृथ्वी पर भी आसानी से चल-फिर लेते थे।

द कंजरवेशन नामक जर्नल में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि इस नई प्रजाति के जीव और इंग्लैंड में पाए गए अन्य सरीसृप जीवों के जीवाश्मों में काफी समानताएं हैं। इसका अर्थ है कि ये सरीसृप जीव महाद्वीपों और महासागरों को भी आसानी से पार करने में सक्षम थे। बता दें कि कुछ समय पहले इंग्लैंड में उड़ने वाली छिपकली के जीवाश्म मिले थे।

बुरे बैक्टीरिया की पहचान होगी आसान

खोज ▶ माइक्रोबायोम को बदलने के लिए वैज्ञानिकों ने विकसित की नई तकनीक

संक्रमण के कारण होने वाली बीमारियों का होगा इलाज

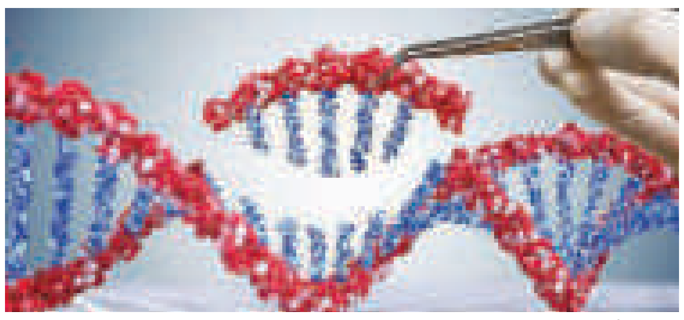

यह अध्ययन नेचर कम्युनिकेशंस नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। प्रतीकात्मक

टोरंटो, प्रेट्र : वैज्ञानिकों ने शरीर में विभिन्न बैक्टीरियाओं के कारण फैलने वाले संक्रमण और उनसे होने वाली बीमारियों से इलाज के लिए एक महत्वपूर्ण खोज की है। वैज्ञानिकों ने एक नई विधि विकसित की है, जिसके माध्यम से शरीर में मौजूद खराब बैक्टीरियाओं की आसानी से पहचान कर उन्हें खत्म किया जा सकता है। उनका दावा है कि यह तकनीक जीन एडिटिंग की क्रिस्पर (सीआरएसपीआर) तकनीक को और अधिक कारगर बनाती है।

इससे मानव शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम की संरचना को व्यक्ति के अनुकूल किया जा सकता है। माइक्रोबायोम किसी मनुष्य के शरीर में मौजूद जीवित प्रोटोजोआ, बैक्टीरिया, वायरस आदि सूक्ष्म जीव होते हैं। हजारों की संख्या में हमारे शरीर के भीतर रहने वाले इन जीवों का हमारी सेहत पर अच्छा और बुरा दोनों तरह का असर पड़ता है। नई तकनीक से अब हम शरीर से खराब बैक्टीरिया को खत्म कर सकते हैं और यह तय कर सकते हैं कि हमारे शरीर में कौन-कौन से जीव रहें।

नेचर कम्युनिकेशंस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है नई क्रिस्पर तकनीक के जरिये मनुष्य के माइक्रोबायोम को दुरुस्त करने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

बदले जा सकेंगे कोशिकाओं के जीन : कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओंटारियो के शोधकर्ताओं ने कहा, 'आनुवांशिक (जीन) कोड के विशिष्ट हिस्सों को लक्षित करने और सटीक स्थानों पर डीएनए को एडिट करने के लिए क्रिस्पर को प्रोग्राम किया जा सकता है, जिससे शोधकर्ताओं को जीवित कोशिकाओं के जीन को स्थायी रूप से बदलने में मदद मिल सकती है और इससे हम बैक्टीरिया को भी मार सकते हैं।'

अब तक विशेष बैक्टीरिया को मार नहीं पाती थी क्रिस्पर : शोधकर्ताओं ने कहा कि अब तक विशेष प्रकार के बैक्टीरिया को लक्षित करने का हमारे पास कोई तरीका नहीं था और ऐसा भी नहीं है कि क्रिस्पर तकनीक के जरिये पहली बार कोशिकाओं और जीवों को लक्षित किया जा रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस तकनीक में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि शरीर में मौजूद विशेष प्रकार की कोशिकाओं और जीवों का कैसे मारा जाए। उन्होंने दावा किया कि नए अध्ययन में हमने इस समस्या का समाधान खोज लिया है।

शरीर के हर हिस्से में पहुंच सकती है दवा : यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओंटारियो के शोधकर्ता और इस अध्ययन के सह-लेखक बोगुमिल कारास ने कहा, 'अन्य तकनीकों में दवाओं के वितरण के लिए बनी प्रणालियां केवल कुछ स्थानों तक ही जा पाती हैं, पर हमारी तकनीक के जरिये शरीर के किसी भी हिस्से तक दवाओं को पहुंचाया जा सकता है।' शोधकर्ताओं ने कहा कि बैक्टीरिया को मारने के लिए नई तकनीक स्टैफिलोकोकस ऑरियस (स्टैफ ए) और एस्चेरिचिया कोली (ई-कोली) जैसी पारंपरिक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विकल्प हो भी सकता है।

डीएनए बदल कर करता है हमला : शोधकर्ताओं ने कहा कि नई वितरण प्रणाली ऐसी क्षमता है जो क्रिस्पर की मदद से स्वयं ही बैक्टीरिया को बदल सकती है। एक बार लक्षित स्थान पर जीन एडिटिंग उपकरण जब पहुंच जाता है तो यह अपने डीएनए में परिवर्तन कर बैक्टीरिया को मारना शुरू कर देता है।

अगली पीढ़ी का एंटीमाइक्रोबायोम एजेंट : शोधकर्ताओं ने कहा कि क्रिस्पर का प्रयोग अगली पीढ़ी के एंटीमाइक्रोबायोम एजेंट के रूप में भी हो सकता है, जो उन बैक्टीरियाओं पर भी असर करेगा जो एंटीबायोटिक दवाओं के प्रतिरोधी बन जाते हैं। कारास ने कहा, 'इस तकनीक का इस्तेमाल प्रोटीन की कमियों के कारण होने वाले रोगों के इलाज के लिए भी किया जा सकता है।

अमेरिका के भूजल में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोधी जीन की है भरमार

- यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया ने अपने अध्ययन के बाद किया दावा
- कहा, भविष्य में लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं एआरजी

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : अमेरिका के भूमिगत जल भंडार में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोधी जीन (एआरजी) तेजी से फैल रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के बाद यह दावा किया। उनका कहना है कि भविष्य में एआरजी लोगों की सेहत के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एडम स्मिथ ने कहा, 'वाटर सिस्टम के जरिये एआरजी जैसे प्रदूषकों का तेजी से फैलना और एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके सुपर बग इस वक्त की सबसे बड़ी समस्या हैं। जलशोधन के दौरान एआरजी को नियंत्रित करना भी मुश्किल है, जो भविष्य में लोगों की सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।'

स्मिथ और उनकी टीम ने दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित जलशोधन प्रणाली और भूमिगत जल में एआरजी की मात्रा का अध्ययन किया था। उनका कहना है कि एआरजी डीएनए के छोटे कण होते हैं, जो पर्यावरण में फैल जाते हैं। चूंकि, ये जैविक प्रदूषक होते हैं, इसलिए पर्यावरण में मौजूद बैक्टीरिया इन्हें पछाड़कर खुद दवाओं के प्रति प्रतिरोधकता क्षमता विकसित कर लेते हैं। फिर, ये सुपरबग प्रतिरोधी क्षमता को अन्य रोगाणुओं में फैलाते हैं और यह सिलसिला लगातार चलता रहता है।

एंटीबॉयोटिक के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण बढ़ रहे हैं एआरजी : बीते कुछ सालों से एंटीबॉयोटिक का इस्तेमाल अत्यधिक बढ़ा है, जिसके फलस्वरूप भिन्न जल स्रोतों में एआरजी और एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके रोगाणु तेजी से बढ़ रहे हैं। स्मिथ ने कहा, 'लगातार बढ़ रहे सुपरबग के अलावा स्वास्थ्य के कई अन्य खतरों को देखते हुए भिन्न जल स्रोतों में एआरजी की मात्रा के अंतर का अध्ययन किया जाना जरूरी है।'

शोध अनुसंधान

जन्म के समय कम वजन होने से दिल की बीमारी का खतरा

जन्म के समय बच्चे का वजन यदि सामान्य से कम हो तो इससे उसके स्वास्थ्य पर दीर्घकालीन असर पड़ता है। डेवलपमेंटल ऑरिजिन ऑफ हेल्थ एंड डिजीज नामक जर्नल में छपे शोध के अनुसार, जन्म के समय वजन कम होने से बच्चों में दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 20,000 बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े डाटा का अध्ययन करने का बाद यह दावा किया है। शोध के दौरान उनके बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआइ) के साथ ही जन्म के समय उनके वजन की जानकारी इकट्ठी की गई। जन्म के समय जिन बच्चों का वजन कम था, उनके शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल का स्तर अन्य के मुकाबले अधिक पाया गया। इसके अलावा भी उनमें स्ट्रोक, हार्ट अटैक के अलावा दिल की कई बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाले लक्षण भी देखे गए। (आइएएनएस)

वजन को नियंत्रित करता है सूखा मेवा

काजू, बादाम, अखरोट आदि में अधिक कैलोरी होती है। इसीलिए डायटिंग करने वाले लोग रोजाना इसका सेवन करने से बचते हैं। हालांकि, हाल में हुए एक शोध के अनुसार, सूखा मेवा खाने से शरीर का वजन नियंत्रित रहता है और व्यक्ति मोटापे का शिकार होने से बच सकता है। 24 साल तक चले एक शोध के दौरान बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने 1,26,190 वयस्कों के स्वास्थ्य व वजन की निगरानी की थी। अध्ययन शुरू होने के समय ज्यादातर प्रतिभागी स्वस्थ थे। कुछ का वजन जितना होना चाहिए, उससे थोड़ा अधिक था। शोध का अंत होने तक 17 फीसद प्रतिभागी मोटापे का शिकार हो गए थे। हालांकि, जिन प्रतिभागियों ने रोजाना 14 ग्राम सूखा मेवा ग्रहण किया, उनका वजन नियंत्रित रहा। (रायटर)

दिवाली की तरह मनाया जाता है नाइट उत्सव

ताइवान के प्रसिद्ध वार्षिक नाइट-टाइम आर्ट फेस्टिवल के दौरान राजधानी ताइपे में आर्ट प्रदर्शनी को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते लोग। इसे नुइट ब्लैंच ताइपे नाम से जाना जाता और वर्ष 1989 से प्रमुख उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। दीपावली की तरह इस उत्सव में लाइटों और फूल-पत्तियों की मदद से सजावट का जाती है। एपी

प्रथम विश्वयुद्ध के भारतीय शहीदों को श्रद्धांजलि

पेरिस में रविवार को विलर्स गुइसलेन इंडियन वॉर मेमोरियल पर आयोजित समारोह में भारत और फ्रांस की ओर से प्रथम विश्व युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर फ्रांस में भारत के राजदूत भी मौजूद रहे। प्रथम विश्वयुद्ध वर्ष 1914 से 1918 तक लड़ा गया था। एएनआइ

स्क्रीन शॉट

मैं थोड़ा अजीब हूं : टाइगर श्रॉफ

सात सवाल

एक्शन फिल्म 'वॉर' महज चार दिनों में सौ करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। इसके अभिनेता टाइगर श्रॉफ आपनी एक्शन हीरो की छवि से खुश हैं। टाइगर 'बागी 3' और 'रैम्बो' में भी नजर आएंगे। उनसे बातचीत :

आप एक के बाद एक एक्शन फिल्में कर रहे हैं। एक ही जॉनर में खुद को अलग रख पाना कितना मुश्किल है?

- मुझे जब एक्शन हीरो के तौर पर टैग किया जाता है, तो अच्छा लगता है। इससे मुझे पहचान मिलती है। आजकल की प्रतिस्पर्धा में खुद को अलग साबित करना बड़ी चुनौती है। मेरा मकसद भी यही था। अपने कौशल से मैं खुद को बाकी लोगों से अलग रख पाया। वरुण धवन, रणवीर सर जो करते हैं, मैं वह करने की सोच भी नहीं सकता, लेकिन जो काम कर रहा हूं, वह भी अलग है।

किस तरह की एक्शन फिल्में आप देखना पसंद करते हैं?

- सुपरहीरो वाली फिल्में पसंद हैं। 'एवेंजर्स एंडगेम', 'स्पाइडरमैन फार फ्रॉम होम' जैसी फिल्मों का फैन हूं।

आप और रितिक दोनों ने ही सुपरहीरो फिल्में की हैं। रितिक कृष बने थे और आप फ्लाइंग जट। सुपरहीरो फिल्में भारत में कम बनने की क्या वजह है?

- सुपरहीरो फिल्में भारत में बननी चाहिए। दिक्कत यह है कि हम उस स्तर के वीएफएक्स स्क्रीन पर नहीं दिखा पाते हैं, क्योंकि बजट सीमित होता है। इसलिए स्पेशल इफेक्ट्स से ही संतोष करना पड़ता है।

आप उन्हीं निर्देशकों के साथ काम कर रहे हैं, जिनके साथ पहले कर चुके हैं। शब्बीर खान के साथ दो फिल्में कर चुके हैं। अहमद खान के साथ 'बागी 3' आएगी। सिद्धार्थ आनंद के साथ 'रैम्बो' फिल्म करने वाले हैं?

- उनके साथ कंफर्ट फैक्टर है। निर्देशक से ज्यादा ये मेरे दोस्त बन गए हैं। जब अभिनेता और निर्देशक के बीच सहजता हो जाती है, तब काम आसानी से हो जाता है। फिल्म बनाना एक-दो साल का सफर होता है। दोस्तों के साथ सेट पर टाइम बिताने का मजा अलग होता है।

'बागी 3' का एक्शन पहली दो फिल्मों से कितना अलग होगा?

- 'बागी' की यूएसपी उसका एक्शन है। ऐसे में लोगों को तीसरे पार्ट से बहुत उम्मीदें होंगी। तीन गुना ज्यादा बेहतर एक्शन इस बार देखने को मिलेगा। 'बागी 3' में एक्शन करने का मकसद काफी स्ट्रॉन्ग है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी स्ट्रॉन्ग है।

आप हॉलीवुड फिल्म 'रैम्बो' फ्रेंचाइज की पहली फिल्म 'रैम्बो : फर्स्ट ब्लड' की हिंदी रीमेक में काम करने वाले हैं। हाल में रिलीज 'रैम्बो : लास्ट ब्लड' आपने देखी? आपकी 'रैम्बो' की क्या तैयारियां हैं?

- 'रैम्बो : लास्ट ब्लड' नहीं देख पाया, क्योंकि तब 'वॉर' में व्यस्त रहा। हां, 'रैम्बो : फर्स्ट ब्लड' देखी है, जिसका रीमेक कर रहा हूं। 'बागी 3' की शूटिंग खत्म होने के बाद रैम्बो के बारे में सोचूंगा।

कहा जाता है कि आप बहुत शर्मीले हैं। छह साल इंडस्ट्री में बिताने के बाद भी शर्मीले हैं या बदलाव आया है?

- अब भी मैं शर्मिला ही हूं। मैं बहुत ज्यादा बाहर नहीं जाता हूं। अवॉर्ड शोज के लिए भी बहुत कम ही जाता हूं। पार्टी-वार्टी भी नहीं करता हूं। सामाजिक रूप से मैं थोड़ा अजीब हूं। बस काम और घर मेरी जिंदगी में है। मेरी जिंदगी थोड़ी-सी बोरिंग है।

प्रियंका सिंह

प्रियंका को मिला जिंदगी का नया नजरिया

प्रियंका चोपड़ा काफी समय से बॉलीवुड से दूर हैं। अब वे 'द स्काई इज पिंक' के साथ फिर दर्शकों से रूबरू होने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं। प्रियंका का मानना है कि इस फिल्म ने जीवन के प्रति उनका नजरिया बदल दिया, इसलिए यह उनके दिल के करीब है। इन दिनों प्रियंका इस फिल्म का प्रमोशन करती नजर आ रही हैं। आखिर उन्होंने बॉलीवुड में वापसी के लिए सोनाली बोस जैसी नॉन-कॉमर्शियल फिल्ममेकर की फिल्म को क्यों चुना? इस बारे में प्रियंका कहती हैं, 'मैंने सिनेमा में कोई फर्क नहीं समझा। मेरे लिए फिल्म की कहानी ही मुख्य है। 'बाजीराव मस्तानी' और 'बर्फी' पारंपरिक फिल्में नहीं थीं। मैंने मसाला फिल्में भी की हैं, लेकिन मैं उन्हीं पर टिकी नहीं रह सकती। 16 वर्षों में मैंने कई नए फिल्मकारों के साथ भी काम किया है। सोनाली बोस ने जब इस फिल्म की कहानी सुनाई, तो मुझे लगा कि यह फिल्म करनी चाहिए। यह फिल्म भावुक भी करेगी और गुदगुदाएगी भी।' 'द स्काई इज पिंक' मोटिवेशनल स्पीकर आयशा चौधरी पर आधारित है, जिनकी गंभीर बीमारी से मौत हो गई थी। प्रियंका आयशा की मां अदिति और फरहान अख्तर पिता निरेन बने हैं। प्रियंका के मुताबिक, 'यह फिल्म जीवन के प्रति एक नजरिया देती है। आयशा जब एक साल की थी, तभी उसके माता-पिता को पता चल गया कि वह दुनिया से कभी भी जा सकती है। उन्होंने तय किया कि आयशा की जिंदगी लंबी भले न हो, बड़ी जरूर होगी।'

जैक्लिन का नया टैटू मैजिक

पूर्व श्रीलंकाई ब्यूटी क्वीन और बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेस जैक्लिन फर्नांडिस ने अपने पेट के ऊपर एक टैटू बनवाया है। इस प्रक्रिया में उन्हें दर्द तो बहुत हुआ, लेकिन टैटू बनवाने के बाद वे खुश भी बहुत हैं। जैक्लिन अपनी अदाओं के चलते अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। वे पहले अपनी गर्दन के पिछले हिस्से में अंग्रेजी के 'आर' अक्षर का टैटू बनवा चुकी हैं। अब उन्होंने अपने पेट के ऊपरी बाएं हिस्से पर अंग्रेजी में 'मैजिक' शब्द गुदवाया है। पिछले कुछ दिनों से वे श्रीलंका में थीं और वहीं पर उन्होंने कोलंबो में एक टैटू पार्लर में इसे बनवाया। वहां वे अपने हेयर आर्टिस्ट शान मुत्ताथिल के साथ पहुंची थीं। हालांकि पहले वे टैटू बनवाने में होने वाले दर्द की वजह से हिचक रही थीं, लेकिन बाद में वे तैयार हो गईं। जैक्लिन ने बताया, 'मैंने अपना पहला टैटू बेंगलुरु में बनवाया था। अब मैंने जो 'मैजिक' टैटू बनवाया है, वह मुझे श्रीलंका में अपने दोस्तों के साथ बिताए मैजिकल टाइम के बारे में याद दिलाता रहेगा।'

अध्ययन

अमेरिका की पर्ड्यू विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एरोसोल रिसर्च कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया शोध, कहा- अच्छे डिजाइन वाले कमरे सुधार सकते हैं हवा की गुणवत्ता

खराब वेंटिलेशन भी वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार

- विशेष प्रकार के सेंसरों की मदद से शोधकर्ताओं ने जांची हवा की गुणवत्ता
- बाहरी परिस्थितियों के आधार पर बदलती रहती है कमरों के भीतर की हवा

वायु प्रदूषण से बचने के लिए दफ्तरों में हवा की आवाजाही आवश्यक है। फाइल

वाशिंगटन डीसी, एएनआइ : वायु प्रदूषण चाहे बाहरी हो या भीतरी (आउटडोर-इनडोर) दोनों ही स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक होते हैं। कमरे के भीतर होने वाले प्रदूषण के कारकों की पहचान करने के लिए किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि इसका एक कारण ऑफिस का खराब वेंटिलेशन सिस्टम और वहां काम करने वाले कर्मचारी भी होते हैं, जो कमरे के भीतर की हवा को प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी की पर्ड्यू विश्वविद्यालय के इंजीनियरों की एक टीम ने विशेष प्रकार के सेंसरों की मदद से ऑफिस के भीतर की हवा की गुणवत्ता की जांच कर यह दावा किया है। इसे अपनी तरह का सबसे बड़ा अध्ययन बताया जा रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस शोध का लक्ष्य भीतरी वायु प्रदूषण के कारकों की पहचान करना और उन्हें नियंत्रित करने के तरीकों की सिफारिश करना है ताकि ऐसी इमारतों को बनाया जा सके, जो लोगों के स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

सिविल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर ब्रैंडन बूर ने कहा, 'अगर हम कार्यालय के भीतर की हवा की गुणवत्ता में सुधार करते हैं तो हम अपनी उत्पादकता को भी बढ़ा सकते हैं। लेकिन इसके लिए हमें पहले यह समझने की जरूरत है कि हवा में प्रदूषण फैलाने वाले कारक कौन-कौन से हैं और इन्हें कैसे हवा से अलग किया जा सकता है? शोधकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि ऑफिस के अंदर की हवा को किसी अन्य कारकों के मुकाबले वहां काम करने वाले लोग और उसका खराब वेंटिलेशन सिस्टम ज्यादा प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के शुरुआती निष्कर्षों को ओरेगन के पोर्टलैंड में आयोजित अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एरोसोल रिसर्च कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया है।

बूर ने कहा, 'कमरे के भीतर की हवा की स्थिति परिवर्तनशील होती है। यह पूरे दिन बाहरी परिस्थितियों के आधार पर बदलती रहती है। उन्होंने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कमरे का वेंटिलेशन सिस्टम कैसे संचालित होता है और कार्यालय में काम करने वाले लोगों की संख्या कितनी है क्योंकि कमरे में जितने ज्यादा लोग होंगे हवा उतनी ही ज्यादा प्रदूषित होगी।'

'नोज' लगाकर किया अध्ययन: बूर ने आरजे ली ग्रुप के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर कई स्थान पर अति संवेदनशील 'नोज' लगाए। इस उपकरण को वैज्ञानिक को स्पेक्ट्रोमीटर कहते हैं। इसकी मदद से आमतौर पर बाहरी हवा की गुणवत्ता की जांच की जाती है। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि लोगों के बाहर निकलने के बाद भी कमरे में आइसोप्रीन और कई अन्य यौगिक वातावरण में घूमते रहते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि जिस कमरे में जितने अधिक लोग होंगे, उसमें आइसोप्रीन का उत्सर्जन उतना ही ज्यादा होगा।